वार्षिक रिपोर्ट

सत्यमेव जयते
पर्यटन मंत्रालय
भारत सरकार

2024-2025

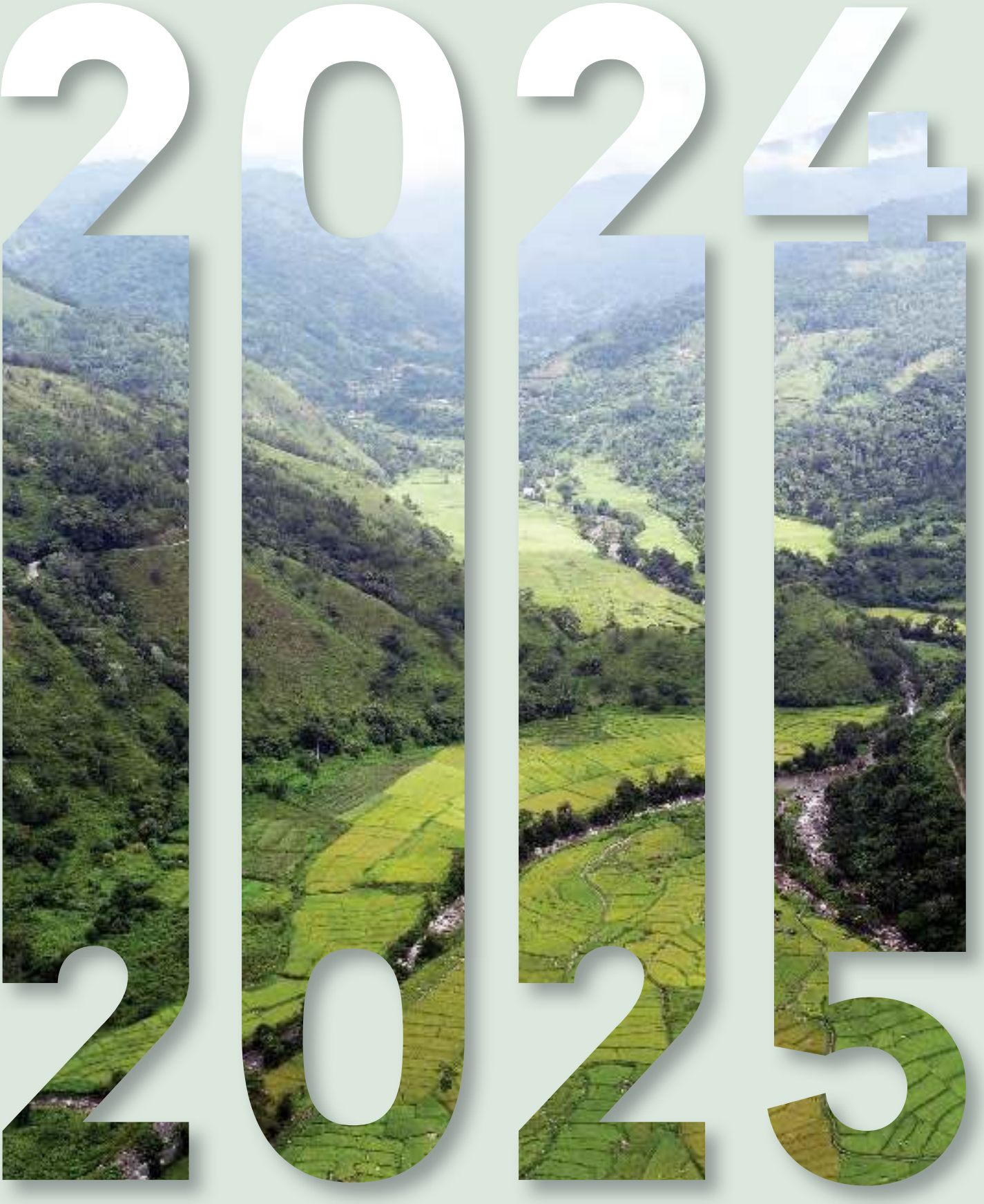

महाकुंभ, 2025

वार्षिक रिपोर्ट
2024–25

सत्यमेव जयते

पर्यटन मंत्रालय
भारत सरकार

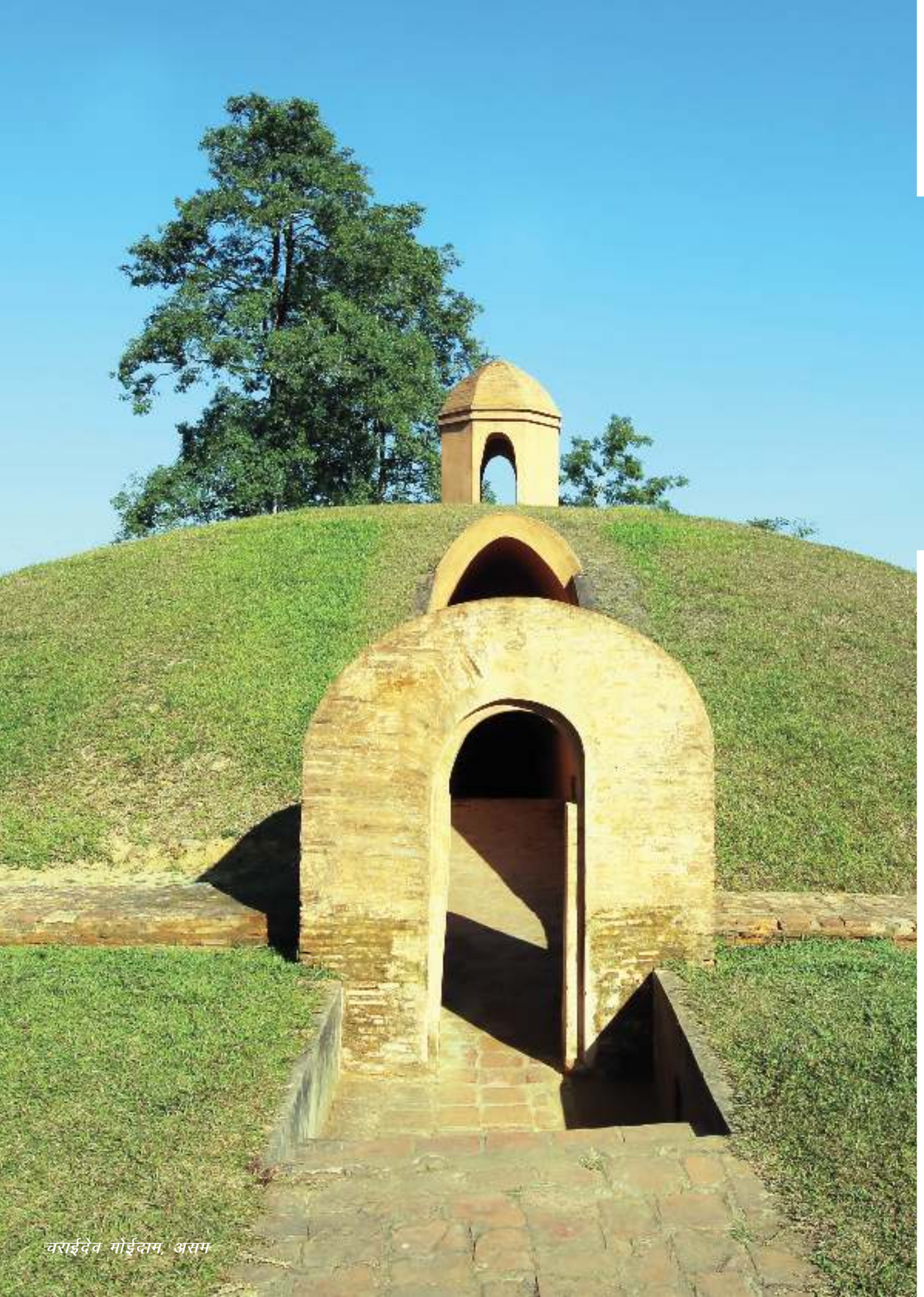

चराईदेव मोईदाम, असम

वार्षिक रिपोर्ट
2024–25

सूचकांक

01/	पर्यटन – सिंहावलोकन	07
02/	पर्यटन मंत्रालय की भूमिका और उसके कार्य	17
03/	गंतव्य विकास	29
04/	कार्यनीति एवं उत्पाद विकास	65
05/	विपणन एवं संवर्धन	81
06/	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	109
07/	अनुसंधान एवं विश्लेषण	133
08/	सुविधा एवं मानक	143
09/	कौशल एवं क्षमता निर्माण	165
10/	प्रशासन और सूचना प्रौद्योगिकी	177

सिटी पैलेस, उदयपुर

01/

पर्यटन – सिंहावलोकन

1.1 आर्थिक पावरहाउस के रूप में पर्यटन क्षेत्र का बढ़ता प्रभाव और विकास के साधन के रूप में इसकी क्षमता अकाट्य है। पर्यटन क्षेत्र न सिर्फ विकास की अगुवाई करता है, बल्कि बड़े पैमाने पर विभिन्न प्रकार के रोजगार सृजित करने की अपनी क्षमता के साथ लोगों के जीवन में भी सुधार लाता है। यह पर्यावरण संरक्षण का समर्थन करता है, विविध सांस्कृतिक विरासत की हिमायत करता है और दुनिया में शांति को सुदृढ़ बनाता है।

1.2 पर्यटन मंत्रालय का मुख्य उद्देश्य भारत में पर्यटन को मजबूत बनाना और सुगमता प्रदान करना है। भारत में पर्यटन को बढ़ाने और सुगम बनाने के लिए पर्यटन अवसंरचना में वृद्धि करना, वीजा व्यवस्था को सरल बनाना, पर्यटन सेवाप्रदाताओं की सेवाओं में गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करना, पूरे वर्ष के अनुकूल पर्यटक गंतव्य के रूप में देश को प्रदर्शित करना, स्थायी पर्यटन का संवर्धन आदि कुछ ऐसे नीतिगत क्षेत्र हैं जिन पर निरंतर काम करने की आवश्यकता है ताकि भारत में पर्यटन को बढ़ाया और सुगम बनाया जा सके ।

1.3 इनबाउंड पर्यटन के साथ–साथ घरेलू पर्यटन आर्थिक विकास के प्रमुख प्रेरक के रूप में उभरा है। वर्ष 2024 में, भारत में 9.66 मिलियन (अनंतिम) विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) दर्ज किए गए, जिससे ₹2,77,842 करोड़ रुपये (अनंतिम अनुमान) विदेशी मुद्रा आय (एफईई) प्राप्त हुई। यह 19.8% की वृद्धि दर्शाता है। इसके अलावा, राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों और पर्यटन मंत्रालय के पास उपलब्ध अन्य जानकारी के अनुसार, वर्ष 2023 के दौरान देश भर में घरेलू पर्यटक यात्राओं (डीटीवी) की संख्या 2509.13 मिलियन थी।

सत्यमेव जयते

1.4 रोजगार पर उल्लेखनीय प्रभाव के साथ पर्यटन क्षेत्र सबसे तेजी से बढ़ने वाले आर्थिक क्षेत्रों में से एक है और यह संबंधित क्षेत्रों के कार्यकलापों पर गुणक प्रभाव के साथ क्षेत्रीय विकास को गति देता है। आर्थिक रूप से उन्नत राज्यों में घरेलू पर्यटन, पर्यटन के विकास का बड़ा कारक बन गया है। यह सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के लिए संसाधन जुटा सकता है और इसमें सतत विकास के लक्ष्यों में सकारात्मक योगदान देने की बड़ी क्षमता है। पर्यटन मंत्रालय द्वारा किए गए अध्ययन, तीसरे पर्यटन सैटेलाइट अकाउंट (टीएसए) के अनुसार, 2022–23 के दौरान भारत में पर्यटन से जुड़ी नौकरियों का अनुमानित हिस्सा 12.57 प्रतिशत है। पर्यटन क्षेत्र भारत की जीडीपी में 5 प्रतिशत का योगदान देता है, जो देश के आर्थिक विकास में इसके महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है ।

1.5 पर्यटन मंत्रालय ने देश भर में पर्यटन सुविधाओं के निर्माण हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के प्रयासों में सहायता के लिए वर्ष 2014–15 में 'स्वदेश दर्शन नामक फ्लैगशिप योजना की शुरूआत की थी और अब तक 76 परियोजनाओं के लिए 5292.91 करोड़ रु. स्वीकृत किए हैं। इसमें से 75 परियोजनाओं के भौतिक रूप से पूरा होने की सूचना है।

1.6 राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से और योजना के दिशानिर्देशों के अनुरूप, स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत विकास के लिए पर्यटन मंत्रालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान 29 परियोजनाओं और 2024–25 के दौरान (20.12.2024 तक) 5 और परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

1.7 पर्यटन मंत्रालय ने ऐतिहासिक स्थलों और विरासत शहरों सहित देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए प्रशाद याजना – तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान की शुरूआत की थी। योजना के तहत, मंत्रालय ने कुल 1646.99 करोड़ रुपये की 48 परियोजनाएं स्वीकृत की हैं और 24.12.2024 तक 1036.96 करोड़ रु. संचयी रूप से जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त प्रशाद योजना के तहत विकास के लिए 18 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को कवर करते हुए 27 नए स्थल भी चिह्नित किए गए हैं।

1.8 पर्यटन मंत्रालय द्वारा देश में विशिष्ट पर्यटन उत्पादों की पहचान, विविधीकरण, विकास और संवर्धन की पहल मौसम के प्रभाव से निपटने तथा भारत को पूरे वर्ष के अनुकूल रहने वाले गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने, विशिष्ट रुचि वाले पर्यटकों को आकर्षित करने और उन अनोखे उत्पादों, जिनमें भारत को तुलनात्मक बढ़त प्राप्त है, के लिए पर्यटकों का बार–बार आगमन सुनिश्चित करने के लिए है। विकास और संवर्धन के लिए निम्नलिखित विशिष्ट उत्पादों को चिह्नित किया गया हैः साहसिक पर्यटन, बैठक प्रोत्साहन सम्मेलन और प्रदर्शनियां (एमआईसीई), सतत पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, चिकित्सा और निरोगता पर्यटन, इको पर्यटन, गोल्फ और क्रूज पर्यटन।

1.9 स्वतंत्रता दिवस के भाषण के दौरान भारत में घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक नागरिक से वर्ष 2022 तक कम से कम 15 गंतव्यों की यात्रा के लिए माननीय प्रधानमंत्री द्वारा की गई अपील के अनुपालन में, मंत्रालय ने जनवरी 2020 में 'देखो अपना देश' पहल शुरू की थी। 'देखो अपना देश' को

सत्यमेव जयते

मंत्रालय के सोशल मीडिया अकाउंट्स एवं वेबसाइट पर और घरेलू भारत पर्यटन कार्यालयों द्वारा बड़े पैमाने पर प्रचारित किया जा रहा है। इस पहल के तहत, हितधारकों से जुड़े रहने तथा देश के भीतर यात्रा करने के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित करने के लिए मंत्रालय वेबिनार, प्रश्नोत्तरी, शपथ, विचार सत्रों का आयोजन कर रहा है।

1.10 पर्यटन मंत्रालय ने "पर्यटन और शांति" नामक विषय के साथ विश्व पर्यटन दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ भी उपस्थित थे, जिन्होंने आतिथ्य और सेवा में उत्कृष्टता प्राप्त करने के महत्व पर बल दिया। इस अवसर पर, भारत के उपराष्ट्रपति ने निम्नलिखित पहलों का शुभारंभ कियाः पर्यटन मित्र और पर्यटन दीदी, अतुल्य भारत कंटेंट हब और डिजिटल पोर्टल।

1.11 पर्यटन मित्र/पर्यटन दीदीः– पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन मित्र/पर्यटन दीदी के नाम से एक राष्ट्रीय जिम्मेदार पर्यटन पहल शुरू की। इस पहल के लिए कुल 7 पर्यटन स्थलों को चिह्नित किया गया, जिसमे – ओरछा (मध्य प्रदेश), गांडीकोटा (आंध्र प्रदेश) बोधगया (बिहार), आइजोल (मिजोरम), जोधपुर (राजस्थान), श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) और श्री विजय पुरम (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) शामिल हैं।

1.12 अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल एक पर्यटक–केंद्रित, वन–स्टॉप डिजिटल समाधान है जिसे भारत आने वाले पर्यटकों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने हेतु डिज़ाइन किया गया है। यह नवीकृत पोर्टल यात्रियों को खोज और अनुसंधान से लेकर नियोजन, बुकिंग, यात्रा और वापसी तक की उनकी यात्रा के हर चरण में आवश्यक जानकारी और सेवाएं प्रदान करता है। यह नया पोर्टल वीडियो, चित्र और डिजिटल मानचित्र जैसी मल्टीमीडिया सामग्री का उपयोग करते हुए, गंतव्यों, आकर्षणों, शिल्पकला, त्यौहारों, यात्रा डायरियों, यात्रा कार्यक्रमों आदि के बारे में भरपूर जानकारी प्रदान करता है।

1.13 मंत्रालय ने दिनांक 07.03.2024 को "देखो अपना देश पीपुल्स च्वाइस 2024" के रूप में पर्यटन पर देश की पसंद जानने के लिए पहली बार राष्ट्रव्यापी पहल शुरू की। इस राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण का उद्देश्य नागरिकों के साथ जुड़कर सबसे पसंदीदा पर्यटक आकर्षणों की पहचान करना और 5 पर्यटन श्रेणियों– आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और विरासत, प्रकृति और वन्यजीव, साहसिक और अन्य में पर्यटकों की धारणाओं को समझना है।

1.14 विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए उपयुक्तता की दृष्टि से पर्यटकों की विभिन्न श्रेणियों के लिए अपेक्षित मानकों की पुष्टि के लिए यह मंत्रालय स्टार रेटिंग प्रणाली के अंतर्गत होटलों का वर्गीकरण करता है। इस प्रणाली के अंतर्गत, होटलों को रेटिंग प्रदान की जाती है जैसे वन स्टार से थ्री स्टार, अल्कोहल के साथ या उसके बिना फोर स्टार और फाइव स्टार, फाइव स्टार डीलक्स, हेरिटेज (बेसिक), हेरिटेज (क्लासिक), हेरिटेज (ग्रैंड), लिगेसी विंटेज (बेसिक), लिगेसी विंटेज (क्लासिक), लिगेसी विंटेज (ग्रैंड) और अपार्टमेंट होटल। हमारे माननीय प्रधानमंत्री के "आत्मनिर्भर भारत" के दृष्टिकोण के अनुरूप पर्यटन मंत्रालय ने आतिथ्य उद्योग के एक राष्ट्रीय एकीकृत डेटाबेस की स्थापना की है जो प्रौद्योगिकी संचालित प्रणाली है, जिसका उद्देश्य डिजिटलीकरण को सुगम बनाना और आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र के

सत्यमेव जयते

लिए व्यापार करने में सहूलियत को बढ़ावा देना है। अधिक समावेशी बनाने के लिए इस पहल को निधि+ के रूप में अपग्रेड किया जा रहा है ताकि न केवल आवास इकाइयों बल्कि ट्रैवल एजेंटों, टूर ऑपरेटरों, पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों, खाद्य और पेय इकाइयों (एयर कैटरिंग और स्टैंडअलोन रेस्तरां), ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर्स और कन्वेंशन सेंटर को भी इसमें शामिल किया जा सके।

1.15 इनबाउंड पर्यटन को बढ़ाने के लिए सुविधाजनक वीजा व्यवस्था पहली आवश्यकता है। इसे हासिल करने के लिए पर्यटन मंत्रालय गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के साथ पहल करता है। दिसंबर, 2024 तक की स्थिति के अनुसार, 9 उप श्रेणियों यानी 'ई–पर्यटक वीजा', 'ई–व्यवसाय वीजा', 'ई–चिकित्सा वीजा', 'ई–चिकित्सा सहयोगी वीजा', 'ई–सम्मेलन वीजा', 'ई–आयुष वीजा', 'ई–आयुष सहयोगी वीजा', ई–स्टूडेंट वीज़ा' और 'ई–स्टूडेंट एक्स वीज़ा' के अंतर्गत 167 देशों के नागरिकों को ई–वीजा की सुविधा प्रदान की गई है। ई–वीजा 31 नामित हवाईअड्डों और 6 नामित समुद्री पत्तनों के माध्यम से प्रवेश के लिए मान्य है।

1.16 वीजा शुल्क को तर्कसंगत बनाया गया है और इसे काफी कम किया गया है । ई–पर्यटक वीजा शुल्क को घटाकर 5 वर्षों के लिए 80 अमेरिकी डॉलर, 1 वर्ष के लिए 40 अमेरिकी डॉलर और एक माह के पर्यटक वीजा शुल्क को मंदी की अवधि के लिए 10 अमेरिकी डॉलर और व्यस्ततम अवधि के लिए 25 अमेरिकी डॉलर कर दिया गया है।

1.17 सरकार ने अब ई–वीजा के साथ आने वाले क्रूज पर्यटकों को बायोमीट्रिक पंजीकरण की आवश्यकता से छूट प्रदान की है। ई–वीजा प्राप्त करने वाले पर्यटकों के लिए प्रवेश वाले बंदरगाह मुंबई, कोचीन, मोर्मुगांव, चेन्नई, न्यू मंगलौर और पोर्ट ब्लेयर हैं।

1.18 सरकारी/पीएसयू सम्मेलनों के लिए ई–कॉन्फ्रेंस वीजा की तर्ज पर निजी व्यक्तियों/कंपनियों/संगठनों द्वारा आयोजित निजी सम्मेलनों के लिए भी ई–कॉन्फ्रेंस वीजा प्रदान किया जाएगा।

1.19 ई–चिकित्सा वीजा और ई– चिकित्सा सहयोगी वीजा के लिए तीन बार प्रवेश की अनुमति है तथा संबंधित विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी (एफआरआरओ) / विदेशी पंजीकरण अधिकारी (एफआरओ) द्वारा प्रत्येक मामले के मेरिट के आधार पर मामला दर मामला आधार पर 6 माह तक समयावधि बढ़ाई जा सकती है। मेडिकल अटेंडेंट वीजा की अवधि मुख्य ई–वीजा धारक की वैधता अवधि के साथ ही समाप्त होगी।

1.20 गृह मंत्रालय ने कोविड–19 महामारी के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए भारत सरकार की ई–पर्यटक वीजा योजना पर प्रतिबंध लगा दिया था; हालांकि, जैसे–जैसे दुनिया भर के देशों में इस महामारी से उबरने के संकेत मिले, ई–पर्यटक वीजा योजना पर प्रतिबंधों में चरणबद्ध तरीके से ढील दी जा रही है। दिसंबर, 2024 तक की स्थिति के अनुसार, 167 देशों के नागरिकों को ई–पर्यटक वीजा प्रदान किया गया है।

सत्यमेव जयते

1.21 इसके अलावा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के कोविड से संबंधित दिशानिर्देशों के अधीन गृह मंत्रालय ने पर्यटन के लिए भारत आने वाले सभी विदेशी नागरिकों (चीन और पाकिस्तान के नागरिकों को छोड़कर) के लिए प्रतिबंध में ढील दी है।

1.22 पर्यटन मंत्रालय ने दिनांक 8 फरवरी, 2016 को हिंदी और अंग्रेजी सहित 12 भाषाओं में 24x7 बहुभाषी टोल फ्री पर्यटक हेल्पलाइन शुरू की है। पर्यटक हेल्पलाइन द्वारा अंग्रेजी और हिंदी के अलावा 10 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं अर्थात अरबी, फ्रेंच, जर्मन, इटेलियन, जापानी, कोरियन, चाइनीज, पुर्तगीज, रसियन और स्पेनिश में सेवाएं प्रदान की जाती हैं। यह सेवा टॉल फ्री नम्बर 1800–11–1363 अथवा लघु कोड 1363 पर उपलब्ध है और निर्दिष्ट भाषाओं में ''बहु–भाषी हेल्प–डेस्क'' के रूप में वर्ष में 24x7 (सभी दिन) प्रचालनरत है।

1.23 पर्यटन मंत्रालय ने बेहतर योजना और शंकाओं के त्वरित समाधान के साथ पर्यटकों की सहायता के लिए मंत्रालय की वेबसाइट (www-incredibleindia-org) पर 24x7 लाइव चैट सेवा इंटरफेस शुरू किया है। लाइव चैट सेवा उनकी शंकाओं को दूर करने और यात्रा योजना बनाने में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों प्रकार के पर्यटकों को सहायता प्रदान करती है।

1.24 पर्यटक सुविधा और सूचना काउंटर अंग्रेजी न बोलने वाले पर्यटकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है और यह पर्यटन मंत्रालय की 24x7 हेल्पलाइन नंबर– '1363' से भी जुड़ा है जहां पर्यटक फ्रेंच, जर्मन, इटेलियन, पुर्तगाली, रूसी, जापानी, कोरियाई, चीनी और अरबी में विदेशी भाषा के एजेंटों से सीधे बात कर सकते हैं और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। फिलहाल ऐसे काउंटर 9 हवाईअड्डों यानी नई दिल्ली, वाराणसी, बोधगया, बेंगलूरू, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई, गुवाहाटी और हैदराबाद में उपलब्ध हैं।

1.25 हवाई यात्रा को किफायती बनाकर क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को सुगम बनाने/प्रेरित करने के मुख्य उद्देश्य से आरसीएस – उड़ान की शुरूआत की गई है। यह एयरलाइन के प्रचालन की लागत को कम करने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और हवाई अड्डा संचालकों द्वारा रियायतों और ऐसे मार्गों पर एयरलाइन प्रचालन की लागत तथा प्रत्याशित राजस्व के बीच के अंतर, यदि कोई हो, को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता के माध्यम से किया जाता है। आरसीएस उड़ान के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने नागर विमानन मंत्रालय से सहयोग किया है और प्रतिष्ठित स्थलों सहित महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों की बेहतर कनेक्टिविटी के लिए 53 पर्यटन मार्गों को चालू करवाया है।

1.26 पर्यटन मंत्रालय देश के प्रतिबंधित/संरक्षित क्षेत्रों में पर्यटकों को बेहतर एवं सुखद यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए गृह मंत्रालय के साथ नियमित रूप से समन्वय स्थापित करता है और इसके फलस्वरूप गृह मंत्रालय ने अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह संघ राज्यक्षेत्र में चिह्नित द्वीपों के लिए 31 दिसम्बर, 2022 के बाद अगले 5 वर्ष की अवधि के लिए अर्थात 31 दिसंबर, 2027 तक पीएपी/आरएपी में छूट प्रदान की है। मणिपुर, मिजोरम तथा नागालैंड राज्यों में 31.12.2022 के बाद और 5 वर्ष की अवधि के लिए पीएपी/आरएपी संबंधी छूट को गृह मंत्रालय ने पहले ही अनुमोदन प्रदान कर दिया है।

सत्यमेव जयते

1.27 सरकार ने निर्भया निधि नामक एक समर्पित अचल संचयी निधि की स्थापना की है, जिसे आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा संचालित किया जा रहा है और जिसका उपयोग महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा में सुधार के लिए विशेष रूप से तैयार की गई परियोजनाओं के लिए किया जा सकता है। वित्त मंत्रालय द्वारा दिनांक 25 मार्च, 2015 को जारी किए गए दिशानिर्देशों के अनुसार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय नोडल मंत्रालय है, जिसके पास प्रस्तावों और योजनाओं का मूल्यांकन/सिफारिश करने, संबद्ध मंत्रालयों/विभागों के साथ मिलकर स्वीकृत योजनाओं की प्रगति की समीक्षा और निगरानी करने की जिम्मेदारी है। निर्भया निधि के तहत भारत सरकार के कुल 16.79 करोड़ रुपये (लगभग) के केंद्रीय वित्तीय हिस्से में से मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड के पक्ष में 11.51 करोड़ रुपये (लगभग) जारी किए गए हैं। 'निर्भया निधि' के तहत मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत परियोजना की कुल लागत 27.99 करोड़ रुपये (लगभग) है।

1.28 कोविड–19 के बाद बहाली की तैयारी के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने व्यवसायों की अबाध एवं सुरक्षित बहाली को सुगम बनाने के लिए यात्रा क्षेत्र के पर्यटन सेवाप्रदाताओं के विभिन्न सेगमेंट के लिए प्रचालनात्मक सिफारिशें तैयार की। इस तरह की सिफारिशें ट्रैवल एजेंटों, टूर ऑपेटरर्स, टूरिस्ट गाइड एवं सुविधाप्रदाताओं को जारी की गई हैं। इन्हें राज्य सरकारों एवं पर्यटन/आतिथ्य हितधारकों के परामर्श से तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समय–समय पर जारी किए गए समग्र दिशानिर्देशों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया।

1.29 पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन सेवाप्रदाताओं को मान्यता प्रदान करने के लिए संशोधित दिशानिर्देश दिनांक 08 दिसंबर, 2020 को जारी किए हैं जो जनवरी, 2021 से लागू है। संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार, ग्रीनशूट/स्टार्टअप एजेंसियों की श्रेणी पहली बार शुरू की जा रही है। यह स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार की नीति को ध्यान में रखते हुए है और यह 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को भी आगे बढ़ाएगी। इस श्रेणी के लिए न्यूनतम वार्षिक टर्नओवर एवं पिछले अनुभव की कोई आवश्यकता नहीं होगी। ये प्रावधान भारत सरकार की स्टार्टअप नीति के अनुरूप हैं। प्रदत्त पूंजी एवं कर्मचारियों की संख्या संबंधी आवश्यकता भी अन्य श्रेणियों की तुलना में कम होगी।

1.30 आवश्यक अवसंरचना सहायता के साथ प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली स्थापित करना पर्यटन मंत्रालय का प्रयास रहा है जो गुणवत्ता और मात्रा दोनों दृष्टि से पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त जनशक्ति सृजित करने में सक्षम हो। अब तक की स्थिति के अनुसार 56 होटल प्रबंध संस्थान (आईएचएम) (जिसमें 21 केंद्रीय आईएचएम और 33 राज्य आईएचएम और पीपीपी मोड में चल रहे 2 राज्य आईएचएम शामिल हैं) और 13 फूड क्राफ्ट संस्थान (एफसीआई) हैं जो मंत्रालय की सहायता से अस्तित्व में आए हैं। जगदीशपुर, उत्तर प्रदेश में एक (1) केंद्रीय आईएचएम निर्माणाधीन है।

1.31 भारत को आतिथ्य उद्योग में उत्कृष्टता का केंद्र बनाने और होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) की पुनः ब्रांडिंग करने के हिस्से के रूप में, यह निर्णय लिया गया कि केंद्रीय आईएचएम छात्रों को उद्योग की

सत्यमेव जयते

सर्वोत्तम प्रथाओं के संपर्क में लाने और आतिथ्य, सेवा और देखभाल के उच्चतम मानकों को प्राप्त करने के लिए अग्रणी होटल श्रृंखलाओं के साथ सहयोग करेंगे। इस पहल के पहले चरण के दौरान, सभी 21 केंद्रीय आईएचएम ने 8 अग्रणी होटल श्रृंखलाओं, अर्थात आईएचसीएल (ताज), आईएचजी होटल एंड रिसॉर्ट्स, मैरियट इंटरनेशनल, ललित सूरी हॉस्पिटैलिटी ग्रुप, आईटीसी ग्रुप ऑफ होटल्स, एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल, रेडिसन ग्रुप ऑफ होटल्स और लेमन ट्री होटल्स के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। विश्व पर्यटन दिवस, 2024 के अवसर पर इन अग्रणी होटल श्रृंखलाओं और केंद्रीय आईएचएम के बीच कुल 52 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इन समझौता ज्ञापनों के अंतर्गत समन्वय वाले क्षेत्र छात्रों को रोजगार देना, संकाय विकास, अल्पकालिक पर्यटन एवं आतिथ्य कौशल एवं शिक्षण और संस्थागत एवं अवसंरचनात्मक विकास शामिल हैं।

1.32 पर्यटन मंत्रालय केंद्रीकृत अखिल भारतीय ई–लर्निंग मॉड्यूल के माध्यम से पर्यटक सुविधाप्रदाताओं को ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं प्रमाणन प्रदान करने के उद्देश्य से अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम चला रहा है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को सामान्य रूप से और भारतीय पर्यटन को विशिष्ट रूप से लाभ होगा क्योंकि इससे सुप्रशिक्षित और पेशेवर पर्यटक सुविधाप्रदाताओं का समूह तैयार करना और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रोजगार के अतिरिक्त अवसरों का सृजन संभव हो सकेगा।

1.33 इसके अतिरिक्त, मौजूदा क्षेत्र स्तरीय गाइड (आरएलजी) का नाम बदलकर अतुल्य भारत पर्यटक गाइड (आईआईटीजी) कर दिया गया है। संशोधित दिशानिर्देशों में प्रावधान के अनुसार पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के पूरा होने पर उनका नाम बदला जाएगा, और उनके प्रचालन क्षेत्र को एक निर्दिष्ट क्षेत्र से बढ़ाकर संपूर्ण भारत किया गया है।

1.34 पर्यटन मंत्रालय ने रोजगार सृजन के उद्देश्य से 8.03.2022 को आईआईटीएफ/आईआईटीजी के लिए डिजिटल पर्यटन समाधान के हिस्से के रूप में डिजिटल प्लेटफॉर्म (ई–मार्केटप्लेस) की अवधारणा की शुरूआत की ताकि पर्यटकों और प्रमाणित पर्यटक सुविधाप्रदाताओं/पर्यटक गाइडों द्वारा उपयोग किए जाने के लिए वेब और मोबाइल ऐप आधारित इंटरेक्शन मकैनिज्म प्रदान किया जा सके। इसे दिनांक 12.08.2022 से ऑनलाइन (बीटा संस्करण) किया गया है। पोर्टल पर प्रदर्शित करने के लिए आईआईटीएफ और आईआईटीजी अपना प्रोफाइल, अनुभव, प्रदान की जाने वाली सेवाओं, योग्यताओं, विशेषज्ञता क्षेत्र, टैरिफ, उपलब्ध तारीखों आदि को अपडेट कर सकते हैं, जबकि पर्यटक अपना प्रोफाइल बना सकते हैं, पर्यटक सुविधाप्रदाताओं/गाइडों की तलाश कर सकते हैं और बुकिंग कर सकते हैं। पर्यटक अपने ही स्थान से किसी भी गंतव्य के लिए सुविधाप्रदाताओं/गाइडों की तलाश कर सकते हैं और देश की अपनी आगामी यात्राओं के लिए बुकिंग कर सकते हैं। यह वेब आधारित समाधान (ई–मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म) सुविधाप्रदाताओं/गाइडों का प्रोफाइल, बुकिंग, सुविधाप्रदाताओं/गाइडों की रेटिंग देखने, उपयोगकर्ताओं के फीडबैक (सकारात्मक और नकारात्मक), ज्ञात भाषाओं और सामग्री का प्रबंधन करने के लिए है। यह अपनी सेवाओं में सुधार करने और बेहतर अवसर प्राप्त करने के लिए पर्यटक गाइडों और पर्यटक सुविधाप्रदाताओं को प्रोत्साहित करेगा।

सत्यमेव जयते

1.35 माननीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री की उपस्थिति में स्वच्छता ही सेवा, प्रमुख सफाई अभियान और जागरूकता कार्यक्रम चलाने के लिए एक मेगा इवेंट के पखवाड़े के समापन पर, 1 अक्टूबर 2024 को महात्मा गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि के रूप में पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया और स्वच्छ भारत दिवस मनाया गया। इस मेगा इवेंट में लगभग 500 लोगों ने भाग लिया। सफाई कर्मचारियों/सफाई मित्रों का मनोबल बढ़ाने के लिए माननीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उन्हें स्वच्छता प्रहरी का गरिमा बैज देकर सम्मानित किया। पर्यटन मंत्रालय के तहत संस्थानों द्वारा स्वच्छता पर नुक्कड़ नाटक, पेंटिंग, ड्राइंग, निबंध लेखन प्रतियोगिताओं जैसी विभिन्न नवीन, परिणामोन्मुखी पहल का आयोजन किया गया है।

1.36 01 जनवरी, 2024 से 31 दिसम्बर, 2024 तक की अवधि के दौरान कुल 717 आर.टी.आई. आवेदन प्राप्त हुए और इनके ऊपर समयबद्ध तरीके से समुचित कार्यवाई की गई।

सत्यमेव जयते

अमरावती, विजयवाडा, आंध्र प्रदेश

02/

पर्यटन मंत्रालय की भूमिका और उसके कार्य

संगठन

2.1 पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन के विकास और संवर्धन के लिए राष्ट्रीय नीतियां और कार्यक्रम तैयार करने के लिए नोडल एजेंसी है । मंत्रालय इस प्रक्रिया में विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों/ एजेंसियों, राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, उद्योग संघों और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों सहित इस क्षेत्र के अन्य हितधारकों के साथ परामर्श और सहयोग करता है ।

i. श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत पर्यटन मंत्री हैं ।

ii. श्री सुरेश गोपी पर्यटन राज्य मंत्री हैं ।

सचिव (पर्यटन) मंत्रालय के मुख्य कार्यकारी हैं। देश में पर्यटन महानिदेशालय के 20 घरेलू क्षेत्रीय कार्यालय और एक भारतीय स्कीइंग एवं पर्वतारोहण संस्थान है।

भारत में भारत पर्यटन कार्यालय

क्षेत्रीय कार्यालय

1. चेन्नई
2. गुवाहाटी
3. कोलकाता
4. मुंबई
5. नई दिल्ली

सत्यमेव जयते

अन्य कार्यालय

i. आगरा
ii. औरंगाबाद
iii. बेंगलुरु
iv. भुबनेश्वर
v. गोवा
vi. हैदराबाद
vii. इम्फाल
viii. इंदौर
ix. जयपुर
x. कोच्चि
xi. नाहरलगुन (ईटानगर)
xii. पटना
xiii. पोर्ट ब्लेयर
xiv. शिलांग
xv. वाराणसी

पर्यटन मंत्रालय के घरेलू फील्ड कार्यालय देश में पर्यटन क्षेत्र के संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण उत्प्रेरक के रूप में कार्य करते हैं। उनकी महत्वपूर्ण भूमिका मंत्रालय द्वारा राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों को स्वीकृत परियोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन की निगरानी तक फैली हुई है। ये कार्यालय देश भर में पूर्यटन विकास और संवर्धन से संबंधित विभिन्न मुद्दों के निपटान के लिए एक सहयोगी परिवेश को बढ़ावा देते हुए राज्य और स्थानीय प्राधिकरणों के साथ निरंतर सक्रिय संवाद और समन्वय करते हैं।

भारत पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) पर्यटन मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।

मंत्रालय के निम्नलिखित स्वायत्त संस्थान भी हैं:

i. भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम)।

ii. राष्ट्रीय होटल प्रबंध एवं केटरिंग प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी); और होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम)।

iii. भारतीय कलीनरी संस्थान (आईसीआई)। (आईआईटीटीएम और आईएचएम से संबंधित विवरण अध्याय संख्या 9 कौशल एवं क्षमता निर्माण में देखा जा सकता है।)

2.2 पर्यटन मंत्रालय की भूमिका और कार्य

पर्यटन मंत्रालय रोजगार को बढ़ावा देने और गरीबी को कम करने के लिए भारत में इनबाउंड और घरेलू पर्यटन के संवर्द्धन पर ध्यान केंदित कर रहा है। इसके प्रमुख उद्देश्यों में देश को पूरे वर्ष अनुकूल

सत्यमेव जयते

रहने वाले पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने, स्थायी रूप से पर्यटन का संवर्धन करने, पर्यटन सेवाप्रदाताओं के बीच गुणवत्ता मानकों को सुनिशचित करने और पर्यटन अवसरंचना के एकीकृत विकास आदि को बढ़ावा देना शामिल हैं। पर्यटन विकास में सरकार की भूमिका विनियामक से बदल कर उत्प्रेरक की हो गई है और इसके लिए विभिन्न हितधारकों के साथ सहक्रिया और अभिसरण आवश्यक है। इसके कारण यह कार्य अत्यन्त चुनौतीपूर्ण हो गया है परन्तु यह सेक्टर के संवर्द्धन के लिए आवश्यक है।

मंत्रालय के निम्नलिखित मुख्य कार्य हैं:–

i. नीतिगत मामले

पर्यटन मंत्रालय, पर्यटन संवर्धन और विपणन, पर्यटन के लिए विकास कार्यनीतियों का निर्धारण, पर्यटन क्षेत्र में कौशल और जनशक्ति विकास, पर्यटन में विकास, निवेश, प्रोत्साहन, बाहरी सहायता आदि से संबंधित कार्यनीतियों सहित पर्यटन से जुड़े सभी नीतिगत मामलों की देख–रेख करता है।

ii. नियोजन और विकास

नियोजन मंत्रालय द्वारा किए जाने वाले कार्य का एक अनिवार्य क्षेत्र है और यह विभिन्न विषयों और उत्पादों के अंतर्गत गंतव्य विकास की योजना बनाकर राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा किए गए प्रयासों का पूरक है। इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय पर्यटन क्षेत्र में कार्यरत कार्मिकों के लिए मानव संसाधन विकास कार्यक्रम भी चलाता है।

iii. समन्वयन

समन्वयन पर्यटन मंत्रालय द्वारा नियमित रूप से किया जाने वाला एक आवश्यक कार्य है और पर्यटन मंत्रालय संबंधित मंत्रालयों/विभागों, राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, उद्योग संघों और हितधारकों के साथ विभिन्न मुद्दों पर नियमित रूप से बातचीत और समन्वय करता है।

iv. विनियम

पर्यटन मंत्रालय पर्यटन क्षेत्र से सम्बन्धित योजनाओं के लिए प्रचालन दिशा–निर्देश तैयार करके और विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन करके पर्यटन के विभिन्न पहलुओं के लिए कार्यनीतियाँ और ब्लूप्रिंट तैयार करता है।

v. गंतव्य विकास

पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार, आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) और 'केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजनाओं के माध्यम से अवसंरचना के निर्माण और पर्यटन अनुभवों को बेहतर बनाने के माध्यम से पर्यटन विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

सत्यमेव जयते

vi. घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारतीय पर्यटन का विपणन और संवर्धन

पर्यटन मंत्रालय घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों को लक्षित करते हुए व्यापक विपणन पहलों के माध्यम से कार्यनीतिक रूप से भारत को बढ़ावा देता है। डिजिटल अभियानों, सांस्कृतिक प्रदर्शनों और यात्रा व्यापार साझेदारियों के मिश्रण का उपयोग करते हुए, यह एक सम्मोहक कथानक विकसित करता है जो पर्यटन विकास और वैश्विक अपील को बढ़ावा देते हुए भारत के विविध आकर्षणों को दर्शाता है।

vii. अनुसंधान, विश्लेषण, निगरानी और मूल्यांकन

मंत्रालय पर्यटन के विभिन्न पहलुओं की लगातार देखरेख और आकलन करता है और आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए निरंतर अनुसंधान और विश्लेषण का संचालन करता है। यह दृष्टिकोण सुविचारित निर्णय लेने में सक्षम बनाता है जिससे प्रभावी पर्यटन योजना बनाने और क्षेत्र के स्थायी विकास और वृद्धि के लिए आवश्यक उपायों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है।

viii. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और बाहरी सहायता

पर्यटन मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ जुड़कर, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय समझौते करके वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देता है। यह बाहरी सहायता के मामलों की जांच करता है और विशेष रूप से पर्यटन के क्षेत्र में, विशेषज्ञता बढ़ाने और इस क्षेत्र में स्थायी विकास को बढ़ावा देने के लिए विदेशी तकनीकी सहयोग के अवसर तलाशता है।

ix. सेवा प्रदाताओं को मान्यता देना

पर्यटन मंत्रालय अपने स्वैच्छिक कार्यक्रमों के तहत होटल, टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट, पर्यटक परिवहन प्रचालक, गाइड आदि जैसे सेवा प्रदाताओं को मान्यता देता है।

x. निश पर्यटन उत्पाद

पर्यटन मंत्रालय देश के भीतर विविध निश पर्यटन क्षेत्रों में अंतर्दृष्टि की पहचान करने और उन्हें विकसित करने के लिए समर्पित है।

xi. इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय निम्नलिखित सहित विभिन्न अन्य मामलों में सक्रिय रूप से कार्यरत है

क. वैधानिक और संसदीय कार्य

ख. स्थापना संबंधी मामले

ग. क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्यों की समीक्षा

घ. सतर्कता संबंधी मामले

सत्यमेव जयते

ङ. राजभाषाः राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

च. वीआईपी संदर्भ

छ. बजट समन्वय और संबंधित मामले

ज. कल्याण, शिकायत और प्रोटोकॉल

2.3 सहक्रिया और अभिसरण

2.3.1 हितधारक

यह सुनिश्चित करना पर्यटन मंत्रालय का सतत प्रयास रहा है कि पर्यटन क्षेत्र के विभिन्न वर्ग, साझेदार मंत्रालय और उनकी क्रियान्वयन एजेंसियां (संगठन, प्राधिकरण, ब्यूरो, साझेदारी, निगम और उपक्रम), राज्य मशीनरी और उद्योग संघ एक दूसरे के साथ मिलकर काम करें और पर्यटन के व्यापक लाभ के साथ आकांक्षाओं का संयोजन करें।

2.3.2 साझेदार मंत्रालय

अभिसरण के लिए अपने प्रयास के तहत पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों अर्थात वित्त मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, नागर विमानन मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, रेल मंत्रालय आदि और विभिन्न राज्य सरकारों /संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के साथ मिलकर काम करता है।

2.3.3 सरकार की क्रियान्वयन एजेंसियां

मंत्रालय का उन कार्यकारी/कार्यात्मक एजेंसियों के साथ सुदृढ़ संबंध है जो अलग–अलग मंत्रालयों के अधीन कार्यरत हैं। इनमें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), आप्रवासन ब्यूरो (बीओआई), भारत पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी), भारतीय सम्मेलन संवर्धन ब्यूरो (आईसीपीबी), पोर्ट ट्रस्ट ऑफ इंडिया, भारतीय पर्यटन वित्त निगम (टीएफसीआई), एक्सपीरियंस इंडिया सोसायटी इत्यादि जैसे संगठन, प्राधिकरण, ब्यूरो, साझेदारियां, निगम और उपक्रम शामिल हैं।

2.3.4 केंद्रीय स्वायत्त निकाय

पर्यटन मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में 24 केंद्रीय स्वायत्त निकाय हैं, जिनका उद्देश्य पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन, आतिथ्य एवं होटल प्रबंधन और व्यंजन के क्षेत्र में शिक्षा प्रदान करना है। 21 केंद्रीय होटल प्रबंधन संस्थान (सीआईएचएम) हैं जो मुख्य रूप से डिग्री स्तर की आतिथ्य शिक्षा प्रदान करते हैं; राष्ट्रीय होटल प्रबंधन एवं खानपान प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी) आतिथ्य प्रबंधन शिक्षा के समन्वित विकास के लिए सर्वोच्च स्वायत्त निकाय है; भारतीय पाककला संस्थान (आईसीआई) पाककला के विशिष्ट क्षेत्र में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है, जबकि भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) यात्रा एवं पर्यटन शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में अग्रणी है।

सत्यमेव जयते

2.3.5 उद्योग संघ

पर्यटन मंत्रालय विभिन्न उद्योग संघों यथा फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की), पीएचडी चैम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई), एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम), भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), ट्रेवल एजेंट्स ऐसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएएआई), इंडियन ऐसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ), इंडियन टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईटीटीए), एसोसिएशन ऑफ डॉमेस्टिक टूर ऑपरेटर ऑफ इंडिया (एडीटीओआई), एडवेंचर टूर ऑपरेटर ऑफ इंडिया (एटीओआई), फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई), होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएआई), इंडियन हेरिटेज होटल एसोसिएशन (आईएचएचए), एसोसिएशन ऑफ इंडियन टूरिज्म एंड हास्पिटैलिटी (एफएआईटीएच), और ऑल इंड़िया रिजॉर्ट डेवलपमेंट एसोसिएशन (एआईआरडीए) आदि के साथ सतत संवाद करता है।

2.3.6 पर्यटन क्षेत्र संबंधी अंर्तमंत्रालयी समन्वय समिति

पर्यटन अनिवार्य रूप से एक बहु–क्षेत्रक गतिविधि है, जिसमें विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के साथ लिंकेज और समन्वय की आवश्यकता होती है। देश में पर्यटन के विकास में निहित अंतर–मंत्रालयी /विभागीय मुद्दों के समाधान को सरल बनाने के लिए पर्यटन मंत्रालय में मंत्रिमंडल सचिव की अध्यक्षता में गठित पर्यटन क्षेत्र संबंधी अंतर–मंत्रालयी समन्वय समिति (आईएमसीसीटीएस) के रूप में एक प्रभावी तंत्र मौजूद है।

इस समिति में गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, नागर विमानन मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, राजस्व विभाग, व्यय विभाग, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष, आदि शामिल हैं। सचिव, पर्यटन मंत्रालय समिति के सदस्य संयोजक हैं। अब तक समिति की 8 बैठकें हो चुकी हैं।

2.3.7 पर्यटन कार्यबल का गठन

पर्यटन से संबंधित विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए पर्यटन क्षेत्रीय योजना पर सचिवों के क्षेत्रीय समूह की सिफारिशों के आधार पर सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में एक कार्यबल का गठन किया गया है जिसमें गृह मंत्रालय, नागर विमानन मंत्रालय, रेल मंत्रालय / आईआरसीटीसी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, पोत परिवहन मंत्रालय एवं खेल मंत्रालय सहित अन्य मंत्रालयों से प्रतिनिधि शामिल हैं। इन मुद्दों में निम्नलिखित शामिल होंगे :

- हवाई, रेल एवं सड़क कनेक्टिविटी, एयरपोर्ट विकास के लिए पर्यटन स्थलों की पहचान करना, उत्तर–पूर्वी क्षेत्र सहित अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू मार्ग, पर्यटन स्थलों पर ऐसे एयरपोर्ट जहां कस्टम एवं आप्रवासन की सुविधाएं स्थापित करने की आवश्यकता है, पर्यटन स्थलों पर स्थित अप्रयुक्त एवं कम प्रयुक्त एयरपोर्ट, तीर्थ स्थलों सहित महत्वपूर्ण पर्यटन गंतव्यों/स्थलों को जोड़ने वाली पर्यटन ट्रेन शुरू करना और रलवे स्टेशनों का उन्नयन, पर्यटन स्थलों की सड़क कनेक्टिविटी,
- स्मारकों एवं संग्रहालयों सहित सांस्कृतिक एवं विरासत स्थलों का विकास एवं संवर्धन,
- क्रूज पर्यटन, एडवेंचर पर्यटन आदि सहित निश पर्यटन वर्ग का संवर्धन,
- पर्यटकों की सुरक्षा और संरक्षा,
- पर्यटकों को वीजा सुविधाएं प्रदान करना
- पर्यटन को प्रभावित करने वाला कोई अन्य अंतर मंत्रालयी/अंतर विभागीय मुद्दा

2.3.8 राष्ट्रीय पर्यटन सलाहकार परिषद

राष्ट्रीय पर्यटन सलाहकार परिषद (एनटीएसी) पर्यटन मंत्रालय के 'थिंक टैंक' के रूप में कार्य करता है। मौजूदा एनटीएसी का गठन दिनांक 21 जून, 2023 को माननीय पर्यटन मंत्री की अध्यक्षता में किया गया जिसका कार्यकाल 3 वर्ष का है। इस समिति में महत्वपूर्ण मंत्रालय, यात्रा एवं पर्यटन प्रबंधन के क्षेत्र में अलग–अलग विशेषज्ञ और औद्योगिक संघों के पदेन सदस्य शामिल हैं।

सत्यमेव जयते

मंत्री

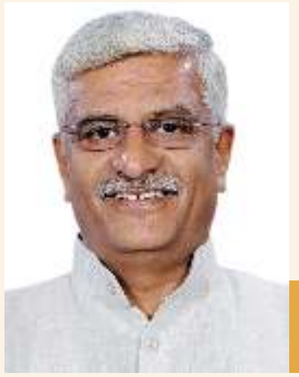

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत
माननीय पर्यटन मंत्री

श्री सुरेश गोपी
माननीय पर्यटन राज्य मंत्री

सत्यमेव जयते

मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी

सुश्री वी विद्यावती
सचिव, भारत सरकार

विशेष/अपर सचिव स्तर के अधिकारी

श्री सुमन बिल्ला
अपर सचिव (पर्यटन)

सुश्री रंजना चोपड़ा
अपर सचिव और
वित्तीय सलाहकार

श्रीमती मुग्धा सिन्हा
महानिदेशक (पर्यटन)

श्री ज्ञान भूषण
वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार

संयुक्त सचिव और समकक्ष

श्री एम. आर. सिंरेम
संयुक्त सचिव (पर्यटन)

श्री गौरव कुमार
आर्थिक सलाहकार (पर्यटन)

सुश्री अनीता बघेल
अपर महानिदेशक

पर्यटन मंत्रालय का संगठनात्मक चार्ट

02/ पर्यटन मंत्रालय की भूमिका और उसके कार्य

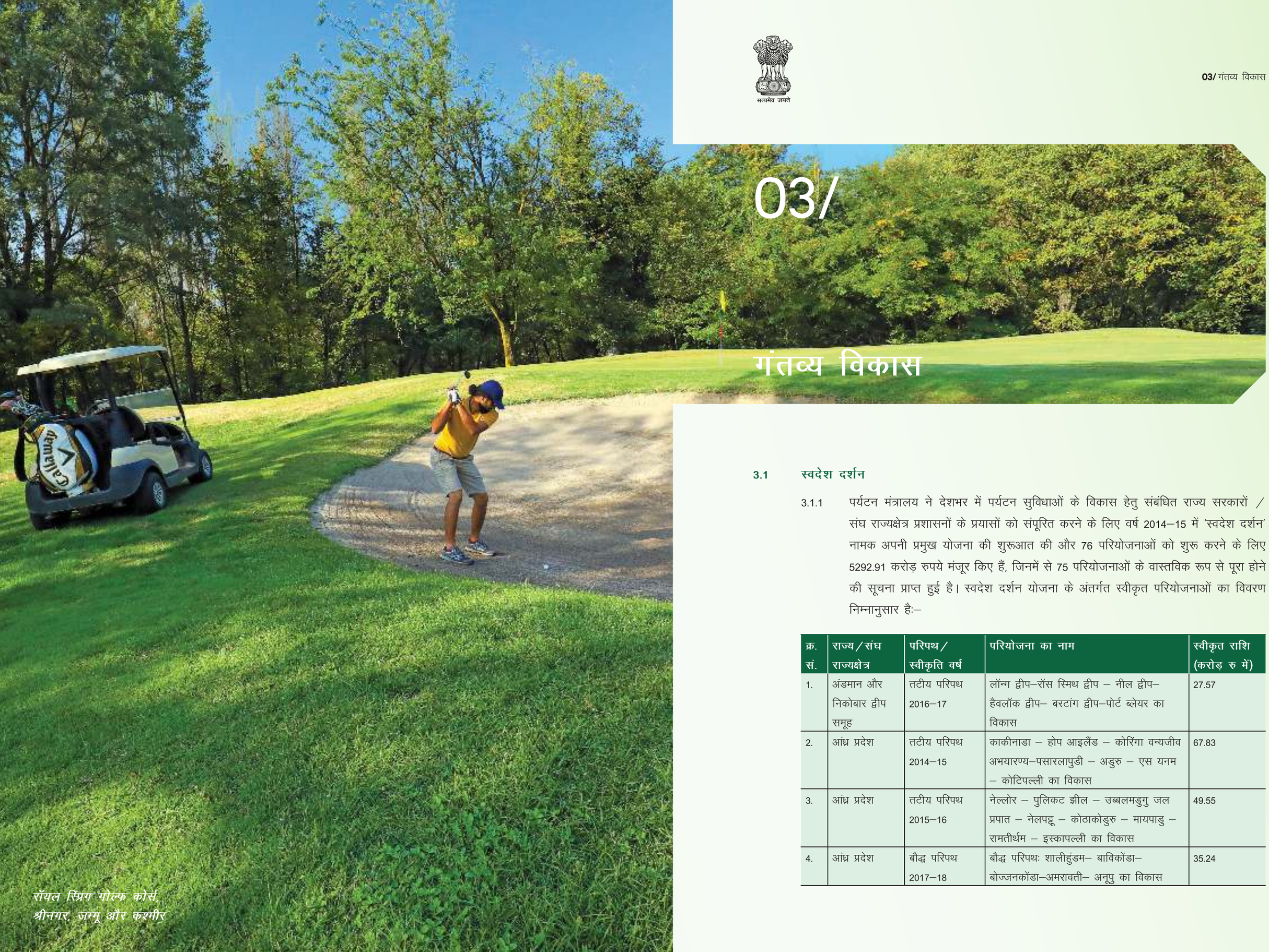

रॉयल स्प्रिंग गोल्फ कोर्स,
श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर

03/

गंतव्य विकास

3.1 स्वदेश दर्शन

3.1.1 पर्यटन मंत्रालय ने देशभर में पर्यटन सुविधाओं के विकास हेतु संबंधित राज्य सरकारों / संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के प्रयासों को संपूरित करने के लिए वर्ष 2014–15 में 'स्वदेश दर्शन' नामक अपनी प्रमुख योजना की शुरूआत की और 76 परियोजनाओं को शुरू करने के लिए 5292.91 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं, जिनमें से 75 परियोजनाओं के वास्तविक रूप से पूरा होने की सूचना प्राप्त हुई है। स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:–

क्र. सं.	राज्य / संघ राज्यक्षेत्र	परिपथ / स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु में)
1.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	तटीय परिपथ 2016–17	लॉन्ग द्वीप–रॉस स्मिथ द्वीप – नील द्वीप–हैवलॉक द्वीप– बरटांग द्वीप–पोर्ट ब्लेयर का विकास	27.57
2.	आंध्र प्रदेश	तटीय परिपथ 2014–15	काकीनाडा – होप आइलैंड – कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य–पसारलापुडी – अडुरु – एस यनम – कोटिपल्ली का विकास	67.83
3.	आंध्र प्रदेश	तटीय परिपथ 2015–16	नेल्लोर – पुलिकट झील – उब्बलमडुगु जल प्रपात – नेलपट्टू – कोठाकोडुरु – मायपाडु – रामतीर्थम – इस्कापल्ली का विकास	49.55
4.	आंध्र प्रदेश	बौद्ध परिपथ 2017–18	बौद्ध परिपथः शालीहुंडम– बाविकोंडा–बोज्जनकोंडा–अमरावती– अनुपु का विकास	35.24

सत्यमेव जयते

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	परिपथ/ स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु में)
5.	अरुणाचल प्रदेश	उत्तर–पूर्वी परिपथ 2014–15	भालुकपोंग–बोमडिला और तवांग का विकास	49.77
6.	अरुणाचल प्रदेश	उत्तर–पूर्वी परिपथ 2015–16	नफरा – सेप्पा– पप्पू, पासा, पक्के घाटियाँ– संगडूपोटा– न्यू सागली– जीरो– योम्चा का विकास	96.72
7.	असम	वन्यजीव परिपथ 2015–16	मानस – प्रोबितोरा– नामेरी– काजीरंगा– डिब्रू–सैखोवा का विकास	94.68
8.	असम	विरासत परिपथ 2016–17	तेजपुर–माजुली–शिवसागर का विकास	90.98
9.	बिहार	तीर्थंकर परिपथ 2016–17	वैशाली–आरा–मसद–पटना–राजगीर–पावापुरी–चंपापुरी का विकास	33.96
10.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ 2016–17	कांवड़िया मार्गः सुल्तानगंज–धर्मशाला–देवघर का विकास	44.76
11.	बिहार	बौद्ध परिपथ 2016–17	बौद्ध परिपथ का विकास– बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	95.18
12.	बिहार	ग्रामीण परिपथ 2017–18	भितिहरवा–चंद्रहिया–तुर्कौलिया का विकास	44.27
13.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ 2017–18	मंदार हिल और अंग प्रदेश का विकास	44.55
14.	छत्तीसगढ़	जनजातीय परिपथ 2015–16	जशपुर–कुनकुरी–मैनपत–कमलेशपुर–महेशपुर–कुर्दार–सरोधदादर–गंगरेल–कोंडागांव–नथियानवागांव–जगदलपुर–चित्रकूट–तीर्थगढ़ का विकास	96.10
15.	गोवा	तटीय परिपथ 2016–17	सिंक्वेरिम–बागा, अंजुना–वागाटोर, मोरजिम–केरी, अगौडा किला और अगौड़ा जेल का विकास	97.65
16.	गोवा	तटीय परिपथ 2017–18	तटीय परिपथ II: रुआ डी ओरम क्रीक – डोना पाउला –कोलवा – बेनौलिम का विकास	99.35
17.	गुजरात	विरासत परिपथ 2016–17	अहमदाबाद–राजकोट–पोरबंदर–बारडोली–दांडी का विकास	58.42
18.	गुजरात	विरासत परिपथ 2016–17	वडनगर–मोढेरा का विकास	91.12
19.	गुजरात	बौद्ध परिपथ 2017–18	जूनागढ़–गिर सोमनाथ–भरूच–कच्छ–भावनगर–राजकोट–मेहसाणा का विकास	26.68

सत्यमेव जयते

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	परिपथ/ स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु में)
20.	हरियाणा	कृष्ण परिपथ 2016–17	कुरुक्षेत्र में महाभारत से संबंधित स्थानों पर पर्यटन अवसंरचना का विकास	77.39
21.	हिमाचल प्रदेश	हिमालयन परिपथ 2016–17	हिमालयन परिपथः कियारीघाट, शिमला, हाटकोटी, मनाली, कांगड़ा, धर्मशाला, बीड़, पालमपुर, चंबा का विकास	68.34
22.	जम्मू और कश्मीर	हिमालयन परिपथ 2016–17	जम्मू–श्रीनगर–पहलगाम–भगवती नगर–अनंतनाग–सलामाबाद–उरी–कारगिल–लेह का विकास	77.33
23.	जम्मू और कश्मीर	हिमालयन परिपथ 2016–17	जम्मू–राजौरी–शोपियां–पुलवामा में पर्यटक सुविधाओं का विकास।	81.60
24.	जम्मू और कश्मीर	हिमालयन परिपथ 2016–17	पर्यटक सुविधाओं का विकास – पीएम विकास पैकेज के तहत 2014 में बाढ़ में नष्ट हुई परिसंपत्तियों के बदले परिसंपत्तियों का निर्माण	90.43
25.	जम्मू और कश्मीर	हिमालयन परिपथ 2016–17	मंतलाई और सुधमहादेव में पर्यटक सुविधाओं का विकास	91.99
26.	जम्मू और कश्मीर	हिमालयन परिपथ 2016–17	अनंतनाग–पुलवामा–किश्तवाड़–पहलगाम–जस्कर पदुम–दक्सुम–रंजीत सागर बांध में पर्यटक सुविधाओं का विकास	86.39
27.	जम्मू और कश्मीर	हिमालयन परिपथ 2016–17	गुलमर्ग–बारामूला–कुपवाड़ा–कारगिल – लेह में पर्यटक सुविधाओं का विकास	91.84
28.	झारखंड	इको परिपथ 2018–19	इको पर्यटन परिपथः दलमा–बेतला राष्ट्रीय उद्यान – मिरचैया– नेतरहाट का विकास	30.44
29.	केरल	इको परिपथ 2015–16	पथनमतिट्टा–गवी–वागामोन–तेक्कडी का विकास	64.08
30.	केरल	आध्यात्मिक परिपथ 2016–17	सबरीमाला – एरुमेली–पम्पा–सन्निधानम का विकास	46.54
31.	केरल	आध्यात्मिक परिपथ 2016–17	श्रीपद्मनाभ अर्णामूला का विकास	78.08
32.	केरल	ग्रामीण परिपथ 2018–19	मालानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास	57.35
33.	केरल	आध्यात्मिक परिपथ 2018–19	शिवगिरी श्री नारायण गुरु आश्रम–अरुवीपुरम–कुन्नुमपारा श्री सुब्रह्मनिया– चेम्बझंथी श्री नारायण गुरुकुलम का विकास	66.42

सत्यमेव जयते

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	परिपथ/ स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु में)
34.	मध्य प्रदेश	वन्यजीव परिपथ 2015–16	पन्ना–मुकुंदपुर–संजय–दुबरी–बांधवगढ़–कान्हा–मुक्की–पेंच में वन्यजीव परिपथ का विकास	92.10
35.	मध्य प्रदेश	बौद्ध परिपथ 2016–17	सांची–सतना–रीवा–मंदसौर–धार का विकास	74.02
36.	मध्य प्रदेश	विरासत परिपथ 2016–17	ग्वालियर – ओरछा – खजुराहो – चंदेरी – भीमबेटका – मांडू का विकास	89.82
37.	मध्य प्रदेश	इको परिपथ 2017–18	गांधीसागर बांध – मंडलेश्वर बांध– ओंकारेश्वर बांध–इंदिरा सागर बांध–तवा बांध–बरगी बांध–भेड़ा घाट–बाणसागर बांध– केन नदी का विकास	93.76
38.	महाराष्ट्र	तटीय परिपथ 2015–16	सिंधुदुर्ग तटीय परिपथ – सागरेश्वर, तरकरली, विजयदुर्ग (बीच और क्रीक), मितभाव का विकास	19.06
39.	महाराष्ट्र	आध्यात्मिक परिपथ 2018–19	वाकी–अदासा–धापेवाड़ा–पारदसिंघा–तेलंखंडी–गिराड का विकास	53.96
40.	मणिपुर	उत्तर–पूर्वी परिपथ 2015–16	मणिपुरः इम्फाल–खोंगजोम में पर्यटक परिपथ का विकास	72.23
41.	मणिपुर	आध्यात्मिक परिपथ 2016–17	श्री गोविंदजी मंदिर, श्री बिजॉय गोविंदजी मंदिर – श्री गोपीनाथ मंदिर – श्री बोंग्शिबोदोन मंदिर – श्री कैना मंदिर का विकास	45.34
42.	मेघालय	उत्तर–पूर्वी परिपथ 2016–17	उमियम (लेक व्यू), यू लुम सोहपेटबनेंग–मावदियांगडियांग – ऑर्किड लेक रिज़ॉर्ट का विकास	99.13
43.	मेघालय	उत्तर–पूर्वी परिपथ 2018–19	पश्चिमी खासी हिल्स (नोंगखलॉ– क्रेमटिरोट – खुदोई और कोहमांग फॉल्स – क्री नदी–मावथाद्रैशन, शिलांग), जयंतिया हिल्स (क्रांग सूरी फॉल्स– शिरमंग– इयूक्सी), गारो हिल्स (नोकरेक रिजर्व, कट्टा बील, सिजू गुफाएं) का विकास	84.97
44.	मिजोरम	उत्तर–पूर्वी परिपथ 2015–16	थेनजोल और दक्षिणी ज़ोटे, जिला सेरछिप और रेइक का विकास।	92.26
45.	मिजोरम	इको परिपथ 2016–17	इको–एडवेंचर परिपथ आइजोल –रावपुइचिप – खवफाप – लेंगपुई – चटलांग–सकाव्रहमुइटुइतलांग – मुथी – बेराटलांग –तुइरियल एयरफील्ड – हमुइफांग का विकास	66.37

सत्यमेव जयते

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	परिपथ/ स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु में)
46.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ 2015–16	जनजातीय परिपथ पेरेन– कोहिमा– वोखा का विकास	97.36
47.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ 2016–17	मोकोकचुंग–तुएनसांग–मोन का विकास	98.14
48.	ओडिशा	तटीय परिपथ 2016–17	गोपालपुर, बरकुल, सतपाड़ा और तंपारा का विकास	70.82
49.	पुडुचेरी	तटीय परिपथ 2015–16	दुबरायपेटदृ अरिकामेडु –वीरमपट्टिनम – चुन्नम्बर – नल्लवाडु/नरमबाई – मनापेट–कालापेट – पुडुचेरी – यनम का विकास	58.44
50.	पुडुचेरी	विरासत परिपथ 2017–18	फ्रेंको–तमिल गांव, कराईकल, माहे और यनम का विकास	49.44
51.	पुडुचेरी	आध्यात्मिक परिपथ 2017–18	पुडुचेरी में आध्यात्मिक परिपथ का विकास	34.96
52.	पंजाब	विरासत परिपथ 2018–19	आनंदपुर साहिब – फतेहगढ़ साहिब – चमकौर साहिब – फिरोजपुर – खटकर कलां – कलानौर – पटियाला का विकास	85.32
53.	राजस्थान	मरुस्थल परिपथ 2015–16	सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास	50.01
54.	राजस्थान	कृष्ण परिपथ 2016–17	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटू श्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का विकास	75.80
55.	राजस्थान	आध्यात्मिक परिपथ 2016–17	आध्यात्मिक परिपथ – 'चुरू (सालासर बालाजी) – जयपुर (श्री समोदके बालाजी, घाटके बालाजी, बंधेके बालाजी)– विराटनगर (बीजक, जैनसिया, अंबिका मंदिर)– भरतपुर (कमान क्षेत्र)–धौलपुर (मुचकुंड)–मेहंदीपुर बालाजी–चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	87.05
56.	राजस्थान	विरासत परिपथ 2017–18	विरासत परिपथ राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) – जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किले के अग्रभाग में प्रकाश व्यवस्था) –झालावाड़ (गगरोन किला) – चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) – जैसलमेर (जैसलमेर किला) – हनुमानगढ़ (गोगामेड़ी) – उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) – धौलपुर (बाग–ए–निलोफर और पुरानी छावनी) – नागौर (मीरा बाई स्मारक, मेड़ता) – टोंक (सुनहरी कोठी) का विकास	70.61

सत्यमेव जयते

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	परिपथ/ स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु में)
57.	सिक्किम	उत्तर–पूर्वी परिपथ 2015–16	रंगपो (प्रवेश)– रोराथांग– अरितार– फादमचेन– नाथंग–शेराथांग– सोंगमो– गंगटोक–फोडोंग– मंगन– लाचुंग–युमथांग– लाचेन– थांगु–गुरुडोंगमेर– मंगन– गंगटोक–तुमिनलिंगी– सिंगतम (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	98.05
58.	सिक्किम	उत्तर–पूर्वी परिपथ 2016–17	सिंगतम – मका– टेमी–बेरमोइकटोकेल– फोंगिया– नामची–जोरथांग– ओखारे– सोम्बारिया–दारमदिन– जोरेथांग– मेल्ली (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	95.32
59.	तमिलनाडु	तटीय परिपथ 2016–17	(चेन्नई– मामल्लपुरम – रामेश्वरम – मानपाडु – कन्याकुमारी) का विकास	73.13
60.	तेलंगाना	इको परिपथ 2015–16	महबूबनगर जिले में इको पर्यटन परिपथ का विकास	91.62
61.	तेलंगाना	जनजातीय परिपथ 2016–17	मुलुगु–लकनावरम–मेदवरम–तडवई– दमारवी– मल्लूर–बोगाथा झरनों का विकास	79.87
62.	तेलंगाना	विरासत परिपथ 2017–18	कुतुब शाही विरासत पार्क – पैगाह मकबरे– हयात बख्शी मस्जिद– रेमंड के मकबरा का विकास	96.90
63.	त्रिपुरा	उत्तर–पूर्वी परिपथ 2015–16	अगरतला–सिपाहीजला–मेलाघर – उदयपुर–अमरपुर– तीर्थमुख– मंदिरघाट–डंबूर–नारिकेलकुंज–गंडाचरा–अंबासा का विकास	82.85
64.	त्रिपुरा	उत्तर–पूर्वी परिपथ 2018–19	सूरमाचेर्रा–उनाकोटी–जम्पुई हिल्स–गुनाबती–भुवनेश्वरी–नीरमहल– बॉक्सनगर– चोट्टाखोला–पिलक– अवांगचारा का विकास	44.83
65.	उत्तर प्रदेश	बौद्ध परिपथ 2016–17	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	87.89
66.	उत्तर प्रदेश	रामायण परिपथ 2016–17	चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास	69.45

सत्यमेव जयते

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	परिपथ/ स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु में)
67.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2016–17	अहर–अलीगढ़–कासगंज–सरोसी(उन्नाव)– प्रतापगढ़–कौशांबी–मिर्जापुर–गोरखपुर – डुमरियागंज–बस्ती–बाराबंकी–आजमगढ़– कैराना–बागपत–शाहजहांपुर का विकास	71.91
68.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2016–17	बिजनौर–मेरठ– कानपुर– कानपुर देहात– बांदा– गाजीपुर– सलेमपुर– घोसी– बलिया– अम्बेडकर नगर– अलीगढ़– फतेहपुर– देवरिया– महोबा– सोनभद्र– चंदौली– मिश्रिख– भदोही का विकास	67.51
69.	उत्तर प्रदेश	विरासत परिपथ 2016–17	कालिंजर किला (बांदा)–मगहर धाम (संत कबीर नगर)– चौरी चौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर)– महुआर शहीद स्थल (घोसी)–शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास	33.92
70.	उत्तर प्रदेश	रामायण परिपथ 2017–18	अयोध्या का विकास	127.21
71.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2018–19	जेवर–दादरी–सिकंदराबाद–नोएडा–खुर्जा–बांदा का विकास	12.03
72.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2018–19	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशनी मंदिर (डुमरियागंज) का विकास	18.30
73.	उत्तराखंड	इको परिपथ 2015–16	नए गंतव्य–जिला टिहरी के रूप में टिहरी झील और आसपास के क्षेत्र के विकास के लिए इको–टूरिज्म, एडवेंचर स्पोर्ट्स और संबद्ध पर्यटन संबंधी अवसंरचना का एकीकृत विकास	69.17
74.	उत्तराखंड	विरासत परिपथ 2016–17	कुमाऊं क्षेत्र –कटारमल–जोगेश्वर–बैजनाथ–देवीधुरा में विरासत परिपथ का एकीकृत विकास	76.32
75.	पश्चिम बंगाल	तटीय परिपथ 2015–16	तटीय परिपथः उदयपुर– दीघा– शंकरपुर– ताजपुर– मंदारमणि– फ्रेजरगंज–बक्खलाई– हेनरी द्वीप का विकास	67.99
76.	–	मार्गस्थ सुविधाएं 2018–19	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से उत्तर प्रदेश और बिहार में वाराणसी–गया; कुशीनगर–गया– कुशीनगर में मार्गस्थ सुविधाओं का विकास	15.07
			कुल	**5292.91**

सत्यमेव जयते

3.1.2 उक्त योजना के तहत विभिन्न गंतव्यों में विविध घटकों/सुविधाओं का विकास किया गया था। जिन सुविधाओं के लिए निधियां स्वीकृत की गई उनमें कन्वेंशन सेंटर, लॉगहट्स, कैफेटेरिया, जनसुविधाएं, पर्यटक सुविधा केंद्र, स्मारिका की दुकानें, सांस्कृतिक केंद्र, व्याख्या केंद्र, अंतिम मील तक कनेक्टिविटी, सार्वजनिक स्थानों पर रैंप की व्यवस्था, साहसिक कार्यकलाप, अग्रभाग का सौंदर्यीकरण, लैंडस्केपिंग कार्य (मूलभूत और सामान्य), पार्किंग आदि जैसे कई घटक शामिल हैं।

लाइट और साउंड शो, मुचकुंड, धौलपुर, राजस्थान

पर्यटक सूचना केंद्र, सांची, मध्य प्रदेश

सत्यमेव जयते

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान (सरही), मध्य प्रदेश में इको लॉग हट्स

3.1.3 पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को अब स्वदेश दर्शन 2.0 के नाम से नया रूप दिया है। राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से और योजना के दिशा–निर्देशों के अनुरूप, पर्यटन मंत्रालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान 29 परियोजनाओं और वर्ष 2024–25 (20.12.2024 तक) के दौरान 5 और परियोजनाओं को स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत विकास के लिए मंजूरी दी गई है। स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	राज्य	गंतव्य	एक्सपीरियंस का नाम	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)	स्वीकृति की तिथि
1	आंध्र प्रदेश	अरकू–लम्बासिंगी	अरकू में बोर्रा केव एक्सपीरियंस	29.87	05–03–2024
2	अरुणाचल प्रदेश	नाचो	अनलॉक नाचो अभियान	14.02	05–03–2024
3	अरुणाचल प्रदेश	मेचुका	मेचुका सांस्कृतिक हाट	18.48	05–03–2024
4	अरुणाचल प्रदेश	मेचुका	मेचुका एडवेंचर पार्क	12.75	05–03–2024
5	असम	कोकराझार	कोकराझार वेटलैंड एक्सपीरियंस	26.67	05–03–2024
6	असम	जोरहाट	रीइमेंजिंग सिन्नामारा टी एस्टेट	23.91	05–03–2024
7	गोवा	पोरवोरिम	पोरवोरिम क्रीक एक्सपीरियंस	23.56	20–08–2024
8	गोवा	कोलवा	कोलवा बीच एक्सपीरियंस	15.65	20–08–2024
9	कर्नाटक	हम्पी	'ट्रैवलर नूक्स' की स्थापना	26.30	29–02–2024

सत्यमेव जयते

क्र. सं.	राज्य	गंतव्य	एक्सपीरियंस का नाम	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)	स्वीकृति की तिथि
10	कर्नाटक	मैसूर	टोंगा राइड हेरिटेज एक्सपीरियंस जोन	4.12	29–02–2024
11	कर्नाटक	मैसूर	ईकोलोजिकल एक्सपीरियंस जोन	18.36	05–03–2024
12	केरल	कुमारकोम	कुमारकोम पक्षी अभयारण्य एक्सपीरियंस	13.92	05–03–2024
13	लद्दाख	लेह	जूले लेह जैव विविधता पार्क	24.89	05–03–2024
14	लद्दाख	कारगिल	एक्सप्लोरिंग एलओसी और हुंडरमन विलेज एक्सपीरियंस	12.01	05–03–2024
15	मध्य प्रदेश	ग्वालियर	फूलबाग एक्सपीरियंस जोन	16.73	29–02–2024
16	मध्य प्रदेश	चित्रकूट	चित्रकूट में आध्यात्मिक एक्सपीरियंस	27.21	05–03–2024
17	महाराष्ट्र	पुणे	शिवसृष्टि एतिहासिक थीम पार्क – फेज 3	76.22	21–09–2024
18	मेघालय	सोहरा	वॉटफॉल ट्रेल्स एक्सपीरियंस	27.84	05–03–2024
19	मेघालय	सोहरा	मेघालयन एज केव एक्सपीरियंस	32.45	04–03–2024
20	नागालैंड	चुमुकेदिमा	चुमुकेदिमा व्यू पॉइंट पर इको– पर्यटन एक्सपीरियंस	7.87	20–08–2024
21	नागालैंड	चुमुकेदिमा	मिडवे रिट्रीट में जनजातीय सांस्कृतिक एक्सपीरियंस	21.56	05–03–2024
22	पुडुचेरी	कराईकल	कराईकल बीच और वाटरफ्रंट एक्सपीरियंस	20.29	05–03–2024
23	पंजाब	कपूरथला	कांजिली वेटलैंड में इको पर्यटन एक्सपीरियंस	20.06	05–03–2024
24	पंजाब	अमृतसर	अटारी में सीमा पर्यटन एक्सपीरियंस	25.90	20–08–2024
25	राजस्थान	बूंदी	केशवरायपाटन में स्पिरिचुअल एक्सपीरियंस	17.37	29–02–2024
26	सिक्किम	ग्यालशिंग	युकसोम क्लस्टर में इको–वेलनेस एक्सपीरियंस	15.40	05–03–2024
27	सिक्किम	गंगटोक	गंगटोक सांस्कृतिक गांव	22.59	29–02–2024
28	तमिलनाडु	मामल्लपुरम	शोर मंदिर में इमर्सिव एक्सपीरियंस	30.02	29–02–2024
29	तेलंगाना	भोंगीर	भोंगीर किला एक्सपीरियंशियल जोन	56.81	29–02–2024

सत्यमेव जयते

क्र. सं.	राज्य	गंतव्य	एक्सपीरियंस का नाम	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)	स्वीकृति की तिथि
30	तेलंगाना	अनंतगिरि	अनंतगिरि वन में इको पर्यटन जोन	38.00	05–03–2024
31	उत्तर प्रदेश	प्रयागराज	आजाद पार्क और देखो प्रयागराज ट्रेल एक्सपीरियंस	13.02	05–03–2024
32	उत्तर प्रदेश	नैमिषारण्य	वैदिक– वेलनेस एक्सपीरियंस	15.94	05–03–2024
33	उत्तराखंड	पिथौरागढ़	गुंजी में ग्रामीण पर्यटन क्लस्टर एक्सपीरियंस	32.20	05–03–2024
34	उत्तराखंड	चंपावत	टी गार्डन एक्सपीरियंस	11.21	05–03–2024
			कुल राशि	**793.20**	

एक्सप्लोरिंग एलओसी और हुंडरमन विलेज एक्सपीरियंस, लेह लद्दाख (चित्रण)

टी गार्डन एक्सपीरियंस, चंपावत, उत्तराखंड (चित्रण)

सत्यमेव जयते

केशवरायपाटन में आध्यात्मिक एक्सपीरियंस, बूंदी, राजस्थान (चित्रण)

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, देखो प्रयागराज – कहानियों का शहर (चित्रण)

सत्यमेव जयते

मेचुका, अरुणाचल प्रदेश सांस्कृतिक हाट एक्सपीरियंस (चित्रण)

जोरहाट, असम, रीड्स/जिनिंग सिन्नामारा टी एस्टेट (चित्रण)

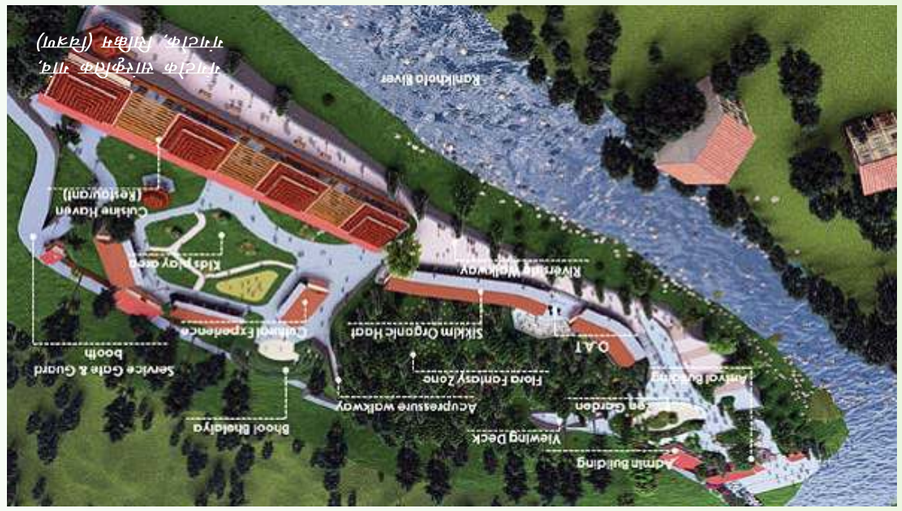

सत्यमेव जयते
03/ गंतव्य विकास

मावम्लुह गुफाएं, सोहरा, मेघालय (चित्रण)

गंगटोक सांस्कृतिक गांव, गंगटोक, सिक्किम (चित्रण)

भोंगीर, तेलंगाना, भोंगीर किला एक्सपीरियंशियल जोन (चित्रण)

बोर्रा केव एक्सपीरियंस, अरकू–लम्बासिंगी, आंध्र प्रदेश (चित्रण)

सत्यमेव जयते

'ट्रैवलर नूक्स' की स्थापना, हम्पी, कर्नाटक (चित्रण)

हेरिटेज एक्सपीरियंस जोन (टोंगा राइड्स परिपथ), मैसूरू, कर्नाटक (चित्रण)

सत्यमेव जयते

कुमारकोम पक्षी अभयारण्य एक्सपीरियंस, कुमारकोम, केरल (चित्रण)

फूलबाग एक्सपीरियंस जोन, ग्वालियर, मध्य प्रदेश (चित्रण)

हालांकि, इस योजना का महत्वपूर्ण घटक पर्यटन तथा संबद्ध अवसंरचना और पर्यटन सेवाओं के लिए निधि उपलब्ध करवाना है परंतु इसका मुख्य उद्देश्य देश में अंतर्गामी एवं घरेलू पर्यटन के विकास को गति प्रदान करना है।

3.1.4 इस योजना में यह विदित है कि किसी गंतव्य को विकसित करने के लिए न केवल मूलभूत अवसंरचना की आवश्यकता होती है, बल्कि सामान्य हस्तक्षेप भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, जो अपने आगंतुकों को अद्वितीय और संतोषजनक अनुभव प्रदान करने के लिए एकसाथ मिलकर गंतव्य को तैयार करेंगे।

सत्यमेव जयते

3.1.5 यह योजना सरकार के समग्र दृष्टिकोण पर केंद्रित है और चिह्नित गंतव्यों के विकास के लिए विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों के साथ अभिसरण का प्रस्ताव करती है। योजना का सफल कार्यान्वयन सुनिश्चित करने और अन्य केंद्रीय मंत्रालयों के साथ तालमेल में काम करने के लिए, योजना के अंतर्गत एक मजबूत संस्थागत कार्यढांचा तैयार किया गया है।

3.1.6 पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' नामक उप–योजना के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। इस उप–योजना का उद्देश्य समस्त पर्यटन मूल्य श्रृंखला में पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए गंतव्यों का समग्र विकास करना है ताकि हमारे पर्यटन स्थलों को स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त गंतव्यों के रूप में बदला जा सके। इस उप–योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने 4 श्रेणियों के तहत 42 गंतव्यों को चिह्नित किया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

क. संस्कृति और विरासत स्थल

क्र.सं.	गंतव्य	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र
1.	नागार्जुन सागर	आंध्र प्रदेश
2.	भागलपुर	बिहार
3.	सारण जिला (सोनपुर मेला)	बिहार
4.	काजा	हिमाचल प्रदेश
5.	बीदर	कर्नाटक
6.	वर्कला	केरल
7.	मांडू	मध्य प्रदेश
8.	अहमदनगर	महाराष्ट्र
9.	लैंगथबल कोनुग	मणिपुर
10.	मावफलांग गांव	मेघालय
11.	व्हाइट टाउन	पुडुचेरी
12.	फिरोजपुर (हुसैनीवाला बॉर्डर)	पंजाब
13.	तंजावुर	तमिलनाडु
14.	नलगोंडा	तेलंगाना
15.	महोबा	उत्तर प्रदेश
16.	वड़नगर	गुजरात

ख. आध्यात्मिक गंतव्य

क्र.सं.	गंतव्य	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र
1.	अहोबिलम	आंध्र प्रदेश
2.	पोरबंदर	गुजरात
3.	रामरेखा बांध	झारखंड
4.	थालास्सेरी	केरल
5.	ओरछा	मध्य प्रदेश

सत्यमेव जयते

क्र.सं.	गंतव्य	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र
6.	नर्तियांग गांव	मेघालय
7.	इमपुर गांव	नागालैंड
8.	रूपनगर (आनंदपुर साहिब)	पंजाब
9.	काबी, मंगन	सिक्किम
10.	रामेश्वरम द्वीप	तमिलनाडु
11.	कैंचीधाम	उत्तराखंड

ग. इको पर्यटन और अमृत धरोहर गंतव्य

क्र.सं.	गंतव्य	राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र
1.	बिचोम बांध	अरुणाचल प्रदेश
2.	शिवसागर	असम
3.	मयाली बगीचा	छत्तीसगढ़
4.	मायेम गांव	गोवा
5.	थोल गांव	गुजरात
6.	उडुपी	कर्नाटक
7.	मुश्कोह गांव	लद्दाख
8.	लक्षद्वीप	लक्षद्वीप
9.	दोयांग जलाशय	नागालैंड
10.	कामारेड्डी	तेलंगाना

घ. वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम गंतव्य

क्र.सं.	गंतव्य	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र
1.	किबिथो	अरुणाचल प्रदेश
2.	रक्छम, छितकुल	हिमाचल प्रदेश
3.	नथांग	सिक्किम
4.	जादुंग	उत्तराखंड
5.	माना गांव	उत्तराखंड

3.2. प्रशाद

परिचय

पर्यटन मंत्रालय ने चिह्नित तीर्थस्थलों के एकीकृत विकास के उद्देश्य से एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन' (प्रसाद) की शुरूआत की थी। इस योजना का उद्देश्य चिह्नित गंतव्यों पर तीर्थयात्रा/आध्यात्मिक पर्यटन अवसंरचना का विकास करना है।

आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय की हृदय (एचआरआईडीएवाई) योजना को बंद करने तथा प्रसाद योजना में विरासत गंतव्यों के विकास के लिए परियोजनाओं को शामिल करने के संबंध में सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के मद्देनजर योजना के दिशा–निर्देशों में संशोधन किए गए हैं तथा अक्टूबर 2017

में प्रसाद का भी नाम बदलकर "तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)" कर दिया गया है।

अब तक प्रशाद योजना के तहत 27 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 48 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। जनवरी, 2015 में इसकी शुरूआत के बाद से 1646.99 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है और अब तक इन परियोजनाओं के लिए कुल 1036.96 करोड़ रुपये की कुल राशि जारी की गई है।

योजना के उद्देश्य

उपलब्धियां

- 27 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 1646.99 करोड़ रुपये की कुल स्वीकृत लागत की 48 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है।
- अब तक 1036.96 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है।
- 25 परियोजनाएं वास्तविक रूप से पूरी हो चुकी हैं, 22 परियोजनाओं का कार्यान्वयन चल रहा है और 1 परियोजना को राज्य सरकार के अनुरोध पर बंद करने की प्रक्रिया चल रही है।
- 18 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में प्रशाद योजना के अंतर्गत विकास के लिए 27 नए स्थलों को भी चिह्नित किया गया है।

- भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिनांक 7 मार्च, 2024 को "अमरकंटक का विकास", "हजरतबल दरगाह, श्रीनगर का विकास" और "जोगुलंबा देवी मंदिर, आलमपुर का विकास" नामक तीन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया था।

योजना का वर्ष–वार निष्पादन

वर्ष	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	स्वीकृत राशि (करोड़ रुपये में)	जारी की गई राशि (करोड़ रुपये में)
2015	8	171.22	41.72
2016	8	197.46	63.15
2017	5	186.58	130.09
2018	4	190.05	138.32
2019	3	99.58	131.70
2020	3	126.25	116.93
2021	6	252.25	134.85
2022	8	352.03	97.70
2023	1	45.71	122.37
2024(अब तक)	2	41.79	60.13
कुल	**48**	**1646.99**	**1036.96**

प्रशाद के तहत स्वीकृत परियोजनाएँ

सत्यमेव जयते

प्रशाद योजना के अंतर्गत परियोजनाओं का राज्य–वार ब्यौरा

(करोड़ रुपये में)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत	जारी की गई राशि	स्थिति
आंध्र प्रदेश	1	अमरावती में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2015–16	27.77	27.77	परियोजना पूरी हो गई है।
	2	श्रीशैलम मंदिर का विकास	2017–18	43.08	43.08	परियोजना पूरी हो गई है।
	3	सिंहाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी वारी देवस्थानम में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2022–23	54.04	13.69	कार्यान्वयन चल रहा है।
	4	अन्नावरम मंदिर नगर में तीर्थ पर्यटन अवसंरचना का विकास	2024–25	25.33	–	कार्यान्वयन चल रहा है
अरुणाचल प्रदेश	5	परशुराम कुंड का विकास	2020–21	37.88	21.95	कार्यान्वयन चल रहा है।
असम	6	कामाख्या मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2015–16	29.80	29.80	परियोजना पूरी हो गई है।
बिहार	7	पटना साहिब में विकास	2015–16	29.62	29.62	परियोजना पूरी हो गई है
	8	विष्णुपद मंदिर में मूलभूत सुविधाओं का विकास	2014–15	3.63	3.63	परियोजना पूरी हो गई है।
छत्तीसगढ़	9.	मां बम्लेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2020–21	48.44	32.13	कार्यान्वयन चल रहा है।
गोवा	10	बोम जीसस बेसिलिका का विकास	2024–25	16.46	–	कार्यान्वयन चल रहा है।
गुजरात	11.	द्वारका का विकास	2016–17	13.08	10.46	परियोजना पूरी हो गई है।
	12.	सोमनाथ में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2016–17	45.36	45.36	परियोजना पूरी हो गई है।
	13.	सोमनाथ में प्रोमेनेड का विकास	2018–19	47.12	47.12	परियोजना पूरी हो गई है।

सत्यमेव जयते

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत	जारी की गई राशि	स्थिति
गुजरात	14.	सोमनाथ गुजरात में कतार प्रबंधन परिसर के साथ तीर्थ यात्री प्लाजा का विकास	2021–22	49.97	0.00	परियोजना बंद की जा रही है।
	15.	अम्बाजी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2022–23	50.00	10.54	कार्यान्वयन चल रहा है।
हरियाणा	16	माता मनसा देवी मंदिर और नाडा साहेब गुरुद्वारा का विकास	2019–20	48.53	34.68	कार्यान्वयन चल रहा है।
जम्मू और कश्मीर	17	हजरतबल दरगाह में विकास	2016–17	40.46	34.30	कार्यान्वयन चल रहा है।
झारखंड	18	बाबा बैद्य नाथ धाम का विकास	2018–19	36.79	34.95	परियोजना पूरी हो गई है।
कर्नाटक	19	श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2023–24	45.71	0.00	कार्यान्वयन चल रहा है।
केरल	20.	गुरुवायूर मंदिर में विकास	2016–17	45.19	45.19	परियोजना पूरी हो गई है।
मध्य प्रदेश	21	अमरकंटक का विकास	2020–21	49.99	34.73	कार्यान्वयन चल रहा है
	22	ओंकारेश्वर का विकास	2017–18	43.93	43.93	परियोजना पूरी हो गई है।
महाराष्ट्र	23.	त्र्यंबकेश्वर का विकास	2017–18	42.18	29.93	कार्यान्वयन चल रहा है।
मेघालय	24.	नोंगस्वालिया चर्च, नर्तियांग शक्ति पीठ, ऐतनार पूल और चरणतला काली मंदिर में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	2020–21	29.29	24.92	परियोजना पूरी हो गई है।
मिजोरम	25.	चिते वांग, जुआंगताई, रइक और आइजोल में तीर्थयात्रा तथा विरासत पर्यटन के लिए अवसंरचना का विकास	2022–23	44.89	13.18	कार्यान्वयन चल रहा है।

सत्यमेव जयते

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत	जारी की गई राशि	स्थिति
नगालैंड	26.	मोलुंगकिमोंग, नोकसेन चर्च, ऐजुतो, वोखा और कोहिमा में तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास	2018–19	25.20	21.33	परियोजना पूरी हो गई है।
	27	जुन्हेबोटो में तीर्थयात्रा पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022–23	18.18	10.91	कार्यान्वयन चल रहा है।
ओडिशा	28	पुरी में अवसंरचना का विकास	2014–15	50.00	10.00	कार्यान्वयन चल रहा है।
पंजाब	29	अमृतसर में करुणा सागर वाल्मीकि स्थल का विकास	2015–16	6.40	6.40	परियोजना पूरी हो गई है
	30	चमकौर साहिब का विकास	2021–22	31.57	17.49	कार्यान्वयन चल रहा है
राजस्थान	31	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	2015–16	32.64	26.11	कार्यान्वयन चल रहा है।
सिक्किम	32	फोर पैट्रन सेंट्स, युकसोम में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	2020–21	33.32	28.31	कार्यान्वयन चल रहा है।
तमिलनाडु	33	कांचीपुरम का विकास	2016–17	13.99	13.99	परियोजना पूरी हो गई है।
	34	वेलंकन्नी का विकास	2016–17	4.86	4.86	परियोजना पूरी हो गई है।
तेलंगाना	35	जोगुलम्बा देवी मंदिर का विकास	2020–21	38.90	33.07	कार्यान्वयन चल रहा है।
	36	रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022–23	62.00	12.82	कार्यान्वयन चल रहा है।
	37	भद्राचलम में तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास	2022–23	41.38	8.43	कार्यान्वयन चल रहा है।
त्रिपुरा	38	त्रिपुरा सुंदरी मंदिर का विकास	2020–21	34.43	25.62	कार्यान्वयन चल रहा है।

सत्यमेव जयते

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत	जारी की गई राशि	स्थिति
उतार प्रदेश	39	वाराणसी का विकास – चरण –I	2015–16	18.73	18.73	परियोजना पूरी हो गई है।
	40	मथुरा–वृंदावन का मेगा पर्यटक परिपथ के रूप में विकास (चरण–II)	2014–15	10.98	10.98	परियोजना पूरी हो गई है।
	41	वाराणसी में रिवर क्रूज पर्यटन का विकास	2017–18	9.02	9.02	परियोजना पूरी हो गई है।
	42	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	2014–15	9.36	9.36	परियोजना पूरी हो गई है।
	43	वाराणसी का विकास – चरण–II	2017–18	44.60	31.77	परियोजना पूरी हो गई है।
	44	गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018–19	37.59	30.97	परियोजना पूरी हो गई है।
उत्तराखंड	45	केदारनाथ का एकीकृत विकास	2015–16	34.77	34.77	परियोजना पूरी हो गई है।
	46	बद्रीनाथ जी धाम में तीर्थयात्रा सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास	2018–19	56.15	27.43	कार्यान्वयन चल रहा है।
	47	गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थयात्रा अवसंरचना सुविधाओं में वृद्धि	2021–22	54.36	10.22	परियोजना पूरी हो गई है।
पश्चिम बंगाल	48	बेलूर मठ का विकास	2016–17	30.03	23.39	परियोजना पूरी हो गई है।
		कुल		**1646.99**	**1036.96**	

प्रशाद योजना के तहत नए चिन्हित स्थलों की सूची

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	परियोजना का नाम
1	आंध्र प्रदेश	वेदगिरी लक्ष्मी नरसिम्हास्वामी मंदिर, नेल्लोर जिला
2	बिहार	सिमरिया घाट, बेगूसराय जिला
3		आमी मंदिर, सारण जिला
4	छत्तीसगढ़	कुदरगढ़ मंदिर, सूरजपुर जिला
5	गुजरात	श्री नीलकंठ महादेव मंदिर, सुनक, महेसाणा
6	हिमाचल प्रदेश	मां चिंतपूर्णी मंदिर, ऊना जिला
7	जम्मू और कश्मीर	पुरमंडल और उत्तरबेहनी, सांबा जिला

सत्यमेव जयते

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	परियोजना का नाम
8	कर्नाटक	श्री रेणुका यल्लम्मा मंदिर, सौदाट्टी, बेलगावी जिला
9		पापनाश मंदिर, बीदर जिला
10	मध्य प्रदेश	श्री पीतम्बरा पीठ, दतिया जिला
11		शनिचरदेव मंदिर, मुरैना जिला
12	महाराष्ट्र	श्री घृष्णेश्वर शिवालय, औरंगाबाद जिला
13		तुलजापुर, उस्मानाबाद जिला
14		श्रीक्षेत्र राजुर, गणपति मंदिर, जालना जिला
15	मिजोरम	वंगछिया, चंफाई जिला
16	ओडिशा	चौसठ योगिनी मंदिर, रानीपुर, झरियाल, बलांगीर जिला
17		मयूरभंज जिले में किचिंग में मां किचकेश्वरी मंदिर
18	पुद्दुचेरी	श्री धारबरण्येश्वरर मंदिर कराईकल
19	पंजाब	दुर्ग्याणा मंदिर, अमृतसर जिला
20	राजस्थान	श्री करणी माता मंदिर, बीकानेर जिला
21		सूर्य मंदिर, बुधाहिता, कोटा जिला
22		मालासेरी डूंगरी
23	तमिलनाडु	8 स्थानों पर नवगृह मंदिर
24	तेलंगाना	बालकम्पेट येल्लम्मा मंदिर, हैदराबाद
25	उत्तर प्रदेश	आदिगुरू शंकराचार्य द्वारा स्थापित श्री काली मंदिर,
26		चौक, लखनऊ
27	उत्तराखंड	टिमरसियन महादेव (देवनाथ), चमोली जिला

प्रशाद योजना के तहत पूरे किये गए घटकों की तस्वीरें

सोमनाथ, गुजरात में पर्यटक व्याख्या केंद्र

ध्यान बुद्ध स्थल विकास, अमरावती, आंध्र प्रदेश

सत्यमेव जयते

सारनाथ, उत्तर प्रदेश में बुद्ध थीम पार्क

माता मनसा देवी मंदिर, हरियाणा में अग्रभाग में प्रकाश व्यवस्था

पंजाब के कतलगढ़ साहिब गुरुद्वारा में प्रकाश व्यवस्था का कार्य

उत्तराखंड के बद्रीनाथजी धाम में प्रकाश व्यवस्था का कार्य

कुसुम सरोवर, गोवर्धन, उत्तर प्रदेश में प्रकाश व्यवस्था का कार्य

नर्मदा मंदिर, अमरकंटक, मध्य प्रदेश में प्रकाश व्यवस्था का कार्य

3.3 पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों के सहायताः

पर्यटन गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना का विकास इसके लक्षित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अति आवश्यक वातावरण का सृजन कर सकता है और समाज को अन्य सामाजिक–आर्थिक लाभ पहुंचा सकता है। राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) के माध्यम से सभी महत्वपूर्ण पर्यटन गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना का समग्र विकास संभव नहीं है क्योंकि कई संभावित गंतव्य भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, रेलवे, भारतीय पत्तन न्यास, आईटीडीसी आदि जैसी केन्द्रीय एजेंसियों

सत्यमेव जयते

के अधिकार क्षेत्र/नियंत्रण में हैं और उनके नियंत्रणाधीन पर्यटक रूचि के स्थानों का समग्र विकास उनके संसाधनों के माध्यम से संभव नहीं हो सकता है और विकास के पश्चात इसके लिए संसाधनों के अभिसरण, रखरखाव और प्रबंधन के लिए विशेषज्ञता तथा अनुभव की आवश्यकता होगी। इन कमियों को दूर करने और केन्द्रीय एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी के उद्देश्य से केन्द्र/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों के स्वामित्व वाली उन पर्यटक रूचि संबंधी परिसम्पत्तियों जिनमें संभाव्यता है, को केन्द्रीय एजेंसी के माध्यम से विकसित किया जा सकता है।

3.3.1 "पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों की सहायता" योजना के तहत केंद्रीय एजेंसियों को प्रदत्त परियोजनाओं का विवरण।

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	परियोजना का नाम	एजेंसी	स्वीकृति की तिथि	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि	स्थिति
1	डल झील (निगीन झील) में साउंड और लाइट शो	आईटीडीसी	25–06–2012	5.00	4.00	बंद कर दी गई है।
2	चेन्नई पोर्ट पर मौजूदा यात्री टर्मिनल में क्रूज यात्री सुविधा केन्द्र।	चेन्नई पोर्ट ट्रस्ट	24–09–2012	17.24	17.24	पूर्ण
3	तिलयार झील में मल्टी मीडिया/लेजर शो का कार्यान्वयन	आईटीडीसी	30–04–2013	5.00	2.24	पूर्ण
4	विश्व विरासत स्थल, हुमायूं का मकबरा, नई दिल्ली में व्याख्यान केंद्र का निर्माण।	आगा खां फाउंडेशन	04–03–2014	49.44	49.44	पूर्ण
5	मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट में क्रूज टर्मिनल भवन	मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट	24–06–2014	8.79	7.67	पूर्ण
6	दीव किला, दीव में साउंड और लाइट शो	आईटीडीसी	28–02–2015	7.75	6.20	पूर्ण
7	वाराणसी/सारनाथ में स्मारकों की प्रकाश व्यवस्था (सारनाथ में धमेख स्तूप, सारनाथ में चौखंडी स्तूप, सारनाथ में लालकन का मकबरा और बनारस में मान महल)।	आईटीडीसी	28–02–2015	5.12	3.81	पूर्ण
8	पर्यटन स्थल के रूप में कानोजी आंग्रे लाइटहाउस का विकास	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	09–08–2016	15.00	15.00	पूर्ण
9	विलिंगडन द्वीप, कोचीन, केरल पर वॉकवे/सैरगाह का विकास	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट	28–10–2016	9.01	8.26	पूर्ण
10	एर्नाकुलम घाट के बर्थ और बैकअप क्षेत्र के उन्नयन के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट	31–03–2017	21.41	19.12	पूर्ण
11	भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा एसएआई त्रिवेन्द्रम गोल्फ क्लब में गोल्फ कोर्स के उन्नयन के लिए परियोजना	एस ए आई	31–03–2017	24.64	12.32	बंद कर दी गई है।
12	यादविंद्रा गार्डन, पिंजौर, हरियाणा में साउंड और लाइट शो।	आईटीडीसी	16–10–2017	6.00	3.00	बंद कर दी गई है।
13	पुट्टपर्थी, आंध्र प्रदेश में साउंड और लाइट शो	आईटीडीसी	27–11–2017	7.08	3.54	वास्तविक रूप से पूर्ण
14	इंदिरा डॉक, मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/आधुनिकीकरण।	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	29–12–2017	12.50	12.50	पूर्ण
15	वाराणसी, उत्तर प्रदेश में तीन स्मारकों की प्रकाश व्यवस्था – 1. दशाश्वमेध घाट से दरभंगाघाट (300 मीटर का विस्तार) 2. तुलसी मानस मंदिर 3. सारनाथ संग्रहालय	सीपीडब्ल्यूडी	21–12–2017	2.93	2.93	पूर्ण
16	जेसीपी अटारी, वाघा बॉर्डर पर अवसंरचना विकास	बीएसएफ	12–06–2018	13.12	10.29	पूर्ण
17	आप्रवासन सुविधा में सुधार और मोरमुगाओं में मौजूदा क्रूज घाट को गहरा करना	मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट	24–08–2018	13.16	6.58	बंद कर दी गई है।
18	कोचीन पोर्ट क्रूज टर्मिनल पर अवसंरचना का विकास।	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट	12–12–2018	1.20	1.14	पूर्ण
19	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट वॉकवे पर अतिरिक्त पर्यटन सुविधाओं का निर्माण	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट	12–12–2018	4.66	4.66	पूर्ण

सत्यमेव जयते

क्र. सं.	परियोजना का नाम	एजेंसी	स्वीकृति की तिथि	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि	स्थिति
20	विशाखापत्तनम पोर्ट के बाहरी बंदरगाह में चैनल बर्थ क्षेत्र में क्रूज–सह–तटीय कार्गो टर्मिनल का निर्माण	विशाखापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट	14–12–2018	38.50	29.91	वास्तविक रूप से पूर्ण
21	अमृतसर, पंजाब में 'जलियाँवाला बाग स्मारक' का जीर्णोद्धार/नवीनीकरण और जलियाँवाला बाग राष्ट्रीय स्मारक में किया जाने वाला अतिरिक्त कार्य	एएसआई	08–03–2019	23.02	22.50	पूर्ण
22	(पुराना किला) दिल्ली में साउंड और लाइट शो	आईटीडीसी	05–08–2019	14.04	6.85	वास्तविक रूप से पूर्ण
23	न्यू कोचीन पोर्ट ट्रस्ट टर्मिनल में अतिरिक्त अवसंरचना का विकास	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट	13–12–2019	10.29	8.88	पूर्ण
24	राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी के भवन की प्रकाश व्यवस्था	एनसीएसएम	19–12–2019	3.80	3.04	पूर्ण
25	राष्ट्रीय संग्रहालय में चयनित सुविधाओं का विकास एवं जीर्णोद्धार	एनसीएसएम	26–12–2019	43.73	21.86	बंद कर दी गई है।
26	राष्ट्रीय जलमार्ग नंबर 1 और 2 पर रीवर क्रूज के आरोहण / अवरोहण के 9 मुख्य बिंदुओं पर जेट्टी का विकास	आईडब्ल्यूए आई	28–04–2020	28.03	7.01	जारी
27	आईटीडीसी द्वारा बेलताल झील, दमोह, मध्य प्रदेश में पर्यटन अवसंरचना	आईटीडीसी	29–09–2020	23.15	10.08	वास्तविक रूप से पूर्ण
28	लेह, लद्दाख में साउंड और लाइट शो और पर्यटक सुविधा केंद्र, कारगिल, लद्दाख में वाटर स्क्रीन प्रोजेक्शन मल्टी मीडिया शो	आईटीडीसी	26–11–2020	23.21	7.65	जारी
29	एनजीएमए भवन की 3डी विजुअल प्रोजेक्शन मैपिंग	एनसीएसएम	31–03–2021	6.16	4.64	वास्तविक रूप से पूर्ण

सत्यमेव जयते

क्र. सं.	परियोजना का नाम	एजेंसी	स्वीकृति की तिथि	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि	स्थिति
30	आइजोल में कन्वेंशन सेंटर और संबंधित अवसंरचना का विकास	वैपकोस	31–03–2021	39.94	30.57	जारी
31	मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट, गोवा में अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू क्रूज टर्मिनल तथा संबद्ध सुविधाओं का विकास	मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट	10–09–2021	50.00	40.00	जारी
32	इंदिरा डॉक, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/ आधुनिकीकरण	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	20–12–2021	37.50	30.00	जारी
33	पूर्वी राज्यों में 22 व्यू पॉइंट का विकास	एनएचआईडीसीएल	11–10–2022	44.44	35.55	जारी
34	श्री तनोट कॉम्प्लेक्स, जैसलमेर सेक्टर में सीमा पर्यटन का विकास	बीएसएफ	05–07–2022	17.67	8.83	जारी
35	संजीवैया पार्क, हैदराबाद, तेलंगाना में वॉटर स्क्रीन और म्यूजिकल फाउंटेन के साथ मल्टीमीडिया लेजर शो	बीईसीआईएल	31–10–2022	50.00	40.90	वास्तविक रूप से पूर्ण
36	उस्मानिया कला विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना में डिजिटल मल्टीमीडिया प्रौद्योगिकी और प्रकाश व्यवस्था का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और शुरूआत	बीईसीआईएल	22–12–2022	11.79	9.43	वास्तविक रूप से पूर्ण
37	'राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र का प्रमुख उन्नयन' परियोजना	एनसीएसएम	27–03–2023	31.80	18.00	जारी
38	नवल सागर झील, बूंदी में म्यूजिकल काउंटेन और वॉटर स्क्रीन मल्टीमीडिया आधारित प्रोजेक्शन शो की स्थापना	आईटीडीसी	04–10–2023	9.25	0.92	जारी
39	राष्ट्रपति भवन में लाइट और साउंड तथा मल्टीमीडिया शो का विकास	आईटीडीसी	28–03–2024	47.12	4.71	जारी

सत्यमेव जयते

क्र. सं.	परियोजना का नाम	एजेंसी	स्वीकृति की तिथि	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि	स्थिति
40	बक्सर, बिहार में एक्वा स्क्रीन प्रोजेक्शन और साउंड शो के साथ 3डी मैपिंग और राम रेखा घाट, बिहार में डायनामिक लाइटिंग और मोटिफ	बीईसीआईएल	10–06–2024	5.99	0.59	जारी

3.3.2 रेल मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय द्वारा लागत में 50:50 की हिस्सेदारी के आधार पर पर्यटक सुविधाओं का संयुक्त विकास

वर्ष 2011–12 की रेल बजट घोषणा के अनुसार और पर्यटकों के लिए संवर्धित सुविधाएं प्रदान करने की दृष्टि से रेल मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय द्वारा लागत में 50:50 की हिस्सेदारी के आधार पर पर्यटक सुविधाओं के संयुक्त विकास के लिए 22 रेलवे स्टेशनों को मंजूरी दी गई थी। अपनी हिस्सेदारी के रूप में पर्यटन मंत्रालय द्वारा 108.54 करोड़ रुपये की लागत से इन 22 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, इनका वर्ष–वार ब्यौरा निम्नानुसार हैः–

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	वर्ष	परियोजनाओं की संख्या	स्वीकृत राशि	जारी राशि
1	2013–14	5	26.49	21.42
2	2014–15	2	10.40	9.42
3	2016–17	5	26.90	21.17
5	2017–18	4	17.76	10.28
6	2018–19	3	14.43	11.92
7	2019–20	2	9.54	4.77
8	2020–21	1	3.02	1.51
	कुल	**22**	**108.54**	**80.49**

इन परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति निम्नानुसार हैः –

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	जारी कुल राशि	परियोजना की स्थिति
1	अमृतसर रेलवे स्टेशन	5.84	4.68	जारी
2	राय–बरेली रेलवे स्टेशन	4.44	3.55	बंद कर दी गई है।

सत्यमेव जयते

क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	जारी कुल राशि	परियोजना की स्थिति
3	तिरुवनंतपुरम सेंट्रल स्टेशन (टीवीसी)	5.98	4	वास्तविक रूप से पूर्ण
4	गया रेलवे स्टेशन	5.18	4.14	जारी
5	आगरा कैंट रेलवे स्टेशन	5.05	5.05	पूर्ण
6	अजमेर रेलवे स्टेशन	5.52	5.52	पूर्ण
7	जयपुर रेलवे स्टेशन	4.88	3.9	वास्तविक रूप से पूर्ण
8	हैदराबाद रेलवे स्टेशन	4.41	3.52	वास्तविक रूप से पूर्ण
9	नांदेड़ रेलवे स्टेशन	5.18	2.59	बंद कर दी गई है।
10	तिरुपति रेलवे स्टेशन	5.75	4.59	वास्तविक रूप से पूर्ण
11	होस्पेट रेलवे स्टेशन	5.41	4.32	वास्तविक रूप से पूर्ण
12	पुरी रेलवे स्टेशन	6.15	6.14	पूर्ण
13	रामेश्वरम रेलवे स्टेशन	4.7	3.758	जारी
14	औरंगाबाद रेलवे स्टेशन	5.71	2.85	बंद कर दी गई है।
15	रामपुरहाट रेलवे स्टेशन	3.48	1.74	वास्तविक रूप से पूर्ण
16	तारकेश्वर रेलवे स्टेशन	3.87	1.93	जारी
17	मदुरै रेलवे स्टेशन	4.48	3.56	वास्तविक रूप से पूर्ण
18	कामाख्या रेलवे स्टेशन	4.96	4.02	पूर्ण
19	गुवाहाटी रेलवे स्टेशन	4.99	4.34	पूर्ण
20	न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन	4.55	2.27	बंद कर दी गई है।
21	चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन	4.99	2.5	जारी
22	कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन	3.02	1.51	बंद कर दी गई है।

3.3.3 अन्य स्वीकृत रेल परियोजनाएं

I. **3 ग्लास टॉप कोचों का निर्माणः** 12.00 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत और जारी की गई।
   - विजाग–अरक्कू घाटी विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश।
   - मार्ग दादर–मडगांव, मुंबई से गोवा
   - काजीगुंड– बारामूला, जम्मू–कश्मीर

II. **केआरसीएल के तहत 3 रेलवे स्टेशनों का विकासः** मडगांव, थिविम और करमाली रेलवे स्टेशनों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास को 25.00 करोड़ रुपये (पर्यटन

सत्यमेव जयते

मंत्रालय द्वारा पूर्ण रुप से वित्त पोषित) की कुल लागत के साथ मंजूरी दी गई है, जिसमें से अब तक 20 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।

III. कांचीगुडा रेलवे स्टेशन विरासत भवन के अग्रभाग में प्रकाश व्यवस्था – पर्यटन मंत्रालय द्वारा 100% वित्तीय सहायता के साथ 3.41 करोड़ रुपये की कुल लागत से कांचीगुडा रेलवे स्टेशन विरासत भवन के अग्रभाग में प्रकाश व्यवस्था को मंजूरी दी गई। हालांकि, यह परियोजना 2.24 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई थी।

सत्यमेव जयते

04/

कार्यनीति और उत्पाद विकास

देश में विशिष्ट पर्यटन उत्पादों की पहचान, विविधीकरण, विकास और संवर्धन संबंधी पर्यटन मंत्रालय की पहल का उद्देश्य मौसमी प्रभाव को कम करना तथा भारत को वर्ष पर्यन्त यात्रा योग्य गंतव्य के रूप में बढ़ावा देना, विशिष्ट रुचि वाले पर्यटकों को आकर्षित करना और अनोखे उत्पादों, जिनमें भारत को तुलनात्मक लाभ प्राप्त है, के लिए बार–बार यात्रा सुनिश्चित करना है। विकास एवं संवर्धन के लिए पर्यटन मंत्रालय द्वारा निम्नलिखित विशिष्ट उत्पाद चिह्नित किए गए हैं :

- साहसिक
- बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (एमआईसीई)
- इको और स्थायी पर्यटन
- ग्रामीण पर्यटन
- क्रूज़
- चिकित्सा और निरोगता
- गोल्फ

पर्यटन मंत्रालय ने विशिष्ट पर्यटन उत्पादों के संवर्धन हेतु बोर्डों, कार्यबलों और समितियों की स्थापना की है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय ने इन पहलों के कार्यान्वयन हेतु कार्यनीतियाँ और दिशानिर्देश तैयार किए हैं। अधिक जानकारी और दस्तावेज़ों के लिए कृपया पर्यटन मंत्रालय की वेबसाइट (tourism.gov.in) देखें।

रिवर राफ्टिंग, ऋषिकेश, उत्तराखंड

4.1 साहसिक पर्यटन

साहसिक पर्यटन एक प्रकार का विशिष्ट पर्यटन है जिसमें दूरस्थ, अनूठे और संभवतः प्रतिकूल क्षेत्रों को बेहतर तरीके से जानना या उनकी यात्रा करना शामिल है। इसमें अक्सर ऐसे कार्यकलाप शामिल होते हैं जिनमें शारीरिक और कुछ हद तक जोखिम होता है, जो प्रतिभागियों को उत्साह और रोमांच से भर देते हैं। साहसिक पर्यटन में विविध कार्यकलाप और स्थल शामिल हैं और यह बड़ी तेजी से लोकप्रिय हो गया है क्योंकि लोग अनोखे और यादगार अनुभव की तलाश में रहते हैं।

- पर्यटन मंत्रालय की राष्ट्रीय साहसिक पर्यटन कार्यनीति का उद्देश्य भारत को विश्व स्तर पर साहसिक पर्यटन के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करना है और इसमें साहसिक पर्यटन के विकास के लिए निम्नलिखित कार्यनीतिक स्तंभों को चिह्नित किया गया है :

  (i) राज्यों का आकलन, रैंकिंग और कार्यनीति

  (ii) कौशल, क्षमता निर्माण और प्रमाणन

  (iii) विपणन और संवर्धन

  (iv) साहसिक पर्यटन के सुरक्षा प्रबंधन ढांचे को मजबूत करना

  (v) राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय बचाव और संचार ग्रिड

  (vi) गंतव्य और उत्पाद विकास

  (vii) शासन और संस्थागत कार्य ढांचा

- सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय साहसिक पर्यटन बोर्ड का गठन किया गया है, जिसमें चिह्नित केंद्रीय मंत्रालयों/संगठनों, राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों और औद्योगिक हितधारकों के प्रतिनिधि शामिल हैं। यह बोर्ड देश में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए कार्यनीति के संचालन और कार्यान्वयन का कार्य करेगा जिसमें निम्नलिखित घटक शामिल होंगे :

  (i) विस्तृत कार्य योजना और समर्पित योजना तैयार करना

  (ii) प्रमाणन योजना

  (iii) सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देश

  (iv) क्षमता निर्माण, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर की सर्वोत्तम कार्य पद्धतियों की प्रतिकृति

  (v) राज्यों की नीतियों का आकलन और उनकी रैंकिंग

  (vi) विपणन और संवर्धन

  (vii) गंतव्य और उत्पाद विकास

  (viii) निजी क्षेत्र की भागीदारी

  (ix) साहसिक पर्यटन के लिए विशिष्ट कार्यनीतियाँ

  (x) देश में साहसिक पर्यटन के विकास के लिए कोई अन्य उपाय।

- पर्यटन मंत्रालय ने स्वैच्छिक दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसमें भूमि, जल और वायु आधारित पर्यटन के अंतर्गत विभिन्न कार्यकलापों को वर्गीकृत किया गया है। इन दिशानिर्देशों में अनुपालन और संदर्भ हेतु मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) शामिल है।

विपणन और संवर्धन

- **साहसिक पर्यटन पर झारखंड के जिला पर्यटन अधिकारियों का प्रशिक्षण**

  झारखंड पर्यटन ने पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से जिला पर्यटन नोडल अधिकारी (डीएसओ) और जिला स्तरीय पर्यटन विशेषज्ञ (डीएलटीएस) के लिए ज्ञान प्रसार और जागरूकता कार्यक्रम का एक सत्र आयोजित किया। मंत्रालय ने भारत में साहसिक पर्यटन की संभावनाओं और पर्यटन मंत्रालय देश में साहसिक पर्यटन के विकास के लिए किस प्रकार कार्यनीति बना रहा है, को प्रदर्शित किया।

- **पर्यटन विभाग, तमिलनाडु सरकार**

  तमिलनाडु पर्यटन द्वारा तमिलनाडु में साहसिक पर्यटन के भविष्य की कार्यनीति पर एक मंथन सत्र आयोजित किया गया। पर्यटन मंत्रालय ने प्रतिभागियों को भारत में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी।

  विश्व स्काइडाइविंग दिवस पर, माननीय पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने नए अत्याधुनिक स्काईडाइविंग विमान का उद्घाटन किया।

माननीय पर्यटन मंत्री ने 13 जुलाई, 2024 को साहस और उत्साह के एक भव्य आयोजन में रोमांचक टेंडम स्काईडाइव के साथ इसकी शुरूआत की। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम भारत के प्रमुख और एकमात्र नागरिक स्काइडाइविंग ड्रॉप ज़ोन स्काई–हाई में संपन्न हुआ, जो कार्यनीतिक रूप से हरियाणा के नारनौल हवाई पट्टी पर स्थित है। यह ऐतिहासिक छलांग न केवल साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, बल्कि देश के एयरो स्पोर्ट्स क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर भी है।

जिम्मेदारीयुक्त साहसिक पर्यटन गाइड (आरएटीजी) पाठ्यक्रम

- पर्यटन मंत्रालय एटीओएआई के सहयोग और भारत पर्यटन कार्यालयों के माध्यम से जिम्मेदारीयुक्त साहसिक पर्यटन गाइड पाठ्यक्रम (आरएटीजी) आयोजित कर रहा है। यह पाठ्यक्रम सुरक्षा, स्थिरता और व्यावसायिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए गाइडों को आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान कर सक्षम बनाएगा।
- 16 से 19 दिसंबर, 2024 तक चेन्नई में जिम्मेदारीयुक्त साहसिक पर्यटन गाइड (आरएटीजी) पाठ्यक्रम।

  पर्यटन मंत्रालय ने भारतीय साहसिक टूर ऑपरेटर्स संघ (एटीओएआई), भारत पर्यटन (दक्षिण) चेन्नई कार्यालय तथा भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) के सहयोग से 16 से 19 दिसंबर, 2024 तक चेन्नई में पहले जिम्मेदारीयुक्त साहसिक पर्यटन गाइड (आरएटीजी) पाठ्यक्रम का आयोजन किया। पर्यटन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित यह कार्यक्रम साहसिक पर्यटन में सुरक्षा, स्थिरता और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्ध ता को रेखांकित करता है।

  चेन्नई के होटल प्रबंध संस्थान में आयोजित इस चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में हैनीफल सेंटर के नेतृत्व में दक्षिण भारत के 31 साहसिक गाइडों को प्रशिक्षित किया गया। पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल थेः

- जंगल में प्राथमिक उपचार (डब्ल्यूएफए) और सीपीआर
- लीव नो ट्रेस (एलएनटी) सिद्धांत,
- स्थायी कार्यपद्धतियां,
- जोखिम प्रबंधन और नेतृत्व

सुरक्षित और स्थायी संचालन संबंधी कौशल के साथ प्रतिभागियों ने डब्ल्यूएफए, सीपीआर और एलएनटी जागरूकता सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र अर्जित किए। कार्यक्रम मानद वार्डन प्रतिज्ञा के साथ संपन्न हुआ, जिसमें प्रकृति और समुदायों के लिए सुरक्षा, स्थिरता और सम्मान के प्रति प्रतिबद्ध ताओं की पुष्टि की गई।

यह महत्वपूर्ण पहल भारत को जिम्मेदारीयुक्त साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में एक अग्रणी के रूप में स्थापित करने के पर्यटन मंत्रालय के दृष्टिकोण को दर्शाती है।

4.2 बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन एवं प्रदर्शनियां (एमआईसीई)

- बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनियाँ (एमआईसीई) पर्यटन उद्योग का एक विशेष खंड है जिसमें विभिन्न प्रकार के आयोजनों और सभाओं की योजना बनाना और आयोजन करना शामिल है। एमआईसीई का प्रत्येक घटक एक अलग प्रकार के आयोजन का प्रतिनिधित्व करता है, और ये सभी घटक एकसाथ मिलकर वैश्विक पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।
- पर्यटन मंत्रालय ने एक एमआईसीई गंतव्य के रूप में भारत का संवर्धन करने के लिए 'मीट इन इंडिया' नामक एक विशिष्ट ब्रांड की शुरूआत की है। राज्यों और उद्योगों के सहयोग से सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विभिन्न अभियान चलाए जा रहे हैं। पर्यटन मंत्रालय ने भारत का एक विवाह गंतव्य के रूप में संवर्धन करने के लिए 'इंडिया सेज़ आई डू' नामक अभियान की भी शुरूआत की है।
- पर्यटन मंत्रालय ने महात्मा मंदिर सम्मेलन और प्रदर्शनी केंद्र, गांधीनगर में 7 से 9 दिसंबर, 2023 को 'स्थायी एमआईसीईः 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था की दिशा में समर्थकारी आयोजन' थीम के साथ आयोजित 14वें कन्वेंशन इंडिया कॉन्क्लेव में भाग लिया

सत्यमेव जयते

4.3 इको और स्थायी पर्यटन

- स्थायी पर्यटन, आगंतुकों, उद्योग, पर्यावरण और मेजबान समुदायों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पर्यटन के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों पर विचार करता है। इको पर्यटन, स्थायी पर्यटन का एक रूप है जो पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के परिरक्षण और स्थानीय समुदायों को लाभ पहुंचाने के लिए प्राकृतिक क्षेत्रों की जिम्मेदारीयुक्त यात्रा पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता परिरक्षण, सांस्कृतिक जागरूकता और सामुदायिक समावेशण जैसे सिद्धांतों द्वारा निर्देशित शैक्षिक और समृद्ध अनुभव प्रदान करते हुए पर्यटन के नकारात्मक प्रभावों को कम करना है।

- भारतीय पर्यटन क्षेत्र में स्थायित्व को मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से, पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन के लिए भारत को एक पसंदीदा वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए इको और स्थायी पर्यटन राष्ट्रीय कार्यनीतियों की शुरुआत की।

ट्रैवल फॉर लाइफ – मिशन लाइफ के तहत पर्यटन क्षेत्र के लिए एक कार्यक्रम

भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली), भारत के नेतृत्व में एक वैश्विक जन आंदोलन है जो लोगों और समुदायों से जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कार्य करने का आग्रह करता है। पर्यटन मंत्रालय ने पर्यावरण और स्थानीय संस्कृति को संरक्षित करने के लिए स्थायी कार्य पद्धतियों को विकसित करने हेतु पर्यटकों और पर्यटन व्यवसायों के बीच बड़े पैमाने पर व्यवहार परिवर्तन लाने के लिए मिशन लाइफ के तहत 'ट्रैवल फॉर लाइफ' (टीएफएल) कार्यक्रम शुरू किया। 'ट्रैवल फॉर लाइफ (टीएफ़एल) कार्यक्रम में स्थायी, जिम्मेदारीयुक्त और लचीले पर्यटन क्षेत्र के विकास हेतु पर्यटन क्षेत्र में स्थायित्व को मुख्यधारा में लाने की परिकल्पना की गई है। स्थायी पर्यटन के लिए किसी गंतव्य की विशिष्ट संस्कृति, विरासत और परंपराओं को पहचानना और संरक्षित करना महत्वपूर्ण है। पर्यटकों को सकारात्मक कार्यों के माध्यम से स्थानीय संस्कृति के संरक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है जिसे सांस्कृतिक स्थिरता को बढ़ावा देने संबंधी चर्चाओं में एकीकृत किया जा सकता है।

04/ कार्यनीति और उत्पाद विकास

सत्यमेव जयते

आगंतुकों और निवासियों के लिए ट्रैवल फॉर लाइफ शपथ

ट्रैवल फॉर लाइफ शपथ आगंतुकों और निवासियों को पर्यावरण अनुकूल कार्य पद्धतियों को अपनाने, पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने और स्थायित्व की संस्कृति विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करके जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन को बढ़ावा देती है। ट्रैवल फॉर लाइफ प्रमाणन कार्यक्रम उन व्यवसायों को मान्यता देता है जो सामुदायिक लाभों में वृद्धि करते हुए पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने हेतु डिज़ाइन किए गए मानकों के साथ पर्यटन में स्थायी कार्यपद्धतियों को अपनाते हैं।

जागरूकता का सृजन और संवर्धन

स्थायी और इको पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम, क्षमता निर्माण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, वेबिनार आदि आयोजित किए गए। पर्यटन मंत्रालय अपने नियमित संवर्धन कार्यकलापों, वेबसाइटों, ई–न्यूजलेटर्स और समर्पित सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से स्थायी और इको पर्यटन को बढ़ावा देता है।

"अमृत धरोहर क्षमता निर्माण योजना के तहत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहयोग से आईआईटीटीएम–भुबनेश्वर, पर्यटन मंत्रालय की पहल के अंतर्गत भितरकर्निका राष्ट्रीय उद्यान और चिलका झील के समीप रहने वाले लोगों के लिए "वैकल्पिक आजीविका कार्यक्रम" (एएलपी)"।

सत्यमेव जयते

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ – भारत और पर्यटन मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से ओडिशा के रूशिकुल्य, गंजम जिले में **एसओपी का संरक्षण और आगंतुक प्रबंधन कार्यक्रम 2024 आयोजित किया गया।**

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ – भारत और पर्यटन मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से तटवर्ती ओडिश के महत्वपूर्ण संरक्षण स्थलों हेतु स्थानीय युवाओं के लिए क्षमता–निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

4.4 ग्रामीण पर्यटन

ग्रामीण पर्यटन स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के विकास और रोजगार को बढ़ाने में बड़ा योगदान दे सकता है। गांव देश की संस्कृति, परंपरा, शिल्प, विरासत और कृषि–प्रथाओं के भंडार भी हैं। पर्यटन के माध्यम से इन स्थानीय उत्पादों को विकसित और प्रोत्साहित करके ग्रामीण क्षेत्रों में आय और रोजगार पैदा किया जा सकता है और स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाया जा सकता है और इस प्रकार माननीय प्रधान मंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को पूरा किया जा सकता है। अनुभवात्मक पर्यटन की बढ़ती वैश्विक मांग के बीच, ग्रामीण पर्यटन पर्यटकों को ग्रामीण भारत के प्रचुर और अनूठे अनुभवों का आनंद लेने के लिए गांवों की यात्रा करने हेतु आमंत्रित करता है। देश में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावना को स्वीकार करते हुए, पर्यटन मंत्रालय ने इस अंतर्निहित क्षमता का लाभ उठाने और भारत के ग्रामीण

सत्यमेव जयते

क्षेत्रों में एक गतिशील, जिम्मेदारीयुक्त और स्थायी पर्यटन परिवर्तश बनाने की दृष्टि से भारत में ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यनीतियां और रोडमैप तैयार किए हैं।

देवमाली – अजमेर, राजस्थान

कुमारकोम – कोट्टायम, केरल

निर्मल गांव का शिल्प – तेलंगाना

सत्यमेव जयते

ग्रामीण पर्यटन के तहत पहलें

सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गाँव प्रतियोगिता

राष्ट्रीय कार्यनीति के अनुरूप, पर्यटन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव प्रतियोगिता की शुरूआत की गई थी, जिसका उद्देश्य उन गांवों को सम्मानित करना है जो लोकप्रिय सांस्कृतिक और प्राकृतिक परिसंपत्तियों वाले पर्यटन स्थल का सबसे अच्छा उदाहरण हैं, जो समुदाय–आधारित मूल्यों, वस्तुओं और जीवन शैली को संरक्षित और बढ़ावा देते हैं और पर्यटन को सकारात्मक बदलाव के साधनों में से एक बनाने के व्यापक लक्ष्य के साथ, विकास, और सामुदायिक कल्याण के साथ अपने सभी आर्थिक, सामाजिक तथा पर्यावरणीय पहलुओं में स्थायित्व हेतु पूर्णतया प्रतिबद्ध हैं। इस प्रतियोगिता ने गांवों के बीच प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रेरित किया है और उन्हें भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक जीवन शैली और चिरस्थायी रीति–रिवाजों को प्रदर्शित करके वैश्विक ग्रामीण पर्यटन स्थलों के बीच अपनी आकर्षण क्षमता को बढ़ाने की दिशा में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया है। स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त यात्रा के प्रति बढ़ती जागरूकता और मांग के साथ–साथ इससे यह सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी कि पर्यटन का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचे। वर्ष 2023 और 2024 में आयोजित प्रतियोगिता के दो संस्करणों में, भारत के 71 गांवों को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों के रूप में चुना गया था। कनेक्टिविटी, विपणन और डिजिटल अवसंरचना जैसी प्रमुख चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तकनीकी सत्रों और कार्यशालाओं के माध्यम से क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए। सर्वोत्तम कार्य पद्धतियों और सामुदायिक जुड़ाव के मॉडल को रेखांकित करते हुए विजयी गांवों के लिए परिचय यात्राओं का आयोजन किया गया।

मिनिकॉय– लक्षद्वीप जिला–लक्षद्वीप

सत्यमेव जयते

यूएनडब्ल्यूटीओ की 'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव' पहल में भागीदारी

पर्यटन मंत्रालय, संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) की 'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव' पहल में भाग लेता है, जो भारत के लिए स्थायित्व, संरक्षण और ग्रामीण पर्यटन में अपनी पहलों को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यूएनडब्ल्यूटीओ द्वारा चुने गए गाँव सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गाँव नेटवर्क के सदस्य हैं। अपने सदस्यों के लिए नेटवर्क के मुख्य लाभों में ग्रामीण पर्यटन संबंधी एक विशाल अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा होना, उनके सर्वोत्तम अनुभवों को सीखना और साझा करना तथा विश्व स्तर पर पहचान बनाना और संयुक्त राष्ट्र पर्यटन नीति संबंधी दस्तावेजों और दिशानिर्देशों में केस स्टडी के रूप में चित्रित किया जाना शामिल है। वर्ष 2021 संस्करण में, तेलंगाना में पोचमपल्ली को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव के रूप में मान्यता दी गई थी। वर्ष 2022 में, नागालैंड में खोनोमा को संयुक्त राष्ट्र पर्यटन के उन्नयन कार्यक्रम के लिए चुना गया था। वर्ष 2023 में कच्छ, गुजरात के धोरडो गाँव को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गाँव के रूप में चुना गया था और मध्य प्रदेश के मडला गाँव को उन्नयन कार्यक्रम के लिये चुना गया था। वर्ष 2024 में धुड़मारस, छत्तीसगढ़ को उन्नयन कार्यक्रम के लिए चुना गया है।

धुड़मारस गांव – बस्तर, छत्तीसगढ

चित्रकोट – बस्तर, छत्तीसगढ़

बंदोरा – उत्तरी गोवा, गोवा

जागरूकता सृजन और प्रोत्साहन

ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे के संवर्धन के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों, उद्योग और ग्राम हितधारको के बीच जागरूकता कार्यक्रम, क्षमता निर्माण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, वेबिनार और अनुभव साझा करने वाले दौरे आयोजित किए जाते हैं। पर्यटन मंत्रालय अपने नियमित संवर्धन कार्यकलापों और अपनी वेबसाइटों, ई–समाचार पत्रों और सोशल मीडिया के माध्यम से भी ग्रामीण पर्यटन का संवर्धन करता है।

कदलुंदी – कोझिकोड, केरल

झारखंड पर्यटन हेतु जिला पर्यटन नोडल अधिकारी (डीएसओ) और जिला स्तरीय पर्यटन विशेषज्ञ (डीएलटीएस) के लिए ज्ञान प्रसार और जागरूकता कार्यक्रम।

राज्यों के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त गांवों के लिए परिचय यात्रा आयोजित की गई थीं।

रेइक गांव, मिजोरम

खोनोमा गांव, नागालैंड में यूएनडब्ल्यूटीओ परिचय यात्रा

कंथल्लूर गांव, केरल

सत्यमेव जयते

सरमोली गांव, उत्तराखंड

डावर गांव, जम्मू और कश्मीर

4.5 क्रूज पर्यटन

पर्यटन मंत्रालय 'पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केन्द्रीय एजेंसियों की सहायता' योजना के अंतर्गत, क्रूज पर्यटन और नदियों के किनारे क्रूजिंग सहित पर्यटन के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों और केन्द्रीय सरकार की एजेंसियों को वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने 8 अप्रैल से 12 अप्रैल 2024 तक सीट्रेड क्रूज ग्लोबल 2024, मियामी, यूएसए में भाग लिया। यह चार दिवसीय प्रदर्शनी दुनिया भर में क्रूज शिप उद्योग का सबसे बड़ा आयोजन था। प्रतिनिधिमंडल ने क्रूज लाइनों, बंदरगाहों, गंतव्यों, टूर ऑपरेटरों, एसोसिएशनों, सीएलआईए, सीट्रेड आदि सहित क्रूज उद्योग के सभी पहलुओं को कवर करते हुए वैश्विक क्रूज व्यवसाय के हितधारकों के साथ व्यापक चर्चा की।

क्रूज़ पर्यटन संबंधी कार्यबल

देश की तटरेखा और इसके अंतर्देशीय जलमार्गों में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रूज पर्यटन को विकसित करने की अपार संभावनांए हैं। इसका लाभ उठाने के लिए, सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता और सचिव (पोत परिवहन) की सह–अध्यक्षता में एक कार्यबल का गठन किया गया है। इस कार्यबल में बंदरगाहों, स्वास्थ्य मंत्रालय, गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, सीमा शुल्क विभाग, सीआईएसएफ, तटीय राज्यों आदि के प्रतिनिधि शामिल हैं।

4.6 चिकित्सा और निरोगता पर्यटन

देश में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, पर्यटन मंत्रालय ने चिकित्सा एवं निरोगता पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप तैयार किया है। कार्यनीति में निम्नलिखित प्रमुख स्तंभों की पहचान की गई है:

(i) निरोगता गंतव्य के रूप में भारत के लिए एक ब्रांड विकसित करना

(ii) चिकित्सा और निरोगता पर्यटन के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना

सत्यमेव जयते

(iii) ऑनलाइन चिकित्सा मूल्य यात्रा (एमवीटी) पोर्टल की स्थापना द्वारा डिजिटलीकरण को सुगम बनाना

(iv) चिकित्सा मूल्य यात्रा के लिए पहुंच में वृद्धि

(v) निरोगता पर्यटन

(vi) शासन और संस्थागत कार्य ढांचा को बढ़ावा देना

4.7 गोल्फ पर्यटन

पर्यटन मंत्रालय ने गोल्फ पर्यटन के संवर्धन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु दिशा–निर्देश तैयार किए हैं। मंत्रालय अतुल्य भारत ब्रांड के तहत भारत में गोल्फ पर्यटन को बढ़ावा देने उद्देश्य से तथा अंतर्राष्ट्रीय मानक प्राप्त करने के लिए अतुल्य भारत ब्रांड के साथ मिलकर उसका लाभ उठाने का अवसर प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता के पात्र गोल्फ आयोजनों, गोल्फ कार्यक्रमों, गोल्फ प्रबंधन, कार्यशालाओं/कार्यक्रमों/वार्षिक बैठकों/सेमिनारों के लिए पर्यटन मंत्रालय से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक गोल्फ क्लबों, गोल्फ कार्यक्रम प्रबंधकों राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, अनुमोदित टूर ऑपरेटरों/अनुमोदित ट्रैवल एजेंटों और कारपोरेट घरानों से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करता है। ईओआई के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का मूल्यांकन सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में भारतीय गोल्फ पर्यटन समिति (आईजीटीसी) की अपनी बैठकों में समय–समय पर किया जाता है।

कथकली, केरल

05/

विपणन और संवर्धन

5.1 विपणन और संवर्धन (घरेलू)

पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन का समग्र रूप से संवर्धन करता है। यह मंत्रालय देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 'अतुल्य भारत' ब्रांड–लाइन के तहत घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया अभियान चलाता है। पर्यटन मंत्रालय पर्यटन से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन और समर्थन भी करता है, विभिन्न विषयों और गंतव्यों पर ब्रोशर, पत्रक, नक्शे, फिल्म, सीडी आदि तैयार करता है, प्रचार संबंधी कार्यकलापों के निष्पादन हेतु पर्यटन सेवाप्रदाताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। निम्नलिखित भाग वर्ष 2024 के दौरान सोशल मीडिया पर घरेलू स्तर पर किए गए संवर्धनात्मक कार्यकलापों का विवरण देता है:

5.1.1 आयोजन / प्रदर्शनियाँ

5.1.1.1 पर्यटन मंत्रालय के प्रमुख आयोजन

भारत पर्व 2024: पर्यटन मंत्रालय द्वारा 23 से 31 जनवरी 2024 को गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में लाल किले, दिल्ली के सामने स्थित लॉन और ज्ञान पथ पर भारत पर्व 2024 का आयोजन किया गया।

इस विशाल आयोजन की मुख्य विशेषताओं में गणतंत्र दिवस परेड की झांकियां, क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों द्वारा विविध सांस्कृतिक प्रदर्शन और विभिन्न राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों की सांस्कृतिक मंडलियों द्वारा आकर्षक प्रस्तुतियां, सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले खाद्य स्टाल, हस्तशिल्प और हथकरघा प्रदर्शन और सशस्त्र बल बैंड द्वारा उत्साही प्रदर्शन शामिल हैं।

सत्यमेव जयते

इसमें 26 केंद्रीय मंत्रालयों और विभाग द्वारा नागरिक केंद्रित योजनाओं और सरकार की पहलों जैसे मिशन लाइफ, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (एक जिला

एक उत्पाद), विकसित भारत, नारी शक्ति, एक भारत श्रेष्ठ भारत का प्रदर्शन किया गया। देखो अपना देश को बढ़ावा देने के लिए नवीनतम तकनीक के माध्यम से एक एक्सपीरिएंश्यल ज़ोन (अनुभवात्मक क्षेत्र) भी स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम में भारत में विभिन्न राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों की विविध पाक परंपराओं का प्रतिनिधित्व करने वाले स्वादिष्ट व्यंजनों की पेशकश करते स्टालों के साथ एक फूड कोर्ट होगा। सांस्कृतिक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, एक अखिल भारतीय शिल्प बाजार स्थापित किया गया था,जिसमें हस्तशिल्प और हथकरघा स्टाल का प्रदर्शन किया गया जो समग्र प्रदर्शन को समृद्ध और जीवंत बनाया। देश के विविध पर्यटक आकर्षणों को प्रदर्शित करने के लिए 30 से अधिक राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के थीमेटिक पैविलियन भी स्थापित किए गए थे। दिल्ली स्थित विभिन्न क्षेत्रीय सांस्कृतिक संघों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन भी आयोजित किए गए थे। यह पर्व देश भर के स्थानीय कारीगरों के माध्यम से वोकल फॉर लोकल को भी बढ़ावा दे रहा है, जो अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री द्वारा इसमें भाग ले रहे हैं।

वेड इन इंडिया (5 से 7 मई 2024): पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से दिनांक 5 मई 2024 को जयपुर में ग्रेट इंडिया ट्रैवल के साथ–साथ 'वेड इन इंडिया' एक्सपो का आयोजन किया।

सत्यमेव जयते

इस कार्यक्रम में लगभग 250 लोगों ने भाग लिया, जिनमें विदेशी और घरेलू वेडिंग प्लानर, राज्य सरकारें, मीडिया, अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू टूर ऑपरेटर, इवेंट मैनेजमेंट कंपनियां शामिल थीं।

इस कार्यक्रम भारत को पसंदीदा विवाह गंतव्य बनाने के लिए भारत की तैयारियों और अवसरों, भारत में शादियों का आयोजन करते समय वेडिंग प्लानर्स के समक्ष आने वाली चुनौतियों, वेडिंग प्लानर्स द्वारा सरकार से अपेक्षित सहायता, भारत में आयोजित की जा रही सफल शादियों पर केस स्टडी पर फोकस करने के लिए पैनल चर्चाएं की गई थीं। कार्यक्रम के दौरान, विशेषज्ञों ने भारत को एक विवाह गंतव्य बनाने के लिए भारत की तैयारियों और अवसरों पर चर्चा की।

"विश्व धरोहर समिति की बैठक के 46वें सत्र" के दौरान अतुल्य भारत प्रदर्शनी: विश्व धरोहर समिति का 46वाँ सत्र 21 से 31 जुलाई 2024 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 195 देशों के लगभग 2,500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

पर्यटन मंत्रालय ने विश्व धरोहर समिति की बैठक के प्रतिनिधियों के लिए हॉल नंबर 14, भारत मंडपम, नई दिल्ली में "अतुल्य भारत" प्रदर्शनी की स्थापना की है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन सभ्यता, भव्य इतिहास, भौगोलिक विविधता, पर्यटन स्थलों और सूचना प्रौद्योगिकी तथा अवसंरचना में आधुनिक प्रगति को उजागर करना था। यह प्रदर्शनी एक सहयोगात्मक प्रयास था जिसमें 10 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के साथ–साथ सभी

36 राज्य और संघ राज्यक्षेत्र शामिल हुए, जो एक समग्र सरकार के दृष्टिकोण का उदाहरण था। इसे नौ क्षेत्रों में विभाजित किया गया था, जिनमें से प्रत्येक भारत के पाँच क्षेत्रों में से एक का प्रतिनिधित्व करता था। इन क्षेत्रों में 3डी इंस्टॉलेशन, राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के लिए बूथ और स्थानीय हथकरघा और हस्तशिल्प के लाइव प्रदर्शन शामिल थे। पारंपरिक पोशाक पहने कारीगरों और अधिकारियों ने देश की समृद्ध विविधता का प्रदर्शन किया। प्रत्येक क्षेत्र का एक समर्पित प्रवेश द्वार था जो इसकी अनूठी वास्तुकला को प्रदर्शित करता था, और राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों ने अपने पर्यटन पेशकशों को प्रस्तुत किया। जनजातीय शिल्प और जीआई हस्तशिल्प का प्रदर्शन और बिक्री की गई, जिसमें खरीदारी क्षेत्र में उपलब्ध "एक जिला एक उत्पाद" (ओडीओपी) वस्तुओं के चयन के साथ भारत की समृद्ध कृषि परंपरा को उजागर किया गया। प्रदर्शनी में देश भर के उत्पाद बेचने वाली 30 दुकानें थीं।

पर्यटन मंत्रालय ने दिल्ली पर्यटन और आगा खान फाउंडेशन की साझेदारी में दिल्ली और उसके आसपास के विरासत स्थलों को दिखाने के लिए प्रतिनिधियों के लिए विभिन्न भ्रमण यात्राओं का आयोजन भी किया। इन भ्रमणों को प्रतिनिधियों ने खूब सराहा और उक्त बैठक के दौरान लगभग 1000 प्रतिनिधियों ने इस भ्रमण में भाग लिया।

केन्द्रीय होटल प्रबंधन संस्थानों, भारतीय पाककला संस्थानों और भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थानों के छात्रों को सम्मेलन के दौरान विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों की सहायता और मार्गदर्शन करने के लिए नियुक्त किया गया था। इन छात्रों को प्रदर्शनी के माध्यम से अपने–अपने प्रतिनिधिमंडलों का प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

पिछले पांच दिनों के दौरान, यह प्रदर्शनी भारत सरकार के सचिवों और अधिकारियों तथा यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य उद्योग के हितधारकों के लिए खुली रही। इसके अतिरिक्त, युवा पर्यटन क्लबों के छात्रों के लिए प्रदर्शनी का दौरा आयोजित किया गया, ताकि उनका ज्ञान और भारत के बारे में उनकी समझ में वृद्धि हो सके।

विश्व पर्यटन दिवस – 27 सितंबर, 2024: पर्यटन मंत्रालय ने "पर्यटन और शांति" विषय के साथ विश्व पर्यटन दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने भाग लिया, जिन्होंने आतिथ्य और सेवा में उत्कृष्टता प्राप्त करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विश्व स्तरीय अवसंरचना, हवाई अड्डों के दोहरीकरण और बढ़ी हुई कनेक्टिविटी के साथ भारत के परिवर्तन पर प्रकाश डाला, जो पर्यटन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगा। श्री धनखड़ ने आर्थिक विकास, सांस्कृतिक आदान–प्रदान और सामुदायिक विकास में पर्यटन की भूमिका पर भी जोर दिया। आयोजन के दौरान निम्नलिखित पहल शुरू की गईः

- पर्यटन मित्र और पर्यटन दीदी को भारत भर के छह पर्यटन स्थलों में पायलट किया गया थाः ओरछा (मध्य प्रदेश), गंडिकोटा (आंध्र प्रदेश), बोधगया (बिहार), आइजोल (मिजोरम), जोधपुर (राजस्थान), और श्री विजयपुरम

(अंडमान और निकोबार द्वीप समूह)। कार्यक्रम का उद्देश्य गंतव्यों में पर्यटकों के लिए समग्र अनुभव को बढ़ाना है, जिससे उन्हें कैब ड्राइवर, होटल स्टाफ आदि जैसे 'पर्यटक–अनुकूल' लोगों से मिलना है, जिन्हें अपने गंतव्य के लिए गर्वित राजदूत और कहानीकारों में बदलने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। महिलाओं और युवाओं को नवीन पर्यटन उत्पादों और अनुभवों जैसे हेरिटेज वॉक, फूड और क्राफ्ट टूर, नेचर ट्रेक, होमस्टे और अन्य गंतव्य–विशिष्ट पेशकशों को विकसित करने के लिए प्रशिक्षित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

- सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव विजेताः सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों प्रतियोगिता 2023 में शुरू की गई थी। इसमें उन गांवों को चिह्नित और मान्यता प्रदान करना था जो समुदाय–आधारित मूल्यों और सभी पहलुओं में स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से सांस्कृतिक और प्राकृतिक संपत्ति को संरक्षित और बढ़ावा देते हैं। इस वर्ष, 30 राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों से कुल 991 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 36 गांवों को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों प्रतियोगिता 2024 की 8 श्रेणियों में विजेताओं के रूप में मान्यता दी गई।
- अतुल्य भारत कंटेंट हब और डिजिटल पोर्टलः अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल और अतुल्य भारत कंटेंट हब की शुरूआत की गई।
- पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को उद्योग का दर्जा प्रदान करने के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के लिए हैंडबुक लांच की गई।

मैसूरु संगीत सुगंधा महोत्सव–2024 – मैसूर में कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी कॉन्वोकेशन हॉल में 8 से 10 नवंबर तक आयोजित मैसूरु संगीत सुगंधा महोत्सव 2024 ने कर्नाटक में समृद्ध संगीत विरासत और सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाया गया। संस्कृति मंत्रालय और संगीत नाटक अकादमी के सहयोग से पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित, इस कार्यक्रम में कालातीत दास परंपराओं पर विशेष ध्यान देने के साथ–साथ क्षेत्र की जीवंत संगीत परंपराओं को प्रदर्शित करते हुए मैसूरु को सांस्कृतिक पर्यटन के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने की मांग की गई।

इस उत्सव में 135 कलाकारों द्वारा प्रदर्शन किया गया, जिसमें एक महत्वपूर्ण हिस्सा दास साहित्य परंपरा को समर्पित करते हुए मुख्य रूप से कन्नड़ रचनाओं का प्रदर्शन किया गया। पुरंदरदास, कनकदास और अन्य संत कवियों की रचनाओं को भक्ति के साथ प्रस्तुत किया गया, जिससे दर्शकों को संगीत के माध्यम से एक आध्यात्मिक यात्रा की पेशकश की गई। इन प्रदर्शनों ने कर्नाटक की सांस्कृतिक पहचान में दास परंपराओं की स्थायी प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

इस महोत्सव ने कर्नाटक की विविध सांस्कृतिक टेपेस्ट्री को सफलतापूर्वक उजागर किया, जिसमें दास परंपरा के गहन प्रभाव पर प्रकाश डाला गया। इसने व्यापक दर्शकों को आकर्षित किया और कलाकारों, शिल्पकारों और पर्यटन हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया। लाइव–स्ट्रीम किए गए प्रदर्शनों ने इस कार्यक्रम की पहुंच का विस्तार किया और वैश्विक दर्शकों को कर्नाटक की कलात्मक और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ा।

सत्यमेव जयते

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) – 2024 :– अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) का 12वां संस्करण 26 से 29 नवंबर, 2024 तक असम के काजीरंगा में आयोजित किया गया था। आईटीएम पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम है जिसे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों दर्शकों के लिए उत्तर पूर्वी क्षेत्र की पर्यटन क्षमता को उजागर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इस वर्ष, उपरोक्त कार्यक्रम में लगभग 450 प्रतिभागियों ने भाग लिया है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू टूर ऑपरेटर, होटल व्यवसायी और होमस्टे मालिक, पर्यटन सेवाप्रदाता, इंफ्लुएंसर्स और राय निर्माता, भारत सरकार और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, मीडिया और अंतर्राष्ट्रीय छात्र आदि शामिल हैं।

तीन दिवसीय मार्ट में राज्य सरकारों द्वारा प्रस्तुतिकरण, बी2बी बैठकें, पैनल चर्चाएं, खाद्य प्रदर्शन, सांस्कृतिक संध्या, लाइव संगीत, एक उत्तर पूर्व बाजार, और चराइदेव मोइदाम (भारत का नवीनतम और 43वां यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल), काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (राष्ट्रीय उद्यान के रूप में 50 साल पूरे होने का जश्न मनाता है), हाथीकुली चाय बागान और आर्किड तथा जैव विविधता पार्क जैसे महत्वपूर्ण स्थलों की तकनीकी यात्राएं शामिल हैं। इसमें उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में पढ़ रहे अंतर्राष्ट्रीय छात्रों और दुनिया भर के प्रभावशाली लोगों को भी शामिल किया गया, जो उन्हें क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति का प्रत्यक्ष अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

सत्यमेव जयते

'कृष्णवेणी संगीत नीरजनम 2024': कृष्णवेणी संगीत नीरजनम 2024, 6 से 8 दिसंबर तक आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में आयोजित तीन दिवसीय उत्सव में कर्नाटक संगीत और तेलुगु संस्कृति की समृद्ध विरासत का जश्न मनाया गया। संस्कृति और वस्त्र मंत्रालय और आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित, इस महोत्सव का उद्देश्य आंध्र प्रदेश को एक प्रमुख सांस्कृतिक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करना है।

इसका प्राथमिक उद्देश्य राज्य की जीवंत संगीत परंपराओं को प्रदर्शित करना, स्थानीय कारीगरों और कलाकारों का समर्थन करना और युवाओं के बीच आंध्र प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान की सराहना को बढ़ावा देना था। इसमें कर्नाटक संगीत के साथ संबंध को प्रेरित करने और आंध्र प्रदेश को सांस्कृतिक पर्यटन के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने की भी मांग की गई।

इस कार्यक्रम में तीन प्रतिष्ठित स्थानों– तुम्मलपल्ली क्षत्रिय कलाक्षेत्र सभागार, दुर्गा घाट और कनक दुर्गा मंदिर में 193 कलाकारों द्वारा 35 प्रदर्शन किए गए। इन प्रदर्शनों में तेलुगु संगीतकारों का जश्न मनाया गया और इसमें नागस्वरम, हरिकथा, पंचरत्न कृति, और बहुत कुछ शामिल थे, जिन्होंने आंध्र प्रदेश की संगीत विरासत का व्यापक अनुभव प्रदान किया।

एक विशेष विरासत प्रदर्शन में जीआई–टैग किए गए हस्तशिल्प और हथकरघा जैसे मंगलगिरी कपास, उपाड़ा जामदानी और कोंडापल्ली खिलौनों को हाइलाइट किया गया, जो स्थानीय कारीगरों का समर्थन करने और उनकी शिल्प कौशल को बढ़ावा देते हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय पाक संस्थान, तिरुपति ने आगंतुकों को इस क्षेत्र की पाक समृद्धि का स्वाद प्रदान करते हुए प्रामाणिक आंध्र व्यंजनों को क्यूरेट किया।

कृष्णवेणी संगीत नीरजनम 2024 ने स्थानीय समुदायों का समर्थन करते हुए और सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध करते हुए संगीत, शिल्प और पाक विरासत को सफलतापूर्वक जोड़ा। इसने भविष्य की सांस्कृतिक पर्यटन पहलों के लिए एक बेंचमार्क स्थापित किया, जो भारत की अमूर्त विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

पर्यटन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्यकलापः देशभर में पर्यटन मंत्रालय के 20 घरेलू भारत पर्यटन कार्यालय हैं। ये कार्यालय राज्य पर्यटन विभागों और हितधारकों के समन्वय से अपने–अपने क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के कार्यक्रमों और नीतियों के कार्यान्वयन से संबंधित मामलों को देखते हैं। घरेलू कार्यालय प्रभाग घरेलू कार्यालयों के क्रियाकलापों और कार्यकरण से संबंधित कार्यों की देखरेख करता है।

युवा पर्यटन क्लबः भारत के माननीय प्रधानमंत्री के निर्देशों का अनुपालन करते हुए पर्यटन मंत्रालय ने "युवा पर्यटन क्लब" अभियान की शुरूआत की है। इसका लक्ष्य बच्चों और युवाओं में भारत की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत/पर्यटन के प्रति रुचि, जागरूकता और जिम्मेदारी का भाव पैदा करना है। चूंकि भारत की बड़ी युवा आबादी नवाचार, उद्यमशीलता और विविधता की संस्कृति में अत्यधिक महत्वपूर्ण है इसलिए ये क्लब युवाओं को पर्यटन के क्षेत्र में शिक्षित बनाने और इसके प्रति उनकी रूचि पैदा करने के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, संस्थानों में अब तक 35,000 से अधिक क्लबों का गठन किया जा चुका है और साथ ही भारतीय पर्यटन के युवा प्रतिनिधियों को शिक्षित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं और गतिविधियां शुरू की गई हैं, जो पर्यटन संवर्धन, सांस्कृतिक

विरासत की सराहना और जिम्मेदारीयुक्त एवं स्थायी पर्यटन कार्य–पद्धतियों का समर्थन करेंगे।

एक भारत श्रेष्ठ भारतः मंत्रालय एक भारत श्रेष्ठ भारत को बढ़ावा देने के लिए रोड शो, फैम ट्रिप, बी2बी बैठकें, प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, वेबिनार जैसे विभिन्न पर्यटन संवर्धनात्मक कार्यकलापों का आयोजन करता है।

5.1.2 ई–ब्रोशर/कोलैटरल/क्रिएटिव/फिल्मों का विकास

भारत को एक समग्र गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के उद्देश्य से, पर्यटन मंत्रालय विविध भाषा वाले बाजारों में व्यापक प्रचार और प्रसार के लिए विभिन्न विषयों पर क्रिएटिव विकसित कर रहता है ताकि देश के विषयगत पर्यटन उत्पादों को बढ़ावा दिया जा सके।

भारत के विभिन्न पर्यटन उत्पादों और गंतव्यों तक पहुंच बढ़ाने और उनको बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने ई–ब्रोशर/प्रिंट क्रिएटिव्स सहित विभिन्न प्रिंट, आउटडोर और डिजिटल क्रिएटिव विकसित किए हैं जैसे किः–

क. 23 से 31 जनवरी तक लाल किला लॉन, नई दिल्ली में आयोजित भारत पर्व के मेगा फेस्टिवल पर एक भारत श्रेष्ठ भारत के संदेश का प्रचार करते हुए 7 प्रिंट क्रिएटिव विकसित किए गए। प्रिंट क्रिएटिव का उपयोग दिल्ली एनसीआर में दैनिक पत्रों और समाचार पत्रों में विज्ञापन जारी करने के लिए भी किया गया था।

ख. पर्यटन के माध्यम से परिवर्तन के लिए प्रिंट विज्ञापन।

ग. अंतर्राष् ट्रीय योग दिवस के लिए क्रिएटिव्स विकसित किए गए।

घ. आईएमईएक्स, फ्रैंकफर्ट, वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट, लंदन की ब्रांडिंग।

ङ. सेंटीमेंट ट्रैकर के लिए डिजिटल क्रिएटिव विकसित किए गए।

च. 46 वीं विश्व विरासत समिति की बैठक के लिए 'भारत के कालातीत खजाने' नामक ब्रोशर और प्लानर विकसित किए गए।

छ. आउटडोर, प्रिंट और डिजिटल प्रारूप हेतु देखो अपना देश पीपुल्स च्वाइस पोल के लिए क्रिएटिव विकसित किए गए।

ज. स्वच्छता अभियान के लिए क्रिएटिव्स विकसित किए गए।

झ. अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट, काजीरंगा के लिए डिजिटल क्रिएटिव्स विकसित किए गए।

ञ. महाकुंभ के लिए क्रिएटिव्स और ब्रोशर विकसित किए गए।

ट. चलो इंडिया के लिए लीफलेट विकसित किए गए।

ठ. चलो इंडिया, स्वच्छता प्रहरी के लिए विकसित लोगो।

5.1.3 ब्रांडिंग संबंधी कार्यकलाप

क. गणतंत्र दिवस समारोह के संबंध में 23 से 31 जनवरी तक आयोजित मेगा फेस्टिवल 'भारत पर्व' के अवसर पर, मंत्रालय ने एनसीआर में समाचार पत्रों में प्रिंट विज्ञापन जारी किए और कार्यक्रम की ब्रांडिंग की।

ख. पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन के माध्यम से परिवर्तन के लिए 07 मार्च को विज्ञापन जारी किया।

ग. पर्यटन मंत्रालय ने देखो अपना देश पीपुल्स च्वाइस पोल को बढ़ावा देने के लिए संचार ब्यूरो के माध्यम से एक आउटडोर अभियान शुरू किया।

घ. पर्यटन मंत्रालय ने देखो अपना देश पोल के लिए पैन इंडिया के लिए प्रिंट विज्ञापन जारी किया।

5.1.4 सोशल मीडिया प्रमोशन

i. पर्यटन मंत्रालय द्वारा @tourismgoi और @yuvatourism हैंडल पर सोशल मीडिया प्रचार किया गया। @tourismgoi के फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर), इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे 05 अलग–अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट हैं, जबकि @yuvatourism के 4 हैंडल पर अकाउंट हैं।

ii. पर्यटन मंत्रालय के सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र से संबंधित सरकार की प्रमुख पहलों का व्यापक संवर्धन और प्रचार किया गया है।

iii. पर्यटन उत्पादों और विरासत पर्यटन, साहसिक पर्यटन, स्थायी पर्यटन, मेलों और उत्सवों आदि जैसे विषयों को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय और इसके क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा की गई विविध पहलों का सोशल मीडिया प्रचार किया गया।

iv. निधि, साथी, स्वदेश दर्शन और प्रशाद जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत पर्यटन मंत्रालय की पहल और अवसंरचना परियोजनाओं को पूरे वर्ष विधिवत रूप से उजागर और प्रचारित किया गया।

पर्यटन मंत्रालय के एसएम हैंडल के माध्यम से एक निरंतर सोशल मीडिया आउटरीच कार्यक्रम के परिणामस्वरूप फोलोअर्स और रूचि में वृद्धि हुई है।

@ tourismgoi – 31st दिसम्बर 2024 तक की स्थिति के अनुसार

एक्स (पूर्व में ट्विटर) – 386.2 हजार फोलोअर्स

फेसबुक – 226 हजार फोलोअर्स

इंस्टाग्राम – 183 हजार फोलोअर्स

5.1.5 आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच) योजना

- घरेलू पर्यटन भारत में पर्यटन क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- पर्यटन मंत्रालय घरेलू पर्यटन के संवर्धन के लिए और घरेलू पर्यटक यात्राओं को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न संवर्धनात्मक कार्यकलाप चलाता है।
- इन कार्यकलापों का मुख्य उद्देश्य पर्यटन स्थलों और उत्पादों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उत्तर पूर्व तथा जम्मू और कश्मीर जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए देश के भीतर पर्यटन को बढ़ावा देना है।
- सामाजिक जागरूकता संबंधी संदेश फैलाना और ऐसे आयोजनों को बढ़ावा देना जो पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता रखते हैं।

5.1.6 उत्सव पोर्टल

उत्सव पोर्टल वेबसाइट, पर्यटन मंत्रालय द्वारा विकसित और शुरू की गई एक डिजिटल पहल है, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में सभी कार्यक्रमों, महोत्सवों और लाइव दर्शनों का प्रदर्शन करना है। ताकि देश के विभिन्न क्षेत्रों को दुनिया भर में लोकप्रिय पर्यटन स्थलों के रूप में बढ़ावा दिया जा सके यह पोर्टल महोत्सवों, कार्यक्रमों और ऑनलाइन पूजा/आरती पर माह–वार और राज्यवार कैलेंडर सामग्री प्रदर्शित करता है। उत्सव पोर्टल को श्री जी. किशन रेड्डी, माननीय केंद्रीय मंत्री (पर्यटन, संस्कृति और डीओएनईआर) द्वारा नई दिल्ली में 12–13 अप्रैल 2022 को आयोजित 'अमृत समागम सम्मेलन' के उद्घाटन दिवस पर लॉन्च किया गया था। पोर्टल पर https://utsav-gov-in/ द्वारा पहुंचा जा सकता है। इस पोर्टल में अब विस्तृत आकर्षणों के साथ 28 राज्यों और 8 संघ राज्यक्षेत्रों में 1196 से अधिक कार्यक्रमों, महोत्सवों और 55 से अधिक लाइव दर्शनों की जानकारी शामिल है। यह वेबसाइट डायनेमिक है और समय–समय पर अपडेट की जाने वाली सभी आगामी घटनाओं, महोत्सवों और प्रदर्शनियों के बारे में अतिरिक्त नई जानकारी के साथ लगातार विकसित हो रही है। उत्सव पोर्टल में आधिकारिक सोशल मीडिया लिंक, आधिकारिक वेबसाइट, ब्रोशर, आयोजन समिति के संपर्क विवरण और हवाई, रेल और सड़क के माध्यम से आसानी से गंतव्य तक पहुंचने का विवरण भी होगा, इस प्रकार पर्यटकों के साथ बेहतर संपर्क स्थापित होगा और आगंतुकों को इन गंतव्यों की यात्रा की योजना बनाने में सहायता मिलेगी। गहन अनुभव–आधारित सामग्री कला और संस्कृति, आध्यात्मिक, संगीत, मौसम का प्रभाव, पाक कला, नृत्य, खेल और साहसिक, हार्वेस्ट और एक्सपो तथा प्रदर्शनियों जैसी विभिन्न श्रेणियों के तहत वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाती है। एक खंड है जो भारत में मनाए जाने वाले प्रमुख महोत्सवों को सूचीबद्ध करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि

सत्यमेव जयते

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू यात्री इन महोत्सवों के लिए अपनी यात्राओं की योजना पहले से ही बना सकें। वेबसाइट का उद्देश्य पर्यटन जागरूकता, आकर्षण और यात्रा के अवसरों को बढ़ाते हुए सम्मोहक, संबद्ध और प्रासंगिक डिजिटल अनुभवों के साथ पर्यटकों की सहायता करके वैश्विक क्षेत्र में महोत्सवों की भूमि, भारत के सौंदर्य को प्रदर्शित करना है।

5.1.7 अतुल्य भारत वेबसाइट

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने 27 सितंबर, 2024 को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर संशोधित अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल (www.incredibleindia.gov.in) पर अतुल्य भारत कंटेंट हब लॉन्च किया। अतुल्य भारत कंटेंट हब एक व्यापक डिजिटल भंडार है, जिसमें भारत में पर्यटन से संबंधित उच्च गुणवत्ता वाली छवियों, फिल्मों, ब्रोशर और समाचार पत्रों का एक समृद्ध संग्रह है। यह भंडार टूर ऑपरेटरों, पत्रकारों, छात्रों, शोधकर्ताओं, फिल्म निर्माताओं, लेखकों, इंफ्लुएंसर्स, सामग्री निर्माताओं, सरकारी अधिकारियों और राजदूतों सहित विविध हितधारकों के उपयोग के लिए है। कंटेंट हब, जो नए अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल का हिस्सा है, का उद्देश्य दुनिया भर में यात्रा व्यापार (ट्रैवल मीडिया, टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट) के लिए अतुल्य भारत पर उनकी जरूरत की हर चीज एक ही स्थान पर उपलब्ध कराकर पहुंच को आसान और सुविधाजनक बनाना है, ताकि वे अपने सभी विपणन और प्रचार प्रयासों में अतुल्य भारत का प्रचार कर सकें। कंटेंट हब के पास वर्तमान में लगभग 5,000 सामग्री परिसंपत्तियां हैं। इस संग्रह पर उपलब्ध सामग्री पर्यटन मंत्रालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, संस्कृति मंत्रालय और अन्य सहित कई संगठनों द्वारा सहयोगात्मक प्रयास का एक उत्पाद है। अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल एक पर्यटक–केंद्रित, वन–स्टॉप डिजिटल समाधान है जिसे भारत आने वाले आगंतुकों के यात्रा अनुभव को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। संशोधित पोर्टल यात्रियों को उनकी यात्रा के हर चरण में खोज और अनुसंधान से लेकर योजना, बुकिंग, यात्रा और वापसी तक आवश्यक जानकारी और सेवाएं प्रदान करता है। संशोधित पोर्टल वीडियो, चित्र और डिजिटल मानचित्र जैसी मल्टीमीडिया सामग्री का उपयोग करते हुए गंतव्यों, आकर्षणों, शिल्प, महोत्सवों, यात्रा डायरी, यात्रा कार्यक्रमों, और बहुत कुछ के बारे में जानकारी प्रदान करता है। प्लेटफॉर्म का 'बुक योर ट्रैवल' फीचर उड़ानों, होटलों, कैब, बसों और स्मारकों के लिए बुकिंग सुविधा प्रदान करता है, जिससे यात्रियों के लिए पहुंच बढ़ जाती है। इसके अतिरिक्त, एआई–संचालित चैटबॉट प्रश्नों के उत्तर देने और यात्रियों को वास्तविक जानकारी प्रदान करने के लिए एक वर्चुअल सहायक के रूप में कार्य करता है। अन्य विशेषताओं में मौसम की जानकारी, टूर ऑपरेटर विवरण, मुद्रा परिवर्तक, हवाई अड्डे की जानकारी, वीज़ा–गाइड और बहुत कुछ शामिल है।

सत्यमेव जयते

5.1.8 देखो अपना देश पीपल्स च्वाइस

पर्यटन मंत्रालय ने 'भारत की जनता' की पसंद को जानने के लिए पहली बार राष्ट्रव्यापी आईपी (बौद्धिक संपदा), 'देखो अपना देश, पीपल्स च्वाइस 2024' तैयार की।

इस पहल की शुरुआत दिनांक **7 मार्च, 2024 को श्रीनगर में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई।**

इस राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण का उद्देश्य सबसे पसंदीदा पर्यटक आकर्षणों का चयन करने के लिए नागरिकों से जुड़ना और 5 पर्यटन श्रेणियों – आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और विरासत, प्रकृति एवं वन्यजीव, साहसिक और अन्य श्रेणियों में पर्यटकों के दृष्टिकोण को समझना है। चार मुख्य श्रेणियों के अलावा, 'अन्य' श्रेणी वह है जहां कोई भी अपनी व्यक्तिगत पसंद के लिए वोट कर सकता है और अज्ञात पर्यटन स्थलों जैसे वाइब्रेंट सीमावर्ती गांव, निरोगता पर्यटन, विवाह पर्यटन आदि को उजागर करने में मदद कर सकता है।

यह अभियान 2 चरणों में शुरू किया गया था, जो इस प्रकार है:–

चरण 1: 14 मार्च –15 अक्टूबर 2024 को MyGov के माध्यम से 5 अलग–अलग श्रेणियों के तहत लंबे प्रारूप मोड में।

- एक समर्पित पोर्टल https://innovateindia.mygov.in@dekho-apna-desh/, जिसमें उपयोगकर्ता अपने मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी के माध्यम से श्रेणियों (आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और विरासत, प्रकृति और वन्यजीव साहसिक, अन्य (खुली श्रेणी) में वोट किया।

सत्यमेव जयते

मल्टीचैनल मीडिया आउटरीचः

- ऑनलाइन अभियानः आधिकारिक वेबसाइटों सहित विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से आकर्षक सामग्री का प्रसार किया गया, जिसमें "देखो अपना देश" की भावना को प्रदर्शित करने वाले गंतव्यों और अनुभवों पर प्रकाश डाला गया।
- प्रिंट मीडियाः ब्यूरो ऑफ आउटरीच के माध्यम से प्रमुख समाचार पत्रों में अखिल भारतीय स्तर पर विज्ञापन लांच किए गए, जिसका उद्देश्य पारंपरिक दर्शकों तक पहुंचना, पहल की जानकारी देना और पाठकों को भाग लेने के लिए प्रेरित करना था।
- सोशल मीडिया जुड़ावः उपयोगकर्ताओं को जोड़ने के लिए फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और लिंक्डइन जैसे प्लेटफार्मों पर सक्रिय अभियान डिज़ाइन किए गए थे।
- रचनात्मक पोस्ट, कहानियां और इंटरैक्टिव सामग्री जैसे पोल और क्विज़ भागीदारी को प्रोत्साहित करते हैं और साझा करने को राज्य सरकारों के साथ साझा किया गया था।
- आउटडोर विज्ञापनः पहल की दृश्यता और जागरूकता बढ़ाने, स्थानीय आकर्षण और आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए; ब्यूरो ऑफ आउटरीच के माध्यम से आउटडोर अभियान चलाया गया।
- एसएमएस और व्हाट्सएप अभियानः लक्षित जनसांख्यिकी को एसएमएस और व्हाट्सएप पर प्रत्यक्ष संदेश भेजे गए, जिसमें पहल में व्यक्तिगत जुड़ाव और भागीदारी को आमंत्रित करने के लिए अपडेट, रिमाइंडर और कार्रवाई संबंधी कॉल शामिल हैं।

सेलिब्रिटी और इन्फ्लुएंसेर का समर्थनः

माननीय प्रधानमंत्री, माननीय मंत्रियों, माननीय सचिवों, मंत्रालयों और सरकारी संस्थानों, आनंद महिंद्रा, अनुपम खेर, हेमा मालिनी और कैलाश खेर सहित विख्यात हस्तियों ने अभियान में अपना योगदान दिया है। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मतदान किया और सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा किए हैं, जिससे पहल की पहुँच और विश्वसनीयता बढ़ी है। अपना समर्थन दिखाकर घरेलू पर्यटन का समर्थन करने वाले एक समुदाय को प्रोत्साहित करते हुए ये इंफ्लुएंसर्स अपने अनुयायियों को भाग लेने के लिए प्रेरित करते हैं।

सत्यमेव जयते

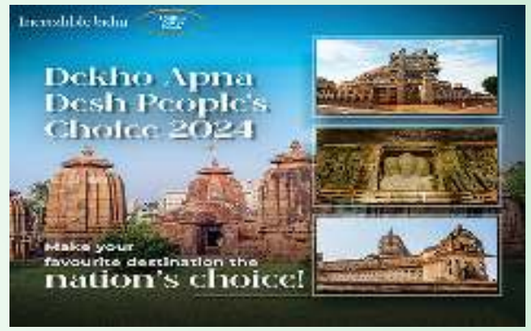

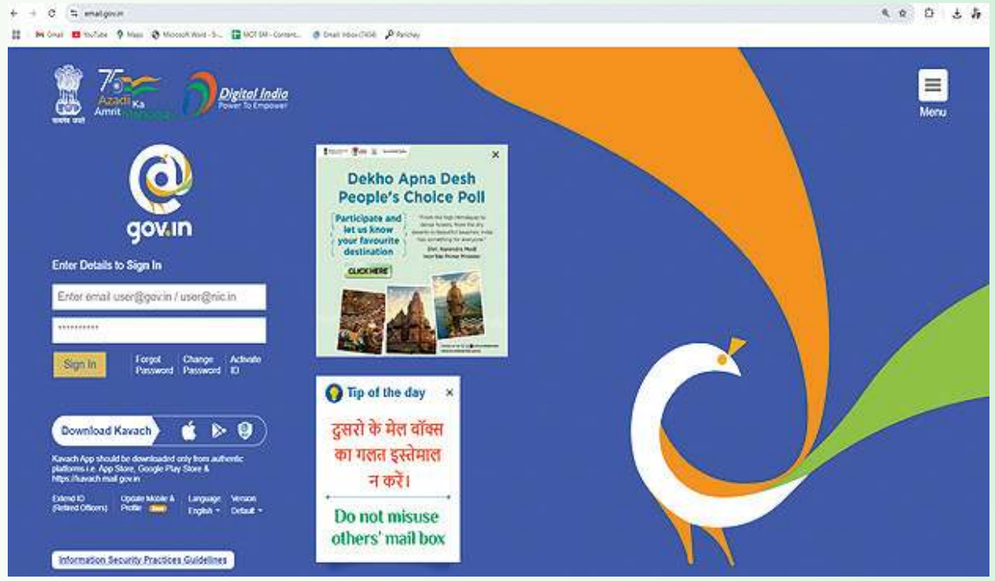

चरण 2: 11 नवंबर 2024 से एनआईसी के माध्यम से तीन क्वेशन शॉर्ट प्रारूप मोड और डीएडी स्कूल प्रतियोगिता में।

15 नवंबर से 15 दिसंबर, 2024 के बीच, देश भर के केंद्रीय विद्यालय (केवी) और नवोदय विद्यालय (एनवी) स्कूलों के 5 लाख छात्रों ने देखो अपना देश के लिए हस्तलिखित पर्यटन ब्रोशर बनाए। समापन की तिथि पर 2000 हस्तलिखित ब्रोशर प्राप्त हुए थे।

सत्यमेव जयते

मेलों/महोत्सवों/पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सहायताः पर्यटन मंत्रालय मेलों/महोत्सवों/पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए आतिथ्य सहित घरेलू प्रचार एवं संवर्धन योजना के अंतर्गत प्रति राज्य 80 लाख रु और प्रति संघ राज्य क्षेत्र 50 लाख रु तक की वित्तीय सहायता प्रदान करता है। वर्ष 2024–25 में मेलों और महोत्सवों के आयोजन के लिए विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को कुल 279.49 लाख रुपये जारी किए गए हैं।

सत्यमेव जयते

वर्ष 2024–25 में डीपीपीएच योजना के तहत मेलों और महोत्सवों के लिए जारी राशि का विवरण

(लाख रु. में)

क्र. सं.	राज्य	महोत्सव का नाम	जारी राशि
1	हरियाणा	सूरजकुंड मेला 2022–23	30.00
2	उत्तर प्रदेश	फिरोजाबाद महोत्सव	25.00
		हाथरस महोत्सव	25.00
3	मेघालय	नोंगक्रेम नृत्य महोत्सव	25.00
4	त्रिपुरा	नीरमहल महोत्सव	9.80
		दिवाली महोत्सव	9.55
		चाबीमुरा महोत्सव	3.00
5	नगालैंड	शरद महोत्सव	10.00
		नागा विरासत गांव, क्रिसामा में व्यंजन संगीत महोत्वस	25.00
6	तमिलनाडु	भारतीय नृत्य महोत्सव	25.00
7	मध्य प्रदेश	नर्मदा महोत्सव 2023–2024	67.12
		जल महोत्सव 2023–2024	
		गांधी सागर फ्लोटिंग महोत्सव 2023–2024	
8	उत्तराखंड	अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव	25.00
		कुल	**279.49**

5.2 विपणन एवं संवर्धन (अंतर्राष्ट्रीय)

पर्यटन मंत्रालय वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी को बढ़ाने के लिए पर्यटन सृजनकारी बाजारों में पसंदीदा पर्यटन गंतव्य के रूप में भारत का संवर्धन करता है। एकीकृत विपणन एवं संवर्धनात्मक कार्यनीति तथा ट्रैवल ट्रेड, राज्य सरकारों तथा विदेशों में भारतीय मिशनों के सहयोग से एक संयुक्त अभियान के माध्यम से इन उद्देश्यों को पूरा किया जाता है।

5.2.1 चलो इंडिया पहल

कोविड के बाद भारत में विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए, भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की फिर से शुरूआत करके, देश में अंतर्गामी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत के लिए 5.00 लाख निःशुल्क पर्यटक वीजा की घोषणा की गई। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी कई यात्राओं के दौरान भारतीय प्रवासियों से अतुल्य भारत के दूत बनने और अपने पांच गैर भारतीय मित्रों को भारत आने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया है।

सत्यमेव जयते

माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान के आधार पर और एक कदम आगे बढ़ाते हुए, 7 मार्च 2024 को कई अन्य पहलों और परियोजनाओं के साथ चलो इंडिया पहल शुरू की गई, जिसमें चलो इंडिया पोर्टल के माध्यम से भारतीय प्रवासी सदस्यों के लिए एक रेफरल कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया, जिसमें प्रत्येक प्रवासी सदस्य पोर्टल पर खुद को पंजीकृत कर सकता है और एक रेफरल कोड प्राप्त कर सकता है। अभियान को अतुल्य और विकसित भारत के लिए जनभागीदारी की भावना से शुरू किया गया है।

गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के परामर्श से, चलो इंडिया अभियान को लोकप्रिय बनाने और बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत प्रचार अभियान शुरू किया गया, जिसमें इस पहल के लिए एक ऑडियो विजुअल, प्रचार ब्रोशर, क्यूआर कोड का विकास किया गया।

नवंबर 2024 में लंदन में वर्ल्ड ट्रैवल मार्ट में मंत्रालय की भागीदारी के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में माननीय पर्यटन मंत्री द्वारा चलो इंडिया रेफरल कार्यक्रम के तहत 31 मार्च 2025 तक भारत आने वाले विदेशियों को 1.00 लाख मुफ्त पर्यटक–वीजा देने की भी घोषणा की गई।

सत्यमेव जयते

5.2.2 जनवरी 2024 से दिसंबर 2024 की अवधि के दौरान अंतर्राष्ट्रीय यात्रा मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी

पर्यटन मंत्रालय ने देश के पर्यटन उत्पादों को प्रदर्शित करने और बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर के महत्वपूर्ण पर्यटक सृजनकारी बाजारों के साथ–साथ उभरते और संभावित बाजारों में प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय यात्रा मेलों और प्रदर्शनियों में भाग लिया। इनमें निम्नलिखित शामिल थे:

i. **अरेबियन ट्रैवल मार्ट (एटीएम) दुबई 2024**

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने 6 से 9 मई 2024 तक आयोजित अरेबियन ट्रैवल मार्ट या एटीएम–दुबई 2024 में भाग लिया। यह आयोजन मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका के पर्यटन और यात्रा बाजार में भारत की उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दुबई में भारत के महाधिवक्ता द्वारा अतुल्य भारत मंडप का उद्घाटन किया गया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में टूर ऑपरेटर, लक्जरी होटल, वेलनेस रिसॉर्ट और भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम सहित सभी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व शामिल था, भारत खुद को 365–दिन के गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने के लिए तैयार है।

ii. **आईएमईएक्स, फ्रैंकफर्ट**

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने 14 से 16 मई 2024 तक आईएमईएक्स, फ्रैंकफर्ट में भाग लिया। पर्यटन मंत्रालय का लक्ष्य वैश्विक बाजार में एक अग्रणी एमआईसीई गंतव्य के रूप में भारत की क्षमता का प्रदर्शन करना और देश में अधिक से अधिक सम्मेलनों और संगोष्ठियों की मेजबानी करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करना है।

iii. **पैसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन (पीएटीए) मार्ट 2024**

पर्यटन मंत्रालय ने 108 वर्ग मीटर का स्थान किराए पर लेकर पैसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन (पीएटीए) मार्ट 2024 में भाग लिया। भारत द्वारा पेश किए जाने वाले विविध पर्यटन उत्पादों और अनुभव को प्रदर्शित करते हुए अतुल्य भारत मंडप का शानदार ढंग से निर्माण किया गया था। यह कार्यक्रम 27 से 29 अगस्त 2024 तक बैंकॉक के क्वीन सिरीकिट नेशनल कन्वेंशन सेंटर (क्यूएसएनसीसी) में आयोजित किया गया।

अतुल्य भारत मंडप का उद्घाटन थाईलैंड में भारत के राजदूत महामहिम नागेश सिंह ने किया, जिन्होंने भारत मंडप से भाग लेने वाले भारत के टूर ऑपरेटरों और होटल व्यवसायियों के साथ बातचीत की और हमारे विविध पर्यटन प्रस्तावों को बढ़ावा दिया।

सत्यमेव जयते

iv. आईएफटीएम टॉप रेसा, पेरिस

पर्यटन मंत्रालय ने 17 से 19 सितंबर, 2024 तक पेरिस में आयोजित प्रतिष्ठित टॉप रेसा कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और मध्य प्रदेश जैसे कई राज्य पर्यटन विभाग और 26 ट्रैवल कंपनियाँ भी शामिल थीं। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने पेरिस में टॉप रेसा में भारत के अजूबों को प्रदर्शित किया। तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन फ्रांस में भारत के राजदूत महामहिम श्री जावेद अशरफ ने किया।

v. जेएटीए, टोक्यो

पर्यटन मंत्रालय ने 26 से 29 सितंबर 2024 तक जेएटीए पर्यटन एक्सपो में भाग लिया, जिसमें दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, बिहार सहित राज्य सरकारों और निजी हितधारकों ने अतुल्य भारत मंडप के तहत भाग लिया। 4 दिनों का यह आयोजन 360 दिन यात्रा करने योग्य गंतव्य के रूप में भारत की क्षमता को प्रदर्शित करने का एक अवसर था। मंत्रालय ने जेएटीए पर्यटन एक्सपो में एक "भागीदार देश" के रूप में भाग लिया।

अतुल्य भारत मंडप का उद्घाटन मिशन के उप प्रमुख ने पर्यटन मंत्रालय के अधिकारियों, राज्य सरकारों और भारतीय टूर ऑपरेटरों के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ किया। कई बी2बी बैठकें आयोजित की गईं और भारत ने इस कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रदर्शन किए, जिसने अन्य मंडपों और आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया।

सत्यमेव जयते

vi. आईटीबी एशिया, सिंगापुर

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने आसियान क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय यात्रा प्रदर्शनियों में से एक आईटीबी सिंगापुर में 23 से 25 अक्तूबर, 2024 तक भाग लिया।

अतुल्य भारत मंडप का उद्घाटन सिंगापुर में भारत के उप उच्चायुक्त ने किया। अतुल्य भारत मंडप में औद्योगिक हितधारकों को और भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन परिषद (आईआरसीटीसी) सहित भारत में यात्रा और पर्यटन को बढ़ाने के लिए संभावित क्लाइंट्स और पाटनर्स के साथ बी2बी और बी2सी बैठकों के माध्यम से लाभकारी वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए विभिन्न उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित किया।

vii. वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट (डब्ल्यूटीएम) लंदन

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने एक्सेल लंदन में 5 से 7 नवंबर, 2024 तक आयोजित वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट (डब्ल्यूटीएम) लंदन में भाग लिया। मंत्रालय ने भारत की जीवंत सांस्कृतिक विविधता और पर्यटन उत्पादों और इमर्सिव अनुभवों की विशाल रेंज को प्रदर्शित करने के लिए राज्य सरकारों, इनबाउंड टूर ऑपरेटरों, एयरलाइंस, भारतीय यात्रा उद्योग के होटल व्यवसायियों सहित लगभग 50 हितधारकों के प्रतिनिधिमंडल के साथ भाग लिया। डब्ल्यूटीएम 2024 में भारत मंडप ने भारत की संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं के समृद्ध रूप को प्रदर्शित किया, जिनमें से प्रत्येक ने न केवल इसके

सत्यमेव जयते

समृद्ध पर्यटन परिदृश्य में योगदान दिया, बल्कि आध्यात्मिक और कल्याण, शादी, साहसिक कार्य, इकोटूरिज्म और पेटू जैसे विशिष्ट पर्यटन अनुभवों की श्रृंखला भी पेश की। इस वर्ष के भारत मंडप का फोकस एमआईसीई, महाकुंभ और वेडिंग टूरिज़्म है। पर्यटन मंत्रालय ने यू.के. में भारतीय उच्चायोग के सहयोग से ऐतिहासिक 'कट्टी सर्क' में, जो यूनेस्को की धरोहर है, 'चलो इंडिया' सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया। माननीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत पूरे अभियान का नेतृत्व करने के लिए उक्त कार्यक्रम में उपस्थित थे। यह विशेष कार्यक्रम भारतीय संस्कृति, विरासत और आतिथ्य की जीवंतता का जश्न मनाने के लिए डिज़ाइन किया गया था, साथ ही मंत्रालय की नई पहल, "चलो इंडिया" को बढ़ावा दिया गया था। आमंत्रित लोगों में यू.के. में रहने वाले भारतीय प्रवासी, स्थानीय मीडिया, विदेशी टूर ऑपरेटर, प्रभावशाली लोग, राज्य सरकारें और अन्य हितधारक शामिल थे।

viii. **आईबीटीएम बार्सिलोना 2024**

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने 19 से 21 नवंबर, 2024 तक बार्सिलोना में आयोजित एमआईसीई (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी) पर अग्रणी वैश्विक यात्रा प्रदर्शनियों में से एक आईबीटीएम में भाग लिया। प्रदर्शनी में भागीदारी का उद्देश्य भारत को सम्मेलनों और सम्मेलनों की मेजबानी के लिए एक संभावित गंतव्य के रूप में बढ़ावा देना है। मंत्रालय ने मौसमी मुद्दे का हल करने और भारत को 365 दिन के गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने के लिए एमआईसीई को एक आला क्षेत्र के रूप में पहचाना है। आईबीटीएम वर्ल्ड 2024 का विषय है पीपल। पावर। पोटेनशीयल। पर्यटन मंत्रालय का लक्ष्य इस मंच के माध्यम से दुनिया भर के बैठकों में और कार्यक्रम पेशेवरों के बीच देश के एमआईसीई (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और कार्यक्रम) उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन करना है।

अतुल्य भारत मंडप का उद्घाटन स्पेन के बार्सिलोना स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत द्वारा पर्यटन मंत्रालय और भारतीय मिशन के अधिकारियों तथा देश के प्रमुख एमआईसीई हितधारकों की उपस्थिति में किया गया।

5.2.3 आतिथ्य योजना

i. पर्यटन मंत्रालय ने 15वीं शताब्दी में भारत आए प्रसिद्ध पुर्तगाली यात्री वास्को डी गामा की 500वीं वर्षगांठ के अवसर पर पुर्तगाल से चार सदस्यीय मोटरसाइकिल चालक समूह "रोटा डी गामा" की सुविधा प्रदान की। बाइकर्स समूह ने 27 अप्रैल से 13 मई 2024 तक दीव, दमन, गोवा और कोच्चि की यात्रा की, जिसमें भारत के तटीय तटरेखा को स्थायी आकर्षण का केंद्र बनाने पर जोर दिया गया।

ii. पर्यटन मंत्रालय ने जापान से सुश्री मेयो मुरासाकी के लिए भारत के शाही राज्य "रंगीलो राजस्थान" की यात्रा के लिए एक परिचय यात्रा का आयोजन किया। 24 से 29 जुलाई 2024 तक 6–दिन और 5–रात की यात्रा के दौरान, सुश्री मेयो, गुलाबी नगर जयपुर से झील नगर उदयपुर और नीले नगर जोधपुर की विरासत यात्रा की।

सुश्री मेयो जापान की एक प्रसिद्ध सोशल मीडिया प्रभावकार हैं, जिनके यूट्यूब, इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वास्तव में लाखों अनुयायी हैं।

iii. पर्यटन मंत्रालय ने ब्राजील के प्रसिद्ध यात्रा लेखक श्री राफेल मैगलहेस के लिए एक परिचय यात्रा का आयोजन किया। श्री राफेल 15 से 17 अक्टूबर 2024 तक ऐतिहासिक शहर आगरा में रहे।

iv. **आईटीएम काजीरंगा:** विपणन और संवर्धन (अंतर्राष्ट्रीय) प्रभाग ने 23 अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों/टूर ऑपरेटरों/ट्रैवल एजेंटों और 15 अंतर्राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभावकारों को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) में भाग लेने के लिए सुविधा प्रदान की, जो 26 से 29 नवंबर 2024 तक काजीरंगा, असम में आयोजित किया गया था। दुनिया भर से आए मेहमानों को असम, अरुणाचल और मेघालय की आईटीएम के बाद की परिचायक यात्राएं भी दी गईं।

05/ विपणन और संवर्धन

सत्यमेव जयते

05/ विपणन और संवर्धन

5.2.4 आईसीसीआर के साथ सहभागिता

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के सहयोग से, पर्यटन मंत्रालय ने तीन शहरों में आयोजित एग्जिट एंगेजमेंट इवनिंग (ई3) कार्यक्रम के दूसरे संस्करण में भाग लिया, जिसमें 20 जून 2024 को कोलकाता, 21 जून 2024 को शिलांग (शिलांग & गुवाहाटी के लिए) और 29 जून 2024 को लखनऊ शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विदेशी छात्रों को भारत के संपर्क में रहने में मदद करना और अपने देशों में योग/आयुष/पर्यटन सहित भारतीय संगठनों/संस्थाओं के साथ विशिष्ट सहयोग को बढ़ावा देने में योगदान देना था।

वार्षिक रिपोर्ट 2024–25

मुट्टम बीच, कन्याकुमारी, तमिलनाडु

06/

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

पर्यटन मंत्रालय का अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ), दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) और दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क), बिम्सटेक (बहु–क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल), आईबीएसए (भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका), ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका), एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन), जी–20 जैसे विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ परामर्श और वार्तालाप में सक्रिय रूप से शामिल है। ये वार्तालाप पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक संबंधों को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इन सहभागिताओं का उद्देश्य पर्यटन के क्षेत्र में द्विपक्षीय/बहुपक्षीय सहयोग के लिए समझौते/समझौता ज्ञापन (एमओयू) स्थापित करना भी है। वर्तमान में, इन प्रयासों के परिणामस्वरूप 47 वैध समझौता ज्ञापन मौजूद हैं।

6.1 वर्ष 2024 में हुए महत्वपूर्ण कार्यक्रम और गतिविधियाँ

6.1.1 शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के दस सदस्य देश (चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, भारत, पाकिस्तान, ईरान और बेलारूस) दुनिया की लगभग 42 प्रतिशत आबादी और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 20 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं, जिन्हें शंघाई सहयोग संगठन के देशों के बीच साझा संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ाकर बढ़ावा दिया जा सकता है। शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों, पर्यवेक्षकों और भागीदारों की कुल सांस्कृतिक विरासत में 207 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल शामिल हैं।

भारत ने 2023 में शंघाई सहयोग संगठन की अध्यक्षता की, जिसका उद्देश्य महामारी के कारण क्षेत्र की रिकवरी पर ध्यान केंद्रित करना था, साथ ही सदस्य देशों के बीच सतत और समायोजनीय विकास को फिर से शुरू करने के लिए आवश्यक नीतियों को परिभाषित करना था। भारत की अध्यक्षता के दौरान, कई पहल और उपक्रम शुरू किए गए।

2024 में, भारत कई प्रमुख बैठकों के माध्यम से शंघाई सहयोग संगठन ढांचे के अंदर पर्यटन सहयोग में सक्रिय रूप से शामिल हुआ। 15 जनवरी को पर्यटन मंत्रालय के अधिकारियों ने वर्चुअल एक्सपर्ट वर्किंग ग्रुप मीटिंग में भाग लिया, जहाँ एससीओ के सदस्य देशों ने कजाकिस्तान द्वारा प्रस्तावित 2024–2025 के लिए संयुक्त कार्य योजना के मसौदे पर चर्चा की, जिसका उद्देश्य पर्यटन सहयोग को आगे बढ़ाना था। इसके बाद, 19 फरवरी को ताजिकिस्तान के नेतृत्व में एक और वर्चुअल मीटिंग हुई, जिसमें मसौदा योजना में और अधिक सुधार पर ध्यान दिया गया। एससीओ संयुक्त कार्य योजना 2024–25 को पर्यटन प्रशासन के प्रमुखों की 22–23 मई, 2024 को बैठक के दौरान अंतिम रूप से अपनाया गया, जिसमें अपर सचिव (पर्यटन) ने भाग लिया, जो एससीओ देशों के बीच क्षेत्रीय पर्यटन सहयोग में एक महत्वपूर्ण कदम है।

6.1.2 आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संघ)

आसियान की स्थापना इस क्षेत्र में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और सांस्कृतिक विकास को गति देने के मूल उद्देश्य से की गई थी। इसमें 10 सदस्य देश ब्रुनेई दारुस्सलाम, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। भारत वर्तमान में रणनीतिक हिस्सेदार की स्थिति में है।

आसियान भारत के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत बाजार है और इसलिए भारत के पर्यटन उत्पाद को इस बाजार में अतुल्य भारत अभियान और अन्य प्रचार और विपणन कार्यक्रमों के माध्यम से सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया गया है। भौगोलिक निकटता और अधिकांश आसियान सदस्य देशों के साथ अच्छी कनेक्टिविटी के कारण भारत आसियान क्षेत्र से पर्यटन सृजन की अपार संभावनाएँ देखता है। पर्यटन मंत्रालय आसियान बाजार में भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास कर रहा है। मंत्रालय ने जनवरी 2012 में इंडोनेशिया में तीसरी भारत आसियान पर्यटन मंत्रियों की बैठक के दौरान आसियान–भारत पर्यटन सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन के ढांचे के तहत वरिष्ठ अधिकारी स्तर पर (वर्ष में दो बार) और पर्यटन मंत्री स्तर पर (वर्ष में एक बार) नियमित वार्तालाप किया जाता है।

i. आसियान–भारत वरिष्ठ अधिकारियों की 26वीं बैठकः पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने 16 अप्रैल, 2024 को वर्चुअल मोड के माध्यम से 26वीं आसियान–भारत वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में भाग लिया। बैठक के मुख्य उद्देश्य थेः आसियान–भारत पर्यटन सहयोग को मजबूत करना, कनेक्टिविटी बढ़ाना, सतत पर्यटन की प्रथाओं को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक आदान–प्रदान और लोगों के बीच संबंधों को प्रोत्साहित करना, शिक्षा और प्रशिक्षण में सहयोग का विस्तार करना। भारतीय की ओर से प्रस्तावित गतिविधियाँ और पहल थीं: पर्यटन सहयोग परियोजनाएँ, बेहतर कनेक्टिविटी, प्रचार अभियान, स्थिरता पर ध्यान, क्रूज़ पर्यटन विकास।

ii. 11 जुलाई, 2024 को म्यांमार द्वारा वर्चुअल रूप से आयोजित 32वीं आसियान–भारत पर्यटन कार्यकारी समूह की बैठक में मुख्य चर्चाओं में स्थायी पर्यटन प्रथाएँ, क्षमता निर्माण, संकट संचार और क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देना शामिल था। भारत ने "जीवन के लिए यात्रा" जैसी अपनी पहलों और पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। यह बैठक प्रतिभागियों के योगदान के लिए भारत की सराहना और आसियान–भारत पर्यटन सहयोग को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता के साथ संपन्न हुई।

iii. 2025 को आसियान–भारत पर्यटन वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है, जिसकी घोषणा माननीय प्रधान मंत्री ने 10 अक्टूबर 2024 को लाओ पीडीआर में आयोजित 21वें आसियान भारत शिखर सम्मेलन में की।

6.1.3 यूएनडब्ल्यूटीओ (संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन)

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन, जिसके कुल 160 देश सदस्य हैं, यह पर्यटन के लिए संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष बहुपक्षीय एजेंसी है। भारत 1975 से यूएनडब्ल्यूटीओ का सदस्य रहा है। भारत को बार–बार कार्यकारी परिषद के सदस्यों में से एक के रूप में चुना गया है, जो यूएनडब्ल्यूटीओ का एक शासी बोर्ड है और इसमें 35 सदस्य हैं। भारत यूएनडब्ल्यूटीओ की महत्वपूर्ण समितियों जैसे कार्यक्रम और बजट समिति, सांख्यिकी समिति और संबद्ध सदस्यता से संबंधित मामलों की समिति का भी सदस्य है। पर्यटन मंत्रालय कार्यकारी परिषद और विभिन्न समितियों में दक्षिण एशिया आयोग (जिसमें 9 देश शामिल हैं) का प्रतिनिधित्व करता है।

i. पर्यटन मंत्रालय ने 2–4 मई 2024 तक इंडोनेशिया के बाली में आयोजित एशिया और प्रशांत क्षेत्र में पर्यटन में महिलाओं के सशक्तिकरण पर संयुक्त राष्ट्र पर्यटन सम्मेलन में भाग लिया।

ii. पर्यटन मंत्रालय ने 10–11 जून 2024 को बार्सिलोना, स्पेन में यूएनडब्ल्यूटीओ के 121वीं कार्यकारी परिषद ऑनलाइन प्रारंभिक सूचना सत्र में भाग लिया। समिति ने सभी प्रस्तुत दस्तावेजों की समीक्षा की और कार्यकारी परिषद को उन्हें मंजूरी देने की अनुशंसा की। समिति ने दक्षता और स्पष्टता के कारणों से महासचिव द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम और बजट समिति के सदस्यों के चुनाव में सुधार का भी समर्थन किया।

iii. यूएनडब्ल्यूटीओ के सहयोग से, पर्यटन मंत्रालय ने जी – 20 एसडीजी डैशबोर्ड – www.tourism4sdgs.org विकसित किया है, जिसे भारत की जी – 20 प्रेसीडेंसी के समर्थन से विकसित किया गया है ताकि गोवा रोडमैप को प्रदर्शित किया जा सके। यूएनडब्ल्यूटीओ दुनिया भर से सतत पर्यटन में केस अध्ययन को अपलोड करने के लिए जिम्मेदार है, जो दुनिया के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं का एक हिस्सा बनेगा। डैशबोर्ड को प्रमुख टेकअवे के रूप में ब्राजील के प्रेसीडेंसी से सराहना मिली है। डैशबोर्ड जी–20 पर्यटन प्रयासों को समेकित करता है और पर्यटन के माध्यम से एसडीजी प्राप्त करने करने के लिए जी–20 देशों के केस अध्ययन और पहलों के लिए एक भंडार के रूप में काम करेगा।

iv. पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने विश्व पर्यटन दिवस समारोह में भाग लिया, जो 26 से 28 सितंबर 2024 तक जॉर्जिया के त्बिलिसी में संयुक्त राष्ट्र पर्यटन द्वारा आयोजित किया गया था।

v. मंत्रालय ने 13 से 15 नवंबर, 2024 तक कोलंबिया के कार्टाजेना द इंडियास में आयोजित संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) की कार्यकारी परिषद के 122वें सत्र में भाग लिया। बैठक में पर्यटन मंत्रालय के अपर सचिव ने भाग लिया। इस महत्वपूर्ण जुड़ाव ने वैश्विक पर्यटन नीति निर्माण में भारत की सक्रिय भूमिका और क्षेत्रीय चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने के लिए सदस्य देशों के साथ सहयोग पर प्रकाश डाला। भारत की भागीदारी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने प्रयासों और विजन को प्रदर्शित करते हुए सतत और समावेशी पर्यटन को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

6.1.4 जी20

i. ब्राजील की जी20 प्रेसीडेंसी के तहत, पहली जी20 पर्यटन कार्यकारी समूह की वर्चुअल बैठक 28–29 फरवरी, 2024 को आयोजित की गई, जिसमें पर्यटन मंत्रालय के अधिकारियों ने भी भाग लिया। इसके अतिरिक्त, निदेशक (आईसी) ने 28 अप्रैल, 2024 को एक अंतर–मंत्रालयी बैठक में पर्यटन मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया, जिसकी अध्यक्षता ओएसडी (जी20) और भारत के सूस शेरपा ने की, जहाँ प्रमुख पर्यटन प्राथमिकताओं को प्रस्तुत किया गया। उनमें से, यूएनडबल्यूटीओ के साथ भारत की जी20 प्रेसीडेंसी के दौरान स्थापित जी20 पर्यटन डैशबोर्ड, पर्यटन के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से जी20 पहलों को समेकित और बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के रूप में उभरा। यह गोवा रोडमैप को एकत्रित करता है – पाँच प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर केंद्रित एक रूपरेखाः

हरित पर्यटन, डिजिटलीकरण, कौशल, पर्यटन एमएसएमई और गंतव्य प्रबंधन – सर्वेक्षण परिणामों, केस अध्ययन और जी20 देशों के सर्वोत्तम अभ्यासों के साथ, ज्ञान के आदान–प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देता है। एक अन्य महत्वपूर्ण फोकस, ट्रैवल फॉर लाइफ (टीएफएल), का उद्देश्य पर्यटकों और व्यवसायों को प्रकृति के अनुकूल प्रथाओं के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करके स्थायी पर्यटन प्रथाओं को स्थापित करना है, जिससे एक स्थायी, जिम्मेदार और समायोजी पर्यटन क्षेत्र का विकास सुनिश्चित हो सके।

ii. महानिदेशक (पर्यटन) के प्रतिनिधित्व में पर्यटन मंत्रालय के अधिकारियों ने 30 जून से 1 जुलाई, 2024 तक रियो डी जेनेरियो में आयोजित तीसरे पर्यटन कार्यकारी समूह (टीडब्ल्यूजी) की बैठक में भाग लिया। रिपोर्ट 1ए, 1बी और रिपोर्ट 2 को अंतिम रूप देने के लिए तीसरे टीडब्ल्यूजी के दौरान महत्वपूर्ण चर्चाएँ हुईं।

क. **रिपोर्ट 1ए** ने सतत पर्यटन में जी20 देशों द्वारा सामना की जा रही प्रगति और चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जिसमें निरंतर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया गया।

ख. **रिपोर्ट 1बी** ने पर्यटन की स्थिरता को मापने के लिए सांख्यिकीय ढांचे (एसएफ–एमएसटी) पर ध्यान केंद्रित किया और पर्यटन डेटा सटीकता को बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक अंतर्राष्ट्रीय समर्थन की वकालत की।

ग. **रिपोर्ट 2** ने पर्यटन पेशेवरों के प्रशिक्षण में चुनौतियों की पहचान की और शैक्षिक कार्यक्रमों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का विस्तार करने की सिफारिश की।

जी–20 पर्यटन कार्यकारी समूह (टीडब्ल्यूजी) की तीसरी बैठक रियो डी जेनेरियो में आयोजित हुई

iii. माननीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जी–20 पर्यटन मंत्रियों की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जबकि महानिदेशक (पर्यटन) ने बेलेम, ब्राजील (19–21 सितंबर, 2024) में चौथी टीडब्ल्यूजी बैठक में भाग लिया। माननीय मंत्री ने 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने और उस दिशा में गोवा रोडमैप के विकास की दिशा में भारतीय प्रेसीडेंसी द्वारा किए गए योगदान पर प्रकाश डाला। 21 सितंबर को जी–20 पर्यटन मंत्रियों की बैठक के दौरान, एचएमटी ने भारत की प्रमुख प्राथमिकताओं को रेखांकित किया, जिसमें हरित पर्यटन, सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए जी–20 डैशबोर्ड, कौशल, एमएसएमई समर्थन और प्रभावी गंतव्य प्रबंधन शामिल हैं, साथ ही ब्राजील के जी–20 नेतृत्व और दक्षिण अफ्रीका की आगामी प्रेसीडेंसी के दौरान भारत की निरंतर प्रतिबद्ध ता की सराहना भी व्यक्त की।

iv. माननीय मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र पर्यटन मंत्रिस्तरीय संवाद को भी संबोधित किया, जिसमें पर्यटन के आर्थिक प्रभाव और सतत पर्यटन व्यवहारों को बढ़ावा देने के लिए मिशन लाइफ के तहत भारत के ट्रैवल फॉर लाइफ पहल को रेखांकित किया गया। पर्यटन पर सार्वजनिक–निजी संवाद पर डब्ल्यूटीटीसी फोरम में, माननीय पर्यटन मंत्री ने आतिथ्य शिक्षा और कौशल पहल में भारत की उपलब्धियों पर जोर दिया।

जी20 पर्यटन मंत्रियों की बैठक

v. माननीय पर्यटन मंत्री ने 20–21 सितंबर 2024 को जी–20 बैठकों के दौरान अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

क) ब्राजील: सीधी उड़ान कनेक्टिविटी, भारतीयों के लिए वीजा सुविधा, पर्यटन सहयोग ढांचे और संभावित समझौता ज्ञापन नवीनीकरण पर चर्चा की गई।

भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय बैठक

ख) सिंगापुर: पर्यटन और आतिथ्य शैक्षिक आदान–प्रदान पर जोर दिया गया; भारत–सिंगापुर कूटनीतिक वर्षगांठ के लिए कार्यक्रमों पर चर्चा की गई।

सत्यमेव जयते

भारत और सिंगापुर के बीच द्विपक्षीय बैठक

ग) **सऊदी अरबः** सतत पर्यटन, सांस्कृतिक संरक्षण, आतिथ्य प्रशिक्षण और 3–सितारा होटल विकास के लिए समर्थन में सहयोग की संभावना तलाशी गई।

भारत और सऊदी अरब के बीच द्विपक्षीय बैठक

घ) **चेक गणराज्यः** पर्यटकों की आवाजाही बढ़ाने, पर्यटन कार्यक्रमों के लिए आपसी आमंत्रण और पर्यटन संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की गई।

ङ) **स्पेनः** सीधी उड़ानों, एमआईसीई कार्यक्रम समर्थन और एफ़आईटीयूआर में भारत की भागीदारी के लिए सहायता पर विचार किया गया।

सत्यमेव जयते

भारत और स्पेन के बीच द्विपक्षीय बैठक

च) **यूएईः** सतत पर्यटन के प्रति साझा प्रतिबद्धता और भारतीय विमानन निवेश में यूएई की रुचि व्यक्त की गई।

भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय बैठक

छ) **दक्षिण अफ्रीकाः** सीधी उड़ानें बहाल करने, ई–वीजा सुविधा और संभावित 90–दिवसीय वीजा छूट पर ध्यान केंद्रित किया गया; टूर ऑपरेटर समर्थन के साथ वीजा प्रक्रियाओं को आसान बनाने का प्रस्ताव रखा गया।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच द्विपक्षीय बैठक

6.1.5 जी–7

पर्यटन राज्य मंत्री श्री सुरेश गोपी ने 13–15 नवंबर, 2024 को इटली के फ्लोरेंस में आयोजित जी7 पर्यटन मंत्रियों की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहाँ पर्यटन को पहली बार जी–7 एजेंडे में शामिल किया गया। इतालवी प्रेसीडेंसी ने पर्यटन के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व और सतत और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने में इसकी भूमिका पर जोर दिया।

बैठक ने पर्यटन के लिए लोगों को केंद्रित और दूरदर्शी दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हुए वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए अनुभवों और नीति विचारों के आदान–प्रदान के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। भारत ने अपनी अनूठी विरासत, सतत पर्यटन प्रथाओं और पर्यावरण पहलों का प्रदर्शन किया, जिससे पर्यटन विकास को स्थिरता के साथ संतुलित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई। इस जुड़ाव ने जी–7 देशों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत किया, जो प्रमुख इनबाउंड पर्यटन बाजार हैं, जिसने भारत को जिम्मेदार, समावेशी और प्रौद्योगिकी–संचालित पर्यटन विकास को बढ़ावा देने में अग्रणी के रूप में स्थापित किया।

जी–7 के पर्यटन मंत्रियों की बैठक

6.1.6 ब्रिक्स

ब्रिक्स एक अंतर–सरकारी संगठन है जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, इजिप्ट, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। ब्रिक्स एक महत्वपूर्ण समूह है जो दुनिया की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाता है। पिछले कुछ समय से, ब्रिक्स देश राजनीतिक और सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय तथा सांस्कृतिक और लोगों के बीच आदान–प्रदान के तीन स्तंभों के तहत महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार–विमर्श करने के लिए एक साथ आए हैं। वर्तमान में रूस 2024 के लिए ब्रिक्स का अध्यक्ष है। पिछली अध्यक्षता दक्षिण अफ्रीका के पास थी, जिसके दौरान पर्यटन मंत्रियों की बैठक और वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई थी।

i. ब्रिक्स पर्यटन विशेषज्ञ बैठकः पर्यटन मंत्रालय के अधिकारियों ने 12 अप्रैल, 2024 को ब्रिक्स पर्यटन विशेषज्ञ बैठक में भाग लिया। बैठक में मुख्य एजेंडा आइटम जैसे कि ब्रिक्स पर्यटन कार्यकारी समूह के लिए संदर्भ की शर्तों का मसौदा प्रस्तुत करना, लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देने, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच सहयोग बढ़ाने और ब्रिक्स देशों के बीच पर्यटन सांख्यिकी साझा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक के दौरान, ब्रिक्स देश ने ब्रिक्स पर्यटन मंत्रियों की बैठक 2024 के मसौदा विज्ञप्ति और ब्रिक्स पर्यटन सहयोग 2024 – 2026 के लिए मसौदा रोड मैप पर भी चर्चा की।

ii. ब्रिक्स पर्यटन कार्यकारी समूह की बैठक और पर्यटन मंत्रियों की बैठक 20 और 21 जून 2024 को मास्को, रूस में आयोजित की गई, जिसमें पर्यटन मंत्रालय के अधिकारियों ने भाग लिया।

6.1.7 भारत–जापान पर्यटन आदान–प्रदान का वर्ष

मार्च 2023 में भारत जापान शिखर सम्मेलन बैठक के दौरान, दोनों प्रधानमंत्रियों ने 'हिमालय को माउंट फूजी से जोड़ने' की थीम पर आधारित वर्ष 2023 को "जापान–भारत पर्यटन आदान–प्रदान वर्ष" के रूप में नामित करके पर्यटन आदान–प्रदान को बढ़ावा देने पर सहमति व्यक्त की।

भारत–जापान पर्यटन सहयोग वर्ष को वर्ष 2024 तक बढ़ा दिया गया और विस्तार का शुभारंभ 13 जून 2024 को किया गया।

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने भारत जापान सहयोग वर्ष के भाग के रूप में भागीदार देश के रूप में जेएटीए (जापान एसोसिएशन ऑफ ट्रैवल एजेंट्स) पर्यटन एक्सपो जापान 2024 में भाग लिया। पर्यटन मंत्रालय ने अतुल्य भारत मंडप के लिए 180 वर्ग मीटर जगह किराए पर ली थी और निजी हितधारकों और राज्य सरकारों के साथ देश के बारे में ब्रांड जागरूकता पैदा करने के लिए इस कार्यक्रम में भाग लिया।

6.1.8 बिम्सटेक (बंगाल बहु–क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल)

बिम्सटेक 1997 में स्थापित एक क्षेत्रीय संगठन है। इसके सदस्य देश भारत के अलावा बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, नेपाल और भूटान हैं। बिम्सटेक (बहु–क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) की पहली पर्यटन कार्यकारी समूह बैठक 23 सितंबर, 2013 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। भारत ने फरवरी 2005 में कोलकाता में पर्यटन पर पहली बिम्सटेक गोलमेज और कार्यशाला का आयोजन किया था।

i. मंत्रालय के अधिकारियों ने 17 से 18 जनवरी 2024 तक नेपाल के काठमांडू में आयोजित पर्यटन पर बिम्सटेक कार्यकारी समूह की दूसरी बैठक में भाग लिया, जिसके बाद 17 जनवरी 2024 को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) द्वारा बिम्सटेक पर्यटन विकास के लिए विषयगत सर्किटों का लाभ उठाने पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला और बैठक के दौरान, भारत द्वारा सुझाए गए बिंदुओं को मसौदा कार्य योजना और एजेंडा मदों में शामिल किया गया।

ii. **बिम्सटेक अंतर–मंत्रालयी बैठक:** बिम्सटेक अंतर–मंत्रालयी बैठक 23 अप्रैल 2024 को आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने और बिम्सटेक देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को रेखांकित करना था। सीमा पार वार्तालाप को बढ़ावा देने और विभिन्न क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करके, बिम्सटेक का उद्देश्य साझेदारी को मजबूत करना और बंगाल की खाड़ी क्षेत्र को और अधिक परस्पर जोड़ना है बैठक के दौरान पर्यटन मंत्रालय ने बिम्सटेक

पर्यटन सूचना केंद्र, विषयगत सर्किट और बौद्ध सर्किट के विकास पर स्थिति अपडेट प्रदान की।

iii. **वर्ष 2023–24 में संयुक्त कार्यकारी समूह/द्विपक्षीय और अन्य बैठकें**

1. भारत और कंबोडिया के बीच संयुक्त कार्यकारी समूह की बैठक 01 फरवरी 2024 को नई दिल्ली में वर्चुअल मोड में आयोजित की गई। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने कंबोडिया पक्ष द्वारा तैयार किए गए 'ड्राफ्ट एक्शन प्लान' पर चर्चा की। बैठक के दौरान भारत पक्ष ने अपने विचार साझा किए।

2. भारत सरकार के माननीय पर्यटन राज्य मंत्री श्री श्रीपद येसो नाइक और नेपाली संसद की अंतर्राष्ट्रीय मामलों की समिति के बीच 02.02.24 को बैठक हुई। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने रामायण सर्किट, साहसिक पर्यटन और बौद्ध सर्किट के माध्यम से दोनों देशों के बीच पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कार्यों/कार्यक्रमों पर चर्चा की।

3. अरुणाचल प्रदेश सरकार और विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसीआईआई) भारत पहल के साथ महानिदेशक (पर्यटन) की अध्यक्षता में 06.02.2024 को एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान डब्ल्यूटीटीसीआईआई के प्रतिनिधि ने अरुणाचल प्रदेश में पर्यटन के विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार करने में डब्ल्यूटीटीसीआईआई की रुचि व्यक्त की।

4. मंत्रालय के अधिकारियों ने 07 फरवरी 2024 को सरदार पटेल भवन, नई दिल्ली में आयोजित अधिकार प्राप्त आर्कटिक नीति समूह (ईएपीजी) की चौथी अर्धवार्षिक बैठक में भाग लिया, जिसकी अध्यक्षता पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव, ईएपीजी के अध्यक्ष ने की। बैठक के दौरान निम्नलिखित एजेंडे पर चर्चा की गई: (क) स्वयं पोर्टल पर आर्कटिक पर पाठ्यक्रम शुरू करने की वर्तमान स्थिति और आगे का मार्ग (ख) यूआर्कटिक की सदस्यता के बारे में अद्यतन जानकारी, (ग) नाविकों के लिए आइस–नेविगेशन पाठ्यक्रमों की वर्तमान स्थिति और आगे का मार्ग (घ) 2025 की शुरुआत में आर्कटिक सर्कल इंडिया फोरम का आयोजन, (ड़) आर्कटिक असेंबली –2024 में भागीदारी के स्तर को बढ़ाना।

5. भारत में एडीबी के निदेशक के अनुरोध पर, एसएएसईसी पहल (एपीएसआई) 2023–25 के लिए कार्य योजना के संबंध में एक परिचयात्मक बैठक 15.02.2024 को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सचिव (पर्यटन) ने की और निदेशक

सत्यमेव जयते

(आईसी), एडी (आईसी) ने भाग लिया। एडीबी पक्ष का नेतृत्व भारत में एडीबी के निदेशक ने किया।

6. संयुक्त सचिव (पर्यटन) और स्वायत्त गणराज्य अदजारा (जॉर्जिया) के पर्यटन रिसॉर्ट्स विभाग के अध्यक्ष श्री मिखाइल कोप्लाटाडेज़ के बीच 23 फरवरी 2024 को नई दिल्ली में द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच पर्यटन को बढ़ाने के लिए एक कार्य योजना पर चर्चा की। उन्होंने उड़ान संपर्क, मानव संसाधन प्रशिक्षण, एफएएम पर्यटन आदि पर चर्चा की।

7. भारत और जापान के बीच 22.03.2024 को नई दिल्ली में द्विपक्षीय बैठक हुई। भारतीय पक्ष का नेतृत्व महानिदेशक (पर्यटन) ने किया। जापानी पक्ष का नेतृत्व जापान के राजदूत ने किया। बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने फिल्म पर्यटन और दोनों देशों के बीच पर्यटन को बढ़ावा देने और बढ़ाने के तरीके पर चर्चा की।

8. भारत और ईरान के बीच 21.03.2024 को नई दिल्ली में द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक के दौरान, दोनों पक्षों दोनों देशों के बीच पर्यटन को बढ़ावा दिये जाने के तरीकों पर चर्चा की।

9. **सी–ट्रेड क्रूज़ ग्लोबल 2024:** पर्यटन मंत्रालय के अधिकारी ने 8 से 11 अप्रैल तक मियामी, यूएसए में सी–ट्रेड क्रूज़ ग्लोबल 2024 कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सचिव (MoPSW) ने किया। चार दिवसीय प्रदर्शनी दुनिया भर में क्रूज़ शिप उद्योग के अंदर सबसे बड़े आयोजन के रूप में होती है, जिसमें दुनिया के विभिन्न कोनों से वरिष्ठ उद्योग पेशेवर और निर्णयकर्ता शामिल होते हैं। 120 देशों के 10,000 से अधिक आगंतुकों ने 600 से अधिक प्रमुख प्रदर्शकों और 2700 से अधिक क्रूज़ लाइन्स के अधिकारियों के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतिनिधिमंडल ने क्रूज़ लाइन्स, बंदरगाहों, गंतव्यों, टूर ऑपरेटरों, एसोसिएशनों, सीएलआईए, सीट्रेड आदि सहित क्रूज़ उद्योग के संपूर्ण दायरे को कवर करते हुए वैश्विक क्रूज़ व्यवसाय के हितधारकों के निर्णय निर्माताओं के साथ व्यापक चर्चा की। कुल मिलाकर प्रतिनिधियों ने 8 सत्रों, 25 से अधिक बैठकों में भाग लिया और 8 अप्रैल 2024 से 12 अप्रैल 2024 की अवधि के दौरान तीन क्रूज़ टर्मिनलों/दो बंदरगाहों/एक मरीना का दौरा किया।

06/ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

सत्यमेव जयते

10. **पर्यटन सांख्यिकी पर कार्य दलः** पर्यटन मंत्रालय के अधिकारी ने 9 से 10 अप्रैल, 2024 तक पेरिस में पर्यटन सांख्यिकी पर कार्य दल के 7वें सत्र में भाग लिया। यह सत्र पर्यटन सांख्यिकी के संकलन और प्रसार में नवीन प्रथाओं और विधियों को शामिल करने में एमआर डिवीजन के लिए फायदेमंद था। इससे संग्रह के लिए यूएनडब्ल्यूटीओ को प्रस्तुत किए जा रहे डेटा की व्यापकता बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। सत्र में निम्नलिखित विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गयाः

    i. कार्य और बजट कार्यक्रम (पीडब्ल्यूबी) 2025–26

    ii. पर्यटन को मापने और निगरानी करने के लिए नए डेटा स्रोतों और उपकरणों का उपयोग करना

    iii. ओईसीडी पर्यटन रुझान और नीतियाँ 2024 के लिए डेटा संग्रह और सांख्यिकी इनपुट

    iv. पर्यटन मांग का पूर्वानुमान लगाना और पर्यटन के डिजिटल परिवर्तन को मापना।

11. भारत और फिलीपींस के बीच दूसरी संयुक्त कार्यकारी समूह की बैठक 21–22 मई, 2024 को मनीला, फिलीपींस में आयोजित की गई। अपर महानिदेशक (एमआर) के नेतृत्व में एक मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने दूसरी संयुक्त कार्यकारी समूह की बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान फिलीपींस पक्ष के साथ आदान–प्रदान कार्यक्रमों और द्विपक्षीय पर्यटन को बढ़ाने के अवसरों की खोज, बुनियादी ढांचे के विकास पर ज्ञान साझा करने, आतिथ्य प्रबंधन में प्रशिक्षण और होटल उद्योग में संयुक्त उद्यमों को बढ़ावा देने से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई।

12. पर्यटन मंत्रालय ने 15–17 मई, 2024 को मकाऊ में आयोजित पीएटीए वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लिया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व महानिदेशक (पर्यटन) ने किया। शिखर सम्मेलन के दौरान पीएटीए फोरम के साथ विभिन्न क्षेत्रों में पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। भारत पीएटीए का एक बोर्ड सदस्य है और महानिदेशक (पर्यटन) वार्षिक बैठक में एक प्रमुख वक्ता थे।

13. 31.05.2024 को नई दिल्ली में पर्यटन मंत्रालय और भारत में जापान के दूतावास के बीच बैठक हुई। भारतीय पक्ष की अध्यक्षता संयुक्त महानिदेशक (पर्यटन) ने की। इसमें सहयोग और सुश्री मेयो हितोमी की भारत यात्रा, जो एक प्रमुख सोशल मीडिया इन्फ़्लुएंसर हैं, पर चर्चा की गई।

14. मंत्रालय के अधिकारी ने 2–4 मई 2024 तक बाली, इंडोनेशिया में आयोजित एशिया और प्रशांत क्षेत्र में पर्यटन में महिलाओं के सशक्तिकरण पर संयुक्त राष्ट्र पर्यटन सम्मेलन में भाग लिया।

15. संस्कृति और पर्यटन पर कार्यकारी समूह की पहली बैठक एसीडी बैठक 12.06.2024 को वर्चुअली आयोजित हुई, जिसमें संयुक्त सचिव (पर्यटन) और संयुक्त महानिदेशक (पर्यटन) ने भाग लिया।

16. पहला कंबोडिया–भारत पर्यटन वर्ष 17 जून 2024 को नई दिल्ली में मनाया जाएगा। कंबोडिया साम्राज्य के पर्यटन मंत्रालय ने कंबोडिया अंगकोर एयर के सहयोग से कंबोडिया से दिल्ली के लिए ऐतिहासिक सीधी उड़ान का उद्घाटन किया और कंबोडिया में भारतीय गणराज्य के दूतावास ने 17 जून, 2024 को "पहला कंबोडिया–भारत पर्यटन वर्ष 2024" लॉन्च किया। इस कार्यक्रम में दोपहर के भोजन का स्वागत समारोह और प्रदर्शन शामिल थे, जो पर्यटन हितधारकों के लिए कंबोडिया की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविध पर्यटन पेशकशों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में काम करते थे।

17. पूर्वी एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यटन आयोग और दक्षिण एशिया के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यटन आयोग की 36वीं संयुक्त बैठक 26–28 जून 2024 को सेबू, फिलीपींस में आयोजित की गई, जिसमें अधिकारियों ने दूसरे गैस्ट्रोनॉमी फोरम में भाग लेने के लिए भाग लिया। द्विपक्षीय बैठक 18 जुलाई, 2024 को 11:30 बजे, इस्लामी गणराज्य ईरान के माननीय उप–प्रमुख श्री मोहम्मद जावेद होसैनी ने ईरान के दूतावास में आर्थिक अनुभाग के द्वितीय सचिव श्री मोहम्मद रजा मोश्की के साथ द्विपक्षीय सहयोग के संबंध में महानिदेशक (पर्यटन) के साथ बैठक की।

18. 30 जुलाई 2024 को शास्त्री भवन, नई दिल्ली में, भारत सरकार के माननीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मालदीव गणराज्य के माननीय पर्यटन मंत्री श्री इब्राहिम फैसल और पर्यटन राज्य मंत्री श्री मुनीम अनीस के साथ द्विपक्षीय बैठक की। बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के बीच पर्यटन को बढ़ावा देना था, जिसमें आपसी समझ को मजबूत करने, उड़ान संपर्क बढ़ाने, सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने, लोगों से लोगों के आदान–प्रदान को बढ़ावा देने और पर्यटन में अन्य सहकारी अवसरों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित करने वाली फलदायी चर्चाएं शामिल थीं।

19. 21 अगस्त 2024 को पर्यटन संबंधी मामलों पर भारत और ओमान के बीच एक द्विपक्षीय बैठक भी हुई। यह बैठक भारत सरकार के माननीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत और ओमान सल्तनत के विरासत और पर्यटन मंत्रालय के अवर सचिव महामहिम अज़ान कासिम मोहम्मद अल बुसैदी के बीच हुई। दोनों देशों के गणमान्य व्यक्तियों के बीच पर्यटन को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने और लोगों के बीच आदान–प्रदान को बढ़ावा देने पर केंद्रित फलदायी चर्चा हुई।

20. 21 अगस्त 2024 को पर्यटन से संबंधित मामलों पर भारत और गाम्बिया के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। यह बैठक भारत सरकार के माननीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत और गाम्बिया के पर्यटन मंत्री महामहिम श्री अब्दु जोबे के बीच हुई। बैठक में आपसी समझ को मजबूत करने, सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने, लोगों के बीच आदान–प्रदान को बढ़ावा देने, पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया गया।

21. सितंबर 2024 में ब्राजील के बेलेम में जी20 पर्यटन मंत्रियों की बैठक के दौरान माननीय पर्यटन मंत्री ने सऊदी अरब, ब्राजील, स्पेन, सिंगापुर, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और चेक गणराज्य के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

22. 13.09.2024 को भारत सरकार के सचिव (पर्यटन) और ईरान के सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन और हस्तशिल्प के उप मंत्री महामहिम डॉ. अली असगर शालबाफियान के बीच एक बैठक हुई। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने विभिन्न पर्यटन प्रचार गतिविधियों और दोनों देशों के बीच पर्यटन को कैसे बढ़ाया जाए, इस पर चर्चा की।

23. 26.09.2024 को अमेरिकी एनटीटीओ निदेशक श्री ब्रायन बील के नेतृत्व में पर्यटन मंत्रालय के अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के बीच एक द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने अमेरिका–भारत वाणिज्यिक वार्ता, यात्रा और पर्यटन कार्यकारी समूह पर चर्चा की।

24. दिनांक 11.09.2024 को भारत सरकार के माननीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने नेपाल के संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्री श्री बद्री प्रसाद पांडे के साथ नई दिल्ली में द्विपक्षीय बैठक की। सौहार्दपूर्ण बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के मामलों पर चर्चा की गई।

सत्यमेव जयते

25. 23 अक्टूबर 2024 को सचिव (पर्यटन) और भारत में पेरू के राजदूत के बीच दोनों देशों के बीच पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग और संवर्धन पर चर्चा करने के लिए द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक में महानिदेशक (पर्यटन) भी शामिल हुए।

26. 30 अक्टूबर 2024 को संयुक्त सचिव (पर्यटन) ने आगामी बैठक के लिए प्रस्तावित एजेंडे पर चर्चा करने के लिए आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) के अपर सचिव की अध्यक्षता में दक्षिण एशिया उप–क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग (एसएएसईसी) कार्यक्रम के कार्यकारी समूह की बैठक और वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में भाग लिया।

27. 05–07 नवंबर 2024 तक मंत्रालय ने डब्ल्यूटीएम 2024, लंदन में भाग लिया। माननीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री ने 6 नवंबर को डब्ल्यूटीएम के दौरान फ्रांस, बहरीन और सऊदी अरब के अपने समकक्षों के साथ 03 द्विपक्षीय बैठकें कीं और पर्यटन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

क. माननीय मंत्री ने डब्ल्यूटीएम में सऊदी मंडप का दौरा किया, जिसके बाद सऊदी अरब के पर्यटन मंत्री अहमद बिन अकील अल खतीब ने भी दौरा किया। सौहार्दपूर्ण बैठक के दौरान, सऊदी मंत्री ने दिसंबर में भारत की अपनी आगामी आधिकारिक यात्रा के बारे में जानकारी दी और निजी क्षेत्र के साथ बैठकें आयोजित करने और भारत के साथ बेहतर उड़ान संपर्क विकसित करने के लिए सुविधा प्रदान करने का अनुरोध किया। सऊदी मंत्री ने पर्यटन के आपसी सहयोग के क्षेत्रों के लिए आगे के रास्ते पर चर्चा करने के लिए एचएमटी के साथ द्विपक्षीय बैठक का भी अनुरोध किया।

ख. बहरीन की माननीय पर्यटन मंत्री सुश्री फातिमा जे. अल सैरफी भी एचएमटी से मिलने के लिए इंडिया पैवेलियन आईं, जहां उन्होंने एक–दूसरे का अभिवादन किया। उन्होंने पर्यटन के माध्यम से दोनों देशों के बीच लोगों के बीच संपर्क को अगले स्तर तक ले जाने के बारे में चर्चा की, जो न केवल पर्यटकों के प्रवाह को बढ़ाने में मदद करेगा, बल्कि एक स्थायी अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन के समग्र विकास में भी योगदान देगा। उन्होंने युवाओं के कौशल विकास के बारे में भी चर्चा की, जो आज की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं में से एक है।

ग. एचएमटी ने फ्रांस की पर्यटन अर्थव्यवस्था मंत्री श्रीमती मरीना फेरारी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। उन्होंने फ्रांस और भारत के बीच द्विपक्षीय पर्यटन संबंधों, पर्यटन नीतियों के संदर्भ में भारत की प्राथमिकताओं, जिसमें सतत पर्यटन और फ्रांस के पर्यटन एजेंडे जैसे विषय शामिल हैं, के लिए इंडिया पैवेलियन का दौरा किया। सुश्री फेरारी ने फ्रांस में भारतीय पर्यटकों की बढ़ती संख्या की पृष्ठभूमि में अपनी प्रशंसा व्यक्त की। एचएमटी ने भारत आने वाले फ्रांसीसी पर्यटकों की

06/ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

सत्यमेव जयते

संख्या की सराहना करते हुए, जो भारत के लिए शीर्ष पर्यटक उत्पादक स्रोत बाजारों में से एक है, दोनों देशों के बीच पर्यटकों के आवागमन को बढ़ाने के लिए अधिक सहयोग के लिए उनकी सरकार से समर्थन का अनुरोध किया।

विश्व पर्यटन दिवस–2024 का उद्घाटन

डब्ल्यूटीएम में माननीय पर्यटन मंत्री

28. 04.11.2024 को भारतीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख के रूप में संयुक्त सचिव (पर्यटन) ने भूटान द्वारा आयोजित और एडीबी द्वारा समर्थित एसएएसईसी व्यापार सुविधा कार्यकारी समूह की बैठक में उद्घाटन भाषण दिया। भारत ने क्षेत्रीय सहयोग के लिए व्यापार सुविधा को प्राथमिकता के रूप में महत्व दिया और सीमा शुल्क सूचनाओं के इलेक्ट्रॉनिक आदान–प्रदान और क्षेत्रीय ई–कॉमर्स अध्ययनों सहित सात उप–क्षेत्रीय पहलों पर अपडेट का स्वागत किया। भारत ने पर्यटन कनेक्टिविटी पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने और खाद्य नियामक समन्वय (एसपीएस और टीबीटी पहलुओं) पर चर्चा की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुद्दे पत्रों और एडीबी प्रस्तुतियों पर चर्चा में सक्रिय रूप से योगदान दिया, जिससे व्यापार और आर्थिक विकास के लिए एसएएसईसी के परिचालन लक्ष्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता मजबूत हुई।

29. 14 नवंबर 2024 को भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय और फिलीपींस गणराज्य के बीच परिवहन भवन, नई दिल्ली में एक द्विपक्षीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की मेजबानी भारत के महानिदेशक (पर्यटन) और फिलीपींस की अवर सचिव सुश्री मारिया रिका सी. ब्यूनो ने की, जिसमें पर्यटन संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। मुख्य चर्चाओं में भारत में लग्जरी ट्रेन की पेशकश, भारत–आसियान पर्यटन वर्ष 2025, महिलाओं के नेतृत्व वाली और युवा पर्यटन पहल, चिकित्सा और कल्याण पर्यटन और फिलीपींस में भारतीय शादियों की संभावना शामिल थी। दोनों पक्षों ने आपसी लाभ के लिए इन पहलों पर सहयोग करने पर सहमति जताई।

30. 19.11.2024 को भारत के माननीय केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत और हेलेनिक गणराज्य के सांसद और पूर्व पर्यटन मंत्री श्री हैरी थियोहरिस के बीच एक बैठक हुई। श्री थियोहरिस द्वारा अनुरोधित बैठक में संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन के महासचिव के पद के लिए उनकी संभावित उम्मीदवारी पर ध्यान केंद्रित किया गया। श्री थियोहरिस ने इस भूमिका के लिए अपने दृष्टिकोण, क्षमताओं और इच्छित पहलों को रेखांकित किया।

31. दिनांक 02.12.2024 को भारत सरकार के माननीय पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने नई दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका की पर्यटन मंत्री सुश्री पैट्रिशिया डी लिली के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच द्विपक्षीय बैठक

6.1.9 वर्तमान वैध समझौता ज्ञापन/समझौते/एलओआई

पर्यटन मंत्रालय विभिन्न देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ पर्यटन सहयोग में सक्रिय रूप से संलग्न है, जिसका उद्देश्य सहयोग के कई क्षेत्रों के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देना है।

भारत और मलेशिया ने पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए पर्यटन मंत्रालय, भारत गणराज्य सरकार और पर्यटन, कला और संस्कृति मंत्रालय, मलेशिया सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। अगस्त 2024 में मलेशियाई राष्ट्रपति की भारत की वीवीआईपी यात्रा के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। समझौता ज्ञापन के मुख्य उद्देश्य, अन्य बातों के अलावा निम्नलिखित हैं:

क. पर्यटन उत्पादों और सेवाओं का प्रचार और विपणन;

ख. विनिमय कार्यक्रमों सहित पर्यटन अनुसंधान, प्रशिक्षण और विकास के क्षेत्र में विस्तार;

ग. पर्यटन अवसंरचना, सुविधाओं, उत्पादों और सेवाओं में निवेश को प्रोत्साहित करना;

घ. चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में सूचना का आदान–प्रदान और उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए हितधारकों को प्रोत्साहित करना;

ङ. व्यावसायिक पर्यटन, जिसमें बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन, प्रदर्शनियाँ (एमआईसीई) शामिल हैं;

च. पर्यटन हितधारकों, टूर ऑपरेटरों और ट्रैवल एजेंटों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना;

सत्यमेव जयते

छ. समुदाय आधारित पर्यटन और पारिस्थितिकी पर्यटन और जिम्मेदार पर्यटन का प्रचार और विकास।

पर्यटन मंत्रालय ने अब तक 45 द्विपक्षीय और 2 बहुपक्षीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं, जो सभी आज भी वैध हैं।

सत्यमेव जयते

बोर्रा गुफाएँ, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश

07/

अनुसंधान एवं विश्लेषण

डेटा, सुदृढ़ साक्ष्य आधारित निर्णय लेने, किसी भी नीति और कार्यक्रम की योजना बनाने, कार्यान्वयन करने और निगरानी करने के लिए अपरिहार्य उपकरण हैं। इसके परिणामस्वरूप, डेटा के विवरण और विश्वसनीयता का स्तर, साथ ही इसकी व्याख्या और उपयोग का स्तर, ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों के प्रभाव पर सीधा प्रभाव डालता है। पर्यटन सांख्यिकी उनमें से एक है।

पर्यटन मंत्रालय का अनुसंधान एवं विश्लेषण प्रभाग भारत में अंतर्गामी, बहिर्गामी और घरेलू पर्यटन के विभिन्न पहलुओं पर पर्यटन संबंधी आंकड़ों के संग्रह, संकलन और प्रसार के लिए जिम्मेदार है। प्रभाग द्वारा एकत्र किए गए प्रमुख आंकड़ों में विदेशी पर्यटक आगमन, घरेलू और विदेशी पर्यटकों की यात्राओं, पर्यटन से विदेशी मुद्रा आय आदि पर डेटा शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय और घरेलू पर्यटकों की प्रोफाइल, व्यय के पैटर्न, पर्यटकों की पसंद, संतुष्टि के स्तर आदि का आकलन करने के लिए समय–समय पर सर्वेक्षण भी किए जाते हैं।

पर्यटन के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देना एवं सांख्यिकी और बाजार संबंधी अनुसंधान के क्षेत्र में राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को तकनीकी के साथ–साथ वित्तीय सहायता प्रदान करना इस प्रभाग के अन्य प्रमुख कार्य हैं। मंत्रालय की आवश्यकता के आधार पर, इस प्रभाग ने पर्यटन सर्वेक्षण, आर्थिक और सांख्यिकीय अनुसंधान अध्ययन भी किए, जो देश में पर्यटन के विकास के लिए नीतियां और कार्यक्रम तैयार करने के लिए इनपुट प्राप्त करने में उपयोगी हैं। पर्यटन सेटेलाइट अकाउंट, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद के साथ–साथ रोजगार में पर्यटन के योगदान को मापता है, को तैयार करना भी इस प्रभाग के प्रमुख कार्यों में से एक है।

सत्यमेव जयते

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय का अनुसंधान एवं विश्लेषण प्रभाग डेटा और अन्य अनुसंधान संबंधी मामलों आदि की जानकारी प्रदान करने के लिए यूएनडब्ल्यूटीओ, डब्ल्यूईएफ, पाटा जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ समन्वय करता है।

आतिथ्य हितधारकों की बैठक

7.1 सेवा प्रदाता के लिए क्षमता आतिथ्य हितधारक बैठक निर्माण (सीबीएसपी) योजना के तहत बाजार अनुसंधान पेशेवर सेवा (एमआरपीएस)

बाजार अनुसंधान पेशेवर सेवा (एमआरपीएस) की गतिविधियों का मूल उद्देश्य पर्यटन के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देना और देश में पर्यटन के विकास के लिए नीति निर्माण और योजना बनाने के लिए विश्वसनीय जानकारी जुटाना है। एमआरपीएस योजना का उद्देश्य नीतिगत निर्देशों के लिए समकालीन अनुसंधान इनपुट प्रदान करके और नीतिगत पहलों के संकेंद्रित कार्यान्वयन के तरीके का समर्थन करके पर्यटन की व्यवस्थित योजना बनाने में व्यावसायिकता लाना है।

एमआरपीएस की गतिविधियों के तहत राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को उनसे संबंधित विषयों पर अनुसंधान अध्ययन/सर्वेक्षण/व्यवहार्यता अध्ययन करने/मास्टर प्लान तैयार करने के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान की जाती है। यह पर्यटन क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं/सेमिनारों का आयोजन करने और पर्यटन के विकास के लिए विशेषज्ञों, राज्य सरकारों, उद्योग, बुद्धिजीवियों आदि से इनपुट प्राप्त करने के लिए संस्थानों को भी सीएफए प्रदान करता है।

मंत्रालय की आवश्यकता के अनुसार एमआरपीएस की गतिविधियों के दायरे में अनुसंधान अध्ययन और सर्वेक्षण भी किए गए हैं जो पर्यटन के लिए नीतियों और योजनाओं के विकास के लिए आधार बने।

एमआरपीएस की गतिविधियों के तहत वर्ष 2024 के दौरान निम्नलिखित अनुसंधान किए जा रहे हैं :

सत्यमेव जयते

(I) नीति निर्माण तथा नियोजन के प्रयोजनार्थ मंत्रालय को संगत डेटा/सूचना/रिपोर्ट/इनपुट उपलब्ध कराने के लिए पर्यटन से संबंधित सर्वेक्षण, अध्ययन, प्लान, बाजार अनुसंधान/संभाव्यता अध्ययन/प्रकाशन आदि।

- **अध्ययन :**

पूर्ण

i. राइजिंग सन सर्किट (आईआईटीटीएम) के लिए आधारभूत (बेसलाइन) अध्ययन और रेकी

जारी

(i) "आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम में तीर्थयात्रा सुविधाओं के विकास" संबंधी अध्ययन (आईआईटीटीएम)

(ii) "पर्यटन मंत्रालय द्वारा किए जा रहे सोशल मीडिया प्रचारों का गुणवत्ता विश्लेषण" संबंधी अध्ययन (आईआईटीटीएम)

(iii) राजस्थान और गुजरात के विशेष संदर्भ में "देहाती समुदाय आधारित पर्यटन प्रणाली" संबंधी एक अध्ययन (आईआईटीटीएम)

(iv) भारत में वन्यजीव पर्यटन संबंधी अध्ययन (आईआईएम सिरमौर)

(II) सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला के आयोजन/पर्यटन संबंधी पत्रिकाओं के लिए संस्थानों/विश्वविद्यालयों को केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए)

पूर्ण

(i) 18 से 19 अप्रैल, 2024 के दौरान "पर्यटन और आतिथ्य संबंधी अनुभवों में तकनीकी एकीकरणः नवाचार, अवसर और चुनौतियां" नामक विषय पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एनएसएचएम कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल को सीएफए

(ii) कला इतिहास और पर्यटन प्रबंधन विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी को 14 से 16 मार्च, 2024 के दौरान "व्यापार, बौद्ध धर्म और कला– वडनगर और अन्य बौद्ध स्थलों से अंतर्संबंध का पुनरावलोकन" विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने के लिए सीएफए

(iii) द्विवार्षिक पर्यटन अनुसंधान जर्नल के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रीशन (आईएचएमसी एंड एन), पूसा, नई दिल्ली को सीएफए

(III) सर्वेक्षण/अध्ययन के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए)

जारी

i. तीन वर्षों के लिए "निरंतर पर्यटन सर्वेक्षण" आयोजित करने के लिए 18 जुलाई, 2016 को केरल को सीएफए

ii. महाराष्ट्र राज्य के लिए पर्यटन संबंधी आंकड़ों के संग्रह पर सर्वेक्षण के लिए एजेंसी/परामर्शदाता की नियुक्ति'' नामक परियोजना के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता का प्रस्ताव

iii. "संघ राज्यक्षेत्र लद्दाख में पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति का कार्यान्वयन" नामक परियोजना के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता का प्रस्ताव

iv. मिजोरम राज्य में पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति के कार्यान्वयन के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता मांगने का प्रस्ताव

v. तेलंगाना राज्य में पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति का कार्यान्वयन नामक परियोजना के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) का प्रस्ताव

vi. त्रिपुरा राज्य में पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति का कार्यान्वयन नामक परियोजना के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) का प्रस्ताव

vii. पंजाब राज्य में पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति का कार्यान्वयन नामक परियोजना के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता का प्रस्ताव

viii. तमिलनाडु राज्य में पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति का कार्यान्वयन नामक परियोजना के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता का प्रस्ताव

ix. आंध्र प्रदेश राज्य में पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति का कार्यान्वयन नामक परियोजना के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता का प्रस्ताव

x. दिल्ली में पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति का कार्यान्वयन नामक परियोजना के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता का प्रस्ताव

xi. झारखंड राज्य में पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति का कार्यान्वयन नामक परियोजना के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता का प्रस्ताव

xii. छत्तीसगढ़ राज्य में पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति का कार्यान्वयन नामक परियोजना के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता का प्रस्ताव

xiii. पश्चिम बंगाल राज्य में पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति का कार्यान्वयन नामक परियोजना के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता का प्रस्ताव

xiv. मेघालय राज्य में पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति का कार्यान्वयन नामक परियोजना के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता का प्रस्ताव

(IV) वर्ष 2024–25 के दौरान सर्वेक्षण पद्धति

(i) जम्मू और कश्मीर, गोवा, उत्तराखंड और असम में "मानक पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति के कार्यान्वयन" के लिए सीएफए को मंजूरी दी गई है।

7.2 वर्ष 2024 के दौरान पर्यटन सांख्यिकी की मुख्य विशेषताएं

क. अंतर्गामी पर्यटन

- **विदेशी पर्यटक आगमन(एफटीए)**

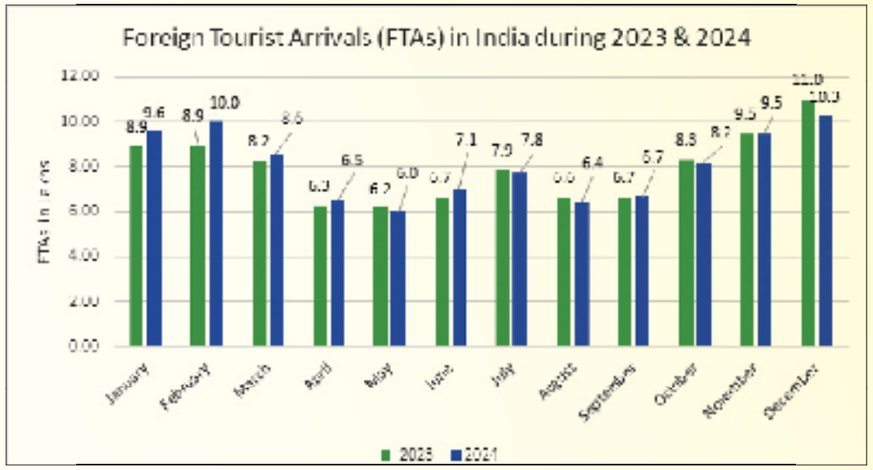

वर्ष 2023 में विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) 9.52 मिलियन रहे, जो पिछले वर्ष की तुलना में 47.9% की वृद्धि दर्शाते हैं। 2024 के लिए अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, भारत में एफटीए 9.66 मिलियन तक पहुंच गए।

- **अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) का आगमन**

  वर्ष 2014 से, पर्यटन मंत्रालय ने वार्षिक आधार पर अनिवासी भारतीयों के आगमन के आंकड़े को संकलित करना शुरू किया और वर्ष 2023 में भारत में आने वाले अनिवासी भारतीयों की संख्या 9.38 मिलियन थी।

- **अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन (आईटीए)**

  यूएनडब्ल्यूटीओ के अनुरूप आईटीए में एफटीए और एनआरआई आगमन दोनों शामिल हैं। वर्ष 2023 में भारत में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन 18.89 मिलियन था।

सत्यमेव जयते

- **विदेशी मुद्रा आय (एफईई)**

  वर्ष 2024 की अवधि के दौरान विदेशी मुद्रा आय (एफईई) का अनंतिम अनुमान 2,77,842 करोड़ रुपये (US$ 33.18 बिलियन) था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19.8% (18.19%) की वृद्धि दर्शाता है।

ख. बहिर्गामी पर्यटन

- **भारतीय नागरिक प्रस्थान (आईएनडी)**

वर्ष 2023 में भारतीय नागरिक प्रस्थान (आईएनडी) की संख्या 27.88 मिलियन थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में 29.05% की वृद्धि दर्शाती है। 2024 के लिए अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, भारत से आईएनडी की संख्या 30.23 मिलियन तक पहुंच गई।

ग. घरेलू पर्यटन

घरेलू पर्यटन इस सेक्टर का महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बना हुआ है। राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों और पर्यटन मंत्रालय के पास उपलब्ध अन्य जानकारी के अनुसार, वर्ष 2023 के दौरान देश भर में घरेलू पर्यटक आगमन (डीटीवी) की संख्या 2509.63 मिलियन थी और विदेशी पर्यटक यात्रा (एफटीवी) की संख्या 19.25 मिलियन थी।

7.3 पर्यटन सेटेलाइट अकाउंट (टीएसए)

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा हर वर्ष तैयार किया जाने वाला राष्ट्रीय लेखा देश की जीडीपी की गणना करते समय विनिर्माण, कृषि, सेवा के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे कि बैंकिंग, परिवहन, बीमा आदि के विकास एवं योगदान का मूल्यांकन करता है। तथापि, राष्ट्रीय लेखा प्रणाली जीडीपी में पर्यटन के योगदान का मूल्यांकन करने में समर्थ नहीं है, क्योंकि राष्ट्रीय लेखा प्रणाली, उद्योग को जिस रूप में परिभाषित करती है उसके अनुसार पर्यटन उद्योग की श्रेणी में नहीं है।

सत्यमेव जयते

पर्यटन मांग पर आधारित संकल्पना है, जिसे इसके उपभोग द्वारा, न कि इसके आउटपुट द्वारा परिभाषित किया जाता है। इस बात पर ध्यान दिए बगैर कि इसका उपभोग पर्यटक या गैर पर्यटक द्वारा किया जाता है, राष्ट्रीय लेखा में परिभाषित उद्योग, जैसे कि हवाई परिवहन, होटल और रेस्टोरेंट समान आउटपुट पैदा करते हैं। वह पर्यटकों द्वारा किया जाने वाला उपभोग है जो पर्यटन संबंधी अर्थव्यवस्था को परिभाषित करता है, जो राष्ट्रीय लेखा में उपलब्ध नहीं है। इसलिए जीडीपी में पर्यटन के योगदान का मूल्यांकन करने के लिए पर्यटन सेटेलाइट अकाउंट तैयार करने की आवश्यकता है।

अब तक पर्यटन मंत्रालय ने राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा संस्तुत कार्य पद्धति का अनुसरण करके वर्ष 2006, 2012 और 2018 में संदर्भ वर्ष 2002–03, 2009–10 और 2015–16 के लिए भारत का तीन टीएसए तैयार कराया है। टीएसए – संस्तुत कार्य पद्धति रूपरेखा (टीएसए : आरएमएफ) 2008 के अनुसार, किसी देश के टीएसए में 10 मानक तालिकाओं का सेट शामिल होता है, जो अर्थव्यवस्था में पर्यटन के आर्थिक योगदान का अनुमान लगाने की कुंजी हैं। मानक संस्तुत फार्मेट में तालिकाएं तैयार करने तथा मानक विस्तृत कार्य पद्धति का अनुसरण करने से देशों के बीच समरूपता के कारण अंतर्राष्ट्रीय तुलनाएं संभव होती हैं।

सीएसओ के आधार वर्ष 2011–12 के साथ राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के आंकड़ों का प्रयोग करके संदर्भ वर्ष 2015–16 के लिए 2018 में भारत का तीसरा टीएसए तैयार किया गया। मध्यवर्ती वर्षों तथा परवर्ती वर्षों के लिए तीसरे टीएसए के अनुसरण में अनुमान के अनुसार वर्ष 2017–18, 2018–19, 2019–20, 2020–21 और 2021–22 के लिए देश के सकल घरेलू उत्पाद और रोजगार में पर्यटन का योगदान नीचे दिया गया है:

	2017–18	2018–19	2019–20	2020–21	2021–22	2022–23
जीडीपी में हिस्सा (प्रतिशत में)	5.02	5.02	5.17	1.50	1.75	5.00
प्रत्यक्ष (प्रतिशत में)	2.61	2.61	2.69	0.78	0.91	2.60
अप्रत्यक्ष (प्रतिशत में)	2.41	2.41	2.48	0.72	0.84	2.40

टिप्पणी : उपरोक्त अनुमानों को एनएसए 2024 का उपयोग करके अपडेट किया गया है। पर्यटन पर कोरोना के प्रभाव के बारे में एनसीएईआर द्वारा पर्यटन मंत्रालय के लिए किए गए अध्ययन में अपनाई गई पद्धति के अनुसार 2020–21 और 2021–22 के लिए अनुमान लगाया गया है।

	2017–18	2018–19	2019–20	2020–21	2021–22	2022–23
रोजगार में हिस्सा (प्रतिशत में)	14.78	14.87	13.50	12.91	12.66	12.57
प्रत्यक्ष (प्रतिशत में)	6.44	6.48	5.89	5.63	5.52	5.48
अप्रत्यक्ष (प्रतिशत में)	8.34	8.39	7.61	7.28	7.14	7.09
पर्यटन के कारण प्रत्यक्ष + अप्रत्यक्ष नौकरियां	72.69	75.85	69.44	68.07	70.04	76.17

टिप्पणी : आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के संबंधित दौर से एनसीएईआर की गणनाएं, इन अनुमानित आंकड़ों में बदलाव संभव है।

सत्यमेव जयते

7.4 पर्यटन संबंधी आंकड़ों के सुदृढ़ीकरण के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों का क्षमता निर्माण

पर्यटन मंत्रालय का अनुसंधान एवं विश्लेषण प्रभाग राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर घरेलू पर्यटक यात्रा (डीटीवी) और विदेशी पर्यटक यात्रा (एफटीवी) के डेटा संकलित करता है। हालांकि, राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े समान पैटर्न में नहीं हैं। राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों द्वारा प्रदान किए गए गैर समान डेटा के मुद्दों को दूर करने और घरेलू और विदेशी पर्यटकों की यात्रा के पर्यटन संबंधी आंकड़ों के व्यापक संग्रह के लिए, आर एंड ए प्रभाग ने एक मानक पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति विकसित की है, जो संयुक्त राष्ट्र की सांख्यिकी के अनुरूप है। यह कार्यप्रणाली विभिन्न जिलों और पर्यटन संबंधी आकर्षणों में पर्यटन संबंधी महत्वपूर्ण आंकड़ों के संग्रह का मानकीकरण करने में मदद करेगी। पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति के कार्यान्वयन से पर्यटन संबंधी महत्वपूर्ण आँकड़े सामने आएंगे, जैसे कि विभिन्न आकर्षणों पर घरेलू और विदेशी पर्यटकों की संख्या, आगंतुकों की प्रोफाइलिंग, यात्रा का उद्देश्य, रहने की अवधि, खर्च, निवास स्थान के अनुसार आगंतुक, होटल अधिभोग आदि। यह डेटा बुनियादी ढांचे के उन्नयन, पर्यटन उत्पाद विकास आदि की योजना बनाने में पर्यटन मंत्रालय और राज्यों के पर्यटन विभाग के लिए काफी उपयोगी होगा। अब तक 18 राज्यों/ संघ राज्यक्षेत्रों ने मानक पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति को लागू करने के लिए एजेंसियों को नियुक्त किया है, जिनमें से 12 को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। मंत्रालय ने इस पद्धति के कार्यान्वयन के लिए 17 राज्यों/ संघ राज्यक्षेत्रों को केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) को मंजूरी दी है, जबकि 1 राज्य में सीएफए के लिए मंजूरी प्रक्रियाधीन है। इसके अतिरिक्त, 9 राज्यों ने चरण–I पूरा कर लिया है और कई अन्य राज्यों द्वारा जल्द ही प्रक्रिया शुरू करने की योजना है।

सत्यमेव जयते

दलमा राष्ट्रीय उद्यान, जमशेदपुर, झारखंड

08/

सुविधा और मानक

8.1 होटल और यात्रा व्यापार

8.1.1 होटलों का अनुमोदन एवं वर्गीकरण

यह मंत्रालय पर्यटकों की विभिन्न श्रेणियों के लिए अपेक्षित मानकों का विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए उपयुक्तता की दृष्टि से अनुपालन करने हेतु स्टार रेटिंग प्रणाली के अंतर्गत होटलों का वर्गीकरण करता है। इस प्रणाली के अंतर्गत, होटलों को वन स्टार से थ्री स्टार, अल्कोहल के साथ या बगैर फोर स्टार और फाइव स्टार, फाइव स्टार डीलक्स, हेरिटेज (बेसिक), हेरिटेज (क्लासिक), हेरिटेज (ग्रैंड), लिगेसी विंटेज (बेसिक), लिगेसी विंटेज (क्लासिक), लिगेसी विंटेज (ग्रैंड) और अपार्टमेंट होटल रेटिंग प्रदान की जाती है। यह वर्गीकरण इस मंत्रालय द्वारा गठित होटल एवं रेस्तरां अनुमोदन एवं वर्गीकरण समिति (एचआरएसीसी) द्वारा किए जाने वाले होटलों के निरीक्षण के आधार पर किया जाता है। प्रचालनरत होटल के वन स्टार से थ्री स्टार की श्रेणियों में वर्गीकरण/पुनः वर्गीकरण की प्रक्रिया को गति प्रदान करने के लिए दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, गुवाहाटी और चेन्नई में स्थित 5 क्षेत्रीय समितियों को निरीक्षण करने/निरीक्षण में समन्वय करने के लिए अधिकृत किया गया है। प्रचालनरत होटलों के वर्गीकरण/पुनः वर्गीकरण के दिशानिर्देशों को 19 जनवरी 2018 को संशोधित किया गया है।

8.1.1.1 राष्ट्रीय आतिथ्य उद्योग एकीकृत डेटाबेस +

1. पर्यटन मंत्रालय ने डिजिटलीकरण को सुगम बनाने और आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र के लिए व्यापार में सुगम्यता को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय आतिथ्य उद्योग एकीकृत डेटाबेस (या निधि) नामक एक प्रौद्योगिकी संचालित प्रणाली

की स्थापना की है, जो हमारे माननीय प्रधानमंत्री के "आत्मनिर्भर भारत" के विज़न के अनुरूप है। यह आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र के भौगोलिक प्रसार, इसके आकार, संरचना और मौजूदा क्षमता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है ताकि उद्योग को शोकेसिंग, स्टार वर्गीकरण आदि जैसी संबंधित सेवाएं प्रदान की जा सके। निधि पोर्टल विभिन्न स्थलों पर उपलब्ध सुविधाओं, कुशल मानव संसाधन की आवश्यकताओं का आकलन करने और विभिन्न स्थलों पर पर्यटन के प्रचार/विकास के लिए नीतियां और कार्यनीतियां तैयार करने में मदद करेगा।

2. इस पहल को निधि+ के रूप में अपग्रेड किया गया है ताकि इसमें न केवल आवास इकाइयों का वर्गीकरण/अनुमोदन बल्कि ट्रैवल एजेंटों, टूर ऑपरेटरों, पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों, खाद्य और पेय इकाइयों, ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर्स कन्वेंशन सेंटरों और पर्यटक सुविधाप्रदाताओं के अनुमोदन/वर्गीकरण/पंजीकरण को भी शामिल किया जा सके। नई प्रणाली में हमारे उद्योग संघों और अन्य हितधारकों के अलावा राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्रों की एक बड़ी भूमिका की भी परिकल्पना की गई है। इस पोर्टल पर https://nidhi.tourism.gov.in से पहुँचा जा सकता है।

3. निधि+ को राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन के विजन के अनुरूप एक तकनीक–संचालित प्लेटफॉर्म पर निर्मित किया गया है और यह मापनीय और स्थिर पारिस्थितिकी तंत्र प्राप्त करने के लिए वृद्धिशील उन्नयन की अनुमति देगा।

4. राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन (एनडीटीएम) का उद्देश्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की तर्ज पर पर्यटन के ईको–सिस्टम में हितधारकों को डिजिटल रूप से जोड़ना है। डिजिटलीकरण पर्यटन संबंधी कार्यकलापों को एकीकृत प्रणाली के तहत लाने और इस प्रकार आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र की प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। निधि+ को एनडीटीएम के छोटे भाग के रूप में स्थापित किया गया है।

8.1.2 आवास इकाइयों की अन्य अनुमोदित श्रेणियां

टाइम शेयर रिजॉर्ट, प्रचालित मोटल, अतिथि गृह, बेड एंड ब्रेकफास्ट/होम स्टे प्रतिष्ठान, तंबूनुमा आवास तथा ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर, स्टैंड अलोन एयर केटरिंग यूनिट, कनवेंशन सेंटर, स्टैंड अलोन रेस्टोरेंट जैसी श्रेणियों में अनुमोदन के लिए मंत्रालय की स्वैच्छिक योजनाएं भी हैं।

8.1.2.1 हेरिटेज होटल

हेरिटेज होटल की लोकप्रिय संकल्पना 1950 से पहले निर्मित उन पुराने महलों, हवेलियों, किलों, दुर्गों तथा आवासों को आवास इकाइयों में परिवर्तित करने के लिए की गई थी, जो बीते युग के परिवेश और जीवनशैली को पुनः प्रस्तुत करते हैं। ऐसे होटलों को लागू दिशानिर्देशों के अनुसार सुविधा एवं सेवाओं के मानकों के आधार पर तीन श्रेणियों अर्थात हेरिटेज, हेरिटेज क्लासिक और हेरिटेज ग्रैंड में वर्गीकृत किया जाता है। 16 दिसंबर 2014 से हेरिटेज होटल की एक नई श्रेणी अर्थात हेरिटेज क्लासिक (अल्कोहल सेवा के बगैर) शुरू की गई है।

8.1.2.2 लिगेसी विंटेज होटल

लिगेसी विंटेज होटल की संकल्पना विरासत संपत्तियों/भवनों (अर्थात ऐसी संपत्ति या भवन जो वर्ष 1950 से पूर्व निर्मित/स्थापित किए गए हैं) की सामग्रियों से निर्मित होटलों को शामिल करने के लिए की गई है, बशर्ते होटल के निर्माण के लिए प्रयुक्त कम से कम 50 प्रतिशत सामग्री विरासत संपत्ति या भवन से प्राप्त की गई हो। ऐसे होटल बीते युग के परिवेश एवं वातावरण को पुनः सृजित करने में मदद करेंगे। ऐसे होटलों को 3 उप–श्रेणियों अर्थात लिगेसी विंटेज (बेसिक), लिगेसी विंटेज (क्लासिक) और लिगेसी विंटेज (ग्रैंड) में वर्गीकृत किया जाएगा। लिगेसी विंटेज होटलों के वर्गीकरण/पुनः वर्गीकरण के लिए दिशानिर्देश 19 अप्रैल 2018 को अधिसूचित किए गए हैं।

8.1.2.3 स्टैंड अलोन रेस्टोरेंट का पंजीकरण

रेस्टोरेंट पर्यटकों द्वारा किसी स्थान की यात्रा के अभिन्न अंग हैं और इस प्रकार उनके द्वारा प्रदान की गई सेवाएं यात्रा को सुखद बना सकती हैं या बिगाड़ सकती हैं। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों पर्यटकों में रेस्टोरेंट लगातार लोकप्रिय हो रहे हैं क्योंकि वे अथेंटिक फूड, विशेष रूप से देश के विभिन्न राज्यों के पकवानों का लुत्फ उठाना चाहते हैं। पर्यटकों को विश्व स्तरीय मानकीकृत सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से निधि+ पोर्टल पर स्टैंड अलोन रेस्टोरेंट स्वंय अपना पंजीकरण कर पाएगें।

8.1.2.4 अपार्टमेंट होटलों का अनुमोदन

अपार्टमेंट होटल व्यावसायी यात्रियों में उत्तरोतर लोकप्रिय हो रहे हैं, जो असाइनमेंट या फैमिली हॉलीडे आदि के लिए भारत के दौरे पर आते हैं जो कई बार कई महीनों के लिए होता है। पर्यटकों को विश्व स्तरीय मानकीकृत सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने फाइव स्टार डीलक्स, फाइव स्टार, फोर स्टार और थ्री स्टार की श्रेणियों में पूर्णतः क्रियाशील अपार्टमेंट होटलों के वर्गीकरण के लिए एक स्वैच्छिक योजना शुरू की है।

8.1.2.5 मोटलों का अनुमोदन

मोटल अतिथि सत्कार क्षेत्र का एक महत्पूर्ण अंग है जो सस्ता आवास प्रदान करता है। मोटल अपनी सुविधाओं एवं सेवाओं के माध्यम से रोड ट्रैवलर की आतिथ्य संबंधी आवश्यकताएं पूरी करते हैं जिसमें अक्सर निचले ब्लाक में कमरे उपलब्ध कराए जाते हैं और जिनके बिल्कुल बाहर पार्किंग की सुविधा होती है। समग्र पर्यटन उत्पाद के घटक के रूप में इस हिस्से को पहचान प्रदान करने तथा मोटलों की सुविधाओं एवं सेवाओं का मानक निर्धारित करने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने प्रचालनरत मोटलों के अनुमोदन के लिए एक स्वैच्छिक योजना तैयार की है। प्रचालनरत मोटलों के अनुमोदन के लिए दिशानिर्देश 25 सितंबर 2018 को अधिसूचित किए गए हैं।

8.1.2.6 अतिथि गृहों का अनुमोदन

घरेलू एवं विदेशी दोनों बजट पर्यटकों के लिए होटल आवास की आपूर्ति बढ़ाने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने अतिथि गृहों के अनुमोदन के लिए दिशानिर्देशों की समीक्षा की है और उनमें संशोधन किया है ताकि स्वच्छता, साफ–सफाई और उन्नत सुविधाओं एवं प्रथाओं के कतिपय मानकों का पालन किया जा सके। संशोधित दिशानिर्देशों का उद्देश्य बदलती आवश्यकताओं तथा सुरक्षा एवं संरक्षा के सरोकारों पर ध्यान देना था। स्वच्छता, स्वास्थ्य, साफ–सफाई तथा पेस्ट कंट्रोल के उपायों पर बल दिया गया है। यदि अतिथि गृह तथा अन्य प्रकार की आवास इकाइयां सुविधाओं और सेवाओं के कतिपय मानकों को पूरा करती हैं, तो उनको इस योजना के अंतर्गत मंजूरी प्रदान की जाती है। इन कदमों से बजट श्रेणी में न केवल होटल आवास की संख्या में संभावित रूप से वृद्धि हो सकती है, अपितु राज्यों के लिए रोजगार एवं राजस्व भी उत्पन्न हो सकता है।

8.1.2.7 टाइम शेयर रिजॉर्ट का अनुमोदन एवं वर्गीकरण

टाइम शेयर रिजॉर्ट (टीएसआर) लीजर हॉलीडे और फैमिली हॉलीडे आदि के लिए उत्तरोतर लोकप्रिय हो रहे हैं। पर्यटकों को विश्व स्तरीय मानकीकृत सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने थ्री स्टार, फोर स्टार और फाइव स्टार की श्रेणियों में पूर्णतः प्रचालनरत टाइम शेयर रिजॉर्ट के वर्गीकरण के लिए एक स्वैच्छिक योजना शुरू की है।

8.1.2.8 अतुल्य भारत बेड एंड ब्रेकफास्ट/होमस्टे योजना

यह योजना विदेशी एवं घरेलू पर्यटकों को भारतीय परिवार के साथ ठहरने और सौहार्दपूर्ण आतिथ्य का लुत्फ उठाने एवं स्वच्छ तथा किफायती स्थान में भारतीय

संस्कृति एवं व्यंजन का स्वाद लेने का अवसर प्रदान करती है। पर्यटन मंत्रालय अपने घरेलू कार्यालयों के माध्यम से सभी राज्यों में होमस्टे/अतुल्य भारत बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों के संवर्धन पर जागरुकता संबंधी कार्यशालाओं का आयोजन करता रहा है। यह एक सतत प्रक्रिया है। अतुल्य भारत की बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों तथा अतुल्य भारत होमस्टे प्रतिष्ठानों के वर्गीकरण तथा पुनः वर्गीकरण के संशोधित दिशानिर्देश 10 दिसंबर 2018 को अधिसूचित किए गए हैं। ये दिशानिर्देश सामान्य राष्ट्रीय मानक होंगे जिसे प्रत्येक राज्य/संघ राज्यक्षेत्र मुख्य नियमों को अक्षुण्य रखते हुए अपनी आवश्यकताओं के अनुसार अपनाएंगे। राज्य/संघ राज्यक्षेत्र इसमें संशोधन करने तथा सामान्य राष्ट्रीय मानकों के अलावा उपयुक्त मानदंड/मापदंड लागू करने के लिए स्वतंत्र होंगे। पर्यटन मंत्रालय सभी राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में बीएंडबी/होमस्टे प्रतिष्ठानों का वर्गीकरण करना तब तक जारी रखेगा जब तक कि संबंधित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र सामान्य राष्ट्रीय मानकों के आधार पर ऐसे वर्गीकरण के लिए अपना स्वयं का तंत्र स्थापित नहीं कर लेंगे। आवेदनों के निपटान के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल को सक्रिय किया गया है। अनुमोदित इकाइयों का ब्यौरा मंत्रालय की वेबसाइट पर सूचीबद्ध है। आवदेन https://nidhi.tourism.gov.in पर ऑनलाइन भरे जा सकते हैं।

8.1.2.9 स्टैंड–अलोन एयर केटरिंग इकाइयों का पंजीकरण

एयर केटरिंग सेगमेंट में अंतर्राष्ट्रीय मानकों को सुनिशचित करने के लिए देश में स्टैंड–अलोन एयर केटरिंग इकाइयां भी निधि+ पोर्टल पर पंजीकरण कर सकती हैं।

8.1.2.10 सम्मेलन केंद्रों का पंजीकरण

बैठक, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी (एमआईसीई) पर्यटन उद्योग के महत्वपूर्ण घटक हैं। तेजी से वैश्विकृत होती उच्च वृद्धि वाली भारतीय अर्थव्यवस्था में एमआईसीई पर्यटन का विकसित होना तय है तथा इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए देश को अधिक सम्मेलन एवं प्रदर्शनी केंद्रों की आवश्यकता है। इन क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करने तथा सुविधाओं को मानकीकृत करने के लिए सम्मेलन केंद्र निधि+ पोर्टल पर स्वयं अपना पंजीकरण कर सकते हैं।

8.1.2.11 ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर (ओटीए)

ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर (ओटीए) के अनुमोदन/पुनः अनुमोदन की योजना के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं तथा 10 दिसंबर, 2018 को इन्हें अधिसूचित किया गया है। यह योजना पूरी तरह से स्वैच्छिक है और पर्यटन मंत्रालय से प्रत्यायन प्राप्त करने के लिए कोई आनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर बाध्य नहीं है।

8.1.2.12 अवसंरचना उप–क्षेत्रों की सामंजस्यपूर्ण मास्टर सूची

वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने 17 अक्टूबर, 2017 को देश में होटल रूम की आपूर्ति बढ़ाने के लिए अवसंरचना उप–क्षेत्रों की सामंजस्यपूर्ण मास्टर सूची अधिसूचित की है जिसमें 1 मिलियन से अधिक आबादी वाले शहरों के बाहर स्थित 3 स्टार या उच्चतर श्रेणी के वर्गीकृत होटल शामिल हैं।

इसके अलावा, दिनांक 26 अप्रैल 2021 की अधिसूचना के माध्यम से "सामाजिक और वाणिज्यिक अवसंरचना" की श्रेणी में एक नई मद को सम्मिलित करके "प्रदर्शनी–सह–सम्मेलन केंद्र" को परिभाषित करते हुए एक फुटनोट के साथ अवसंरचना उप क्षेत्रों की सामंजस्यपूर्ण मास्टर सूची में प्रदर्शनी–सह–सम्मेलन केंद्र" को शामिल किया गया है।

8.1.3 पर्यटन क्षेत्र के लिए घोषित प्रोत्साहन

पर्यटन मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के साथ समय–समय पर जीएसटी के कराधान स्लैब का मुद्दा उठाया है जिसके फलस्वरूप पर्यटन उत्पादों एवं सेवाओं के संबंध में जीएसटी के रेट स्लैब में निम्नलिखित परिवर्तन किए गए हैं:

जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) परिषद ने होटल रूम टैरिफ पर कर दर में कटौती की घोषणा की जिसका उद्देश्य आतिथ्य क्षेत्र को प्रोत्साहन प्रदान करना है। प्रति रात्रि 7500 रुपए तक की टैरिफ वाले होटल के कमरों पर जीएसटी की दर मौजूदा 18 प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत कर दी गई है। इसी तरह, 7500 रुपए से अधिक रूम टैरिफ पर कर की दर मौजूदा 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है। प्रति रात्रि 1000 रुपए से कम रूम टैरिफ पर कोई जीएसटी नहीं लगेगी।

लागू दर के निर्धारण के आधार को घोषित टैरिफ से बदलकर वास्तविक टैरिफ कर दिया गया है।

वातानुकूलित होने या न होने पर ध्यान दिए बगैर रेस्टोरेंट की खाने पीने की वस्तुओं पर जीएसटी की दर घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है। यदि रेस्टोंरेट होटल, सराय, अतिथि गृह, क्लब या आवासीय अथवा लॉजिंग के प्रयोजनार्थ किसी व्यवसायिक स्थल के परिसर के अंदर स्थित है, जहां दैनिक टैरिफ 7500 रुपए प्रतिदिन प्रति यूनिट या उससे अधिक है, तो कर 18 प्रतिशत होगा।

टूर ऑपरेटर सेवाओं के लिए, बिना इनपुट टैक्स क्रेडिट के 5% जीएसटी (लेकिन ऐसे ही व्यवसाय में इनपुट सेवाओं के आईटीसी की अनुमति है) इस शर्त के अधीन लगाया जाता है कि इस सेवा की आपूर्ति के लिए जारी बिल दर्शाता हो कि इसमें इस तरह के टूर के लिए आवश्यक आवास और परिवहन शुल्क शामिल हैं एवं बिल में ली गई राशि

शुल्क सहित इस टूर की ली गई सकल राशि है जिसमें इस टूर के लिए आवश्यक आवास और परिवहन, या आईटीसी सहित 18% जीएसटी है। क्रूज पर्यटन पर 18% जीएसटी की मानक दर लागू होती है।

8.1.4 कोविड प्रभावित पर्यटन क्षेत्र के लिए ऋण गारंटी योजना (एलजीएससीएटीएसएस)

पर्यटन क्षेत्र को राहत प्रदान करने के लिए वित्त मंत्रालय द्वारा 28.06.2021 को की गई घोषणा के अनुसार, पर्यटन मंत्रालय "कोविड प्रभावित पर्यटन सेवा क्षेत्र के लिए ऋण गारंटी योजना (एलजीएससीएटीएस)" को लागू करने के लिए तैयार है। इस ऋण गारंटी योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय द्वारा अनुमोदित/मान्यता प्राप्त प्रत्येक टूर ऑपरेटर/ट्रैवल एजेंट/पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों को 10.00 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाएगा, पर्यटन मंत्रालय द्वारा अनुमोदित/मान्यता प्राप्त प्रत्येक क्षेत्रीय पर्यटक गाइड/अतुल्य भारत पर्यटक गाइड और राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा अनुमोदित/मान्यता प्राप्त पर्यटक गाइडों को 1.00 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाएगा।

पर्यटन मंत्रालय के एलजीएससीएटीएसएस का उद्देश्य उपर्युक्त लाभार्थियों को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा प्रदान किए गए ऋणों के लिए गारंटी कवरेज प्रदान करना है, ताकि वे अपनी देनदारियों का निर्वहन कर सकें और कोविड–19 महामारी के कारण प्रभावित अपने व्यवसाय को फिर से शुरू कर सकें।

उक्त योजना की वैधता 31 मार्च 2023 तक या योजना के तहत 250.00 करोड़ रुपये की गारंटी जारी होने तक, जो भी पहले हो, है और 04 अक्टूबर 2021 (एनसीजीटीसी द्वारा एलजीएससीएटीएसएस दिशानिर्देश जारी करने की तारीख) को या इसके बाद 31.03.2023 तक योजना के तहत स्वीकृत सभी पात्र ऋणों पर लागू है। योजना के तहत प्रदान की जाने वाली क्रेडिट सुविधा के लिए एनसीजीटीसी द्वारा एमएलआई से कोई गारंटी शुल्क नहीं लिया जाएगा। योजना के बेहतर निष्पादन के लिए टूर ऑपरेटरों/ट्रैवल एजेंटों/पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों, आईआईटीजी/आरएलजी और राज्य स्तर के गाइडों का समायोजित डाटा एनसीजीटीसी के साथ साझा किया गया।

यह योजना 18 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के माध्यम से संचालित की गई है। दिनांक 30.11.2024 तक, लगभग 6.82 करोड़ रुपये की राशि की लगभग 476 गारंटी जारी की गई हैं, जिनमें से 4.02 करोड़ रुपये (लगभग) वितरित किए गए हैं। अब तक, एनसीजीटीसी को संभावित खराब ऋणों के लिए और योजना के निष्पादन के लिए लगभग 1.60 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

8.1.5 निर्भया निधि

सरकार ने निर्भया निधि नामक एक गैर व्यपगत कॉर्पस फंड की स्थापना की है जिसे आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा संचालित किया जा रहा है और जिसका उपयोग महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा में सुधार के लिए विशेष रूप से तैयार की गई परियोजनाओं के लिए किया जा सकता है। वित्त मंत्रालय द्वारा दिनांक 25 मार्च, 2015 को जारी किए गए दिशानिर्देशों के अनुसार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूएंडसीडी) इसका नोडल मंत्रालय है, जिसके पास प्रस्तावों और योजनाओं का मूल्यांकन/सिफारिश करने, संबद्ध मंत्रालयों/विभागों के साथ मिलकर स्वीकृत योजनाओं की प्रगति की समीक्षा और निगरानी करने की जिम्मेदारी है।

'मध्य प्रदेश में महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल' के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव का मूल्यांकन और अनुशंसा करने के परिणामस्वरूप महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूएंडसीडी) की अध्यक्षता में अधिकार प्राप्त समिति (ईसी) और इसके बाद सचिव (पर्यटन), भारत सरकार की स्वीकृति से तीन वर्षों की अवधि में 16.79 करोड़ रुपये (लगभग) जारी करने/खर्च करने पर सहमति व्यक्त की गई। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत परियोजना की कुल लागत 27.99 करोड़ रुपये (लगभग) है, जिसमें धनराशि को केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच 60:40 के अनुपात में यानी क्रमशः 16.79 करोड़ रुपये और 11.20 करोड़ रुपये के रूप में वितरित किया जाएगा।

'निर्भया निधि' के तहत केंद्र सरकार के 16.79 करोड़ रुपये (लगभग) के कुल वित्तीय हिस्से में से 6.24 करोड़ रुपये (लगभग) की पहली किस्त 19 मार्च, 2021 को मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड के पक्ष में वित्त वर्ष 2020–21 के लिए जारी की गई थी। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड से पहली किस्त (केंद्र और राज्य के हिस्से) की राशि के लिए उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया है और इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2023–24 में पर्यटन मंत्रालय द्वारा 5.27 करोड़ रुपये के केंद्रीय हिस्से की दूसरी किस्त भी जारी की गई है।

8.1.6 यात्रा व्यापार सेवा प्रदाता का अनुमोदन

पूर्व में पर्यटन मंत्रालय द्वारा यात्रा व्यापार सेवा प्रदाताओं की निम्नलिखित श्रेणियों के तहत मान्यता/अनुमोदन प्रदान किया जाता थाः

i. इनबाउंड टूर आपरेटर्स

ii. ट्रैवल एजेंट

iii. घरेलू टूर ऑपरेटर्स

iv. एडवेंचर टूर आपरेटर्स

v. पर्यटक परिवहन संचालक

इन श्रेणियों में गुणवत्ता, मानक और सेवा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 08.12.2020 को इस योजना के संशोधित दिशानिर्देश जारी किए गए थे। यह एक स्वैच्छिक योजना है जो सभी बोनाफाइड एजेंसियों के लिए उपलब्ध है।

इस बात को ध्यान में रखते हुए कि पिछले कुछ समय में व्यापक रूप से वैश्विक विकास और उन्नति हुई है, जिसने पर्यटन क्षेत्र को अत्यधिक प्रभावित किया है और बदलते यात्री और उद्योग परिदृश्य के मुकाबले में इस क्षेत्र की लगातार जांच करने की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, मंत्रालय ने पर्यटन सेवा प्रदाताओं को मान्यता प्रदान करने के लिए दिशानिर्देशों की समीक्षा करने की आवश्यकता को स्वीकार किया। इसके अलावा, कोरोना वायरस (कोविड–19) महामारी ने पर्यटन क्षेत्र में एक अभूतपूर्व संकट उत्पन्न कर दिया था। इन सभी कारकों से यह आवश्यक हो गया कि पर्यटन सेवा प्रदाताओं को मान्यता प्रदान करने के दिशानिर्देशों में उपयुक्त ढंग से संशोधन किया जाए। तदनुसार, दिसंबर 2020 में दिशानिर्देशों को संशोधित किया गया है ताकि उनकी पहुंच और दायरे को बढ़ाया जा सके। संशोधित दिशानिर्देश जनवरी 2021 से प्रभावी हो गए।

मौजूदा दिशानिर्देशों को 'पर्यटन मंत्रालय द्वारा पर्यटन सेवाप्रदाताओं को मान्यता' के लिए एकल दिशानिर्देश में समेकित किया गया है। संशोधित दिशानिर्देशों के तहत मान्यता तीन व्यापक उप श्रेणियों के अंतर्गत प्रदान की जाएगीः

- टूर ऑपरेटर्स (इनबाउंड, घरेलू, एडवेंचर, एमआईसीई)
- ट्रैवल एजेंट
- पर्यटक परिवहन संचालक

इन तीन उप श्रेणियों में ऑनलाइन मोड के माध्यम से पर्यटकों के लिए आवश्यक व्यवस्था करने वाले ऑपरेटर/एजेंसियां भी शामिल होंगी।

आत्मनिर्भर भारत के सिद्धांतों को प्रोत्साहित करने के लिए पहली बार ग्रीनशूट/स्टार्टअप एजेंसियों की श्रेणी शुरू की गई है।

पर्यटन मंत्रालय ने दिनांक 20.11.2024 तक कुल 1392 हितधारकों को मान्यता दी है। इनमें से 277 ट्रैवल एजेंट; 104 पर्यटक परिवहन संचालक और 1011 टूर ऑपरेटर हैं।

8.1.7 वेब आधारित सार्वजनिक डिलिवरी प्रणाली

जनवरी, 2023 से निधि+पोर्टल के माध्यम से यात्रा व्यवसाय सेवा प्रदाताओं को मान्यता भी प्रदान की जाती है। इस प्रणाली का उद्देश्य पर्यटन मंत्रालय से मान्यता प्राप्त करने

के इच्छुक यात्रा व्यापार सेवा प्रदाताओं द्वारा आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया को सरल बनाना और अनुमोदन प्रदान करने में पारदर्शिता लाना है। नई प्रक्रिया सेवा प्रदाताओं से आवेदनों को ऑनलाइन स्वीकार करती है जिसकी वजह से यह प्रक्रिया पेपरलेस हो गई है।

सभी आवेदन https://nidhi.tourism.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत किए जाते हैं और पूर्ण आवेदन प्राप्त होने के 60 दिनों के भीतर उनकी जांच करने, संसाधित करने और अनुमोदित/अस्वीकृत करने का काम पूरा किया जाता है। यह पहल अनुमोदन आदि के लिए ई–शासन की ओर अग्रसर होने के मंत्रालय के उद्देश्य का भाग है।

8.1.8 ई–वीजा

भारत में विदेशी पर्यटकों, पेशेवरों और कुशल कार्यबल, व्यवसायियों, छात्रों आदि सहित विदेशियों के वैध आवागमन को सक्षम करने के लिए एक सुदृढ़ वीजा व्यवस्था है। सरकार ने वैध विदेशी यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के साथ–ही आंतरिक सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकीय अवसंरचना में वृद्धि करने की दृष्टि से वीजा व्यवस्था को उदार, कारगर और सरल बनाने के लिए पिछले कुछ वर्षों में अनेक पहलें की हैं।

भारतीय वीजा व्यवस्था, विशेष रूप से पर्यटक वीजा व्यवस्था को उदार और सरल बनाने हेतु उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम ई–वीजा सुविधा की शुरूआत है। इलेक्ट्रॉनिक यात्रा प्राधिकरण (ईटीए) के साथ यह सुविधा, जिसे नवंबर, 2014 में 43 देशों के नागरिकों के लिए शुरू किया गया था, वर्तमान में 31 नामित अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों और "06 प्रमुख बंदरगाहों" के माध्यम से 167 देशों के नागरिकों के लिए प्रवेश हेतु उपलब्ध है।

वर्तमान में ई–वीजा नौ उप–श्रेणियों यानी ई–पर्यटक वीजा, ई–व्यवसाय वीजा, ई–चिकित्सा वीजा, ई–चिकित्सा सहायक वीजा, ई–सम्मेलन वीजा, ई–आयुष वीजा ई–आयुष सहायक, ई–स्टूडेंट वीजा और ई–स्टूडेंट एक्स वीजा। के तहत उपलब्ध है। ई पर्यटक वीजा 3 विकल्पों के तहत उपलब्ध है – (i) बहु–प्रवेश के साथ 05 वर्ष; (ii) बहु–प्रवेश के साथ 1 वर्ष और (iii) दोहरे प्रवेश के साथ एक महीना।

ई–वीजा प्रोसेसिंग पूरी तरह से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर है। एक विदेशी कहीं से भी ई–वीजा के लिए आवेदन कर सकता है। ई–वीजा की शुरूआत ने पर्यटन, व्यवसाय और चिकित्सा जैसे वैध उद्देश्यों के लिए भारत में विदेशियों को परेशानी मुक्त प्रवेश प्रदान करने में मदद की है। ई–वीजा विदेशियों के बीच बहुत लोकप्रिय हो गया है

सत्यमेव जयते

जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि पिछले कुछ वर्षों में जारी किए गए ई–वीजा की संख्या तेजी से बढ़ी है।

इसके अलावा, ई–पर्यटक वीजा की सुविधा जो 167 देशों के नागरिकों के लिए उपलब्ध है, विदेश स्थित भारतीय मिशनों/पोस्टों द्वारा जारी बहु–प्रवेश पर्यटक वीजा (पेपर वीजा) अधिकांश देशों के नागरिकों के लिए उपलब्ध है – (i) संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान के नागरिकों को 10 वर्षों की अवधि के लिए और (ii) 160 से अधिक देशों के नागरिकों के लिए डिफ़ॉल्ट विकल्प के रूप में 05 वर्षों की अवधि के लिए है।

इसके अलावा, जापान, दक्षिण कोरिया और संयुक्त अरब अमीरात के नागरिकों को पर्यटन, व्यवसाय, सम्मेलन और चिकित्सा प्रयोजनों हेतु 60 दिनों के लिए आगमन पर वीजा सुविधा उपलब्ध है, जिसमें 06 नामित हवाई अड्डों के माध्यम से दोहरे प्रवेश की सुविधा है।

दोहरे प्रवेश सहित 30 दिनों के लिए ई–पर्यटक वीजा को 25 अमेरिकी डॉलर के शुल्क के साथ शुरू किया गया। ऑफ सीजन में (अप्रैल–जून) पर्यटकों को प्रोत्साहित करने के लिए, इस लीन अवधि के दौरान 25 अमेरिकी डॉलर से वीजा शुल्क को घटाकर 10 अमेरिकी डॉलर कर दिया गया।

विदेशी पर्यटकों के लिए वीजा सहित वीजा व्यवस्था का उदारीकरण और सरलीकरण एक सतत् प्रक्रिया है जो सुरक्षा, अंतर्गामी पर्यटन और निवेश, द्विपक्षीय संबंधों आदि के मुद्दों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है।

8.1.9 घरेलू पर्यटन के संवर्धन के लिए बाजार विकास सहायता (एमडीए) योजना

2020 में कोविड–19 का वैश्विक प्रकोप सभी समाजों और आजीविकाओं पर जबरदस्त प्रभाव के साथ एक अभूतपूर्व वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल रहा है। यात्रा और पर्यटन इस संकट से सबसे अधिक प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में एक है जिसके कारण सभी यात्रा – घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय – को पूर्ण रूप से कम कर दिया गया। जब स्थिति सुधर जाएगी, तो ऐसी संभावना है कि घरेलू यात्रा और पर्यटन देश में पर्यटन क्षेत्र के पुनरुद्धार में आगे रहेगा। इसलिए इस समय मंत्रालय का ध्यान घरेलू पर्यटन क्षेत्र को पुनर्जीवित और बहाल करने पर है।

उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बाजार विकास सहायता (एमडीए) की योजना के दिशानिर्देशों को योजना के दायरे और पहुंच को बढ़ाने के लिए संशोधित किया गया है, ताकि हितधारकों को अधिकतम लाभ प्रदान किया जा सके।

सत्यमेव जयते

इस योजना के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

- हितधारकों को घरेलू बाजार के लिए अपने विपणन कार्यक्रमों के भाग के रूप में अल्प ज्ञात और अनछुए गंतव्यों सहित देश के पर्यटन स्थलों का प्रचार करने के लिए प्रेरित करना।
- हितधारकों को पूरे देश के पर्यटन स्थलों और उत्पादों से परिचित कराना ताकि वे उनको घरेलू उपभोक्ताओं के बीच प्रभावी ढंग से प्रचारित कर सकें और उन्हें उनके पैकेज में शामिल करवा सकें।
- हितधारकों को देश में पर्यटन के क्षेत्र में नए गंतव्यों, उत्पादों और विकास से परिचित कराना।
- हितधारकों को पर्यटन उद्योग को देश की महत्वपूर्ण सामाजिक–आर्थिक कार्यकलाप बनाने के लिए प्रोत्साहित करना।

एमडीए के दिनांक 28 नवंबर, 2020 के संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार, देश के भीतर प्रचार के निम्नलिखित कार्यकलापों के लिए पर्यटन सेवा प्रदाताओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, अर्थात घरेलू यात्रा मेलों/प्रदर्शनियों में भाग लेना; राष्ट्रीय पर्यटन, व्यापार और आतिथ्य संघों तथा केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के पर्यटन मंत्रालयों द्वारा आयोजित पर्यटन से संबंधित सम्मेलनों/संगोष्ठियां/सेमिनारों में भाग लेना; देश के विभिन्न क्षेत्रों में रोड शो में भाग लेना।

इसके अलावा, देश के अंदर संवर्धनात्मक कार्यकलापों को संचालित करने के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के पर्यटन विभागों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी जिसमें घरेलू यात्रा मेलों/प्रदर्शनियों में भाग लेना; डिजिटल संवर्धन ब्रोशर/लीफलेट के निर्माण सहित घरेलू बाजार में पर्यटन स्थलों एवं उत्पादों और टूर पैकेज का प्रचार करना तथा पर्यटन उत्पादों से परिचित कराने के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा की गई यात्रा शामिल हैं।

8.1.10 बहुभाषी पर्यटक इनफोलाइन

पर्यटन मंत्रालय ने 8 फरवरी 2016 को हिंदी और अंग्रेजी सहित 12 भाषाओं में 24x7 टोल फ्री बहुभाषी पर्यटक हेल्पलाइन शुरू की है। अंग्रेजी और हिंदी के अलावा 10 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं अर्थात अरबी, फ्रेंच, जर्मन, इटेलियन, जापानी, कोरियन, चाइनीज, पुर्तगाली, रूसी और स्पेनिश में पर्यटक हेल्पलाइन द्वारा सेवाएं प्रदान की जाती हैं। यह सेवा टोल फ्री नंबर 1800–11–1363 पर या शॉर्ट कोड 1363 पर उपलब्ध है तथा वर्ष में 24x7 (सभी दिन) चालू है तथा निर्धारित भाषाओं में "बहुभाषी हेल्पडेस्क" की सेवाएं प्रदान करती है।

सत्यमेव जयते

इस बहुभाषी हेल्पलाइन का उद्देश्य निर्धारित भाषाओं में घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को भारत में यात्रा एवं पर्यटन से संबंधित सूचना प्रदान करने की दृष्टि से सहायता सेवा प्रदान करना और कॉल करने वाले व्यक्ति को भारत में यात्रा के दौरान संकट के समय में उठाए जाने वाले कदम के बारे में सलाह देना और आवश्यक होने पर संबंधित प्राधिकारियों को चौकस करना है।

यह पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार का एक विशेष प्रयास है और विदेशी पर्यटकों में भारत में यात्रा करते समय सुरक्षा की भावना पैदा करता है। फरवरी 2016 से अक्टूबर 2024 तक बहुभाषी सूचना लाइन में प्राप्त और हल किए गए प्रश्नों की लगभग संख्या 8 लाख है।

8.1.11 क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)

नागर विमानन मंत्रालय द्वारा शुरू की गई आरसीएस– उड़ान योजना का मुख्य उद्देश्य हवाई यात्रा को किफायती बनाकर क्षेत्रीय हवाई संपर्क को सुगम बनाना/बढ़ावा देना है।

एयरलाइन संचालकों को (1) क्षेत्रीय मार्गों/अन्य सहायता उपायों पर एयरलाइन संचालन की लागत को कम करने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारों (संदर्भ में संघ राज्यक्षेत्रों को भी शामिल माना जाएगा, जब तक स्पष्ट रूप से विनिर्दिष्ट न हो) और हवाई अड्डा संचालकों द्वारा रियायत देकर (2) ऐसे मार्गों पर एयरलाइन संचालन और अपेक्षित राजस्व के बीच के अंतर, यदि कोई हो, को कम करने के लिए वित्तीय (व्यवहार्य अंतराल वित्त पोषण या वीजीएफ) सहायता द्वारा समर्थन देते हुए आरसीएस के तहत क्षेत्रीय हवाई संपर्क की वहनीयता को प्रोत्साहित करने की परिकल्पना की गई है।

आरसीएस उड़ान पर्यटन के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने नागर विमानन मंत्रालय के साथ समन्वय किया है तथा प्रतिष्ठित स्थलों सहित महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों की बेहतर कनेक्टिविटी के लिए 53 पर्यटन मार्गों को चालू किया है।

पर्यटन मंत्रालय ने अपनी चैंपियन सेवा क्षेत्र योजना के तहत भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को लगभग 226.11 करोड़ रुपये की प्रतिपूर्ति की है, जिसमें से वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान लगभग 43.70 करोड़ रुपये जारी किए गए, वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान लगभग 60.50 करोड़ रुपये जारी किए गए और वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान 121.91 करोड़ रुपये जारी किए गए।

8.1.12 पर्यटक सुविधा एवं सूचना काउंटर

पर्यटक सुविधा एवं सूचना काउंटर 5 नवंबर, 2018 को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टी3 टर्मिनल के आगमन द्वार पर खोला गया था। इसके बाद, पर्यटन मंत्रालय ने वाराणसी, बोधगया, बेंगलूरू, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई, गुवाहाटी और हैदराबाद के हवाई अड्डों पर भी पर्यटक सुविधा काउंटर शुरू किए हैं यानी पर्यटन मंत्रालय द्वारा भारत के 9 अलग–अलग हवाई अड्डों पर कुल 9 पर्यटक सुविधा काउंटर खोले गए हैं।

आगंतुकों के लिए सुविधा केंद्र खोलना देश में आने वाले पर्यटकों के लिए बहुत मददगार होगा। काउंटर गैर–अंग्रेजी भाषी पर्यटकों की आवश्यताएं भी पूरी करेंगे क्योंकि ये काउंटर मंत्रालय की 24X7 हेल्पलाइन – '1363' से भी कनेक्ट होते हैं जहां पर्यटक विदेशी भाषा एजेंट से सीधे बात कर सकते हैं और फ्रेंच, जर्मन, इटेलियन, स्पेनिश, पुर्तगाली, रूसी, जापानी, कोरियन, चाइनीज और अरबी में मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

8.1.13 सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) की सहायता से महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों के लिए सड़क संपर्क और मार्गस्थ सुविधाओं में सुधार

पर्यटन मंत्रालय ने प्रथम चरण में सड़क संपर्क में सुधार करने के लिए सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ प्रतिष्ठित स्थलों और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों सहित 50 पर्यटन स्थलों की सूची साझा की थी। जहां अच्छा सड़क संपर्क पहले से मौजूद है, वहां सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से पर्यटक गंतव्य के दोनों ओर से 15–20 किलोमीटर की दूरी पर मार्गस्थ सुविधाओं की स्थापना करने, प्रमुख संकेतक लगाने और क्षेत्र के सौंदर्यीकरण पर विचार करने का अनुरोध किया गया था। सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने सूचित किया है कि पर्यटन मंत्रालय द्वारा चिह्नित 50 गंतव्यों में से 23 सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय/भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के दायरे में आते हैं, जहां काम प्रगति पर है।

शेष 27 पर्यटक स्थलों के लिए पर्यटन मंत्रालय ने कनेक्टिविटी में सुधार करने और मार्गस्थ सुविधाओं के प्रावधान के लिए संबंधित राज्य सरकारों और लोक निर्माण विभाग को पत्र लिखे हैं क्योंकि ये सड़कें सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के दायरे में नहीं आती।

24 और 25 नवंबर, 2020 को राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के पर्यटन विभागों के साथ वर्चुअल बैठकें आयोजित की गईं ताकि ऐसे पर्यटक स्थलों पर उनके इनपुट और सुझाव प्राप्त किए जा सकें जहां सड़क संपर्क और सड़क के किनारे सुविधाओं की

आवश्यकता है। राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्राप्त इनपुट के आधार पर 114 गंतव्यों की सूची तैयार की गई है और इन पर्यटन स्थलों के लिए सड़क संपर्क में सुधार करने हेतु इस सूची को सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ साझा किया गया है।

सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में 23 सितंबर, 2022 को पर्यटन कार्य बल की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें अन्य हितधारकों के साथ–साथ सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने भी भाग लिया। बैठक के दौरान सचिव (पर्यटन) ने इच्छा प्रकट की कि पर्यटन मंत्रालय के प्रस्ताव पर अद्यतन स्थिति के बारे में जल्द से जल्द सूचित किया जाए।

8.1.14 पर्यटकों की सुरक्षा और संरक्षा/पर्यटक पुलिस योजना

i. पर्यटकों की सुरक्षा अनिवार्य रूप से राज्य सरकार का विषय है। तथापि, समर्पित पर्यटक पुलिस की स्थापना के लिए पर्यटन मंत्रालय द्वारा सभी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के समक्ष मामला उठाया गया है। पर्यटन मंत्रालय के प्रयासों से तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, गोवा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम एवं उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किसी न किसी रूप में पर्यटक पुलिस की तैनाती की गई है।

ii. भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) के माध्यम से पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक पुलिस की आवश्यकता को समझने और पर्यटकों की जरूरतों के प्रति पर्यटक पुलिस को जागरुक बनाने के लिए "राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में पर्यटक पुलिस की कार्यप्रणाली और सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रलेखन" नाम से एक अध्ययन कराया जिसे सभी राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को भेजा गया। प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आईआईटीटीएम द्वारा दिया गया प्रशिक्षण मॉड्यूल गृह मंत्रालय को भी अग्रेषित किया गया जिसे सभी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के मुख्य सचिवों को भी परिचालित किया गया।

iii. पर्यटन मंत्रालय ने गृह मंत्रालय के साथ विदेशी और घरेलू पर्यटकों की सुरक्षा और संरक्षा के मुद्दे पर प्रकाश डाला। गृह मंत्रालय की इच्छा के अनुसार, पर्यटन मंत्रालय ने 25 पर्यटक स्थलों की सूची अग्रेषित की, जिन्हें राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में एक अलग पुलिस इकाई के गठन के लिए प्रायोगिक परियोजना के रूप में लिया जा सकता है।

iv. एक व्यापक रूपरेखा विकसित करने के लिए पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी) ने पर्यटक पुलिस योजना पर एक अध्ययन शुरू किया और बहुत व्यापक रिपोर्ट तैयार की। रिपोर्ट के विश्लेषण और सिफारिशों को अखिल भारतीय स्तर पर लागू करने पर पर्यटकों की सुरक्षा के लिए रूपरेखा तैयार करने में मदद मिलेगी। पर्यटकों के लिए सुरक्षित पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने के लिए सभी राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में समान पर्यटक पुलिस के कार्यान्वयन के उद्देश्य से गृह मंत्रालय और बीपीआरएंडडी के सहयोग से पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक पुलिस योजना पर 19 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली में सभी राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के पुलिस विभाग के महानिदेशकों (डीजी)/महानिरीक्षकों (आईजी) के एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

v. पर्यटन मंत्रालय ने भारत में यात्रा से संबंधित सूचना की दृष्टि से सहायता सेवा प्रदान करने और भारत में यात्रा के दौरान संकट की स्थित में पर्यटकों को उपयुक्त मार्गदर्शन की पेशकश करने के लिए घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों के लिए हिंदी, अंग्रेजी तथा 10 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं (जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश, इटालियन, पुर्तगाली, रूसी, चाइनीज, जापानी, कोरियन, अरबी) सहित 12 भाषाओं में टोल फ्री नंबर 1800111363 पर या संक्षिप्त कोड 1363 पर 24X7 टोल फ्री बहुभाषी पर्यटक सूचना हेल्प लाइन शुरू की है।

vi. सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के पर्यटन विभागों सहित सभी हितधारकों के साथ पर्यटन मंत्रालय द्वारा 'सुरक्षित एवं सम्मानजनक पर्यटन के लिए आचार संहिता' अंगीकृत की गई है जो पर्यटकों तथा स्थानीय निवासियों दोनों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के बुनियादी अधिकारों जैसे कि गरिमा, सुरक्षा तथा शोषण से आजादी के संबंध में शुरू की जाने वाली पर्यटन की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए दिशानिर्देशों का एक संग्रह है।

8.2 उद्योग विकास और निवेश संवर्धन के लिए सुविधा और मानक

पर्यटन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय की कार्यनीति

एफ एंड एस प्रभाग संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में आतिथ्य और पर्यटन उद्योगों के विकास, निवेश संवर्धन और सुविधा एवं पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में व्यापार में सुगमता से संबंधित सभी मामलों को देखता है।

भारत के आर्थिक विकास और संवृद्धि में पर्यटन में निवेश महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्यटन क्षेत्र एक बहुआयामी गतिविधि है जिसमें आतिथ्य, परिवहन, मनोरंजन और विभिन्न अन्य संबंधित सेवाएं

शामिल हैं, जो देश की जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। भारत घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों पर्यटकों को आकर्षित करके अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विविध परिदृश्य, ऐतिहासिक स्मारकों और जीवंत परंपराओं का प्रदर्शन कर सकता है। होटल, परिवहन नेटवर्क और पर्यटक आकर्षण जैसी पर्यटन अवसंरचना में रणनीतिक निवेश न केवल रोजगार के अवसर पैदा करते हैं, बल्कि सहायक उद्योगों को भी प्रोत्साहित करते हैं, जिससे आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, एक संपन्न पर्यटन क्षेत्र, सांस्कृतिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देकर और राजनयिक संबंधों को मजबूत करके भारत की वैश्विक छवि को सुधारता है। भारत सही निवेश के माध्यम से अपनी अप्रयुक्त क्षमता का दोहन कर सकता है, दुनिया भर में यात्रियों के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर सकता है, जिससे आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकते हैं और स्थायी विकास को बढ़ावा मिल सकता है। चूंकि दुनिया आपस में अधिक जुड़ती जा रही है, अतः पर्यटन में निवेश के महत्व को बढ़ा–चढ़ाकर बताने की आवश्यकता नहीं है, जिससे यह भारत के समावेशी और स्थायी विकास के लिए एक प्रमुख चालक बन गया है।

होटल उद्योग में निवेश आवास अवसंरचना और आगंतुक अनुभवों को बेहतर बनाकर भारतीय पर्यटन को उत्प्रेरित कर सकता है। पर्याप्त वित्त पोषण विश्व स्तरीय होटलों, रिसॉर्ट्स और बुटीक आवास के विकास को सुगम बनाता है, जो घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को लुभाते हैं। उच्च स्तरीय प्रतिष्ठान विभिन्न प्रकार के पर्यटकों को आकर्षित करते हुए गंतव्यों के आकर्षण में योगदान देते हैं। यह निवेश न केवल रोजगार पैदा करता है बल्कि सेवा मानकों को भी ऊपर उठाता है, जिससे पर्यटक अनुकूल राष्ट्र के रूप में भारत की सकारात्मक धारणा को बढ़ावा मिलता है। बेहतर आवास के विकल्प समग्र पर्यटन इको–सिस्टम को प्रेरित करते हैं तथा भारत को प्रमुख वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करते हैं और अंततः आगंतुकों के खर्च में वृद्धि के माध्यम से आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हैं।

पर्यटन मंत्रालय एक स्वैच्छिक कार्यक्रम संचालित करता है जिसका उद्देश्य होटल, बेड और ब्रेकफास्ट इकाइयों, परिवहन संचालकों, टूर ऑपरेटरों और ट्रैवल एजेंटों सहित पर्यटन क्षेत्र के विविध हितधारकों को मान्यता प्रदान करना है। यह पहल विभिन्न संस्थाओं के योगदान को स्वीकार और प्रोत्साहित करके पर्यटन उद्योग के विकास को बढ़ावा देने का काम करती है। इसके अलावा, इन मान्यता प्राप्त साझेदारों को अंतरराष्ट्रीय रोड शो और यात्रा प्रदर्शनियों में मूल्यवान एक्सपोजर और मंच मिलता है। यह अवसर उन्हें पर्यटन पैकेजों और उत्पादों का प्रदर्शन और विपणन करने में सक्षम बनाता है, जिससे वे देश के पर्यटन उद्योग को समग्र रूप से मजबूत करने में योगदान करते हैं।

8.2.1 उद्योग विकास और निवेश को बढ़ावा देने के लिए सुविधा और मानक (आवास इकाइयां) की गतिविधियां

एफ एंड एस प्रभाग, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने इन्वेस्ट इंडिया के सहयोग से निम्नलिखित अधिदेश को लागू किया है:

सत्यमेव जयते

- संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में आतिथ्य और पर्यटन उद्योगों के विकास से संबंधित सभी मामले
- पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में एफडीआई सहित निवेश को बढ़ावा देने एवं सुगमता से संबंधित सभी मामलें
- पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में व्यापार में सुगमता से संबंधित सभी मामले

दिनांक 21 जून, 2024 को माननीय केंद्रीय पर्यटन मंत्री, श्री गजेंद्र सिंह शेखावत और उद्योग हितधारकों के बीच पर्यटन मंत्रालय ने एक इंटेरेक्टिव सत्र का आयोजन किया, जिसमें भारत में पर्यटन और आतिथ्य हितधारकों के समक्ष आने वाले मुद्दों के बारे में एक निर्णायक चर्चा की गई और नीति निर्धारण के सुझावों पर ध्यान दिया गया।

सत्यमेव जयते

विश्व पर्यटन दिवस समारोह के अवसर पर भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ द्वारा दिनांक 27 सितंबर, 2024 को पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के उद्योग की स्थिति पर एक पुस्तिका भी लॉन्च की गई। इस पुस्तिका में उद्योग का दर्जा प्रदान करने से जुड़े लाभों के संबंध में राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों की सर्वोत्तम पद्धतियों और उद्योग की सिफारिशों का उल्लेख किया गया है। पर्यटन मंत्रालय पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को उद्योग का दर्जा प्रदान करने के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से नियमित रूप से आग्रह करता रहा है।

8.3 उत्तर–पूर्वी क्षेत्र और जम्मू एवं कश्मीर – विशेष बल

8.3.1 उत्तर–पूर्वी क्षेत्र

i. एमडीए के दिनांक 28 नवंबर 2020 के संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार, देश में संवर्धनात्मक कार्यकलाप करने के लिए पर्यटन सेवाप्रदाताओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, जैसे कि घरेलू यात्रा मेलों/प्रदर्शनियों में भाग लेना; एडीटीओआई, एटीओएआई, एफएचआरएआई, आईएटीओ, एबीटीओ, आईसीपीबी, आईएचएचए, आईटीटीए, एचएआई, टीएएआई, टीएएफआई एवं एफएआईटीएच सहित राष्ट्रीय पर्यटन एवं आतिथ्य संघों और देश में प्रतिष्ठित वाणिज्य, उद्योग एवं व्यापार संगठनों/संघों जैसे कि सीआईआई, फिक्की, एसोचैम, पीएचडी चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री, इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा तथा पर्यटन मंत्रालय द्वारा समय–समय पर मान्यता प्राप्त अन्य व्यापार संघों द्वारा आयोजित पर्यटन संबद्ध सम्मेलनों/बैठकों/सेमिनारों में भाग लेना; केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकारों के पर्यटन मंत्रालयों द्वारा आयोजित सम्मेलनों/बैठकों/सेमिनारों में भाग लेना; देश के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित रोड शो में भाग लेना। इसके अलावा, देश में संवर्धनात्मक कार्यकलाप करने के लिए

राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों पर्यटन विभागों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी जिसमें घरेलू यात्रा मेलों/प्रदर्शनियों में भाग लेना; पर्यटन उत्पादों से परिचित कराने के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा की गई यात्रा शामिल हैं।

इसके अलावा, उत्तर–पूर्वी क्षेत्र के किसी राज्य, जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख का दौरा करने के लिए एक अतिरिक्त टूर (उपर्युक्त तीन टूर के अलावा) की अनुमति होगी। जहां तक पर्यटन सेवा प्रदाताओं को मान्यता प्रदान करने के लिए संशोधित दिशानिर्देशों का संबंध है, ग्रीन शूट्स/स्टार्टअप को मान्यता प्रदान करने तथा उत्तर–पूर्वी क्षेत्र/संघ राज्यक्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर/लद्दाख/अंडमान एवं निकोबार/लक्षद्वीप में प्रचालन करने वाले अनुभवी टूर ऑपरेटर/ट्रैवल एजेंट/टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर के लिए मान्यता प्रदान करने के मानदंडों में प्रदत्त पूंजी, वार्षिक टर्नओवर और कार्यालय स्थान के संदर्भ में छूट प्रदान की गई है।

8.3.2 संरक्षित क्षेत्र परमिट (पीएपी)/प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट (आरएपी)

देश के प्रतिबंधित/संरक्षित क्षेत्र में पर्यटकों को यात्रा का बेहतर एवं सुखद अनुभव प्रदान करने के लिए पर्यटन मंत्रालय द्वारा गृह मंत्रालय के साथ नियमित रूप से समन्वय स्थापित किया जाता है और इसके फलस्वरूप गृह मंत्रालय ने अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह संघ राज्यक्षेत्र में चिह्नित द्वीपों के लिए 31.12.2022 के बाद आगे और 5 वर्ष अर्थात् 31.12.2027 तक की अवधि के लिए पीएपी/आरएपी से छूट प्रदान की है। मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड राज्यों में 31.12.2022 के बाद और आगे 5 वर्ष की अवधि तक पीएपी/आरएपी से छूट देने संबंधी मामले को पहले ही गृह मंत्रालय द्वारा अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है।

सत्यमेव जयते

बिर बिलिंग, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में पैराग्लाइडिंग

09/

कौशल और क्षमता निर्माण

मंत्रालय का कौशल और क्षमता निर्माण प्रभाग आतिथ्य, खानपान प्रौद्योगिकी, यात्रा, पर्यटन और इससे संबंधित क्षेत्रों में व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने वाले चार शैक्षणिक संस्थानों के कार्य देखता है। इसके अलावा, यह एक अधीनस्थ संस्थान भारतीय स्कीइंग और पर्वतारोहण संस्थान (आईआईएसएम), जो कि साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान है, के प्रशासनिक और प्रचार संबंधी मामलों को देखता है।

9.1 होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) और खाद्य शिल्प संस्थान (एफसीआई)

पर्यटन मंत्रालय का यह प्रयास रहा है कि आवश्यक अवसंरचना सहायता सहित प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा की एक प्रणाली स्थापित की जाए जो मात्रात्मक और गुणात्मक रूप से पर्यटन और आतिथ्य उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त जनशक्ति सृजित करने में सक्षम हो। अब तक, 56 होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम), (जिसमें 21 केंद्रीय आईएचएम और 33 राज्य आईएचएम, पीपीपी मोड के तहत चल रहे 2 राज्य आईएचएम) और 13 खाद्य शिल्प संस्थान (एफसीआई) शामिल हैं, जिन्हें मंत्रालय से सहायता प्राप्त है। जदगीशपुर, उत्तर प्रदेश में एक केन्द्रीय आईएचएम निर्माणाधीन है। इन संस्थानों की स्थापना आतिथ्य शिक्षा/आतिथ्य कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के विशिष्ट अधिदेश सहित स्वायत्त समितियों के रूप में की गई थी। जबकि आईएचएम मुख्य रूप से डिग्री स्तर की आतिथ्य शिक्षा देते हैं, एफसीआई कौशल स्तर की शिक्षा प्रदान करते हैं।

सत्यमेव जयते

होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) – शिमला

9.2 राष्ट्रीय होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी), पर्यटन मंत्रालय

आईएचएम और एफसीआई के शैक्षिक प्रयासों को संचालित करने और विनियमित करने के लिए, 1982 में, मंत्रालय ने राष्ट्रीय होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी) की स्थापना की थी। एनसीएचएमसीटी का अधिदेश अपने संबद्ध संस्थानों के माध्यम से आतिथ्य प्रबंधन शिक्षा के विकास में वृद्धि और सामान्य उन्नति का समन्वय करना है। परिषद का अधिकार क्षेत्र प्रवेश, शुल्क, उप–नियम, अध्ययन, पाठ्यक्रम, अनुसंधान और परीक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम, परिणाम, भवन योजनाओं और उपकरणों को विनियमित करने, प्रशिक्षण, पत्रिकाओं आदि के प्रकाशन सहित प्रशासनिक मामलों की एक विस्तृत श्रृंखला, साथ ही समय–समय पर निर्धारित ऐसी सरकारी अनुमोदित गतिविधियों को भी पूरा करने तक फैला हुआ है। एनसीएचएमसीटी संबद्धता प्रदान करने वाला निकाय भी है और 21 सीआईएचएम, 33 एसआईएचएम, 1 पीएसयू आईएचएम, 2 एसआईएचएम जो पीपीपी मोड के तहत चलाए जाते हैं और 13 एफसीआई जो मंत्रालय से सहायता प्राप्त हैं, प्रवेश और परीक्षा के नियमों के लिए वे भी इससे संबद्ध हैं। एनसीएचएमसीटी को निजी आईएचएम को संबद्ध करने का अधिदेश भी दिया गया है। अब तक 25 निजी संस्थान एनसीएचएमसीटी से संबद्ध हैं। एनसीएचएमसीटी अपने संबद्ध संस्थानों के लिए आतिथ्य और होटल प्रशासन में 3 वर्षीय बीएससी पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए अखिल भारतीय आधार पर संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) भी आयोजित करता है। आतिथ्य प्रशासन में एमएससी में प्रवेश केंद्रीय रूप से परिषद द्वारा एक प्रवेश परीक्षा (एमएससी जेईई) के माध्यम से किया जाता है। अन्य पाठ्यक्रमों के मामले में, यानी पीजी डिप्लोमा इन एकोमोडेशन ऑपरेशन, पीजी डिप्लोमा इन डायटेटिक्स एंड हॉस्पिटल फूड सर्विस, पीजी डिप्लोमा इन होटल कंसल्टेंसी, डिप्लोमा इन फूड प्रोडक्शन; खाद्य और पेय सेवा में डिप्लोमा; हाउस कीपिंग ऑपरेशन में डिप्लोमा, फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन में डिप्लोमा, बेकरी और कन्फेक्शनरी में डिप्लोमा, फूड एंड बेवरेज सर्विस में क्राफ्ट्समैनशिप सर्टिफिकेट कोर्स, फूड

सत्यमेव जयते

प्रोडक्शन एंड पैटिसेरी में क्राफ्ट्समैनशिप सर्टिफिकेट कोर्स और प्रोफेशनल बारटेंडिंग में सर्टिफिकेट कोर्स से संबंधित पाठ्यक्रमों के लिए परिषद द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों के अनुसार संबंधित संस्थानों द्वारा सीधे प्रवेश दिए जाते हैं।

विभिन्न अल्पकालिक क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के अलावा, वर्ष 2023–24 के दौरान कुल 25,889 छात्रों ने एनसीएचएमसीटी द्वारा पेश किए गए विभिन्न नियमित शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में नामांकन किया।

9.3 भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम), पर्यटन मंत्रालय

वर्ष 1983 में स्थापित भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम), यात्रा और पर्यटन शिक्षा तथा प्रशिक्षण के क्षेत्र में अग्रणी है। यह पर्यटन और यात्रा उद्योग के लिए विशेष प्रशिक्षण और शिक्षा प्रदान करता है। यह वर्तमान में अपने ग्वालियर, भुवनेश्वर, नोएडा, नेल्लोर और गोवा केंद्रों से निम्नलिखित पूर्णकालिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है:

- दो वर्षीय पूर्णकालिक एमबीए (पर्यटन और यात्रा प्रबंधन) पाठ्यक्रम
- तीन साल का पूर्णकालिक बीबीए (पर्यटन और यात्रा) पाठ्यक्रम
- पर्यटन में पीएच.डी. डिग्री पाठ्यक्रम

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) की सहयोगी योजना के तहत आईआईटीटीएम द्वारा प्रदान किए जाने वाले उपरोक्त यूजी, पीजी और पीएचडी पाठ्यक्रम हैं।

ये केन्द्र विभिन्न अल्पकालिक क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के अतिरिक्त अल्पकालिक कौशल विकास कार्यक्रम/पाठ्यक्रम भी संचालित करते हैं।

आईआईटीटीएम को पिछले कई वर्षों से सरकारी या निजी क्षेत्र में छात्रों के 100% प्लेसमेंट होने का गौरव प्राप्त है।

आईआईटीटीएम के प्रस्तावित नए केंद्र

शिलांग और बोधगया में आईआईटीटीएम के नए केन्द्र खोलने की प्रक्रिया जारी है। इस बीच, अल्पावधि कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए शिलांग, मेघालय और बोधगया, बिहार में आईआईटीटीएम का एक शिविर शुरू किया गया है।

9.4 राष्ट्रीय जल क्रीड़ा संस्थान (एनआईडब्ल्यूएस), गोवा

भारत में शिक्षा/प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श तथा लीजर वॉटर स्पोर्टस संवर्धन की जारी गतिविधियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय जल क्रीड़ा संस्थान (एनआईडब्ल्यूएस), गोवा को आईआईटीटीएम में शामिल किया गया था। वर्तमान में, एनआईडब्ल्यूएस परामर्श गतिविधियों, पेशेवर अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे आउट बोर्ड मोटर (ओबीएम) रखरखाव, फाइबर प्रबलित प्लास्टिक (एफआरपी) नौका मरम्मत, टिलर नियंत्रित पावरबोट हैंडलिंग, रिमोट कंट्रोल पावरबोट हैंडलिंग, जीवन रक्षक तकनीक, सर्फ जीवन रक्षक तकनीक आदि की पेशकश कर रहा है। यह कुछ कौशल आधारित पाठ्यक्रम भी आयोजित

सत्यमेव जयते

करता है जैसे विंडसर्फिंग, नौकायन, वाटर स्कीइंग, कयाकिंग आदि। अत्याधुनिक सुविधाओं सहित एनआईडब्ल्यूएस–आईआईटीटीएम गोवा के नए परिसर का उद्घाटन दिनांक 06.02.2024 को माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा किया गया।

9.5 भारतीय स्कीइंग और पर्वतारोहण संस्थान (आईआईएसएम) गुलमर्ग

आईआईएसएम की स्थापना 1987 में पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नियमित रूप से ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन पाठ्यक्रम आयोजित करके साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। आईआईएसएम पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्थायी अधीनस्थ कार्यालय है। साहसिक कौशल विकसित करने के अलावा, यह देश में साहसिक पर्यटन के विकास और संवर्धन के लिए राष्ट्रीय साहसिक नीतियों / कार्यक्रमों के निर्माण और विभिन्न केंद्रीय, राज्य सरकार और निजी एजेंसियों की गतिविधियों के समन्वय के लिए पर्यटन मंत्रालय के लिए एक सलाहकार के रूप में कार्य करता है। यह नागरिकों को प्रशिक्षित करने के लिए साहसिक के सभी क्षेत्रों में साहसिक प्रशिक्षण गतिविधियों का आयोजन करता है ताकि एडवेंचर पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके और देश में नए साहसिक स्थलों को विकसित किया जा सके। संस्थान विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न साहसिक कौशल में जम्मू–कश्मीर सहित राष्ट्र के युवाओं को प्रशिक्षित करता है।

आईआईएसएम द्वारा वर्षपर्यंत आयोजित किए जाने वाले कुछ प्रमुख पाठ्यक्रम हैं:

(क) दिसम्बर से मार्च तक स्नो स्कीइंग पाठ्यक्रम

(ख) जून से सितम्बर तक वाटर स्कीइंग पाठ्यक्रम

(ग) मई से अक्तूबर तक पैरासेलिंग पाठ्यक्रम

(घ) मई से नवम्बर तक ट्रेकिंग पाठ्यक्रम

(ङ) अक्तूबर से दिसम्बर तक हॉट एयर बैलून पाठ्यक्रम

(च) लघु कॉरपोरेट और स्कूल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

9.6 भारतीय पाक कला संस्थान, तिरुपति

पर्यटन मंत्रालय ने निम्नलिखित उद्देश्यों से 97.92 करोड़ रुपये की कुल लागत से तिरुपति में एक भारतीय पाक कला संस्थान (आईसीआई) की स्थापना की है:–

(i) विरासतीय भारतीय व्यंजनों का परिरक्षण सुनिश्चित करना, (ii) अनुसंधान, प्रलेखन, संग्रहालय और पाक कला के संसाधन केन्द्र की स्थापना करना; और

(ii) पाक कौशल में विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान करना। भारतीय पाक कला संस्थान अपने विशिष्ट क्षेत्र में एक संसाधन केंद्र के रूप में काम करेगा, जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होगा। आईसीआई तिरुपति का एक खंड नोएडा में स्थापित किया गया है।

सत्यमेव जयते

आईसीआई ने 2018–19 से आईसीआई, तिरुपति और नोएडा के लिए 60–60 छात्रों के प्रवेश के साथ 3 वर्षीय बीबीए पाक कला शुरू की है; तिरुपति और नोएडा परिसरों में 2019–20 शैक्षणिक वर्ष से एमबीए पाठ्यक्रम भी 30 छात्रों के साथ शुरू किया गया है। विभिन्न अल्पकालिक क्षमता निर्माण पाठ्यक्रमों के अलावा, वर्ष 2024–25 के दौरान, कुल 187 छात्रों (पिछले शैक्षणिक वर्ष 2023–24 के दौरान 150 छात्रों की तुलना में) ने आईसीआई द्वारा पेश किए गए विभिन्न नियमित शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के तहत नामांकन किया है।

9.7 मंत्रालय की आईएचएम / एफसीआई / आईआईटीटीएमएस / एनसीएचएमसीटी / आईसीआई / पीएसयू की सहायता योजना

पर्यटन मंत्रालय की एक प्लान योजना "आईएचएम / एफसीआई / आईआईटीटीएम / एनसीएचएमटी / आईसीआई / पीएसयू की सहायता" है जिसके तहत होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) की स्थापना के लिए 16.50 करोड़ रुपए, खाद्य शिल्प संस्थान (एफसीआई) के लिए 7.50 करोड़ रुपए की अधिकतम सीमा तक राज्य / संघ राज्यक्षेत्र को केन्द्रीय वित्तीय सहायता स्वीकृत की जा सकती है। तथापि, केन्द्र सरकार द्वारा सृजित आईएचएम की स्थापना अथवा भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) या राष्ट्रीय होटल प्रबंधन एवं खानपान प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी) या फिर भारतीय पाक कला संस्थान (आईसीआई) के केन्द्र / शाखा की स्थापना हेतु सहायता की मात्रा इस सीमा के अधीन नहीं होगी।

नए आईएचएम / भारतीय खाद्य निगम की स्थापना के लिए दी गई केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) योजना के दिशा–निर्देशों के प्रावधानों और एनसीएचएमसीटी के साथ संस्थान की संबद्धता के अधीन है।

सामान्य अनुदान 12.50 करोड़ रुपये तक है, जिसमें से 10.00 करोड़ रुपये निर्माण के लिए है और शेष संस्थान द्वारा आवश्यक उपकरणों की खरीद के लिए है। छात्रावासों के निर्माण के लिए अतिरिक्त 4.00 करोड़ रुपये भी दिए जा सकते हैं। केन्द्रीय अनुदान के अतिरिक्त व्यय को संबंधित राज्य सरकारों द्वारा वहन किया जाता है। एक खाद्य शिल्प संस्थान के लिए केन्द्रीय सहायता 7.50 करोड़ रुपए तक सीमित है। छात्रावासों के निर्माण और प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण जैसी संस्थागत अवसंरचना उन्नयन के लिए भी वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

केन्द्रीय वित्तीय सहायता प्रयोगशाला उपकरण, फर्नीचर, कम्प्यूटरों की खरीद और संस्थानों के आधुनिकीकरण और अवसंरचनात्मक उन्नयन के लिए है। बजट अनुमान चरण में वित्त वर्ष 2024–25 के लिए 50.00 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है एवं नवंबर, 2024 तक लगभग 20.00 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

9.8 सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण

पर्यटन मंत्रालय ने प्रत्येक स्तर पर पर्यटन सेवा प्रदाताओं को शिक्षा, प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करने के लिए सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण (सीबीएसपी) योजना शुरू की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य देश की विशाल पर्यटन क्षमता को पूर्ण रुप से भुनाने के लिए पर्यटन सेवा प्रदाताओं के हर स्तर पर जनशक्ति को प्रशिक्षित और अपग्रेड करना है, और स्थानीय आबादी को पेशेवर विशेषज्ञता प्रदान करने के साथ ही शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पर्यटन क्षेत्र में नए अवसर पैदा करना है। सीबीएसपी योजना के माध्यम से कार्यान्वित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यटन सेवा प्रदाताओं की रोजगार क्षमता में वृद्धि करना है ताकि वे अनौपचारिक से औपचारिक नौकरियों में जा सकें जिससे आय में वृद्धि हो सके अथवा काम करने की स्थिति में सुधार हो सके।

9.8.1 यह योजना पर्यटन मंत्रालय द्वारा होटल प्रबंधन संस्थानों और खाद्य शिल्प संस्थानों के माध्यम से कार्यान्वित की जाती है, जिसमें अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम), राष्ट्रीय होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी), भारत पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी), राज्य/संघ राज्यक्षेत्र/केंद्रीय प्रशिक्षण/आतिथ्य क्षेत्र में प्रशिक्षण देने में कार्यरत संस्थान जिनमें निजी क्षेत्र के शैक्षणिक और विशेष शैक्षणिक प्रशिक्षण संस्थान शामिल हैं।

9.8.2 पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में कौशल अंतराल के अध्ययन के लिए पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में प्रशिक्षित जनशक्ति की आपूर्ति में वृद्धि की आवश्यकता है। पर्यटन मंत्रालय एक मिश्रित संस्थागत आधार के माध्यम से इस मुद्दे का समाधान कर रहा है जिसमें पर्यटन मंत्रालय प्रायोजित होटल प्रबंधन और खाद्य शिल्प संस्थान, राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों और राज्य पर्यटन विकास निगमों के तत्वावधान में संस्थान शामिल हैं। लेकिन प्रशिक्षित जनशक्ति की आपूर्ति को और बढ़ाने के लिए पर्यटन मंत्रालय (पर्यटन मंत्रालय) ने आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र के लिए विशिष्ट युवाओं के बीच रोजगार योग्य कौशल के निर्माण के लिए "हुनर से रोजगार तक" (एचएसआरटी) नामक एक विशेष पहल शुरू की। इस पहल के

अंतर्निहित उद्देश्य मुख्य रूप से इस क्षेत्र को प्रभावित करने वाले कौशल अंतर को कम करना और बढ़ते पर्यटन के आर्थिक लाभों के समान वितरण की दिशा में काम करना है। स्किलिंग इंडिया और पर्यटन को बढ़ावा देने के दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों के समिश्रण के उद्देश्य से, कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तार कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम, सिद्ध साख सहित पेशेवर कौशल विकास एजेंसियों और एआईसीटीई/ एनएसडीए/ राज्य सरकार और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा अनुमोदित आतिथ्य संस्थानों के कार्यान्वयन की अनुमति देकर ऐसे संस्थानों को सूचीबद्ध करके किया गया है। यह पहल वर्ष 2015–16 से शुरू की गई थी और अब तक 135 से अधिक संस्थान सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में देश में एचएसआरटी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने में सक्रिय हैं।

9.8.3 सी.बी.एस.पी. योजना के तहत निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं:–

क. हुनर से रोजगार तक:– यह कार्यक्रम वर्तमान में 160 घंटे से 700 घंटे के कुल ग्यारह लघु अवधि पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इन ग्यारह पाठ्यक्रमों में से आठ अर्थात मल्टी कुजीन कुक, फूड एंड बेवरेज सर्विस, रूम अटेंडेंट, फ्रंट ऑफिस, लॉन्ड्री मशीन ऑपरेटर, किचन स्टीवर्ड, होम डिलीवरी बॉय और ट्रेडिशनल स्नैक एंड सेवरी मेकर आतिथ्य से संबंधित हैं और अन्य तीन पाठ्यक्रम अर्थात हथियार रहित सुरक्षा गार्ड, हेरिटेज गाइड और टूर गाइड गैर–आतिथ्य पाठ्यक्रम हैं तथा पूर्ण रुप से पर्यटन मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित हैं। वित्त वर्ष 2022–23 में इसकी कुल उपलब्धि 10340 व्यक्तियों को प्रशिक्षण/प्रमाणपत्र देना था। वित्त वर्ष 2023–24 के 31 अक्टूबर, 2023 तक कुल 6753 व्यक्तियों को प्रशिक्षण/प्रमाणपत्र दिया गया है।

ख. कौशल परीक्षण और प्रमाणन:– खाद्य उत्पादन, खाद्य और पेय सेवा, बेकरी और हाउसकीपिंग जैसे चार आतिथ्य व्यवसायों में मौजूदा सेवा प्रदाताओं के प्रशिक्षण और प्रमाणन के लिए मौजूदा सेवा प्रदाताओं का कौशल परीक्षण और प्रमाणन। वित्त वर्ष 2022–23 में इसकी कुल उपलब्धि 5560 व्यक्तियों को प्रशिक्षण/प्रमाणपत्र देना था। वित्त वर्ष 2023–24 के 31 अक्टूबर, 2023 तक कुल 2050 व्यक्तियों को प्रशिक्षण/प्रमाणपत्र दिया गया है।

ग. उद्यमिता कार्यक्रम:– इस कार्यक्रम के अंतर्गत (i) कुक–तंदूर, (ii) बर्मन, (iii) बेकर, (iv) होमस्टे (मल्टी–स्किल्ड केयरटेकर) और (v) हलवाई–इंडियन स्वीट्स के ट्रेडों में पांच 150 घंटे के पाठ्यक्रमों की पेशकश की जाती है। वित्त वर्ष 2022–23 में इसकी कुल उपलब्धि 1349 व्यक्तियों को प्रशिक्षण/प्रमाणपत्र देना था। 31 अक्टूबर, 2023 तक वित्त वर्ष 2023–24 में कुल 485 व्यक्तियों को प्रशिक्षण/प्रमाणपत्र दिया गया है।

सत्यमेव जयते

वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान, कुल 24,153 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण/प्रमाणपत्र दिया गया और वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान 30 नवंबर 2024 तक, सीबीएसपी योजना के तहत कुल 56,478 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण/प्रमाणपत्र दिया गया है।

घ. **अन्य कार्यक्रमः**– इस योजना के अंतर्गत मौजूदा सेवा प्रदाताओं के लिए पर्यटन जागरूकता/संचेतना कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। प्रत्येक कोर्स 2 से 6 दिनों की अवधि का होता है। कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य अंततः पर्यटकों के लिए एक बेहतर सेवा का वातावरण एवं अनुभव और स्वच्छ भारत अभियान को आगे बढ़ाना है।

इसके एक भाग के रूप में, पर्यटन मंत्रालय ने इन प्रतिष्ठित स्थलों पर और इनके आस–पास ढाबावालों, टैक्सी/रिक्शा चालकों, पुलिस कर्मचारियों, होटल स्टाफ और दुकानदारों आदि को लक्षित करते हुए पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम शुरू किए हैं। ग्यारह केन्द्रीय आईएचएम को इस कार्यक्रम को संचालन का उत्तरदायित्व सौंपा गया है।

ङ. **पर्यटन मित्र/पर्यटन दीदीः**– पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन मित्र/पर्यटन दीदी नामक एक राष्ट्रीय जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन पहल शुरू की। इस पहल को संचालित करने के लिए कुल 7 पर्यटन स्थलों की पहचान की गई, जो निम्न हैं – ओरछा (मध्य प्रदेश), गंडिकोटा (आंध्र प्रदेश), बोधगया (बिहार), आइजोल (मिजोरम), जोधपुर (राजस्थान), श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) और श्री विजयपुरम (अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह)।

इस पहल के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय का लक्ष्य पर्यटकों के लिए गंतव्यों पर समग्र अनुभव को बढाना है, जहाँ वे 'पर्यटक–हितैषी' ऐसे लोगों से मिलते हैं, जो अपने गंतव्य के दूत और कहानीकार के रुप में वहाँ के गौरव हैं। यह उन सभी व्यक्तियों को पर्यटन से संबंधित प्रशिक्षण और जागरूकता प्रदान करके किया जा रहा है जो एक गंतव्य विशेष पर पर्यटकों से वार्तालाप करते हैं और उनसे जुड़े हुए रहते हैं।

'अतिथि देवो भव', अभियान के तहत, कैब चालकों, ऑटो चालकों, रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों, बस स्टेशनों के स्टॉफ, होटल स्टॉफ, रेस्तरां स्टॉफ, होमस्टे मालिकों, टूर गाइड, पुलिस कर्मियों, स्ट्रीट वेंडर, दुकानदारों, छात्रों और कई अन्य लोगों को पर्यटन, आम स्वच्छता, सुरक्षा, स्थिरता के महत्व और पर्यटकों को सर्वोच्च स्तर के आतिथ्य एवं देखभाल प्रदान करने के महत्व पर प्रशिक्षण और जागरूकता प्रदान की गई।

सत्यमेव जयते

इस वर्ष 15 अगस्त को इस कार्यक्रम की शुरूआत के बाद से, इस पहल के तहत लगभग 3,500 से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया गया है। विश्व पर्यटन दिवस 2024 पर, पर्यटन मंत्रालय ने देश के 50 पर्यटन स्थलों में पर्यटन मित्र/पर्यटन दीदी का विस्तार किया है।

9.9 अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता प्रमाणन कार्यक्रम

पर्यटन मंत्रालय अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम का संचालन कर रहा है – जोकि एक डिजिटल पहल है जिसका लक्ष्य देश भर में पूर्ण रुप से प्रशिक्षित और पेशेवर पर्यटक सुविधाप्रदाताओं का एक पूल तैयार करने के उद्देश्य से एक ऑनलाइन शिक्षण मंच बनाना है। यह प्रणाली उम्मीदवारों के लिए बुनियादी, उन्नत (विरासत और साहसिक), मौखिक भाषा और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम प्रदान करती है। उम्मीदवार किसी भी समय और कहीं से भी इन ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में शामिल हो सकते हैं। ऑनलाइन पाठ्यक्रम विभिन्न डिजिटल उपकरणों से एक्सेस किया जा सकता है। पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, उम्मीदवार एक पेशेवर रूप से प्रमाणित पर्यटक सुविधाप्रदाता बनेगा जो पर्यटकों को जानकारी प्रदान करने, देश के बारे में उनमें रुचि पैदा करके और अनुभवात्मक पर्यटन प्रदान करके उनका सहयोग करेगा। इस कार्यक्रम को 01.01.2020 से ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है।

दिनांक 11.01.2021 के दिशा–निर्देशों में संशोधन के माध्यम से, मौजूदा क्षेत्रीय स्तर के गाइडों (आरएलजी) का नाम बदलकर अतुल्य भारत पर्यटक गाइड (आईआईटीजी) कर दिया गया है और उन्हें आईआईटीएफ/आईआईटीजी की इस नई प्रणाली के साथ एकीकृत किया गया है। पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पूरा होने पर मौजूदा क्षेत्रीय स्तर के गाइड (आरएलजी) का नाम बदलकर अतुल्य भारत पर्यटक गाइड (आईआईटीजी) किया जाएगा और उनके प्रचालन क्षेत्र को एक विनिर्दिष्ट क्षेत्र से अखिल भारतीय तक व्यापक कर दिया गया है। लगभग कुल 3200 आरएलजी में से 2600 ने पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है और उन्हें आईआईटीजी के नए पहचान पत्र (आईडी) जारी किए गए हैं, जो उन्हें देश के अन्य पर्यटन स्थलों और गंतव्यों के अलावा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षित स्मारकों और विरासत स्थलों पर मार्गदर्शन जारी रखने में सक्षम बनाता है।

अब तक, अतुल्य भारत पर्यटन सुविधाप्रदाता बेसिक कोर्स ऑनलाइन परीक्षा सात बार आयोजित की गई है, जिसमें कुल 6429 उम्मीदवारों ने आईआईटीएफ बेसिक परीक्षा पूरी की है।

आईआईटीटीएम द्वारा आईआईटीएफ पोर्टल पर आईआईटीएफसी एडवांस्ड (हेरिटेज) और मौखिक विदेशी भाषा (अंग्रेजी के अलावा) पाठ्यक्रम पहले ही शुरू किए जा चुके हैं और पंजीकरण के लिए उपलब्ध हैं। पर्यटन मंत्रालय आईआईटीटीएम के माध्यम से शीघ्र ही उम्मीदवारों के लिए आईआईटीएफसी एडवांस्ड (एडवेंचर) पाठ्यक्रम संचालित करने की प्रक्रिया में है।

चैंपियन सेवा क्षेत्र योजना के तहत 2020–21 से आईआईटीएफसी पाठ्यक्रम संचालित करने, पाठ्यक्रम सामग्री अपलोड करने, परीक्षा आयोजित करने, ई–मार्केट प्लेस के विकास आदि पर निम्न व्यय किए गए हैं:–

आईआईटीएफसी को किए गए भुगतान का विवरण निम्नानुसार है:–

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	जारी किया गया भुगतान
1.	2020–21	3.18 करोड़ रुपये
2.	2021–22	6.50 करोड़ रुपये
3.	2022–23	8.76 करोड़ रुपये
4.	2023–24	2.80 करोड़ रुपये
	कुल	**21.24 करोड़ रुपये**

पर्यटन मंत्रालय ने अतुल्य भारत पर्यटक गाइड (जिसे पहले आरएलजी के रूप में जाना जाता था) के लिए समान आईडी और बैज (रुप, आकार और रंग कोडिंग) के विचार को अपनाया है। आईआईटीएफसी और अतुल्य भारत पर्यटक गाइड के लिए आईडी/बैज को उनके अनुभव मानदंडों के आधार पर 05 श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जो निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	आईआईटीएफसी/आईआईटीजी का विवरण	बैज का रंग/श्रेणी	आईडी से संबद्ध स्टार
1.	आईआईटीएफसी (बेसिक)	बेसिक–ब्लू	एक (*)
2.	आईआईटीजी (5 वर्ष से कम का अनुभव)	सिल्वर	दो (**)
3.	आईआईटीजी (5 वर्ष से अधिक लेकिन 10 वर्ष से कम का अनुभव)	गोल्ड	तीन (***)
4.	आईआईटीजी (10 वर्ष से अधिक का अनुभव लेकिन 20 वर्ष से कम का अनुभव)	डाईमंड	चार (****)
5.	आईआईटीजी (20 वर्ष से अधिक का अनुभव)	प्लेटिनम	पांच (*****)

इसे भारत पर्यटन कार्यालयों के क्षेत्रीय निदेशक द्वारा जारी किया जा रहा है।

9.10 आईआईटीएफ/आईआईटीजी के लिए देश (ई–मार्केटप्लेस) प्लेटफॉर्म

पर्यटन मंत्रालय ने रोजगार सृजन के उद्देश्य से 08 मार्च, 2022 को आईआईटीएफ/आईआईटीजी के लिए डिजिटल पर्यटन समाधान के भाग के रूप में डिजिटल प्लेटफॉर्म (ई–मार्केटप्लेस) की संकल्पना शुरू की ताकि पर्यटकों और प्रमाणित पर्यटक सुविधाप्रदाताओं/पर्यटक गाइडों द्वारा उपयोग किए जाने के लिए वेब और मोबाइल ऐप आधारित संपर्क तंत्र प्रदान किया जा सके। इसे 12 अगस्त, 2022 से ऑनलाइन (बीटा संस्करण) किया गया है। पोर्टल पर प्रदर्शित करने के लिए आईआईटीएफसी और आईआईटीजी अपनी प्रोफाइल, अनुभव, प्रदान की जाने वाली सेवाओं, योग्यताओं, विशेषज्ञता के क्षेत्र, टैरिफ, उपलब्ध तारीखों आदि को अपडेट करने में सक्षम होंगे, जिसमें पर्यटक अपनी प्रोफाइल बनाने, पर्यटक सुविधाप्रदाताओं/गाइडों की तलाश करने और बुकिंग करने में सक्षम होंगे। पर्यटक अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी गंतव्य के लिए सुविधाप्रदाताओं/गाइडों को खोज सकते हैं और देश में अपनी आगामी यात्राओं के लिए बुकिंग कर सकते हैं। यह वेब आधारित समाधान (ई–मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म) सुविधाप्रदाताओं/गाइडों की प्रोफाइल, सुविधाप्रदाताओं/गाइडों की बुकिंग, रेटिंग, उपयोगकर्ताओं के फीडबैक (सकारात्मक और नकारात्मक), ज्ञात भाषाओं और सामग्री का प्रबंधन करने के लिए है। यह समाधान आवश्यकता के आधार पर भविष्य में मॉड्यूलर विकास और अतिरिक्त कार्यात्मकताओं की तैनाती का भी समर्थन करेगा जैसे कि टीम लीडर, पर्यवेक्षक, सिस्टम इंटीग्रेटर, गुणवत्ता विश्लेषक, सॉफ्टवेयर डेवलपर इत्यादि को शामिल करना। यह वेब आधारित ई–मार्केट प्लेस के लिए वैश्विक मानकों और विनिर्देशों के अनुरूप होगा, जहां पर्यटक इस पोर्टल के माध्यम से न केवल अपना अपॉइंटमेंट निर्धारित कर सकते हैं, बल्कि अपने सेवा प्रदाता को भुगतान भी कर सकते हैं। यह कहा जा सकता है कि मंत्रालय के आईआईटीएफसी/आईआईटीजी कार्यक्रम के तहत ई–मार्केटप्लेस पोर्टल का समग्र अनुभव ओला, ऊबर आदि के प्लेटफार्म के समान होगा जो व्यवसाय के अवसर प्राप्त करने में आईआईटीएफ/आईआईटीजी की सहायता करेगा तथा ग्राहक और सेवा प्रदाता के बीच सेतु का काम करेगा। यह पर्यटक गाइडों और पर्यटक सुविधाप्रदाताओं को अपनी सेवाओं में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित करेगा और इस प्रकार 'अतुल्य भारत' ब्रांड को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

भारत मंडपम, नई दिल्ली

10/

प्रशासन एवं सूचना प्रौद्योगिकी

10.1 लैंगिक समानता

पर्यटन, एक सेवा उद्योग होने के कारण, महत्वपूर्ण महिला प्रतिनिधित्व का दावा करता है। इसके परिणामस्वरुप, मंत्रालय लिंग संवेदीकरण और महिलाओं के लिए समान अधिकारों के आश्वासन को महत्वपूर्ण केंद्र बिंदुओं के रूप में प्राथमिकता देता है।

मंत्रालय यह सुनिश्चित करता है कि महिला अधिकारी/कर्मचारी अपनी क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग ले सकें।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुदेशों और कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के विषय पर विशाखा और अन्य बनाम राजस्थान राज्य और अन्य के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 13 अगस्त, 1997 के निर्णय के कार्यान्वयन में जारी दिशा–निर्देशों के अनुपालन में, इस मंत्रालय ने पर्यटन मंत्रालय में कार्यरत महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतों पर विचार करने के लिए 2003 में तत्कालीन सचिव (पर्यटन) की मंजूरी से एक शिकायत समिति का गठन किया था। मौजूदा अध्यक्ष/सदस्यों के स्थानान्तरण आदि के पश्चात् शिकायत समिति की संरचना को समय–समय पर संशोधित किया जाता है।

10.2 कल्याणकारी उपाय

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ

मंत्रालय में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के लिए संपर्क अधिकारी, जो मंत्रालय और इसके संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कर्मचारियों के

सत्यमेव जयते

सेवा मामलों से संबंधित शिकायतों पर ध्यान देते हैं, वह उप सचिव/निदेशक स्तर के अधिकारी होते हैं। यह प्रकोष्ठ मुख्य रूप से समय–समय पर आरक्षण नीति के संबंध में जारी आदेशों के अनुपालन के लिए कार्य करता है।

एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों के लिए आरक्षण

मंत्रालय और इसके अधीनस्थ कार्यालयों में सभी भर्तियां सरकार द्वारा समय–समय पर जारी आरक्षण आदेशों के अनुसार की जा रही हैं और तदनुसार आरक्षण रोस्टर बनाए जाते हैं। इस विषय पर संबंधित प्राधिकारियों को नियमित वार्षिक विवरणियां अग्रेषित की जाती हैं।

दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण

श्री अनुज गोयल बनाम भारत संघ और अन्य के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (दिव्यांगजन) के दिनांक 16.08.2019 के कार्यालय ज्ञापन सं. 34–16/2018–डीडी–III के निर्देश में, पर्यटन मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति ने समूह "क", "ख" और "ग" में विभिन्न स्तर के विभिन्न पदों को चिह्नित किया, जो दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसरण में बेंचमार्क दिव्यांगता हेतु सीधी भर्ती के लिए उपयुक्त थे। उक्त जानकारी मंत्रालय की वेबसाइट http://tourism.gov,in पर भी उपलब्ध है।

10.3 सतर्कता

मंत्रालय में विभिन्न सतर्कता मामलों से निपटने के लिए अलग से एक सतर्कता प्रभाग कार्य कर रहा है । सतर्कता प्रभाग मंत्रालय में सीधे या सीवीसी, सीबीआई और अन्य एजेंसियों के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही करता है। सतर्कता प्रभाग सतर्कता संबंधी मामलों पर मंत्रालय, सीवीसी, सीबीआई और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करता है। यह नियमित रूप से दोषी अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही करता है और लंबित मामलों की निगरानी करता है। यह नियमित रूप से सीवीसी को शिकायतों और मामलों की रिपोर्ट भी करता है।

सतर्कता प्रभाग वार्षिक संपत्ति रिटर्न, वार्षिक कार्य–निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट आदि से संबंधित मामलों को भी देखता है।

मंत्रालय में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, नियमित रोटेशन और एक विशिष्ट आयु सीमा से ऊपर के कर्मचारियों और अधिकारियों का स्थानांतरण, ई–जीईएम खरीद, ई–ऑफिस कार्यान्वयन आदि जैसी विभिन्न पहल की जाती हैं।

पर्यटन मंत्रालय द्वारा 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया और इस अवसर पर आईटीडीसी द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। वर्ष 2024 में सतर्कता प्रभाग द्वारा 90% से अधिक शिकायतों का निपटारा किया गया है।

सत्यमेव जयते

10.4 विभागीय लेखा संगठन

10.4.1 सचिव (पर्यटन) पर्यटन मंत्रालय के मुख्य लेखा प्राधिकारी हैं। अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार (एएस एंड एफए) एवं मंत्रालय के मुख्य वित्तीय नियंत्रक के माध्यम तथा सहायता से वह अपने कार्यों का निर्वहन करते हैं।

10.4.2 मुख्य वित्तीय नियंत्रक लेखा संगठन के प्रमुख होते हैं और प्रधान लेखा कार्यालय/वेतन एवं लेखा कार्यालय (पर्यटन) के माध्यम से मंत्रालय का पारदर्शी और प्रभावी वित्तीय प्रबंधन सुनिश्चित करते हैं। उन्हें अपने कर्तव्यों और कार्यों के निर्वहन में मंत्रालय के वित्तीय नियंत्रक द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

वित्त वर्ष 2024–25 के लिए पर्यटन मंत्रालय के लिए बजटीय प्रावधान निम्नानुसार है:

राजस्व खंड	2477.85 करोड़ रु.
पूंजी खंड	1.77 करोड़ रु.
कुल	2479.62 करोड़ रु.

पर्यटन मंत्रालय के विभागीय लेखा संगठन में प्रधान लेखा कार्यालय, एक वेतन और लेखा कार्यालय और आंतरिक लेखा परीक्षा विंग शामिल हैं।

10.4.2.1 प्रधान लेखा कार्यालय

नागर विमानन मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय के लिए प्रधान लेखा कार्यालय एक ही है, जो निम्नलिखित कार्यों का निर्वहन करता है:

क. सिविल लेखा नियमावली के प्रावधानों के अनुसार और लेखा महानियंत्रक द्वारा निर्धारित तरीके से पर्यटन मंत्रालय के खातों का समेकन।

ख. मासिक और वार्षिक लेखा तैयार करना, केन्द्रीय लेन–देनों का विवरण और वित्त लेखा के लिए सामग्री लेखा महानियंत्रक, वित्त मंत्रालय को प्रस्तुत करना।

ग. विभिन्न एजेंट मंत्रालयों को अंतर–विभागीय प्राधिकार जारी करने में समग्र समन्वय और नियंत्रण को प्रभावी बनाने के लिए लेखा महानियंत्रक कार्यालय से संपर्क रखना।

घ. वेतन और लेखा के लिए तकनीकी सलाह का प्रतिपादन।

10.4.2.2 बजट और लेखा

व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय के दिनांक 13.06.2023 के का.ज्ञा. संख्या 23 (3)/ई.कोर्ड/2018 द्वारा जारी संशोधित चार्टर के अनुसार बजट और लेखा

सत्यमेव जयते

प्रभाग मुख्य वित्तीय नियंत्रक, नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय के तहत कार्य करता है और निम्नलिखित कार्यों का निर्वहन करता है।

(i) अनुदान योजना/गैर–योजना घटकों के लिए बजट प्राक्कलन और संशोधित अनुमान तैयार करना।

(ii) बजट–पूर्व बैठक पर अनेक स्टेटमेंट तैयार करना, विस्तृत अनुदान मांग पर नोट तैयार करना, वित्त मंत्रालय की केन्द्रीय बजट सूचना प्रणाली का प्रचालन।

(iii) व्याख्यात्मक नोट्स/सेविंग नोट्स तैयार करना, एसबीई तैयार करना– बजट अनुमान का विवरण और डीडीजी के साथ इसका ऑनलाइन मानचित्रण।

(iv) अनुपूरक अनुदान मांग और विस्तृत अनुदान मांग तैयार करना।

(v) विनियोजन लेखा तैयार करना और पुनर्विनियोजन आदेश, समर्पण आदेश जारी करना।

(vi) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक लेखापरीक्षा रिपोर्ट और आंतरिक लेखा परीक्षा रिपोर्टों से संबंधित पैरा की निगरानी करना।

10.4.2.3 वेतन और लेखा कार्यालय

वेतन और लेखा कार्यालय मंत्रालय का राजकोष है एवं निधियों को जारी करने, व्यय नियंत्रण, तथा अन्य प्राप्तियों और भुगतान कार्यों की निम्नानुसार निगरानी करता है:

(i) मंत्रालय के गैर–चेक आहरण और संवितरण अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत बिलों की पूर्व जांच।

(ii) देश के विभिन्न भागों में स्थित 19 सीडीडीओ को चेक आहरित और संवितरण अधिकारियों को "लेटर ऑफ क्रेडिट" जारी करके निधियों का प्राधिकार देना।

(iii) सभी सीडीडीओ द्वारा किए गए सभी सशुल्क वाउचरों/भुगतानों की बाद में जांच।

(iv) निष्पादन और कार्यान्वयन एजेंसियों सहित सांविधिक निकायों और राज्य स्तरीय एजेंसियों को ऋण/सहायता अनुदान का भुगतान करना।

सत्यमेव जयते

(v) मासिक व्यय, प्राप्तियों और भुगतान के प्राधिकारों के आधार पर मासिक खाते का संकलन, जिसमें सीडीडीओ के मिलान किए गए खातों को विधिवत शामिल किया गया है।

(vi) सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि के खातों का रख–रखाव और न्यासी बैंकों को नई पेंशन योजना के अंशदान का विप्रेषण, आवक और बाह्य दावों का निपटान, पेंशन का प्राधिकार/भुगतान, कम्युटेशन, उपदान, अवकाश नकदीकरण आदि।

10.4.2.4 आंतरिक लेखा परीक्षा

आंतरिक लेखा परीक्षा शाखा, जो नागर विमानन मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय के लिए एक ही है, में चार सहायक लेखा अधिकारियों और चार लेखाकारों/वरिष्ठ लेखाकारों की स्वीकृत संख्या है जिसका नेतृत्व मुख्य वित्तीय नियंत्रक द्वारा किया जाता है।

आंतरिक लेखा परीक्षा संगठन की भूमिका मुख्य रूप से यह निरीक्षण करना है कि व्यय नियंत्रण तंत्र निर्मित है और वित्तीय स्वामित्व से संबंधित नियमों का पालन किया जाता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, आंतरिक लेखा परीक्षा आवधिकता, बजट आवंटन और कार्यालय विशेष/एजेंसी द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजना की प्रकृति और दायरे के आधार पर एक वार्षिक लेखा परीक्षा कैलेंडर तैयार करती है।

पर्यटन मंत्रालय में 49 लेखा परीक्षा योग्य इकाइयां हैं। इसमें 27 स्वायत्त निकाय, 19 सीडीडीओ (04 आरडीआईटी, 15 आईटी घरेलू) और 03 एनसीडीडीओ (पीएओ (पर्यटन), पर्यटन मंत्रालय (मुख्यालय) और आरडीआईटी (दिल्ली) शामिल हैं।

वित्तीय वर्ष 2023–24 में आईएचएम कोलकाता, आईएचएम मुंबई और हिमालयी सर्किट–मनाली (स्वदेश दर्शन) के विकास और नागपुर महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (स्वदेश दर्शन) की योजना की लेखा परीक्षा आंतरिक लेखा परीक्षा विंग द्वारा की गई।

आंतरिक लेखा परीक्षा के लंबित पैरा की स्थिति निम्नानुसार है:

इकाइयों की संख्या	अब तक लंबित पैरा
49	366

सत्यमेव जयते

10.4.3 ई–गवर्नेंस के लिए पहल

वित्त मंत्रालय और लेखा महानियंत्रक द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार, पर्यटन मंत्रालय के लेखा संगठन ने सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) प्लेटफॉर्म पर ई–बिल को पूरी तरह से लागू कर दिया है, जिससे कार्यान्वयन एजेंसी स्तर तक भुगतान और लेखा प्रणाली में सुधार और पारदर्शिता की सुविधा प्राप्त हुई है।

10.4.3.1 सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली

भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत जारी निधियों पर नज़र रखने के लिए एक ऑनलाइन वित्तीय प्रबंधन सूचना और निर्णय समर्थन प्रणाली स्थापित करने के उद्देश्य से सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) एक ऑनलाइन भुगतान और लेखा मंच है।

पीएफएमएस निधि अंतरण के लिए एक केंद्रीकृत और पूरी तरह से प्रचालित आईटी अनुप्रयोग है जो "जस्ट इन टाईम रिलीज" और अंतिम लाभार्थियों तक निधियों के उपयोग की पूर्ण निगरानी की सुविधा प्रदान करता है।

वित्त मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार पर्यटन मंत्रालय में सभी स्तरों पर पीएफएमएस को कार्यान्वित किया गया है और सभी निधियां पीएफएमएस के माध्यम से जारी की जा रही हैं। सभी स्टेकहोल्डरों द्वारा पीएफएमएस के ईएटी मॉड्यूल को रोल आउट करने के लिए आगे की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

10.4.3.2 ई–बिल

वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग में लेखा महानियंत्रक के कार्यालय में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) प्रभाग द्वारा इलेक्ट्रॉनिक बिल (ई–बिल) प्रणाली विकसित की गई है। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 46 वें सिविल लेखा दिवस के अवसर पर केंद्रीय बजट 2022–23 में घोषित ई–बिल प्रसंस्करण प्रणाली का शुभारंभ किया। यह व्यापक पारदर्शिता लाने और भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) और डिजिटल इंडिया इको–सिस्टम' पहल का हिस्सा है। यह आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों को अपने दावे ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अनुमति देकर पारदर्शिता, दक्षता और फेसलेस–पेपरलेस भुगतान प्रणाली को बढ़ाने का प्रयास करता है जो वास्तविक समय के आधार पर ट्रैक करने योग्य है। इलेक्ट्रॉनिक बिल को हर स्तर पर डिजिटल रूप से संसाधित किया जाता है और भुगतान भी विक्रेता के बैंक खाते में डिजिटल रूप से जमा किया जाता है। वेंडर/आपूर्तिकर्ता ऑनलाइन अपने बिलों की स्थिति को ट्रैक करने में

सत्यमेव जयते

सक्षम है। बिलों को फर्स्ट–इन–फर्स्ट–आउट (एफआईएफओ) विधि में संसाधित किया जाता है। अधिकांश बिलों को अब ई–बिल के माध्यम से संसाधित किया जाता है।

10.4.3.3 ई–पीपीओ

ई–पीपीओ प्रणाली पेंशनभोगियों को भुगतान के लिए सीपीएओ से बैंकों के सीपीपीसी को ऑनलाइन डिजिटल हस्ताक्षरित प्राधिकरण भेजने के लिए विकसित किया गया। वर्तमान में, सीपीएओ से 23 बैंकों (29 में से) को डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित संशोधन प्राधिकरण भेजे जा रहे हैं। शेष 6 बैंक इस परियोजना के अंतर्गत शामिल होने की प्रक्रिया में हैं। डिजी लॉकर के साथ इलेक्ट्रॉनिक पेंशन भुगतान आदेश (ईपीओ) के एकीकरण की प्रक्रिया भी चल रही है।

10.4.3.4 केंद्रीय नोडल एजेंसी

व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय ने केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के तहत निधियों के प्रवाह और जारी की गई निधियों के उपयोग की निगरानी प्रक्रिया में संशोधन किया है। केन्द्रीय क्षेत्र की सभी योजनाएं, जब तक कि विशेष रूप से छूट न दी गई हों, ट्रेजरी एकल खाता (टीएसए) या केन्द्रीय नोडल एजेंसी (सीएनए) के माध्यम से कार्यान्वित की जाती हैं। पर्यटन मंत्रालय में मंत्रालय द्वारा नामित दो सीएनए हैं: (i) राष्ट्रीय होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी) "आईएचएम / एफसीआई / आईआईटीटीएम / एनआईडब्ल्यूएस को सहायता" और "केंद्रीय एजेंसियों की सहायता" नामक योजनाओं के लिए और (ii) भारत पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) "विशिष्ट थीमों के आसपास पर्यटक परिपथों का एकीकृत विकास (स्वदेश दर्शन)" और "तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) नामक योजनाओं के लिए।

10.4.3.5 एकल नोडल एजेंसी

एकल नोडल एजेंसी (एसएनए) सार्वजनिक व्यय प्रबंधन में अधिक प्रभावी नकदी प्रबंधन और दक्षता के लिए केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत निधियों के उपयोग को जारी करने और निगरानी करने के लिए राज्य सरकारों द्वारा नामित एक एजेंसी है। पर्यटन मंत्रालय की "महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल" योजना इस मॉडल के तहत कार्यान्वित की जा रही है।

10.5 महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा टिप्पणियां

लेखापरीक्षा पैरा निगरानी प्रणाली (ई–एपीएमएस) महालेखा नियंत्रक रिपोर्ट के अनुसार, 31 दिसम्बर, 2024 तक पर्यटन मंत्रालय के पास और सी एंड एजी के 6 लेखा परीक्षा पैरा और एक संपूर्ण रिपोर्ट लंबित है।

लोक लेखा समिति (पीएसी) का कोई पैरा लंबित नहीं है।

10.6 राजभाषा हिंदी का प्रगामी प्रयोग

संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा राजभाषा विभाग द्वारा समय–समय पर जारी किए जाने वाले आदेशों पर कार्रवाई करने और राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए जाने वाले वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पर्यटन मंत्रालय का राजभाषा अनुभाग हर संभव कार्रवाई करता है। इसके साथ–साथ राजभाषा अनुभाग मंत्रालय से संबंधित संपूर्ण अनुवाद कार्य का भी निपटान करता है।

राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु किए जा रहे उपायों का विवरण:

1. राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 (3) का अनुपालन

राजभाषा विभाग के निदेशों के अनुसार मंत्रालय और इसके संबद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 (3) एवं राजभाषा नियम, 1976 के नियम 5 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है। मंत्रालय का हिंदी में पत्राचार धीरे–धीरे बढ़ रहा है और वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्रालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी फाइलों पर अधिकाधिक नोटिंग हिंदी में कर रहे हैं।

2. समितियां

i. **राजभाषा कार्यान्वयन समितिः** मंत्रालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति (रा.का.स.) का गठन किया गया है और इसकी तिमाही बैठकें नियमित आधार पर आयोजित की जाती हैं। इन बैठकों में मंत्रालय में हिंदी में किए जा गए कार्य की अनुभाग–वार समीक्षा की जाती है। अभी तक मंत्रालय में वर्ष 2023–24 की 3 तिमाहियों के दौरान रा.का.स की 3 बैठकों का आयोजन किया जा चुका है।

ii. **संसदीय राजभाषा समितिः** वर्ष के दौरान मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग की जांच करने के लिए संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति ने मंत्रालय के नियंत्रणाधीन कार्यालयों का निरीक्षण किया है। मंत्रालय के नियंत्रणाधीन कार्यालयों की निरीक्षण बैठकों के दौरान मंत्रालय के प्रतिनिधि एवं राजभाषा प्रभारी अधिकारी के रूप में वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार/आर्थिक सलाहकार (प्रशा. एवं आई.टी.) तथा राजभाषा अनुभाग के अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण बैठकों में समिति को दिए गए आश्वासनों की समिति द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार पूर्ति की जाती है।

3. हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए विशेष उपायः

i. **प्रोत्साहन योजना और नकद पुरस्कारः** हिंदी में सरकारी कामकाज करने के लिए राजभाषा विभाग की वार्षिक प्रोत्साहन योजना वर्ष 2024–25 के लिए मंत्रालय में लागू है।

ii. **हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा/माहः** पर्यटन मंत्रालय में 14 से 29 सितंबर 2024 को हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर माननीय गृह मंत्री की अपील जारी की गई तथा मंत्रालय के ई–आफिस के नोटिस बोर्ड पर सचिव (पर्यटन) का संदेश जारी किया गया। हिंदी पखवाड़े के दौरान चित्र अभिव्यक्ति, अनुवाद लेखन तथा हिंदी टिप्पण–आलेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने इनमें उत्साह से भाग लिया और पुरस्कार जीते। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी अर्थात् दिनांक 14–15 सितंबर, 2024 को राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी दिवस और चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस बार इस कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली में ही किया गया जिसमें पर्यटन मंत्रालय की ओर से उप निदेशक (रा.भा.), 1 वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, 2 कनिष्ठ अनुवाद अधिकारियों और राजभाषा अनुभाग में तैनात 1 वरिष्ठ आशुलिपिक ने भाग लिया।

iii. **हिंदी कार्यशालाएंः** दैनिक कामकाज हिंदी में करने के प्रति झिझक को दूर करने तथा उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए नियमित रूप से कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं।

iv. **अधीनस्थ कार्यालयों का निरीक्षणः** राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालयों के राजभाषा संबंधी निरीक्षण हेतु वर्ष 2024–25 में 25 प्रतिशत का लक्ष्य रखा गया है। जनवरी, 2025 तक कुल 5 अधीनस्थ कार्यालयों का निरीक्षण किया जा चुका है।

4. विशिष्ट कार्यः

गृह पत्रिका ''अतुल्य भारत'' का प्रकाशनः हिंदी सलाहकार समिति की 16 सितंबर, 2015 को हुई बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसरण में, मंत्रालय द्वारा 'अतुल्य भारत' नामक त्रैमासिक गृह पत्रिका का नियमित रूप से प्रकाशन किया जा रहा है। पिछले लगभग दो वर्ष से 'अतुल्य भारत पत्रिका को ई–पत्रिका के रूप में वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है। अब तक 30 संस्करण प्रकाशित हो चुके हैं। वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार के अनुमोदन से अब यह पत्रिका छमाही आधार पर प्रकाशित की जाएगी।

सत्यमेव जयते

10.7 स्वच्छ भारत मिशन

''स्वच्छता'' को पर्यटन के एक स्तंभ के रूप में माना जाता है क्योंकि लंबी अवधि में स्वच्छ पर्यटन स्थल अधिक टिकाऊ होते हैं जो पर्यटन तथा निवेश आकर्षित करते हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है तथा स्थानीय निवासियों में गर्व की भावना और पर्यटकों में संतुष्टि की भावना पैदा होती है। स्वच्छ भारत मिशन एक "राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम" है और इसे 2015 में लॉन्च किया गया था। स्वच्छता से संबंधित कार्यकलापों और कार्यक्रमों को पर्यटन मंत्रालय के पीएमयू – एसबीएम प्रभाग द्वारा नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, जो देश के भीतर पर्यटन के निरंतर विकास के लिए स्वच्छता और साफ–सफाई के महत्व पर बल देते हैं। इस मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालय और शैक्षणिक संस्थान स्वच्छता संबंधी कार्यकलापों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में भाग लेते हैं। कार्यान्वित कार्यक्रमों की सूची निम्नानुसार है:–

10.7.1 स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी) – एसएपी के तहत देश भर में तीन प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, यानी पर्यटक जागरूकता कार्यक्रम, छात्र जागरूकता कार्यक्रम और पर्यटन हितधारकों का जागरूकता कार्यक्रम। पर्यटन मंत्रालय भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम), ग्वालियर, केन्द्रीय होटल प्रबंधन संस्थान (सीआईएचएम) के माध्यम से एसएपी के अंतर्गत उपर्युक्त श्रेणियों के कार्यक्रमों को कार्यान्वित कर रहा है। वर्तमान वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान, पर्यटन मंत्रालय ने देश के पर्यटकों, छात्रों और पर्यटन हितधारकों के बीच स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एसएपी के तहत कुल 274 कार्यकलापों को मंजूरी दी है।

स्वच्छता का एक बहु–विषयक दृष्टिकोण है, इसलिए, यह अवधारणा मानव जीवन और आजीविका के पहलुओं से परस्पर जुड़ी हुई है। पर्यटन मंत्रालय में राष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से एसएपी के अनुसार स्वच्छता के लिए जागरूकता कार्यकलापों को कार्यान्वित करने पर बल दिया जाता है। स्वच्छता के लिए जन जागरूकता देश के पर्यटन के विकास के लिए एक आदर्श स्थिति होगी। इसके लिए व्यापक भागीदारी की आवश्यकता है, इसलिए, पर्यटन मंत्रालय ने देश भर में युवा पर्यटन क्लब (वाईटीसी) बनाने की पहल की है। वाईटीसी अब गैर–सरकारी संगठनों, नागरिक समूहों और क्लबों की तरह इस राष्ट्रीय स्तर के मिशन में शामिल हो रहे हैं।

10.7.2 स्वच्छता पखवाड़ा (एसपी) – देश भर में हर साल सितंबर के महीने में स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए स्वच्छता पखवाड़ा कार्यकलापों का आयोजन किया जाता है। इस वार्षिक कार्यक्रम की अवधि पंद्रह दिन (16–30 सितंबर) है। इस मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालयों (भारत पर्यटन कार्यालय), आईटीडीसी, शैक्षणिक संस्थानों (आईआईटीटीएम, सीआईएचएम, एसआईएचएम, एफसीआई) और राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र के पर्यटन विभागों ने देश में अपने–अपने स्थानों पर विभिन्न स्वच्छता कार्यकलाप शुरू किए थे। इस अवधि के दौरान कुल 350 कार्यकलाप किए गए।

10.7.3 स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) – एसएचएस कार्यकलापों का आयोजन प्रति वर्ष 14 सितंबर से 2 अक्टूबर तक किया जाता है। एसएचएस–2024 का विषय "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" था। इस पहल के तहत पर्यटन मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों (आईआईटीटीएम, केंद्रीय आईएचएम, राज्य आईएचएम, एफसीआई) और राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के विभागों ने देश भर के विभिन्न स्थानों पर जन भागीदारी के साथ विभिन्न स्वच्छता कार्यकलाप किए। इस अवधि के दौरान कुल 375 गतिविधियां आयोजित की गईं।

महात्मा गांधी की जयंती पर उनकी श्रद्धांजलि के रूप में स्वच्छता ही सेवा उत्सव, के पखवाड़े के एक वृहत कार्यक्रम के समापन पर, माननीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री की उपस्थिति में प्रमुख स्वच्छता अभियान और जागरूकता कार्यक्रम चलाने के लिए पर्यटन मंत्रालय द्वारा 1 अक्टूबर, 2024 को स्वच्छ भारत दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर, सफाई कर्मचारियों/सफाई मित्रों का मनोबल बढ़ाने के लिए माननीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उन्हें स्वच्छता प्रहरी का सम्मान चिह्न देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के बाद माननीय मंत्री द्वारा परिसर में और उसके आसपास सफाई अभियान चलाया गया तथा जागरूकता पैदा करने के लिए छात्रों द्वारा स्वच्छता विषय पर आधारित नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। इस वृहत कार्यक्रम में लगभग 500 लोगों ने भाग लिया।

वर्ष 2024 में स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी) के तहत जागरूकता कार्यक्रम की तस्वीरें

रोहतक के नए बस स्टैंड पर रिकॉर्ड किए गए स्वच्छता संदेशों के माध्यम से जागरूकता पैदा करते हुए

एसआईएचएम जबलपुर द्वारा पाट बाबा मंदिर, जबलपुर में पर्यटक जागरूकता गतिविधि

सत्यमेव जयते

एफसीआई नागांव द्वारा कोल पार्क, तेजपुर, सोनितपुर में "पर्यटन में स्वच्छता के लिए जागरूकता" विषय पर "सफाई अभियान" के साथ-साथ "नुक्कड़ नाटक" का आयोजन

आईएचएम हाजीपुर द्वारा विष्णु पद मंदिर और ज्ञान भारती आवासीय विद्यालय, बोधगया, बिहार में पर्यटक जागरूकता और छात्र जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

स्वच्छता ही सेवा 2024 की तस्वीरें

स्वच्छता ही सेवा उत्सव के पखवाड़े के समापन पर, माननीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री की उपस्थिति में बड़े पैमाने पर सफाई अभियान और जागरूकता कार्यक्रम चलाने के लिए पर्यटन मंत्रालय द्वारा 1 अक्टूबर 2024 को एक मेगा इवेंट आयोजित किया गया। इस अवसर पर, सफाई कर्मचारियों / सफाई मित्रों का मनोबल बढ़ाने के लिए माननीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उन्हें स्वच्छता प्रहरी का सम्मान बैज देकर सम्मानित किया।

सत्यमेव जयते

भारत पर्यटन गुवाहाटी ने स्वच्छता के तहत असम सरकार के चंदूबी पिकनिक स्पॉट और चंदूबी टूरिस्ट लॉज परिसर में पौधारोपण के लिए एक दिवसीय विशेष अभियान (एक पेड़ मां के नाम) का आयोजन किया।

आईएचएम गोवा ने 27/09/2024 को नंदनवन स्पाइस फार्म में गोवा पर्यटन हितधारकों की बैठक में भाग लिया। माननीय पर्यटन मंत्री ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, चंडीगढ़ ने न्यू लेक सेक्टर 42 चंडीगढ़ में स्वच्छता अभियान चलाया और मानव श्रृंखला बनाकर अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने की प्रतिबद्धता दर्शाई।

स्वच्छता पखवाड़ा 2024 की तस्वीरें

दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट द्वारा दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, ताकि लोगों को अपने आसपास सफाई और स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में शिक्षित किया जा सके।

सत्यमेव जयते

एसआईएचएम सिलवासा परिसर में और उसके आसपास बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया गया।

एसआईएचएम उदयपुर ने शोले–सेल सविना सब्जी मंडी, उदयपुर में जागरूकता एवं सफाई अभियान का आयोजन किया।

इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट बैंगलोर ने स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान रचनात्मकता और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की।

आईएचएम भोपाल ने स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान सफाई के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 11 नंबर बस स्टॉप पर सफाई अभियान का आयोजन किया।

10.8 साइबर सुरक्षा

आज किसी भी संगठन के संचालन में सूचना महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आईटी क्रांति के इस दौर में पर्यटन मंत्रालय भी इसका अपवाद नहीं है। इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिसपोंस टीम और सर्ट–इन द्वारा जारी एडवाइज़री के अनुरूप एक विस्तृत साइबर संकट प्रबंधन योजना (सीसीएमपी) तैयार की गई है। पर्यटन मंत्रालय के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ) की अध्यक्षता में साइबर संकट प्रबंधन समूह नामक एक समूह का गठन किया गया है।

जैसा कि स्पष्ट है, आईटी उत्पाद, आईटी अवसंरचना, आईटी नेटवर्क वे तीन महत्वपूर्ण स्तंभ हैं जो निरंतर और तेजी से बदलती सूचना प्रौद्योगिकी के विकास के साथ लगातार खतरे में हैं। इन परिवर्तनों के कारण लिगेसी एप्लीकेशन, डेटिड इंफ्रास्ट्रक्चर और नेटवर्क प्रौद्योगिकी नए हमलों से असुरक्षित हो गई है। लगातार बढ़ते खतरे की अवधारणा के साथ तालमेल बनाकर रखना एक बड़ी चुनौती है, खासकर तब जब कि आईटी सेवाओं की मांग बढ़ रही है और दुनिया भर में ऑनलाइन समुदाय का बहुत तेजी से विस्तार हुआ है। हैकर्स, स्टीलर्स आज आईटी विशेषज्ञ भी हैं चाहे वे नैतिक अथवा अनैतिक विशेषज्ञ

सत्यमेव जयते

हों जो नेटवर्क में घुसपैठ करने, जानकारी चुराने, उपकरणों को अपने नियंत्रण में लेने और धीरे–धीरे व्यवसायों पर नियंत्रण प्राप्त करने के लगातार नए तरीके खोजते रहते हैं।

इस संदर्भ में इस तरह के हमले को रोकने और ऐसा कोई हमला होने की स्थिति में उसके प्रभाव को कम करने और उलटने के लिए सुविचारित मानकों और दिशानिर्देशों को अपनाना उचित होगा। ऐसे में आईटी सेवाओं को निर्बाध जारी रखने और प्रयोगकर्ताओं को यह आश्वासन देने कि वितरित की जा रही सूचना विश्वसनीय है, के लिए कई कारक महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

मंत्रालय के निर्णयकर्ताओं सहित विभिन्न श्रेणी के प्रयोक्ताओं में यह विश्वास पैदा करने के लिए और मंत्रालय की अनुमोदित सीसीएमपी योजना के अनुपालन में निम्नलिखित आईसीटी पद्धतियों का अनुसरण किया जाता है।

1. **एप्लिकेशन की सुरक्षाः** एप्लिकेशन की सुरक्षा तीनों आईटी स्तंभों में सबसे महत्वपूर्ण है। किसी भी व्यवसाय या संगठन के लिए सुरक्षित तरीके से सेवाएं प्रदान करना प्रमुख मुद्दा होता है। पर्यटन मंत्रालय में, सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन के विकास, कार्यान्वयन और प्रसारण के लिए नीचे उल्लिखित प्रक्रिया का अनुसरण करने का निर्णय लिया गया है:

   क. **स्टेंडर्ड सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट लाइफ साइकल (एसडीएलसी) का उपयोग करनाः** मानक एसडीएलसी प्रक्रिया जैसे एजाइल, डेवऑप, वाटरफॉल का उपयोग यह सुनिश्चित करता है कि सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग के सभी चरणों को ध्यान में रखा गया है। यह त्वरित परिणामों के लिए एडहॉक डेवलपमेंट के जोखिम जिसमें कोडल असुरक्षा तथा अन्य कई जोख़मि शामिल हो सकते हैं, को समाप्त कर देता है।

   ख. **डिजाइन सुरक्षाः** यह मोटे तौर पर एप्लीकेशन की संरचना पर केंद्रित है जैसे कि एप्लीकेशन के एन–टियर विकास का उपयोग, डेटाबेस की सुरक्षा और सुरक्षित तरीके से सेवाओं के तीसरे पक्ष का एकीकरण।

   ग. **कोडिंग मानकः** डेवलपर्स द्वारा रिसपोंस टाइम के अधिकतम उपयोग के लिए मानक और अच्छी कोडिंग पद्धतियों का पालन करना आवश्यक है, बल्कि इससे कोड को पढ़ना भी आसान हो जाता है। सर्वोत्तम कोडिंग पद्धतियों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कोड का पुनरीक्षण किया जाता है।

   घ. **परीक्षणः** पीयर परीक्षण, एकीकरण परीक्षण जैसे विभिन्न स्तरों पर एप्लीकेशन परीक्षण किए जाते हैं। इसके अलावा कमियों का पता लगाने के लिए व्हाइट, ग्रे और ब्लैक बॉक्स परीक्षण किया जाता है।

   ङ. **सुरक्षा ऑडिटः** एप्लीकेशन्स को एनआईसी क्लाउड पर प्रसारित किया जाता है और इसलिए होस्टिंग की आवश्यकता के अनुसार, सुरक्षा ऑडिट और क्लियरेंस की आवश्यकता होती है। सभी वेब एप्लिकेशन और मोबाइल ऐप को लाइव करने से पहले थर्ड पार्टी ऑडिट किया जाता है। वार्षिक रूप से दोबारा ऑडिट किया जाता है।

सत्यमेव जयते

2. **अवसंरचना सुरक्षाः** सभी कंप्यूटर और अन्य नेटवर्किंग उपकरण का सुरक्षित तरीके से प्रबंधन किया जाता है। केंद्रीकृत और अद्यतन एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर स्थापित किया जाता है जो रियल टाइम में मैलवेयर, वायरस, स्पैम का पता लगाता है।

3. **नेटवर्क सुरक्षाः** एनआईसी मंत्रालय के नेटवर्किंग अवसंरचना का प्रबंधन करता है और यह नेटवर्क सर्वर, राउटर, प्रबंधित स्विच आदि पर पैच प्रबंधन जैसे सभी मामलों को देखता है।

4. **एप्लीकेशन का प्रसारणः** सभी वेब एप्लिकेशन एनआईसी क्लाउड मेघराज पर प्रसारित किए जाते हैं। ओएस स्तर, सिस्टम सॉफ्टवेयर और डेटाबेस स्तर पर सभी पैच प्रबंधन किए जा रहे हैं ताकि सुरक्षित वर्चुअल परिवेश सुनिश्चित किया जा सके। इनमें से अधिकांश सर्वरों का प्रबंधन और सर्वर हार्डनिंग जैसे सभी मामले एनआईसी डेटासेंटर टीम द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं। मंत्रालय द्वारा प्रसारित सभी एप्लिकेशन एसएसएल सुरक्षित हैं।

5. **ईमेल सुरक्षाः** आधिकारिक रूप से सूचना के समस्त आदान–प्रदान के लिए एनआईसी ईमेल का उपयोग किया जाता है और इसलिए आधिकारिक जानकारी सुरक्षित रहती है और सरकारी सर्वर/स्टोरेज पर रहती है।

10.9 भारत पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी)

10.9.1 प्रस्तावना

भारत पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) पर्यटन मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। 1 अक्टूबर 1966 को निगमित आईटीडीसी देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। निगम यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य संबंधी जरूरतों के लिए वन स्टॉप समाधान प्रदान करता है। इस समय यह निगम परिवहन की सुविधाएं प्रदान करने के अलावा पर्यटकों के लिए विभिन्न स्थलों पर होटलों, रेस्टोरेंटों का संचालन कर रहा है। इसके अलावा, निगम पर्यटक प्रचार सामग्री के निर्माण, वितरण और बिक्री का कार्य भी करता है तथा पर्यटकों को ड्यूटी फ्री शॉपिंग की सुविधाएं प्रदान कर रहा है। निगम की इंजीनियरिंग से संबंधित परामर्श सेवाओं में भी उपस्थिति है और एसीईएस प्रभाग, साउंड एंड लाइट (एसईएल) शो लगाने के साथ–साथ केंद्र सरकार/विभिन्न राज्य सरकारों के लिए अवसंरचना से संबंधित परियोजना कार्यों को संभालता है। अशोक ट्रैवल एंड टूर्स एक प्रभाग है जो विश्वसनीय किफायती सेवाओं के साथ टिकटिंग, टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट, टूर पैकेज और कार्गो संबंधी जरूरतों को पूरा करता है और इसकी उपस्थिति पूरे भारत में है। निगम का अशोक आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंध संस्थान पर्यटन एवं आतिथ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं शिक्षा प्रदान करता है। अशोक इवेंट्स एक अग्रणी इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी है जो कॉन्फ्रेंस, प्रदर्शनी, कार्यशाला/सेमिनार तथा अन्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय इवेंट हैंडल करती है।

सत्यमेव जयते

इसके अलावा, आईटीडीसी ने पिछड़े क्षेत्रों में पर्यटन अवसंरचना के विकास में प्रतिबद्ध एवं प्रमुख भूमिका निभाई है और इसके माध्यम से यह क्षेत्रीय संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। 2001 और 2002 में क्रमशः 19 होटलों और 1 अधूरी होटल परियोजना के विनिवेश के बाद आईटीडीसी ने अपनी शेष गतिविधियों को सुदृढ़ किया है और विविध सेवा उन्मुख कारोबारी गतिविधियां लेने के लिए अपने आप को पुनर्गठित किया है।

10.9.2 संगठनात्मक ढांचाः

कॉर्पोरेट स्तर पर वर्तमान संगठनात्मक ढाचे में आईटीडीसी बोर्ड शामिल है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- अध्यक्ष, (वर्तमान में अध्यक्ष का पद रिक्त है)),
- कार्यात्मक निदेशक (यानी प्रबंध निदेशक, निदेशक (वाणिज्यिक और विपणन), निदेशक (वित्त)– (वर्तमान में प्रबंध निदेशक और निदेशक–वाणिज्यिक एवं विपणन के पद रिक्त हैं। निदेशक (वाणिज्यिक एवं विपणन) के पद के लिए, उम्मीदवार का चयन पीईएसबी द्वारा किया गया है। नियुक्ति को डीओपीटी द्वारा अनुमोदित किया जाना है)),
- एक सरकार द्वारा नामित निदेशक और
- दो गैर सरकारी निदेशक/स्वतंत्र निदेशक (एक गैर सरकारी स्वतंत्र निदेशक का पद रिक्त है)

निदेशक मंडल के अलावा, अशोक ग्रुप ऑफ होटल्स, अशोक इवेंट्स, अशोक इंटरनेशनल ट्रेड, अशोक ट्रैवल एंड टूर्स, अशोक इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट, अशोक कंसल्टेंसी एंड इंजीनियरिंग सर्विसेज और सोन–एट–लुमियर जैसे व्यावसायिक समूहों के प्रमुख हैं जिनकी सहायता कॉर्पोरेट विपणन और जनसंपर्क, मानव संसाधन प्रबंधन, वित्त और लेखा, सतर्कता और सुरक्षा, प्रशासन, सचिवालय, आदि द्वारा की जाती है।

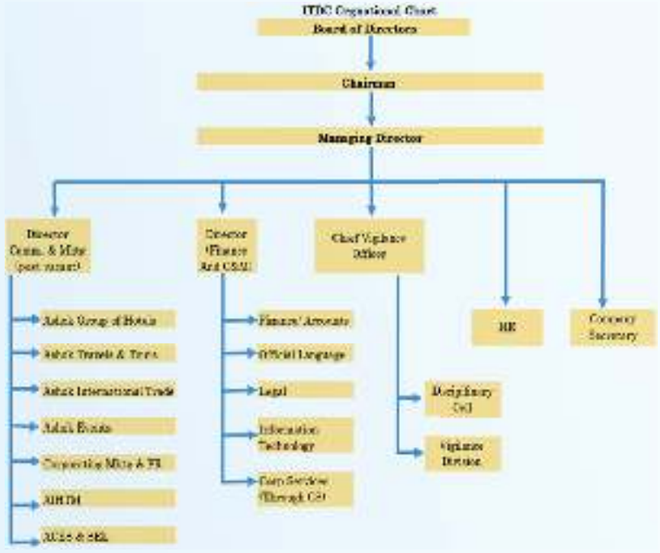

10.9.3 आईटीडीसी की सेवाओं का नेटवर्क

आईटीडीसी के वर्तमान नेटवर्क में अशोक ग्रुप के 4 होटल (जिनमें से 3 चालू हैं), 1 रेस्तरां, 4 संयुक्त उद्यम जिसमें से 1 होटल इकाई चालू है, 4 कैटरिंग आउटलेट, 3 परिवहन इकाईयां, बंदरगाहों पर 14 ड्यूटी फ्री दूकानें और एयरपोर्ट पर 1 ड्यूटी फ्री दूकान शामिल हैं।

10.9.4 सहायक कंपनियां

नीचे दिए गए विवरण में 31 दिसंबर, 2024 की स्थिति के अनुसार चार सहायक कंपनियों की प्रदत्त पूंजी में आईटीडीसी के 9.29 करोड़ रुपये के निवेश को दर्शाया गया है:

सहायक कंपनियां	आईटीडीसी का निवेश (रुपये में)
उत्कल अशोक होटल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	(इक्विटी शेयर) 1.19 करोड़
(वरीयता शेयर) 3.50 करोड़	
रांची अशोक बिहार होटल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	2.50 करोड़
पुदुचेरी अशोक होटल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	0.82 करोड़
पंजाब अशोक होटल कंपनी लिमिटेड	1.28 करोड़
कुल	**9.29 करोड़**

10.9.5 पूंजी संरचना

ब्यौरे निम्नानुसार हैं:

(करोड़ रुपये में)

(इंड एएस के अनुसार)	वित्त वर्ष 2021–22	वित्त वर्ष 2022–23	वित्त वर्ष 2023–24
अधिकृत पूंजी	150.00	150.00	150.00
प्रदत्त पूंजी	85.77	85.77	85.77
रिजर्व और अधिशेष	231.07	290.82	339.42
कुल मूल्य	316.60	376.35	425.19

10.9.6 शेयरधारिता का स्वरूप

आईटीडीसी एनएसई और बीएसई दोनों के साथ एक सूचीबद्ध कंपनी है और तदनुसार एनएसई के अनुसार 31.12.2024 को इसका बाजार पूंजीकरण 5316.84 करोड़ रुपये और बीएसई के अनुसार 5311.27 करोड़ रुपये था। आज तक की स्थिति के अनुसार निगम की अधिकृत और प्रदत्त पूंजी क्रमशः 150.00 करोड़ रुपये और 85.77 करोड़ रुपये है। शेयरधारिता का स्वरूप (31.12.2024 तक) निम्नानुसार है:

- भारत सरकार : 87.03%
- द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड : 7.87%
- अन्य निकाय कॉर्पोरेट : 0.13%
- योग्य संस्थागत खरीदार : 1.79%
- आम जनता, कर्मचारी और अन्य : 3.18%

10.9.7 वित्तीय प्रदर्शन

पिछले पांच वर्षों के लिए निगम के वित्तीय प्रदर्शन से संबंधित प्रमुख आंकड़े नीचे सारणी में दिए गए हैं:

(करोड़ रु में)

विवरण, वित्तीय वर्ष →	2019–20	2020–21	2021–22	2022–23	2023–24
टर्नओवर	362.09	197.16	304.76	473.36	544.90
कर पूर्व लाभ	42.24	–24.03	7.94	82.07	109.92
अन्य व्यापक आय	14.30	–26.08	2.62	55.70	71.33

वित्त वर्ष 2023–24 के लिए वार्षिक खातों को आईटीडीसी बोर्ड द्वारा दिनांक 11.05.2024 को अनुमोदन प्रदान किया गया था और आईटीडीसी ने वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए 25.2% लाभांश का भुगतान करने की सिफारिश की है, जैसा कि 06.09.2024 को आयोजित एजीएम में इसके शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित किया गया था।

10.9.8 योजनागत स्कीमें

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार किसी भी योजना के तहत आईटीडीसी को कोई अनुदान नहीं देता है। इसके आंतरिक संसाधनों आदि से, वर्ष 2024–25 के लिए पूंजी परिव्यय का मूल बजट अनुमान 62.51 करोड़ रुपये है जिसमें केवल होटल संपत्तियों और अन्य डिवीजनों के नवीनीकरण/उन्नयन के लिए 44.53 करोड़ रुपये शामिल हैं।

10.9.9 समझौता ज्ञापन (एमओयू)

वित्त वर्ष 2022–23 के लिए समझौता ज्ञापन के तहत प्रदर्शन का मूल्यांकन लोक उद्यम विभाग द्वारा किया गया और आईटीडीसी ने 100 में से 79.55 (बहुत अच्छे) अंक प्राप्त किए। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2023–24 में आईटीडीसी ने समझौता ज्ञापन के अनुसार सभी वित्तीय मापदंडों को प्राप्त किया और डीपीई से "उत्कृष्ट" की रेटिंग के लिए योग्य है।आईटीडीसी ने डीपीई के मौजूदा दिशा–निर्देशों के अनुसार वर्ष 2024–25 के लिए पर्यटन मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

10.9.10 आईटीडीसी तथा इसकी संयुक्त उद्यम सहायक कंपनियों की संपत्तियों के विनिवेश की स्थिति

भारत सरकार की चल रही विनिवेश नीति के अनुसार, संयुक्त उद्यम होटल की 3 संपत्तियों सहित 9 होटल संपत्तियां (अर्थात होटल लेक व्यू अशोक, भोपाल; होटल ब्रह्मपुत्र अशोक, गुवाहाटी; होटल भरतपुर अशोक, भरतपुर; गुलमर्ग में अपूर्ण होटल परियोजना; होटल जनपथ, नई दिल्ली, होटल जयपुर अशोक, जयपुर, ललित महल पैलेस होटल, मैसूर; होटल पाटलिपुत्र अशोक, पटना एवं होटल दोनई पोलो अशोक, ईटानगर) अब तक संबंधित राज्य सरकारों या केंद्रीय मंत्रालय को हस्तांतरित कर दी गई हैं / सौंप दी गई हैं। शेष संपत्तियों का विनिवेश/अनावरण निम्नानुसार प्रक्रियाधीन हैः

- **होटल पुदुचेरी अशोक, पुदुचेरीः** राज्य सरकार के समक्ष जे वी कंपनी में आईटीडीसी की 51% इक्विटी खरीदने की पेशकश करने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार से उत्तर प्रतीक्षित है। पुदुचेरी सरकार के मुख्य सचिव ने पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार को एक पत्र भेजा है, जिसमें पुदुचेरी सरकार द्वारा पीएएचसीएल में आईटीडीसी की 51% हिस्सेदारी खरीदने का प्रस्ताव है। इस मामले को आईएमजी में रखा जाएगा, जिसके लिए आईएमजी की बैठक बुलाने का अनुरोध पर्यटन मंत्रालय को भेजा गया है।
- **होटल कलिंग अशोक, भुवनेश्वरः** राज्य सरकार से मौजूदा होटल कलिंग अशोक का अधिग्रहण करने की पेशकश की गई है। प्रस्ताव 30.07.2024 को राज्य सरकार को भेज दिया गया है। ओडिशा सरकार से उत्तर प्रतीक्षित है।

- **होटल रांची अशोक, रांचीः** रांची अशोक बिहार होटल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरएबीएचसीएल) में आईटीडीसी की 51% इक्विटी का हस्तांतरण झारखंड सरकार को किया जाना है जिसके लिए दिनांक 24.11.2020 को आईटीडीसी, झारखंड सरकार और आरएबीएचसीएल के बीच एक समझौता ज्ञापन किया गया है। अंतिम सीसीईए नोट दिनांक 12.08.2022 को मंत्रिमंडल सचिवालय को भेजा गया था जिसका अनुमोदन प्रतीक्षित है। डीआईपीएएम ने सीसीईए अनुमोदन के स्थान पर वैकल्पिक तंत्र (एएम) के अनुमोदन की सलाह दी। एएम के लिए मसौदा नोट 04.09.2024 को पर्यटन मंत्रालय को भेज दिया गया है।
- **आनंदपुर साहिब की अधूरी परियोजनाः** संयुक्त उद्यम कंपनी में आईटीडीसी की 51% इक्विटी हिस्सेदारी पंजाब सरकार को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया है। इस समझौते पर पंजाब सरकार, पंजाब अशोक होटल कंपनी लिमिटेड (पीएएचसीएल) और आईटीडीसी के बीच 14.02.2023 को हस्ताक्षर किए गए। डीआईपीएएम को सीसीईए नोट के स्थान पर वैकल्पिक तंत्र का अनुमोदन लेने की सलाह दी गई है। तदनुसार दिनांक 28.03.2024 को पर्यटन मंत्रालय को वैकल्पिक तंत्र हेतु मसौदा नोट भेज दिया गया है।
- **होटल नीलाचल अशोक, पुरीः** राज्य सरकार के समक्ष जे वी कंपनी में आईटीडीसी की 98% की प्रदत्त इक्विटी पूँजी खरीदने की पेशकश की गई है। राज्य सरकार से उत्तर प्रतीक्षित है।
- **होटल अशोक, नई दिल्लीः** होटल अशोक के भूमि के पट्टे संबंधी शर्तों एवं निबंधनों, प्रचालन एवं रखरखाव/सब–लीजिंग और होटल सम्राट कॉम्प्लेक्स में खाली भूमि के उपयोग का अध्ययन करने के लिए डीआईपीएएम, वित्त मंत्रालय द्वारा दिनांक 14.01.2020 को मै. फीडबैक इन्फ्रा को लेनदेन संबंधी सलाहकार नियुक्त किया गया।
  - व्यवहार्यता रिपोर्ट में सुझाए गए मॉडलों पर हितधारकों/संभावित बिडर्स का पक्ष जानने के लिए दिनांक 22 अगस्त, 2022 को होटल अशोक में एक रोड शो किया गया। परामर्शदाता ने पुनर्विन्यास संबंधी प्रस्ताव के दो विकल्प तैयार किए हैं। चूंकि प्रमुख लक्ष्य होटल अशोक का उन्नयन और आधुनिकीकरण करना है इसलिए पार्सल 3 के सीमित विकास (होटल के व्यू और ग्रीन एरिया को बनाए रखना जोकि किसी पांच सितारा होटल का अनिवार्य हिस्सा होता है) के साथ पार्सल 3 को होटल अशोक के साथ जोड़ने और बाद में पार्सल 4 के विकास का कार्य शुरु किया गया है। इससे परियोजना को होटल के केंद्र में रखने और लिगेसी को बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

- भू–खंड (पिछले भाग में – वर्तमान संदर्भ में खंड 4) के निर्धारित हिस्से पर शेष निर्मित क्षेत्र के उपयोग को सीमित करते हुए होटल अशोक सहित 19 एकड़ के संपूर्ण भू–खंड की एक ब्लॉक के रूप में बोली लगाना।

- दिनांक 27.01.2023 को नीति आयोग के अधिकारियों के साथ सचिव (पर्यटन), भारत सरकार की बैठक आयोजित की गई जिसमें आईटीडीसी के अधिकारी भी शामिल थे और जिसमें पीपीपी एसी मोड की रूपरेखा पर चर्चा की गई। होटल भवन की शेष आयु की जांच करने हेतु विस्तृत संरचनात्मक विश्लेषण करने के लिए आईआईटी रुड़की को नियुक्त किया गया है। आईआईटी रुड़की की रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। आईआईटी रुड़की की रिपोर्ट के अनुसार, भवन को मरम्मत और रेट्रोफिटिंग की आवश्यकता है।
- **होटल जम्मू अशोक:** होटल जम्मू अशोक के लिए भूमि का पट्टा जो जनवरी 1970 में आईटीडीसी को 40 वर्षों की अवधि के लिए आवंटित किया गया था, जनवरी 2010 में समाप्त हो गया है। जम्मू–कश्मीर सरकार ने दिनांक 20.03.2020 के पत्र के माध्यम से पट्टा समझौते का नवीनीकरण नहीं किए जाने की सूचना दी है। तदनुसार, होटल जम्मू अशोक का प्रचालन 17.06.2020 को बंद कर दिया गया है। लीज डीड के खंड 3 (ii) के अनुसार मुआवजे के भुगतान के बाद होटल का कब्जा लेने के लिए इस मामले में राज्य सरकार से संपर्क किया गया था। दिनांक 09.02.2023 को होटल के हस्तांतरण संबंधी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डीआईपीएएम की सलाह के अनुसार, वैकल्पिक तंत्र (एएम) के लिए मसौदा नोट 29.08.2024 को पर्यटन मंत्रालय को भेजा गया था।

10.9.11 अशोक होटल समूह

द अशोक:

1956 में निर्मित द अशोक, जो आईटीडीसी का प्रमुख होटल है, नई दिल्ली के राजनयिक गलियारे में हरित क्षेत्र 25 एकड़ से अधिक भूमि में फैला है और राजधानी की सुपरिचित पहचान है। द अशोक में 160 सुइट्स के साथ 550 सुसज्जित कमरे हैं, जिनमें अशोक प्रेसिडेंशियल सुइट भी शामिल है, जिससे भव्यता की आभा झलकती है। इस होटल के पास प्रीमियम बैंकट सुविधाएं और बैंकट के अनेक स्थान उपलब्ध हैं।

अशोक होटल कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यक्रमों के लिए एक प्रमुख स्थल रहा है, जहाँ मेहमानों को ठहराया भी जाता है। इस वर्ष, होटल ने कई उल्लेखनीय कार्यक्रमों की मेजबानी की, जो नीचे सूचीबद्ध हैं:

- नई दिल्ली स्थित अशोक ने 71वीं मिस वर्ल्ड 2024 के उद्घाटन समारोह की मेजबानी की। 71वीं मिस वर्ल्ड 2024 की प्रतियोगियों के लिए होटल के विशाल लॉन में थीम आधारित रात्रिभोज का भी आयोजन किया गया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के दौरान, जब प्रतिनिधि दिल्ली में थे, तो सभी मिस वर्ल्ड प्रतियोगी अशोक में ही ठहरे।

- अशोक ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ, सा धन एसोसिएशन, ब्रिक्स और इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स एसोसिएशन (आईएफएटीसीए) जैसे उल्लेखनीय संगठनों के लिए कार्यक्रम आयोजित किए।
- होटल ने शिक्षा, युवा मामले और खेल, वित्त, कल्याण, संस्कृति, पर्यटन मंत्रालय, एनएचएआई, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान, फिक्की और अन्य सहित कई सरकारी मंत्रालयों के लिए सम्मेलनों की मेजबानी भी की।
- इस वर्ष, अशोक दिल्ली ऑफ्थलमोलॉजिकल सोसायटी और कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित सम्मेलनों का स्थल था।
- अशोक होटल ने प्रमुख खेल हस्तियों, शतरंज चैंपियन, हॉकी सितारों, पद्म पुरस्कार विजेताओं, राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं और एशियाई खेलों और पैरा–एशियाई खेलों के पूरे दल के लिए आवासीय मेज़बान के रूप में काम किया। होटल ने इन प्रतिष्ठित व्यक्तियों को असाधारण सेवाएँ प्रदान कीं, जिन्होंने अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से देश को बहुत गौरव दिलाया।

रेस्तरां में आयोजित विभिन्न कार्यकलाप/खाद्य महोत्सवः–

- द कॉफी शॉप में मिलेट कुजीन की नियमित प्रचार गतिविधि आयोजित की गई।
- केक शॉप में वेलेंटाइन डे सेलिब्रेशन, गिफ्ट हैम्पर्स और दिवाली हैम्पर्स, होली पर स्पेशल गुजिया, ईस्टर गुडीज आदि की बिक्री की गई।
- टीवी9 ने तीन दिवसीय मीडिया प्लेटफॉर्म का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न दलों के नेताओं और राजनेताओं ने भाग लिया।
- महिला दिवस समारोह और महिला दिवस के अवसर पर संगीत के माध्यम से स्वास्थ्य का भी इस वर्ष आयोजन किया गया।
- रमजान–उल–मुबारक, "खैबर की पेशकश" खाद्य प्रचार आयोजित किए गए, जिसमें प्रसिद्ध खाद्य ब्लॉगर्स और मीडिया हस्तियों को प्रचार के लिए आमंत्रित किया गया।
- खाद्य ब्लॉगर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के लिए विशेष नवरात्र थाली और क्रिसमस लंच प्रचार का आयोजन किया गया।
- संसाधनों से संबंधित प्रशिक्षण पर विशेष जोर देते हुए, बार टेंडर्स के लिए कैम्पारी ब्रांड विशेषज्ञों द्वारा शराब पर प्रशिक्षण सत्र, एफएंडबी कर्मचारियों के लिए फ्रेटेली ब्रांड के विशेषज्ञों द्वारा शराब प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।

सत्यमेव जयते

- शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को प्रोत्साहित करने के लिए 21 जून 2024 को पूरे उत्साह के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।
- 2024 के दौरान, द अशोक को अंतर्राष्ट्रीय बी2बी पर्यटन एक्सपो और कॉन्क्लेव में "दिल्ली में सर्वश्रेष्ठ एमआईसीई होटल" का पुरस्कार भी मिला।
- 25वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर, 21 जुलाई 2024 को द अशोक होटल से एक मोटर अभियान यानी मोटर रैली को हरी झंडी दिखाई गई, जिसका आयोजन कलिंगा मोटर स्पोर्ट्स क्लब द्वारा किया गया था।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह पर जागरूकता फैलाने के उपाय के रूप में ई–शपथ ली गई।

कमरों की बिक्री बढ़ाने के लिए, होटल ने अशोक स्टेकेशन पैकेज, अशोक वीकेंड पैकेज, अशोक हेरिटेज पैकेज और रिपब्लिक डे पैकेज सहित कई तरह के कमरे पैकेज लॉन्च किए, जिन्हें बाजार में खूब सराहा गया।

द अशोक किचन के शेफ अरुण कुमार और श्री महबूब आलम को हनोई, वियतनाम में 4 से 12 नवंबर 2024 तक हनोई में भारतीय दूतावास और शेरेटन होटल हनोई के सहयोग से भारतीय खाद्य महोत्सव आयोजित करने के लिए नामित किया गया था।

द अशोक के शेफ विक्रम शौकीन ने 17 अक्टूबर 2024 को हाल ही में आयोजित इंडियन कलिनरी फोरम एनुअल शेफ अवार्ड्स में प्रतिष्ठित "अनिल भंडारी शेफ ऑफ द ईयर" पुरस्कार जीता।

शेफ विक्रम शौकीन सितंबर 2024 में मुंबई में आयोजित बेटर किचन अवार्ड्स में "सॉस शेफ ऑफ द ईयर – नॉर्थ इंडिया" के विजेता भी रहे।

श्री. ओमवीर सिंह, हलवाई ने 17 अक्टूबर 2024 को हाल ही में आयोजित भारतीय पाक मंच वार्षिक शेफ अवार्ड्स में "मास्टर शेफ अवार्ड – भारतीय मिठाई खंड" जीता।

श्री रब्बी खान ने मार्च 2024 में पाक कला भारत – शेफ चैलेंज में "उत्तर भारतीय क्षेत्रीय व्यंजन" श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता।

श्री आशीष मंद्रवाल ने मार्च 2024 में पाक कला भारत – शेफ चैलेंज में "भारतीय बाजरा सेवरीज़" श्रेणी में कांस्य पदक जीता।

अशोक के लिए आईएसओ प्रमाणन ऑडिट प्रक्रियाधीन है और ऑडिट जनवरी के मध्य में आयोजित किया जाना है, जिसके बाद होटल अपने आईएसओ 22000:2018 प्रमाणन को तीन साल के लिए नवीनीकृत करेगा।

सत्यमेव जयते

होटल सम्राटः

होटल सम्राट जो दिल्ली के लैंडमार्क द अशोक के साथ सुंदर परिदृश्य वाले बाग के बीच स्थित है, फूलों से भरे आलिंद और खुले–हवाई आंगन के चारों ओर निर्मित एक सुंदर संरचना है। इसके 255 स्टैंडर्ड और डीलक्स कमरों में डबल और साथ ही क्वीन साइज के बेड हैं, जहां से मेहमानों की मांगों को पूरा करते हुए चारों ओर उद्यान के फव्वारे और पानी के चैनल दिखाई देते हैं।

कौटिल्य हॉल, चाणक्य हॉल, पूल साइड लॉन और अन्य जगहों का संयोजन होटल सम्राट को सम्मेलनों, प्रदर्शनियों और शादियों के लिए एक आदर्श स्थान बनाता है। इसमें लॉबी स्तर पर द एट्रियम दिल्ली – टी लाउंज भी शुरू किया गया है, जो अतिथियों को फव्वारों का एक मनोरम दृश्य प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, होटल ने अगस्त–सितंबर 2024 के दौरान अमृत उद्यान में एक फूड स्टॉल स्थापित किया है।

यह होटल विभिन्न मंत्रालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निजी कंपनियों और राज्य अतिथि गृहों द्वारा आयोजित अनेक उच्च स्तरीय सम्मेलनों और कार्यक्रमों की मेजबानी कर चुका है या उनसे संबद्ध रहा है, जिनमें पर्यटन मंत्रालय, रोटरी क्लब ऑफ इंडिया, बीएनआई, भारतीय नर्सिंग परिषद, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एनएचएआई, इंडिया रूस फाउंडेशन, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स, कोल इंडिया और अन्य शामिल हैं।

यह होटल विभिन्न सरकारी विभागों, मंत्रालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और राज्य भवनों के प्रतिष्ठित अतिथियों के लिए जिनमें, पद्म पुरस्कार विजेता, भारतीय सशस्त्र बलों, यूपीएससी, लोकसभा सचिवालय, आरआईएस, ओएनजीसी, स्वास्थ्य अनुसंधान एवं सूचना केंद्र, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, पीटीआई, डीआरडीओ, केवीआईसी, एनसीईआरटी, ललित कला अकादमी, एनएसडी, एनसीजीजी, कोल इंडिया सी–डैक, एफएसएसएआई, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, नेशनल फाउंडेशन फॉर इंडिया के अतिथि शामिल हैं, आवासीय मेज़बान रह चुका है।

यह होटल स्वादिष्ट पैक्ड भोजन प्रदान करता है जिसमें विभिन्न व्यंजनों की वेराइटी शामिल होती हैं और 5,500 से अधिक ऐसे पैक्ड भोजन बेचे गए जो सभी लोगों द्वारा पसंद किए गए और उनके बीच लोकप्रिय थे।

इस संपत्ति के निरंतर आधुनिकीकरण और उन्नयन की प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में; 48 अतिथि कक्षों और गलियारों, लॉबी और प्रवेश पोर्च का संपूर्ण नवीकरण पूरा हो गया है। 20+28 अतिरिक्त कमरों का नवीनीकरण कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा, नए 600 टीआर एसी संयंत्र के एसआईटीसी, आग का पता लगाने वाली बेहतर और अद्यतन प्रणालियां लगाई गई हैं। सभी शाफ्ट पाइपलाइनों को बदलने की प्रक्रिया चल रही है। आईएसओ की आवश्यकताओं के अनुसार मानकों को बनाए रखने के लिए नियमित रसोई उन्नयन किया जा रहा है।

सत्यमेव जयते

होटल कलिंग अशोकः

1980 से प्रचालनरत, होटल कलिंग अशोक आईटीडीसी का एक प्रसिद्ध होटल है जो 6 एकड़ भूमि में फैला हुआ है। भारत के सांस्कृतिक केंद्र, भुवनेश्वर, ओडिशा में स्थित यह होटल यात्रियों के लिए एक प्रमुख विकल्प है, जो आराम, सुविधा और सांस्कृतिक निकटता का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण प्रदान करता है। प्रमुख परिवहन केंद्रों– सड़क, रेल और हवाई मार्ग के निकट इसके रणनीतिक स्थान होने के साथ, यह अवकाश पर आने वाले और व्यावसायिक आगंतुकों दोनों के लिए एक आदर्श बेस है। प्रसिद्ध पर्यटक आकर्षणों से घिरा यह होटल घूमने और विश्राम के लिए एक आदर्श केंद्र है।

भुवनेश्वर के केन्द्र में स्थित, होटल कलिंग अशोक ओडिशा के कुछ सबसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तक आसान पहुंच प्रदान करता है। पवित्र शहर पुरी, जहाँ प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर और भारत का पहला ब्लू फ्लैग बीच है, यहाँ से बस कुछ ही दूरी पर है। इसी तरह, यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल कोणार्क का सूर्य मंदिर भी पास है। प्रकृति प्रेमी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी तटवर्ती लैगून चिल्का झील या अपने अनोखे पारिस्थितिकी तंत्र और सफ़ेद मगरमच्छों के लिए मशहूर भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान की सैर कर सकते हैं। इस क्षेत्र में दो प्रमुख बाघ अभयारण्य– सतकोसिया और सिमिलिपाल– के साथ–साथ पुतसिल और दरिंगबाड़ी जैसे सुंदर हिल स्टेशन और गोल्डन बीच, चंद्रभागा, गोपालपुर और चांदीपुर जैसे खूबसूरत समुद्र तट भी हैं।

भुवनेश्वर में, यह होटल बीजू पटनायक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से मात्र 3 किलोमीटर और भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन से 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। प्राचीन लिंगराज मंदिर (2 किमी), खंडगिरि और उदयगिरि की जैन गुफाएँ (9 किमी), और नंदनकानन प्राणी उद्यान (18 किमी), जिसमें प्रसिद्ध व्हाइट टाइगर सफ़ारी है, जैसे प्रमुख सांस्कृतिक स्थल सभी आसानी से पहुँच योग्य हैं।

होटल कलिंग अशोक अपने विशाल और सोच–समझकर बनाए गए अवसंरचना के लिए जाना जाता है। इसकी विशाल लॉबी और पर्याप्त पार्किंग, जो कि भुवनेश्वर के केंद्र में एक दुर्लभ लक्ज़री है, व्यक्तिगत यात्रियों और बड़े समूहों दोनों की जरूरतों को पूरा करती है। यह होटल अपनी प्रीमियम बैंक्वेट सुविधाओं के कारण सामाजिक और कॉर्पोरेट आयोजनों के लिए एक लोकप्रिय स्थल है। दो विशाल लॉन यानी कपिलाश और आंगन, जो क्रमशः 28,550 वर्ग फुट और 44,350 वर्ग फुट के हैं और क्रमशः 250 और 100 व्यक्तियों की क्षमता वाले दो बैंक्वेट हॉल अर्थात कोणार्क और उत्सव हैं, जो सभी आकार के कार्यक्रमों के लिए पर्याप्त स्थान प्रदान करते हैं।

इस होटल में 32 कक्ष और 04 लग्सरीयुक्त सुइट्स हैं, जो अतिथियों को आरामदायक स्टे प्रदान करते हैं। एक रेस्तरां–सह–बार यानी फूलबनी में, जिसकी क्षमता 60 अतिथि की है, भोजन करना एक बहतरीन अनुभव देता है और स्वादिष्ट व्यंजनों की एक विस्तृत विविधता प्रदान करता है। यह होटल बैठकों, प्रोत्साहनों, सम्मेलनों और प्रदर्शनियों (एमआईसीई) के लिए भी एक पसंदीदा स्थान है, जो सार्वजनिक और निजी दोनों संगठनों को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करता है।

सत्यमेव जयते

10/ प्रशासन एवं सूचना प्रौद्योगिकी

चक्रवात और कोविड जैसे चुनौतीपूर्ण समय के दौरान इस होटल ने अपनी सेवा और धैर्य के लिए भुवनेश्वर के लोगों से बहुत सम्मान पाया है। होटल कलिंग अशोक विश्व पर्यटन दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, नवरात्रि, रमजान–उल–मुबारक और दिवाली को बड़े उत्साह के साथ मनाता है।

हैदराबाद हाउसः

हैदराबाद हाउस ने भारत की स्वतंत्रता के बाद से विदेशी राष्ट्राध्यक्षों, सरकार के प्रमुखों और अन्य हस्तियों की मेज़बानी की है। यह तितली के आकार की इमारत शहर में महाराजाओं के लिए सभी शाही आवासों में सबसे प्रभावशाली थी। केंद्रीय गुंबद, चतुर्भुज उद्यान, गोलाकार फ़ोयर और सीढ़ी, मेहराब और ओबिलिस्क के साथ, हैदराबाद हाउस मुख्य रूप से यूरोपीय वास्तुकला सुविधाओं को मुगल रूपांकनों के साथ जोड़ता है। भारत पर्यटन विकास निगम 1974 से हैदराबाद हाउस (जो विदेश मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आता है) के प्रबंधन नियंत्रण को सफलतापूर्वक संभाल रहा है, जिसमें खानपान और रखरखाव सेवाएँ शामिल हैं।

हैदराबाद हाउस भारत सरकार के लिए राज्य आतिथ्य केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो माननीय उपराष्ट्रपति, माननीय प्रधान मंत्री, माननीय विदेश मंत्री और माननीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के लिए कार्यक्रमों की मेजबानी करता है। दिल्ली की सबसे प्रतिष्ठित इमारतों में से एक, हैदराबाद हाउस राजकीय भोज, विदेश कार्यालय परामर्श, द्विपक्षीय बैठकों और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी कार्यक्रमों का स्थल है। भारत की स्वतंत्रता के बाद से, इस प्रतिष्ठान को विश्व नेताओं, विदेशी राष्ट्राध्यक्षों, सरकार के प्रमुखों और अन्य प्रतिष्ठित हस्तियों की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है।

इन हाई–प्रोफाइल कार्यक्रमों के अलावा, हैदराबाद हाउस राज्य मंत्री, विदेश सचिव, प्रोटोकॉल प्रमुख और विदेश मंत्रालय के अन्य सचिवों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की भी मेजबानी करता है। जेएनबी, साउथ ब्लॉक और मंत्रियों के आवासों जैसे अन्य स्थानों पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, साथ ही भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय और साउथ ब्लॉक में आयोजित कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

इस वर्ष, आईटीडीसी ने विश्व नेताओं के लिए भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतिष्ठित कार्यक्रमों की व्यवस्था की है, जिनमें ग्रीस के माननीय प्रधानमंत्री, बांग्लादेश के माननीय प्रधानमंत्री, वियतनाम के माननीय प्रधानमंत्री, मलेशिया के माननीय प्रधानमंत्री, संयुक्त अरब अमीरात के प्रिंस, जमैका के माननीय प्रधानमंत्री, मालदीव के माननीय राष्ट्रपति, जर्मनी के संघीय गणराज्य के चांसलर, और श्रीलंका के माननीय राष्ट्रपति के साथ–साथ हैदराबाद हाउस और प्रधानमंत्री कार्यालय से संबद्ध अन्य प्रतिष्ठित स्थलों पर आने वाले प्रतिनिधिमंडल शामिल हैं।

विज्ञान भवनः

आईटीडीसी 1979 से विज्ञान भवन में एक प्रतिष्ठित वीवीआईपी खानपान इकाई का प्रबंधन कर रहा है। आईटीडीसी की इस खानपान इकाई ने कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संभाला है और उनमें से अधिकांश में माननीय राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, माननीय उप राष्ट्रपति, माननीय गृह मंत्री के साथ–साथ राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया था। यह बड़े गर्व की बात है कि विज्ञान भवन में प्रदान की जाने वाली सेवाओं को हमेशा सराहा गया है।

विज्ञान भवन कैटरिंग इकाई द्वारा कई महत्वपूर्ण सम्मेलन हैंडल किए गए और जिनमें से कुछ में भारत के माननीय राष्ट्रपति, भारत के माननीय प्रधान मंत्री माननीय उपराष्ट्रपति, माननीय गृह मंत्री, तथा राष्ट्राध्यक्ष ने भाग लिया; प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग, नाफेड, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, भारत मौसम विज्ञान विभाग, स्कोप, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, भारतीय विधि संस्थान, फिक्की, सामाजिक न्याय मंत्रालय, भारत निर्वाचन आयोग, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, राष्ट्रीय महिला आयोग, केंद्रीय जांच ब्यूरो, आसूचना ब्यूरो, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, भारतीय कंपनी सचिव संस्थान, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, फिल्म समारोह निदेशालय, पर्यटन मंत्रालय, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, वस्त्र मंत्रालय, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग आदि जैसे प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा इन सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

संसद भवन खानपान इकाईः

भारत की संसद द्वारा आईटीडीसी को उत्तरी रेलवे से खानपान संचालन अपने पास लेने हेतु अधिदेश दिया गया था। संसद भवन खानपान इकाई (पीएचसीयू) के नाम से एक नई इकाई स्थापित की गई और 16 नवंबर 2020 से इसका संचालन शुरू हो गया। पीएचसीयू संसद भवन एस्टेट की आवश्यकताओं को सफलतापूर्वक पूरा कर रहा है। पीएचसीयू को नए संसद भवन की बिल्डिंग के शुभारंभ से जुड़ने का सम्मान दिया गया। पीएचसीयू को विशेष रूप से नए संसद भवन में आतिथ्य सेवाएं प्रदान करने की जिम्मेदारी दी गई है। नए संसद भवन में 19 सितंबर, 2023 से बुलाए गए विशेष सत्र के साथ इसका संचालन शुरू हुआ।

पीएचसीयू राज्य सभा के माननीय सभापति, भारत के माननीय प्रधानमंत्री, लोक सभा के माननीय अध्यक्ष, राज्य सभा के माननीय उप सभापति, कैबिनेट मंत्रियों, प्रतिपक्ष के नेता, लोक सभा एवं राज्य सभा के सभी सांसदों, मेहमान विदेशी प्रतिनिधियों, लोक सभा एवं राज्य सभा के महासचिव तथा उच्च रैंक के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को संसद भवन के अंदर वीवीआईपी कैटरिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है।

संसद भवन संपदा (पीएचई) के अंदर और बाहर उच्चाधिकारियों के कार्यालयों से संबद्ध पैंट्रीज के अलावा असंख्य बैंक्वेट हॉल, समिति कक्षों में भी सेवाएं प्रदान की गईं। पीएचई में काम करने वाले लगभग 5000 व्यक्ति नियमित आधार पर पीएचसीयू, आईटीडीसी द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं।

सभी आईटीडीसी होटलों में स्थायी कार्य–पद्धतियों को बहुत महत्व दिया जाता है क्योंकि आतिथ्य उद्योग अपनी पर्यावरणीय और सामाजिक जिम्मेदारियों को पहचानता है और क्योंकि स्थायी कार्य–पद्धतियां न केवल पर्यावरण को लाभ पहुंचाती हैं, बल्कि लागत बचत में भी योगदान देती हैं और होटलों की समग्र प्रतिष्ठा में सुधार करती हैं। ऊर्जा कुशल प्रकाश व्यवस्था, कम प्रवाह वाले नल, लिनन रीसाइक्लिंग, न्यूनतम अपशिष्ट और रीसाइक्लिंग, स्थानीय उपज और एमएसएमई उत्पादों के माध्यम से सोर्सिंग, इनहाउस कंपोस्टिंग, हरित ईंधन अपनाना और अपशिष्ट उपचार संयंत्रों को स्थापित करना, वृक्षारोपण कई पद्धतियों में शामिल हैं।

आईटीडीसी को एक मजबूत ब्रांड नाम बनाने हेतु असाधारण सेवा प्रदान करने के लिए स्टाफ प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। सभी आईटीडीसी होटल और खानपान इकाइयां अपने कर्मचारियों को और कुशल बनाने के लिए व्यापक ऑन जॉब ट्रेकिंग (ओजेटी), इनहाउस और आउटसोर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करती हैं क्योंकि होटल कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवा की गुणवत्ता सीधे अतिथि की संतुष्टि को प्रभावित करती है, जिसने अशोक होटल समूह की सफलता और वित्तीय वृद्धि में योगदान दिया है।

उपर्युक्त के अलावा, सभी होटल और खानपान इकाइयों के पास सभी वैधानिक और सुरक्षा लाइसेंस तथा आईएसओ 22000: 2018 प्रमाण–पत्र है।

10.9.12 अशोक इवेंट्स

अशोक इवेंट्स अर्थात आईटीडीसी की कार्यनीतिक कारोबार इकाई एक अग्रणी इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी है जो कॉन्फ्रेंस, प्रदर्शनी, कार्यशाला / सेमिनार तथा अन्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय इवेंट हैंडल करती है। अशोक इवेंट्स की मुख्य दक्षता विभिन्न सेवाओं के लिए पेशेवर सम्मेलन आयोजक के रूप में वन स्टॉप समाधान उपलब्ध कराने की है। प्रभाग ने इवेंट मैनेजमेंट में बेहतरीन तरीके से अपना स्थान बनाया है और इसकी उत्कृष्ट विशेषज्ञता के कारण सरकारी मंत्रालय, विभाग, स्वायत्त निकाय और प्राधिकरण इसके प्रमुख ग्राहकों की सूची में शामिल हैं। अशोक इवेंट्स सम्मेलनों, कार्यशालाओं, गोष्ठियों, पुरस्कार समारोहों और राष्ट्रीय महत्व के अन्य कार्यक्रमों के आयोजन के लिए पर्यटन मंत्रालय की निर्दिष्ट एजेंसी है।

2024–25 (15 दिसंबर, 2024 तक) के दौरान अशोक इवेंट्स डिवीजन द्वारा आयोजित किए जाने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में निम्नलिखित शामिल हैं:–

- 16.04.2024 से 18.04.2024 तक अबू धाबी, यूएई में भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (आईआरईडीए) द्वारा आयोजित "विश्व भावी ऊर्जा शिखर सम्मेलन (डब्ल्यूएफईएस) के दौरान आईआरईडीए मंडप"।
- 21.04.2024 को भारत मंडपम, आईटीपीओ, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "तीर्थंकर भगवान श्री महावीर के 2550वें निर्वाण महोत्सव का स्मरणोत्सव" का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि – भारत के माननीय प्रधानमंत्री थे।

- 29.04.2024 को समिट रूम, भारत मंडपम, आईटीपीओ, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में सोसाइटी ऑफ इंडिया लॉ फर्म्स (एसआईएलएफ) द्वारा "एसआईएलएफ बिल्डिंग का उद्घाटन" का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि – भारत के माननीय उपराष्ट्रपति थे।
- 27.05.2024 से 28.05.2024 तक भारत मंडपम, आईटीपीओ, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में "स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण ब्रह्माकुमारीज" का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि – भारत के माननीय राष्ट्रपति थे।
- भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (आईआरईडीए) द्वारा म्यूनिख, जर्मनी में 19.06. 2024 से 21.06.2024 तक "इंटर सोलर यूरोप में आईआरईडीए मंडप का निर्माण" का आयोजन किया गया।
- सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा म्यूनिख, जर्मनी में 19.06.2024 से 21.06.2024 तक "इंटर सोलर यूरोप में एसईसीआई मंडप का निर्माण" का आयोजन किया गया।
- भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा भारत मंडपम, आईटीपीओ, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 21 से 31 जुलाई, 2024 तक "विश्व विरासत परिषद की बैठक" का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि – भारत के माननीय प्रधान मंत्री थे।
- 21 से 31 जुलाई, 2024 तक हॉल नंबरः 14, आईटीपीओ, नई दिल्ली में पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित "विश्व विरासत परिषद की बैठक" के अवसर पर पर्यटन मंत्रालय द्वारा "भारत प्रदर्शनी" का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथिः माननीय केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री, भारत सरकार थे।
- 13 अगस्त, 2024 को "हर घर तिरंगा" अभियान के प्रचार के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आईटीपीओ, प्रगति मैदान से मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम तक "बाइक रैली" का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि – भारत के माननीय उप राष्ट्रपति थे।
- नागर विमानन मंत्रालय द्वारा 10 से 12 सितंबर, 2024 तक अशोक होटल भारत मंडपम में "नागर विमानन पर दूसरा एशिया प्रशांत मंत्रिस्तरीय सम्मेलन" आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि, भारत के माननीय प्रधान मंत्री थे।
- आईटीपीओ, दिल्ली में 11 से 13 सितंबर, 2024 तक ग्रीन हाइड्रोजन सम्मेलन के दौरान इरेडा द्वारा "इरेडा मंडप" लगाया गया।

- महात्मा मंदिर सम्मेलन और प्रदर्शनी केंद्र, गांधीनगर, गुजरात में 16 से 18 सितंबर, 2024 तक पुनर्निवेश सम्मेलन और प्रदर्शनी के दौरान इरेडा द्वारा "इरेडा मंडप" लगाया गया।
- भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा 17–20 सितंबर, 2024 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में "8वां भारत जल सप्ताह" आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि, भारत के माननीय राष्ट्रपति थे।
- एमएसएमई मंत्रालय द्वारा 20 से 22 सितंबर, 2024 तक वर्धा, महाराष्ट्र में "पीएम विश्वकर्मा" प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि, भारत के माननीय प्रधान मंत्री थे।
- पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 27 सितंबर, 2024 को प्लेनरी हॉल, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "विश्व पर्यटन दिवस समारोह – 2024" का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि, भारत के माननीय उप राष्ट्रपति थे।
- एनईएचएचडीसी, उत्तर–पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 28 सितंबर से 6 अक्टूबर, 2024 तक राष्ट्रपति निलयम, हैदराबाद में "भारतीय कला महोत्सव" का आयोजन किया गया । मुख्य अतिथि, भारत के माननीय राष्ट्रपति थे।
- भारत मंडपम, नई दिल्ली में डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल द्वारा 30 सितंबर, 2024 को "अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान का 10वां दीक्षांत समारोह" का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि, भारत के माननीय राष्ट्रपति थे।
- काहिरा, मिस्र में 4 से 8 नवंबर, 2024 तक विश्व शहरी मंच – 2024 के दौरान आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय के तत्वावधान में हुडको द्वारा "भारत मंडप" का आयोजन किया गया।
- केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा 8 नवंबर, 2024 को प्लेनरी हॉल, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2024: राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति" का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथिः भारत के माननीय राष्ट्रपति थे।
- मैसूर, कर्नाटक में पर्यटन मंत्रालय द्वारा 8 से 10 नवंबर, 2024 तक "मैसूर संगीत सुगंध" का आयोजन किया गया।
- नीति आयोग द्वारा 12 से 14 नवंबर, 2024 तक भारत मंडपम, आईटीपीओ, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में "सतत विकास पर आठवां दक्षिण और दक्षिण पश्चिम एशिया उप क्षेत्रीय मंच" आयोजित किया गया।

सत्यमेव जयते

- पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 26 से 29 नवंबर, 2024 तक काजीरंगा, असम में "उत्तर–पूर्वी क्षेत्र के लिए 12वां अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट दृ 2024" आयोजित किया जाएगा। मुख्य अतिथि – माननीय केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री, भारत सरकार थे।
- गृह मंत्रालय द्वारा 3 दिसंबर, 2024 को चंडीगढ़ में आयोजित "नए आपराधिक कानूनों के सफल कार्यान्वयन का राष्ट्र को समर्पण"। मुख्य अतिथि – भारत के माननीय प्रधान मंत्री थे।
- नीति आयोग द्वारा 13 से 15 दिसंबर, 2024 तक आईसीएआर कॉम्प्लेक्स, पूसा, नई दिल्ली में "मुख्य सचिवों का चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन" आयोजित किया जाएगा। मुख्य अतिथि – भारत के माननीय प्रधान मंत्री थे।

10.9.13 अशोक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (एआईटी)

आईटीडीसी का अशोक इंटरनेशनल ट्रेड (एआईटी) प्रभाग अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को ड्यूटी फ्री शॉपिंग की सुविधाएं प्रदान करता है। आईटीडीसी सीपोर्ट के साथ साथ नए भारतीय अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर अपने ड्यूटी फ्री व्यवसाय को समेकित करने का प्रयास कर रहा है। आईटीडीसी के ड्यूटी फ्री आउटलेट भारत के तटीय शहरों के आसपास क्रूज पर्यटन सृजित करने के लिए भारत सरकार की योजनाओं के अनुरूप हैं। वर्तमान में, इस प्रभाग की 15 ड्यूटी फ्री दुकानें हैं जिनमे से कामराजर, कोलकाता, हल्दिया, चेन्नई, कांडला, मैंगलोर, विशाखापत्तनम, गोवा, पारादीप, काकीनाडा, कृष्णापटनम, कोचीन, वीओ चिदंबरनार और जेएनपीटी सीपोर्ट पर 14 ड्यूटी फ्री दुकानें हैं और एएआई के विशाखापत्तनम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक ड्यूटी फ्री दुकान, जिसे प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से हासिल किया गया था। ये ड्यूटी फ्री आउटलेट अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए आवश्यक सुविधा के रूप में काम करते हैं और क्रूज यात्री की संख्या को बढ़ाने के लिए भारत सरकार के विजन को भी मजबूत करते हैं।

एआईटीडी अच्छी बिक्री और लाभप्रदता बनाए हुए है और बंदरगाहों, अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों और यह यात्रा खुदरा स्थान के अन्य स्थानों पर उत्पन्न होने वाले नए व्यावसायिक अवसरों का ध्यान से अनुपालन करना भी जारी रखेगा और स्थायी ड्यूटी फ्री दुकानों के छूट संबंधी अधिकारों के लिए बोली लगायेगा।

10.9.14 अशोक ट्रैवल एंड टूर (एटीटी)

अशोक ट्रैवल्स एंड टूर्स (एटीटी), भारत सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र का आधिकारिक यात्रा साझेदार, आईटीडीसी का एक ट्रैवल विंग है, यात्रा और पर्यटन उद्योग में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 05 शहरों यानी दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलूरू और हैदराबाद में अपनी उपस्थिति के साथ एटीटी हवाई टिकट और परिवहन से लेकर कार्गो लॉजिस्टिक्स और संगठित पर्यटन तक यात्रा से संबंधित सेवाओं की एक विविध श्रृंखला प्रदान करता है।

सत्यमेव जयते

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

1. **सरकारी और सार्वजनिक उपक्रमों के बीच सहयोगः** एटीटी वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के निर्देशों के अनुसार भारत सरकार और उसके विभिन्न मंत्रालयों और सार्वजनिक उपक्रमों को एयरलाइन टिकटिंग सेवाएँ प्रदान करने के लिए अधिकृत ट्रैवल एजेंटों (एटीए) में से एक है। हवाई टिकटिंग के अलावा, एटीटी लोकसभा सचिवालय को वाहन उपलब्ध कराना जारी रख रहा है।

2. **सीएपीएफ के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू):** अप्रैल 2024 में, एटीटी ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) को निश्चित एयरलाइन किराया प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसमें आईटीबीपी, एनएसजी, एआर, बीएसएफ, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और एनडीआरएफ शामिल हैं।

3. **ओलंपिक 2024 के लिए भारतीय दल की विदाईः** अशोक ट्रैवल्स एंड टूर्स को ओलंपिक 2024 के लिए भारतीय दल की विदाई समारोह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का सम्मान मिला। एटीटी भारतीय टीम की पेरिस यात्रा के लिए आधिकारिक यात्रा साझेदार था, जिसने उनकी यात्रा व्यवस्था को संभाला और एथलीटों और उनकी सहायक टीमों के लिए निर्बाध परिवहन सुनिश्चित किया।

4. **हवाई टिकटिंग और यात्रा प्रबंधनः** एटीटी ने विभिन्न सरकारी विभागों और आयोजनों में अपनी अद्वितीय हवाई टिकटिंग सेवाएं प्रदान करना जारी रखा, जिसमें प्रमुख बुकिंग शामिल हैं

   - कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (एएसआरबी), राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) और राष्ट्रीय स्वास्थ्य विज्ञान अनुसंधान केंद्र (एनएचएसआरसी) के लिए हवाई टिकटिंग।
   - अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट 2024 (आईटीएम 2024) के लिए पर्यटन विभाग (डीओटी) की घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों हवाई बुकिंग को संभाला।
   - आईटीएम 2024 के हिस्से के रूप में दिल्ली से डिब्रूगढ़ की यात्रा करने वाले प्रतिनिधियों के लिए एयर इंडिया के साथ 180 सीटर चार्टर विमान का प्रबंध किया।

5. **परिवहन और होटल बुकिंग सेवाएँः** एटीटी निम्नलिखित के लिए अपनी सेवाएँ प्रदान करता हैः–

   - स्वतंत्रता दिवस समारोह (2024): नीति आयोग के लिए अगस्त 2024 में होटल बुकिंग। इसके अतिरिक्त, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए अगस्त में संस्कृति मंत्रालय के लिए 91 कोचों की व्यवस्था की गई।

- **जल सप्ताह (2024):** भारत जल सप्ताह के अवसर पर सितंबर 2024 में जल संसाधन मंत्रालय के लिए वाहन।
- **एसएआई कार्यक्रम (2024):** अक्टूबर 2024 में, एटीटी ने अशोक बैंक्वेट में भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया।
- नवंबर 2024 में, एटीटी ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के लिए 66 इनोवा क्रिस्टा वाहन प्रदान किए।
- नवंबर 2024 में पर्यटन मंत्रालय (एमओटी) के लिए 39 कारों और 4 वोल्वो बसों के बेड़े के साथ परिवहन सेवाओं की व्यवस्था की गई।
- उत्कल केसरी, डॉ. हरेकृष्ण मेहताब की 125वीं जयंती समारोह के लिए नवंबर 2024 में 49 कोचों की व्यवस्था की गई।

10.9.15 कॉर्पोरेट विपणन और जनसंपर्क प्रभाग

आईटीडीसी की कॉर्पोरेट विपणन और जनसंपर्क (पब्लिक रिलेशंस) टीम ने आईटीडीसी का शुभंकर और टैगलाइन लॉन्च किया है और कॉर्पोरेट छवि और ब्रांड इक्विटी को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। आईटीडीसी की डिजिटल विपणन कार्यनीति के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में, हमने अपनी कंपनी की दृश्यता को बढ़ाने के लिए Facebook, X, Instagram सहित प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग किया है। ये ऑनलाइन प्रचार अभियान प्रत्येक स्तर पर आईटीडीसी के आयोजनों को व्यापक रूप से कवर करते हैं। इन अभियानों में विशेष रूप से त्योहारों के मौसम के दौरान बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन, प्रदर्शनियां, विवाह, अन्य कार्यक्रम, होटल और रेस्तरां पैकेजों के लिए प्रचार जैसे विशिष्ट प्रस्ताव भी शामिल होते हैं।

इस प्रभाग ने एक विस्तृत विपणन योजना लागू की है, जिसके अंतर्गत आईटीडीसी के प्रत्येक वाणिज्यिक क्षेत्र, विशेषकर, द अशोक और होटल सम्राट पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसमें फूड ब्लॉगर्स को आमंत्रित करना, तथा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों और प्रिंट मीडिया में उनकी समीक्षाओं का प्रचार–प्रसार करना शामिल है। विभिन्न सर्च इंजनों पर आईटीडीसी वेबसाइट की दृश्यता बढ़ाने के लिए विभिन्न विशिष्ट कीवर्ड का उपयोग किया गया है।

आईटीडीसी में जनसंपर्क प्रभाग ने रणनीतिक संचार के माध्यम से और सीएसआर गतिविधियों के तहत बड़े कदम उठाते हुए आईटीडीसी ब्रांड की छवि को आकार देने और सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। व्यापक जानकारी का प्रसार करने के लिए प्रिंट और डिजिटल दोनों प्रारूपों में व्यापार पत्रिकाओं और जर्नलों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया गया है। पीआर प्रभाग के प्रयास सोशल मीडिया से किए जाने वाले प्रचार गतिविधियों के साथ संबद्ध हैं।

10.9.16 अशोक परामर्श और अभियांत्रिकी सेवाएं

अशोक परामर्श और अभियांत्रिकी सेवाएं जो आईटीडीसी का एक प्रमुख प्रभाग है, पर्यटन मंत्रालय, राज्य पर्यटन विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि के लिए पर्यटन अवसंरचना परियोजनाओं, एसईएल शो और प्रकाश व्यवस्था संबंधी कार्यों की अवधारणा से लेकर कार्य शुरू करने और आईटीडीसी संपत्तियों के उन्नयन और नवीकरण की सुविधा प्रदान करता है।

इस प्रभाग को पर्यटन अवसंरचना विकास के कार्यों, व्यवहार्यता रिपोर्ट से संबंधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने में और पर्यटन मंत्रालय, विभिन्न राज्य सरकारों को परामर्श सेवाएं प्रदान करने में विशेषज्ञता हासिल है। इसमें अनुभवी इंजीनियरों और वास्तुकारों की एक टीम है जो पर्यटन अवसंरचना के विकास में अत्यन्त निपुण हैं। इस प्रभाग ने 111 से अधिक पर्यटन अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन किया है और पर्यटन क्षेत्र में अब तक 107 से अधिक विस्तृत परियोजना रिपोर्टें तैयार की हैं।

वर्तमान में, यह प्रभाग नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में एसईएल शो का आयोजन कर रहा है, जिसके लिए पर्यटन मंत्रालय द्वारा 47.12 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है और सीएफए योजना के तहत पर्यटन मंत्रालय द्वारा नवल सागर झील, बूंदी (राजस्थान) में म्यूजिकल फाउंटेन एवं वाटर स्क्रीन मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन शो के लिए 9.25 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है। इसके अलावा, स्वदेश दर्शन योजना के तहत पर्यटन मंत्रालय द्वारा मंजूर की गई परियोजना "केरल में श्री नारायण गुरु आध्यात्मिक परिपथ के लिए पर्यटन अवसंरचना परियोजना" का क्रियान्वयन भी प्रगति पर है और अरुविप्पुरम, कुनुमपारा और चेम्पाजंथी में कार्य पूरे हो चुके हैं।

यह प्रभाग प्रतिष्ठित एसईएल शो का भी संचालन कर रहा है, जिसमें लेह पैलेस और कारगिल (लद्दाख), सरखेज रोजा (अहमदाबाद), उदयगिरि–खंडगिरि गुफाएं (भुवनेश्वर) और पुराना किला (नई दिल्ली) में मल्टीमीडिया परियोजनाएं शामिल हैं। हाल ही में प्रभाग ने विभिन्न राज्यों में महत्वपूर्ण केन्द्रीय संरक्षित स्मारकों के प्रकाश के लिए 47.01 करोड़ रुपये की लागत की नौ विस्तृत परियोजना रिपोर्टें अनुमोदन के लिए पर्यटन मंत्रालय को प्रस्तुत की हैं।

10.9.17 पर्यावरण प्रबंधन पहल

आईटीडीसी ने अपनी अधिकांश यूनिटों में ऊर्जा संरक्षण के अन्य उपायों के साथ–साथ ईटीपी, वर्षा जल संचय प्रणाली, सौर ऊर्जा आदि जैसे विभिन्न पर्यावरण हितैषी उपायों को अपनाया है। सतत अपशिष्ट जल शोधन के लिए आईटीडीसी की सभी संपत्तियों में एसटीपी/ईटीपी इंस्टाल किए गए हैं। द अशोक/सम्राट होटल की क्षमता 1 एमएलडी एसटीपी की है और होटल कलिंग अशोक, भुवनेश्वर में एसटीपी/ईटीपी की क्षमता 30 केएलडी की है।

पर्यावरण के लिए खतरनाक और हानिकारक कचरे को कम करने के लिए होटल अशोक और सम्राट में जैविक अपशिष्ट परिवर्तक भी स्थापित किया गया है। ऊर्जा की बचत करने के

लिए अशोक होटल, नई दिल्ली और होटल कलिंग अशोक, भुवनेश्वर में सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम लगाया गया है। इसके अलावा, होटल कलिंग अशोक द्वारा अपने परिसर में स्टैंड अलोन सोलर स्ट्रीट लाइटें भी लगाई गई हैं।

आईटीडीसी की पर्यावरणीय एवं सामाजिक जोखिम प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता उसे बेंचमार्क के रूप में दी गई मान्यता दर्शाती है। अशोक होटल, नई दिल्ली 2017 से और होटल सम्राट फरवरी 2024 से यूएस ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल के तहत एलईईडी गोल्ड प्रमाणित होटल है।

10.9.18 अशोक आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंधन संस्थान

अशोक आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंध संस्थान (एआईएचएंडटीएम) भारत पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के मानव संसाधन प्रभाग का आतिथ्य प्रशिक्षण संस्थान है। यह संस्थान 2 परिसरों में फैला है, जिनमें एक होटल सम्राट, उत्कृष्टता केंद्र, नई दिल्ली में और दूसरा कुतुब कैम्पस, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली में है। यह संस्थान आईटीडीसी के कर्मचारियों के इन–हाउस प्रशिक्षण के लिए वर्ष 1971 में अस्तित्व में आया था। यह संस्थान विभिन्न डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स के साथ–साथ आतिथ्य के क्षेत्र में पर्यटन मंत्रालय के कौशल विकास पाठ्यक्रम की पेशकश कर रहा है।

एआईएचएंडटीएम निम्नलिखित कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों का भी संचालन करता है:

- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी (एनसीएचएमसीटी), नोएडा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से बीएससी (होटल एंड हॉस्पिटैलिटी एडमिनिस्ट्रेशन)।
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली से खाद्य उत्पादन में बी.वोक.।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय के राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) के साथ संयुक्त रूप से खाद्य उत्पादन प्रबंधन और बेकरी एवं कन्फेक्शनरी में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम।
- देश के विभिन्न व्यावसायिक आतिथ्य संस्थानों से औद्योगिक प्रशिक्षुओं को ऑन–द–जॉब प्रशिक्षण।
- विभिन्न सरकारी विभागों/संस्थाओं के लिए अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- कौशल विकास मंत्रालय के तहत प्रशिक्षुता प्रशिक्षण उद्यमिता (आरडीएटी), प्रशिक्षुओं का साक्षात्कार और चयन भी एआईएचएंडटीएम द्वारा किया जाता है।
- पर्यटन मंत्रालय के हुनर से रोजगार (एचएसआर) और कौशल परीक्षण और प्रमाणन (एसटीसी) उद्यमिता कार्यक्रम (ईपी) कार्यक्रम।

- पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, एआईएच एंड टीएम के सीबीएसपी कार्यक्रम (सेवा प्रदाता के लिए क्षमता निर्माण) के अंतर्गत, आईटीडीसी के मानव संसाधन विकास प्रभाग ने हितधारकों के जागरूकता कार्यक्रम (एसएपी के तहत पर्यटन मंत्रालय द्वारा पूर्णतः प्रायोजित) के अंतर्गत टैक्सी/कैब/कोच चालकों का प्रशिक्षण आयोजित किया।
- दिसंबर 2024 में आईटीडीसी होटलों में नए शामिल हुए सहायक प्रबंधकों के समूहों का परिचय और अभिविन्यास मूल्यांकन।
- जुलाई 2024 में आईटीडीसी होटलों में नए शामिल हुए पर्यवेक्षकों के लिए परिचय कार्यक्रम।
- 34 उम्मीदवारों के लिए चार रविवार यानी दिनांक 28.04.24 से 19.05.2024 तक राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 20 से 31 जुलाई 2024 तक भारत मंडपम में यूनेस्को विश्व विरासत परिषद सम्मेलन में भाग लिया। संस्थान के छात्रों को आईटीसी होटल्स के साथ पूरे कार्यक्रम के लिए खाद्य और पेय पदार्थ की व्यवस्था के लिए आउटसोर्स किया गया था। संस्थान ने संचालन के परिणामस्वरूप एक महत्वपूर्ण निवल लाभ की जानकारी दी है।
- विधायकों के साथ हर घर तिरंगा अभियान में भाग लिया, जिसमें एआईएचटी एंड एम ने प्रचारकों को भोजन (मात्रा – 2700 पैक्स) प्रदान किया।
- थर्ड वेव कॉफी द्वारा कॉफी जैसे व्यापार–विशिष्ट विषयों पर कार्यशाला आयोजित की गई।
- स्वतंत्रता दिवस, दिवाली और क्रिसमस के लिए छात्र आतिथ्य संचालन के सभी पहलुओं को शामिल करते हुए थीम लंच का प्रबंधन और आयोजन करते हैं।
- प्रसिद्ध आतिथ्य और पाककला विशेषज्ञों द्वारा आतिथ्य के प्रासंगिक विषयों पर वास्तविक और ऑनलाइन मोड में अतिथि व्याख्यान। सितंबर 2024 में शेफ अतुल कोचर द्वारा आयोजित 'पाक उद्यमिता और व्यावसायिक कार्यनीतियाँ' में छात्र शामिल हुए।
- विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस में भागीदारी।
- संचालन पदों के साथ–साथ मुख्य रूप से प्रबंधन पदों पर आतिथ्य, खुदरा और सुविधा प्रबंधन उद्यमों की ओर छात्रों के चयन की दिशा में प्लेसमेंट आयोजित किया गया।
- विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए छात्रों द्वारा आयोजित डीपीपीएच, प्रशाद और सीबीएसपी योजनाओं के तहत पर्यटन मंत्रालय के एसएपी कार्यक्रमों में भागीदारी।

- इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए परिसर के अंदर और बाहर दोनों जगह प्रतियोगिताएं, सेमिनार, कार्यशालाएं और नुक्कड़ नाटक किए जाते हैं।
- उपरोक्त के अलावा, संस्थान अपने कर्मचारियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है। संस्थान वर्ष के दौरान निगम के कर्मचारियों के लिए सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान निविदा प्रक्रिया, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, प्रशिक्षण कक्षाएं और विक्रेता कार्यशालाओं पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

10.9.19 कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)

वित्त वर्ष 2023–24 के लिए निर्धारित व्यय 44.32 लाख रुपये का था, तथापि कुल व्यय 46.51 लाख रुपये का हुआ। बोर्ड के अनुमोदन के अनुसार,आईटीडीसी बोर्ड ने उत्तर प्रदेश और मेघालय में आकांक्षी जिले में अस्पताल को बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस देने का निर्णय लिया है। प्रक्रियागत देरी और आम चुनाव 2024 के कारण आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण, एम्बुलेंसों को 31.07.2024 तक आकांक्षी जिलों के अस्पतालों में पहुंचाया जा सका और तदनुसार बोर्ड की मंजूरी से परियोजना की समय सीमा को वित्तीय वर्ष से आगे बढ़ा दिया गया। हालाँकि, अप्रयुक्त सीएसआर राशि को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 (6) के अनुसार एक अनुसूचित बैंक में जमा कर दिया गया था।

आईटीडीसी हर समय सामाजिक, आर्थिक और स्थायी तरीके से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह उन परियोजनाओं में निवेश करना जारी रखेगा जो पर्यावरणीय स्थिरता की ओर ले जाती हैं। आईटीडीसी उन वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करेगा जो उपभोक्ताओं और पर्यावरण के लिए सुरक्षित और स्वस्थ हैं।

10.9.20 मानव संसाधन प्रबंधन

वर्ष 2023–24 (01.12.2024 तक) के लिए आईटीडीसी की कुल जनशक्ति 439 है जिसमें 154 कार्यकारी और 285 गैर–एक्जीक्यूटिव शामिल हैं। इसमें अनुसूचित जाति के 111, अनुसूचित जनजाति के 10 और अन्य पिछड़ा वर्ग के 49 कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा, कुल जनशक्ति संख्या में से 63 महिला कर्मचारी हैं।

आईटीडीसी में समग्र औद्योगिक संबंध की स्थिति सामंजस्यपूर्ण और सौहार्दपूर्ण बनी रही है।

सत्यमेव जयते

10/ प्रशासन एवं सूचना प्रौद्योगिकी

10.9.21 सूचना प्रौद्योगिकी पहल

क्लाउड सर्वर पर टैली को क्रियान्वित किया गया। वेबएक्स वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को क्रियान्वित किया गया। पीएमएस पोर्टल के साथ टैली को एकीकृत करना शुरु किया गया है। ड्यूटी फ्री शॉप, विशाखापत्तनम के लिए नया सॉफ्टवेयर क्रियान्वित किया गया। अशोक और सम्राट होटलों में वाई–फाई सेवाएं प्रदान करने के लिए नई वाई–फाई निविदा की गई। मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली को उन्नत किया गया है।

बैकवाटर, आलप्पुझा, केरल

सत्यमेव जयते

पर्यटन मंत्रालय

भारत सरकार

अतुल्य!भारत

@tourismgoi @tourismgoi ministryoftourismgoi tourism.gov.in